प्रसार भारती

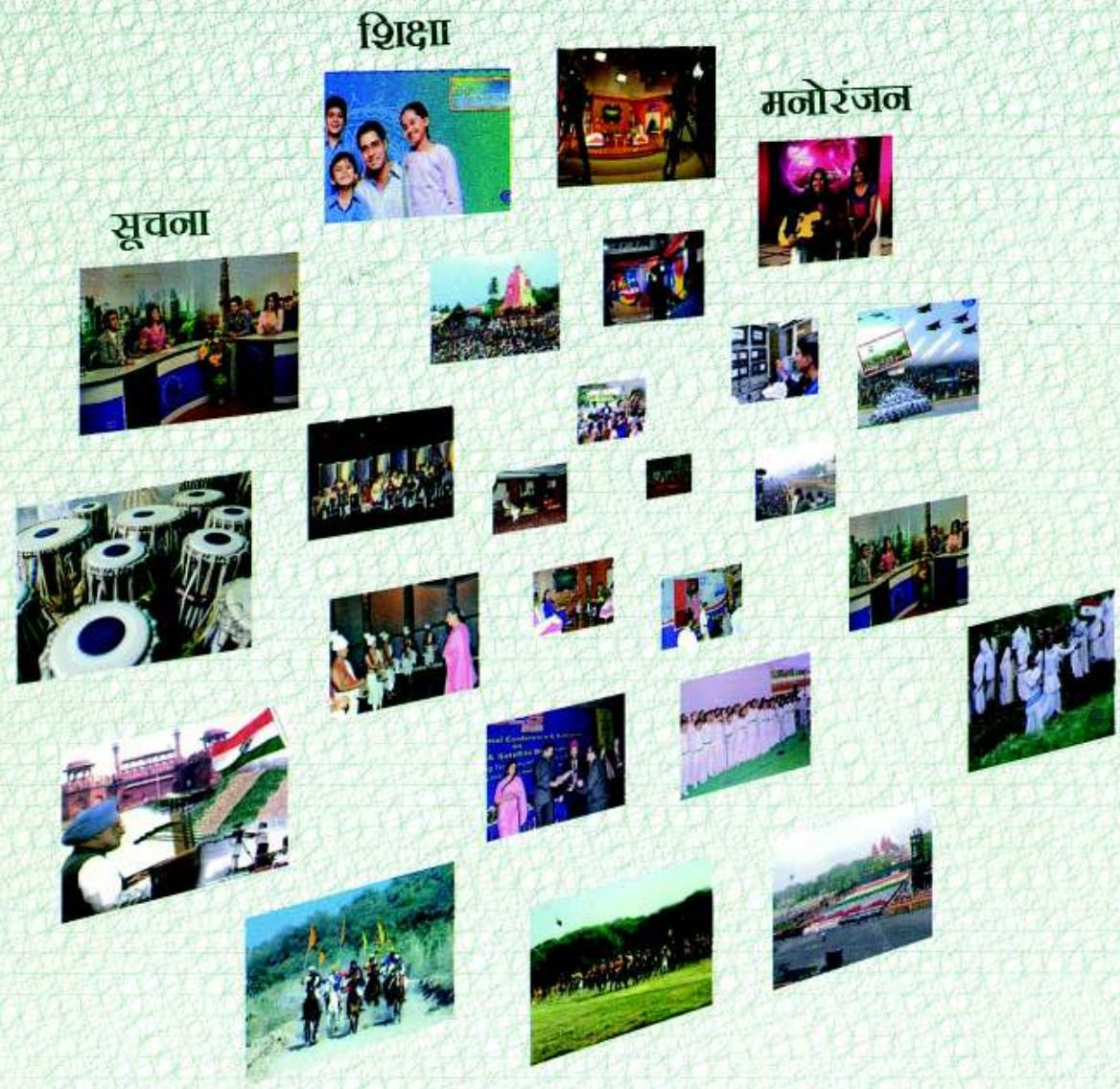

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

वार्षिक रिपोर्ट 2009-10

PRASARBHARATIBOARD

श्रीमती मृणाल पाण्डे
(23-1-10 से)
अध्यक्ष

श्री बी. एस. लाली
मुख्य कार्यकारी
अधिकारी

श्री ए. के. जैन
सदस्य (वित्त)

श्री व्ही. शिवकुमार
सदस्य (कार्मिक)

डा. सुनील कपूर
अंशकालिक सदस्य

श्री जॉर्ज वर्गिस
अंशकालिक सदस्य

ले. जन. (सेवानिवृत्त)
उत्पल भट्टाचार्य
अंशकालिक सदस्य

श्रीमती ममता शंकर
अंशकालिक सदस्य
(दिसंबर 2009 तक)

श्री आर. एन. बिसारिया
अंशकालिक सदस्य
(22.11.2009 तक)

श्री सुनील डंग
अंशकालिक सदस्य
(22.11.2009 तक)

श्री मुजफ्फर अली
अंशकालिक सदस्य
(2.1.2010 से)

श्री सुमन दुबे
अंशकालिक सदस्य
(27.01.2010 से)

श्री उदय कुमार वर्मा
अपर सचिव
नामांकित सदस्य

श्रीमती अरूणा शर्मा
महानिदेशक दूरदर्शन
पदेन सदस्य

श्रीमती नोरीन नक़्वी
महानिदेशक आकाशवाणी
पदेन सदस्य

विषय सूची

अध्याय 1

प्रसार भारती - निगम 5-9

अध्याय 2

प्रसार भारती लोक प्रसारक 10-12

अध्याय 3

वर्ष पर एक नजर 13-85

अध्याय 4

चैनल और कार्यक्रम 86-152

अध्याय 5

प्रसार भारती - वित्त लेखे 153-154

लेखा विवरणियां 155-181

प्रसार भारती
वार्षिक रिपोर्ट
2009-10

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)

आकाशवाणी

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

प्रसार भारती
सचिवालय
दूसरा तल, पी.टी.आई भवन
संसद मार्ग, नई दिल्ली 110 001

आकाशवाणी
महानिदेशालय
आकाशवाणी भवन,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110 001

दूरदर्शन
महानिदेशालय
दूरदर्शन भवन,
कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली-110 001

अध्याय–1
प्रसार भारती – निगम

1.1. परिचयः

प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया) देश का लोक सेवा प्रसारक है, जिसके आकाशवाणी और दूरदर्शन दो भाग हैं। यह 23 नवंबर, 1997 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना, आम जनता को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

1.2 उद्देश्यः

प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए, प्रसार भारती के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:–

i) देश की अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।

ii) राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।

iii) सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।.

iv) शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना।

v) महिलाओं से संबंधित मामलों में जागरूकता उत्पन्न करना, तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।

vi) विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा और खेलकूद तथा युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।

vii) सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।

viii) प्रसारण सुविधाओं का विस्तार करना तथा प्रसारण प्रौद्योगिकी के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।

प्रसार भारती बोर्ड

निगम का प्रशासन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा चलाया जाता है, जिसमें एक अध्यक्ष, एक कार्यकारी सदस्य (जो मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नाम से भी जाना जाता है) एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छः अंश–कालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा पदेन सदस्यों के रूप में आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सम्मिलित हैं। इसके अध्यक्ष एक अंश–कालिक सदस्य हैं जिनका कार्यकाल तीन वर्षों का होता है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 5 वर्षों का अथवा 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक होता है, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) पूर्ण–कालिक सदस्य के रूप में छः वर्ष की अवधि अथवा बासठ वर्ष की आयु पूरी होने तक कार्य करते हैं।

प्रसार भारती बोर्ड की वर्ष में कम से कम 6 बैठकें होती हैं।

बोर्ड के सदस्यगण

इस अवधि के दौरान प्रसार भारती बोर्ड का गठन निम्न प्रकार था:

1. श्री अरूण भटनागर (दिसंबर 2009 तक) श्रीमती मृणाल पाण्डे (23.01.2010 से)	अध्यक्ष
2. श्री बी. एस. लाली	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
3. श्री ए0 के0 जैन	सदस्य (वित्त)
4. श्री व्ही0 शिवकुमार	सदस्य (कार्मिक)
5. डा. सुनील कपूर	अंशकालिक सदस्य
6. श्री जॉर्ज वर्गिस	अंश कालिक सदस्य
7. ले0 जन0 (सेवानिवृत्त) उत्पल भट्टाचार्य	अंश कालिक सदस्य
8. श्रीमती ममता शंकर (दिसंबर 2009 तक)	अंश कालिक सदस्य
9. श्री आर0 एन0 बिसारिया (22.11.2009 तक)	अंश कालिक सदस्य
10. श्री सुनील डंग (22.11.2009 तक)	अंश कालिक सदस्य
11. श्री मुजफ्फर अली (21.01.2010 से)	अंश कालिक सदस्य
12. श्री सुमन दुबे (27.01.2010 से)	अंश कालिक सदस्य
13. श्री उदय कुमार वर्मा अपर सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय	नामांकित सदस्य
14. डा० अरूणा शर्मा, महानिदेशक, दूरदर्शन	पदेन सदस्य
15. सुश्री नोरीन नक़्वी, महानिदेशक, आकाशवाणी	पदेन सदस्य

संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड शीर्ष स्तर पर कार्य करते हुए संगठन की नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन और प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए जनादेश का पालन सुनिश्चित करता है। कार्यकारी सदस्य, निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करता है। प्रसार भारती सचिवालय में कार्यरत विभिन्न विषयों से संबंधित अधिकारी कार्यों, संचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन को संघटित करने में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) को सहयोग देते हैं, साथ ही वे निगम के बजट, लेखा और सामान्य वित्तीय मामलों की देख–रेख करते हैं।

मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै, बंगलौर, जलंधर और हैदराबाद में स्थित प्रसार भारती विपणन कार्यालय आकाशवाणी एवं दूरदर्शन दोनों की विपणन संबंधी गतिविधियों की देख–रेख करते हैं।

प्रसार भारती मुख्यालय में एकीकृत सतर्कता व्यवस्था भी है, जिसके प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी हैं।

आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय दोनों के प्रमुख, महानिदेशक हैं।

आकाशवाणी

महानिदेशक आकाशवाणी, आकाशवाणी नेटवर्क के संपूर्ण प्रशासन के प्रति उत्तरदायी हैं। इस नेटवर्क में दिनांक 01.04.2010 की स्थिति के अनुसार 234 आकाशवाणी केंद्र और 376 प्रसारण ट्रांसमीटर हैं जिसमें से 149 मीडियम वेव, 173 एफएम (फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन) और 54 शॉर्ट वेव ट्रांसमिटर हैं। निम्नलिखित अधिकारी कर्तव्यों के निर्वहन में महानिदेशक की सहायता करते हैं:–

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी मुख्यालय में महानिदेशक की सहायता उपमहानिदेशक और केंद्रों की देख–रेख व उत्तम पर्यवेक्षण के लिए क्षेत्रों के उपमहानिदेशक करते हैं। क्षेत्रीय उपमहानिदेशकों के मुख्यालय भुवनेश्वर (पू.क्षे.– I), कोलकाता (पू.क्षे.– II), मुंबई (प.क्षे.– I, प.क्षे.– II), लखनऊ (म.क्षे.– I), भोपाल (म.क्षे.– II) और गुवाहाटी (उ.पू.क्षे.– I), आइज़ॉल (उ.पू.क्षे.– II), चेन्नै (द.क्षे.– I), बेंगलुरू (द.क्षे.– II), चंडीगढ़ (उ. क्षे.– I), दिल्ली (उ.क्षे.– II) में स्थित हैं।

अभियांत्रिकी स्कंध

आकाशवाणी के तकनीकी मामलों में मुख्यालय में तैनात प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता, क्षेत्रीय मुख्य अभियंता महानिदेशक की सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त, आकाशवाणी की विकास योजनाओं में महानिदेशक की सहायता करने के लिए आकाशवाणी मुख्यालय में एक योजना एवं विकास यूनिट है। सिविल निर्माण गतिविधियों के संबंध में महानिदेशक की सहायतार्थ सिविल निर्माण स्कंध है जिसके प्रमुख मुख्य अभियंता हैं। सी सी डब्ल्यू दूरदर्शन की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

प्रशासनिक स्कंध

सभी प्रशासनिक मामलों में उपमहानिदेशक (प्रशासन) और कार्यक्रम कार्मिकों के प्रशासनिक मामलों में उपमहानिदेशक (कार्यक्रम), महानिदेशक की सहायता करते हैं। आकाशवाणी के इंजीनियरिंग प्रशासन को एक निदेशक देखता है जबकि प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में निदेशक (प्रशासन एवं वित्त) महानिदेशक की सहायता करते हैं।

सुरक्षा स्कंध

आकाशवाणी की संस्थापनाओं, ट्रांसमिटरों, स्टुडियो कार्यालयों आदि की सुरक्षा से जुड़े मामलों में उपमहानिदेशक (सुरक्षा), सहायक महानिदेशक (सुरक्षा) एवं उपनिदेशक (सुरक्षा) महानिदेशक को सहयोग देते हैं। दूरदर्शन की सुरक्षा आवश्यकताओं की देख–रेख भी इन्हीं अधिकारियों द्वारा की जाती है।

श्रोता अनुसंधान स्कंध

आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों पर श्रोता अनुसंधान सर्वेक्षण करने में, महानिदेशक की सहायता श्रोता अनुसंधान का निदेशक करता है।

आकाशवाणी के अधीनस्थ कार्यालयों की संक्षिप्त गतिविधियां

आकाशवाणी के कई अधीनस्थ कार्यालय हैं, जो कि विशिष्ट कार्य करते हैं। उनकी वृहद् गतिविधियों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार हैं :–

समाचार सेवा प्रभाग

समाचार सेवा प्रभाग, दिन–रात देश और विदेश में लगभग 647 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। ये बुलेटिन देशी और विदेशी भाषाओं में प्रसारित होते हैं। इसके प्रमुख महानिदेशक, समाचार सेवा हैं। इसमें 44 प्रादेशिक समाचार एकांश हैं। रूचि अनुसार ये समाचार बुलेटिन एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्नता लिए होते हैं।

विदेश सेवा प्रभाग

आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग 27 भाषाओं (16 विदेशी और 11 भारतीय) में कार्यक्रम प्रसारित करता है। ये सेवाएं प्रतिदिन 72 घंटे की होती हैं और 100 से अधिक देशों में सुनी जा सकती हैं।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

यह सेवा, आकाशवाणी केंद्रों के बीच कार्यक्रम विनिमय का कार्य करती हैं, साथ ही ध्वनि अभिलेखागार के निर्माण व अनुरक्षण के साथ–साथ प्रसिद्ध संगीतज्ञों की अनमोल रिकॉर्डिंग का व्यापारिक लोकार्पण जारी करती है।

अनुसंधान विभाग

अनुसंधान विभाग का कार्य आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा अपेक्षित उपस्करों का अनुसंधान और विकास करना तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन संबंधी जांच एवं कार्याध्ययन करना है। इसके साथ ही इसके कार्यक्षेत्र में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के नेटवर्क के सीमित क्षेत्रों में फील्ड ट्रायल हेतु आर एंड डी उपकरण के प्रोटोटाइप मॉडल का विकास करना भी सम्मिलित हैं।

केंद्रीय भण्डार कार्यालय

नई दिल्ली में स्थित केंद्रीय भण्डार कार्यालय का कार्य आकाशवाणी केंद्रों में तकनीकी उपस्करों के रख–रखाव हेतु अपेक्षित अभियांत्रिकी सामान की खरीद, भंडारण और वितरण है।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने सन् 1948 में महानिदेशालय के साथ, अपनी दो शाखाओं – किंग्सवे कैंप दिल्ली और भुवनेश्वर में काम करना शुरू किया। ये संस्थान कार्यक्रम संबंधी स्टॉफ और प्रशासनिक स्टॉफ को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है और नए भर्ती हुए कर्मचारियों को प्रवेश पाठ्यक्रम एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण देते हैं, यह प्रशासनिक संवर्ग के कर्मचारियों के लिए परीक्षाएं भी संचालित करता है, इसके अतिरिक्त वर्तमान में पांच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान हैदराबाद, शिलांग, लखनऊ, अहमदाबाद और तिरूवनन्तपुरम में कार्य कर रहे हैं।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

महानिदेशालय के अंग के तौर पर किंग्सवे कैंप में स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) सन् 1985 से कार्य कर रहा है। यह संस्थान तकनीशियन से लेकर अधीक्षण अभियंता के स्तर तक के आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के इंजीनियरिंग स्टॉफ के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। यह विभागीय अर्हकता और प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं का संचालन भी करता है। इस समय एक क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) भुवनेश्वर में है।

दूरदर्शन

दूरदर्शन के प्रमुख महानिदेशक हैं। कार्यक्रम शाखा के उपमहानिदेशक, अभियांत्रिकी शाखा के प्रमुख अभियंता, प्रशासन एवं वित्त शाखा के अपर महानिदेशक (प्र. और वि.) तथा समाचार और समसामयिकी शाखा के अपर महानिदेशक (समाचार) उनकी सहायता करते हैं।

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी की भांति दूरदर्शन में भी उपमहानिदेशक राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और आंचलिक स्तर पर कार्यक्रम संकल्पना, निर्माण और उपार्जन से संबंधित सभी कार्यों की देखरेख करते हैं। उनकी सहायता के लिए निदेशक/उपनिदेशक (कार्यक्रम) होते हैं। ये अधिकारी दूरदर्शन के कार्यक्रम संवर्ग से जुड़े हैं।

समाचार प्रभाग

दूरदर्शन का समाचार स्कंध राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर दूरदर्शन चैनलों में प्रसारित समाचार बुलेटिनों एवं अन्य समसामयिक कार्यक्रमों के उपार्जन, संपादन एवं प्रसारण के लिए उत्तरदायी है। समाचार स्कंध के प्रमुख महानिदेशक (समाचार) हैं।

अभियांत्रिकी स्कंध

प्रमुख अभियंता अभियांत्रिकी स्कंध के प्रमुख हैं। महानिदेशालय दिल्ली और मुंबई, कोलकाता, चेन्नै और गुवाहाटी में स्थित आंचलिक कार्यालयों के मुख्य अभियंता और निदेशक उनकी सहायता करते हैं। योजना, सिस्टम डिज़ाइन, परियोजना कार्यान्वयन, प्रचालन और अनुरक्षण, मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों सहित संपूर्ण अनुरक्षण और तकनीकी गतिविधियों का दायित्व भी प्रमुख अभियंता पर है।

प्रशासनिक एवं वित्त स्कंध

दूरदर्शन के प्रशासन एवं वित्त स्कंध के प्रमुख अपर महानिदेशक (एडीजी) हैं जो आंतरिक वित्तीय सलाहकार के रूप में भी कार्य करते हैं और ये समान्य प्रशासन, कार्मिक प्रबंधन, बजट और योजना समन्वय सहित प्रशासन एवं वित्तीय पहलुओं में महानिदेशक की मदद करते हैं। एडीजी की सहायता के लिए उपमहानिदेशक/उप–निदेशक (प्रशासन एवं वित्त) होते हैं।

स्वीकृत पदसंख्या और नए स्वीकृत पद

आकाशवाणी एवं दूरदर्शन में कार्यरत कर्मियों की स्कंधवार स्वीकृत पदसंख्या निम्नानुसार हैः–

स्कंध	आकाशवाणी	दूरदर्शन
कार्यक्रम	6,915	3764
समाचार स्कंध	232	170
अभियांत्रिकी	6140	12,122
सीसीडब्ल्यू	1457	-
प्रशासन एवं वित्त	10,750	5,644
कुल योग	**25,494**	**21, 700**

अध्याय–2
प्रसार भारती लोक प्रसारक

लोक प्रसारक का लक्ष्य पारंपरिक, भौगोलिक और सांस्थानिक सीमाओं से आगे सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। आज प्रसार भारती की पहुंच आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) नेटवर्क के माध्यम से अधिकतम जनसंख्या पर है और यह दुनियां के सबसे बड़े भूभागीय नेटवर्क में से एक है। ऐसे देश में, जहां उच्च शिक्षा दर है, वहां इस माध्यम से लोगों को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने की बड़ी क्षमता है। प्रसार भारती – आकाशवाणी और दूरदर्शन की सामाजिक जिम्मेदारी, नेटवर्क की क्षमता के अनुरूप, बड़ी व्यापक है क्योंकि यह देश भर में लोगों तक पहुंचता है। पिछले सालों में आकाशवाणी और दूरदर्शन ने लोक प्रसारक की भूमिका में सही मायनों में अपनी विविध गतिविधियां चलाई। इस बदलते समय के दौर में हमें अपने उत्तम कार्यों को सहेजना है और शेष की परिकल्पना करनी है। भविष्य सभी के लिए उत्साहवर्धक एवं चुनौतीपूर्ण होगा। डिजिटल युग में प्रवेश करते हुए लोक प्रसारण नई प्रोद्यौगिकी के साथ और विस्तृत और विविध समुदाय को बेहतर सेवा एवं कार्यक्रम प्रदान करने की दौड़ में अग्रणी है। प्रसार भारती द्वारा योजनाबद्ध विकसित एवं संचालित एक राष्ट्रीय सेवा, वर्तमान में लाखों लोगों की जिंदगी को दिन–प्रतिदिन छूती है और सांस्कृतिक एवं अभिनय कला, सूचना एवं जन कार्य, वृत्तचित्र एवं शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च कोटि के अनुभव प्रदान करती है।

पूरे संसार में लोक प्रसारक का लक्ष्य है – सभी को उसके घर पर जरूरी सूचना देना। इनकी सीमा अपील, विश्वास, मनोरंजन, अनुदेशात्मक एवं सृजनात्मक सेवा के क्षेत्र तक विस्तृत होनी चाहिए और यह केवल अपने एक स्वामी – जनता की सेवा करे। यह सभी समुदायों की सोच को झंझोड़ने और उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों व प्रोजेक्टों में व्यस्त रखने की लड़ाई है। यह ऐसी सूचना एवं विचार की चुनौती है जो सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से समुदाय को विकसित करती है।

प्रसार भारती–नीतिगत पहलें

प्रसार भारती बोर्ड ने वर्ष 2009–10 में सात बैठकें (अर्थात 89वीं से 95वीं तक) आयोजित की जिसमें बहुत से नीतिगत और प्रशासनिक निर्णय लिए गए। ये निर्णय न केवल संगठन की लोक प्रसारक आकाक्षांओं का, अपितु प्रतिस्पर्धी वातावरण और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य को पूरा करते हैं। वर्ष के दौरान लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्न प्रकार हैं :–

लोक प्रसारण दिवस समारोह

- बोर्ड ने अपनी 89वीं बैठक में यह पाया कि राष्ट्रमंडल खेल दिल्ली 2010 के मेज़बान प्रसारक के दायित्वों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एक फास्ट ट्रैक निर्णय तंत्र हेतु शक्तियों का आवश्यक प्रत्यायोजन अपेक्षित था। वैसे भी बोर्ड ने मुख्य कार्यकारी की अध्यक्षता में अपेक्षित अनुमोदन देने हेतु सदस्य (वित्त), सदस्य (का.), महानिदेशक (दूरदर्शन), प्रमुख अभियंता (दूरदर्शन), महानिदेशक (आकाशवाणी), प्रमुख अभियंता (आकाशवाणी) से गठित मेज़बान प्रसारक प्रबंधन समिति को प्राधिकृत करने का निर्णय लिया।
- प्रशासनिक, वित्तीय और प्रबंधन सूचना प्रणाली को सुप्रवाही बनाने की दृष्टि से और नए तकनीकी और व्यापारिक अवसर ढूंढने के लिए 15 नवंबर 2006 को आयोजित अपनी 75वीं बैठक में बोर्ड ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् के जरिए प्रसार के संठनात्मक पुनर्गठन पर एक अध्ययन कराने का निर्णय लिया। बोर्ड ने अपनी 91वीं बैठक में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् की रिपोर्ट पर उनके द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण के जरिए मुख्य सिफारिशों को एक आपसी मत से चयन करने हेतु संज्ञान लिया ताकि वह कार्यान्वयन के लिए मानी जा सकें।
- बोर्ड ने अपनी 95वीं बैठक में एशिया पैसेफिक ब्रॉडकासटिंग यूनियनों (एबीयू) की आम सभा और संबंधित बैठकों को वर्ष 2011 में भारत में करने का निर्णय लिया।

प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

- प्रसार भारती सचिवालय का हिंदी अनुभाग राजभाषा की नीतियों के दैनंदिनी कार्यान्वयन में रत है।

प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी पखवाड़ा आयोजन

हिंदी अनुभाग नियमित रूप से निम्नलिखित गतिविधियां करता है :–

- प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- लेखा परीक्षा रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- संसदीय प्रश्नों का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- लेखा रिपोर्टों का हिंदी रूपांतर करना।
- अन्य रिपोर्ट और रिटर्नों को हिंदी में तैयार करना जब कभी ऐसा काम सौंपा जाए।
- सूचना अधिकार अधिनियम के उत्तर हिंदी में तैयार करना।
- हिंदी की तिमाही, छमाही और वार्षिक प्रगति रिपोर्टें तैयार करना।
- सभी बैठकों की कार्यसूचियाँ और कार्यवृत्तों का हिंदी अनुवाद करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का नियमित आयोजन और बैठक के कार्यवृत्त का कार्यान्वयन करना।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी पत्राचार का हिंदी अनुवाद जारी करना।
- हिंदी कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करना।
- हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी, हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण दिलवाना।
- हिंदी दिवस/पखवाड़े इत्यादि और हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- संसदीय स्थायी समिति – सूचना प्रौद्योगिकी की प्रश्नावली का हिंदी अनुवाद करना।
- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कम्प्यूटरों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा हेतु यूनीकोड के प्रयोग को सुनिश्चित करना।
- आदेशानुसार हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए अन्य गतिविधियों का आयोजन करना।

इसके अतिरिक्त सचिवालय में एक हिंदी पुस्तकालय भी बनाया गया है। इसमें लगभग 350 हिंदी पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त कुछ नियम/संदर्भ पुस्तकें भी रखी गई हैं। इसमें 5 हिंदी/अंग्रेजी के अखबार तथा 3 पत्रिकाएं भी आती हैं। कर्मचारी पुस्तकालय में बैठकर पढ़ने और पुस्तकें जारी कराने जैसी दोनों सुविधाओं को उपयोग करते हैं।

अध्याय–3
वर्ष पर एक नजर

प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम की धारा 12 में उल्लिखित उद्देश्य एवं कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित रखा। वर्ष 2009–10 के दौरान आकाशवाणी एवं दूरदर्शन ने कार्यक्रम एवं तकनीकी क्षेत्रों में सभी मुख्य कार्य निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूरे किए। निगम के लक्ष्यों एवं कार्यकलापों के विशेष संदर्भ में वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों का और की गई पहलों का संक्षिप्त रूप से वर्णन इस प्रकार है :–

आकाशवाणी : गतिविधियां

वर्ष 2009–10 के दौरान उपलब्धियां

विदेशी संगठनों एवं देशों की आकाशवाणी से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में आकाशवाणी महानिदेशालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकांश सक्रिय रहा।

- भारत सरकार और विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम विनिमय (सी.ई.पी.एस.) के तहत समझौतों के अनुसरण में अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकांश ने विभिन्न देशों के प्रसारण संगठनों के साथ रेडियो कार्यक्रमों के विनिमय में समन्वय स्थापित किया। आकाशवाणी ने लगभग 20 देशों को संगीत कार्यक्रम भेजे। इसने बुल्गारिया के राष्ट्रीय रेडियो द्वारा तैयार दो विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण भी किया। रोमानिया के स्वाधीनता दिवस पर भी विशेष कार्यक्रम और संदेश प्रसारित किए गए।

- वर्ष के दौरान आकाशवाणी/प्रसार भारती के साथ उत्तम सहयोग के लिए संभावित अवसरों को तलाशने के उद्देश्य से विभिन्न देशों के कई उच्च–स्तरीय प्रतिनिधि मंडलों ने आकाशवाणी का दौरा किया।

- आकाशवाणी अन्य प्रसारण संगठनों के साथ मधुर संबंध कायम रखने में प्रयासरत रहा। इस प्रक्रिया में आकाशवाणी और रेडियो नीदरलैंड वर्ल्डवाइड (आर.एन.डब्ल्यू) ने संयुक्त रूप से जलवायु से संबंधित प्रकरणों जैसे 'अर्थ बीट' शीर्षक पर रेडियो श्रृंखला तैयार करने के लिए एक परस्पर समझौता किया। जनवरी 2010 से इस परियोजना पर काम चल रहा है और प्रत्येक महीने इसके दो एपीसोड, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में अलग–अलग रूप से, देश भर में स्थित चुनिंदा 20 आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित किए जाते हैं।

- डोइश वेले रेडियो जर्मनी के साथ एक अन्य सह निर्मित प्रोजेक्ट सितंबर 2010 में प्रसारण के लिए निर्धारित है, जिसमें 'सामाजिक सुरक्षा' के मुद्दे पर आकाशवाणी और डोइश वेले रेडियो जर्मनी के प्रोडयूसरों द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

- एन.एच.के. वर्ल्ड रेडियो जापान की 1984 में शुरूआत से ही, हिंदी भाषा के प्रसारण विशेषज्ञों को एन.एच.के. में सेकेंडमेंट पर भेज कर आकाशवाणी, एन.एच.के. वर्ल्ड रेडियो जापान की हिंदी सेवा को बल प्रदान कर रहा है। इस प्रक्रिया में आकाशवाणी में उनकी हिंदी सेवा के लिए परीक्षा/ऑडिशन का आयोजन कर नए विशेषज्ञों का चयन करने में अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक उनकी मदद करेगा।

- अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान देने के दृष्टिगत और उनके कौशल को उन्नत बनाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं में आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारियों की सहभागिता हेतु समन्वय स्थापित करता है।

- अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक, अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण विशेषज्ञों की मदद से भारत में, इन–कंट्री प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करने का समन्वय कार्य भी करता हैं, ताकि बड़ी संख्या में आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी लाभान्वित हो सकें। एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (ए.बी.यू.) तथा रेडियो नीदरलैंड वर्ल्डवाइड (आर.एम.डब्ल्यू) की मदद से विभिन्न विषयों पर, इस वर्ष के लिए ऐसी दो कार्यशालाएं नवम्बर/दिसम्बर 2010 में निर्धारित की गई हैं।

- अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक, कई अंतर्राष्ट्रीय रेडियो प्रतियोगिताओं में आकाशवाणी के रेडियो कार्यक्रमों की सहभागिता के समन्वय का कार्य भी करता है। विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों से रेडियो प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं और महानिदेशालय स्तर पर स्क्रीनिंग के बाद सर्वोत्तम छांटे गए कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं जैसे ए.आई.बी.डी. अवार्ड्स, ए.बी.यू. पुरस्कार सी.बी.ए. अवार्ड, इंटरनेशनल ग्रां–प्री रेडियो कम्पटीशन (यू.आर.टी.आई.) इंटरनेशनल रेडियो के फेस्टिवल ऑफ ईरान, आई.ए.डब्ल्यू.आर.टी. इत्यादि में भेजे जाते हैं।

- आकाशवाणी की दो प्रविष्टियों ने ए.बी.यू. पुरस्कार 2010 के लिए फाइनल में चुने जाने के लिए अपना स्थान बनाया है। ए.बी.यू. जनरल एसेंबली के दौरान अक्तूबर 2010 में टोकियो, जापान में होने वाली ए.बी.यू. जनरल एसेंबली में विजेताओं की घोषणा की जाएगी।

- रेडियो कश्मीर, श्रीनगर से प्रसारित किए गए 'शहरेबीन' को सर्वोत्तम जन शिकायत कार्यक्रम के तौर पर चुना गया और गणतंत्र दिवस 2010 पर राज्य सरकार द्वारा स्टेट अवार्ड से नवाजा गया।

उपर्युक्त उपलब्धियों के अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक ने यह सुनिश्चित किया कि वह अपने दायित्वों, लक्ष्यों, पत्राचार लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करे।

कार्यक्रम गतिविधियां :

अप्रैल 2009 से लेकर मार्च 2010 की अवधि के दौरान, भारत के मंत्रालयों/विभागों के निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों, योजनाओं/नीतियों का प्रचार–प्रसार किया गया/किया जा रहा है :–

1. सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम का नियमित रूप से प्रचार किया गया/किया जा रहा है जिसमें 15 विषयों को कवर किया गया है जैसेः 1. सर्वशिक्षा अभियान, 2. मध्याहन भोजन (मिड डे मील) योजना, 3. राजीव गांधी पेयजल मिशन, 4. संपूर्ण स्वच्छता अभियान, 5. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, 6. एकीकृत बाल–विकास सेवाएं, 7. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना, 8. जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन, 9. अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकार पहचान) अधिनियम, 2006 का कार्यान्वयन, 10. अल्पसंख्यक कल्याण संबंधी कार्यक्रम, 11. असंगठित क्षेत्रों में कामगारों के कल्याण कार्यक्रम 12. पुनर्वास नीति एवं कानून, 13. महिला साक्षरता के लिए नया राष्ट्रीय मिशन, 14. राजीव आवास योजना, 15. इसके अतिरिक्त सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 को भी सितंबर 2008 से फ्लैगशिप कार्यक्रम के अंतर्गत लिया गया।
2. राष्ट्रीय न्यूनतम साझा कार्यक्रम का नियमित प्रचार किया जा रहा है।
3. गणतंत्र दिवस समारोह के टिकटों की बिक्री का प्रचार किया गया।
4. वार्षिक फीचर होने के नाते, विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर प्रत्येक वर्ष फरवरी माह में कैलाश मानसरोवर यात्रा कराने के लिए तीर्थ यात्रियों से विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर आवेदन मांगे जाने का प्रचार किया जाता है जो इस वर्ष भी किया गया।
5. ग्रामीण/शहरी जनसंख्या की जरूरतों पर विचार करते हुए, खाद्य एवं वितरण, कृषि मंत्रालय के अनुरोध पर उपभोक्ता मामलों को अपडेट किया जाता है, यह नियमित फीचर है।
6. वृद्धों के लिए राष्ट्रीय नीति पर अंतर–मंत्रालय समिति की बैठक।
7. अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के 15 बिंदु कार्यक्रमों का प्रचार।

8. उत्पादकता दिवस और राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह 2009 समारोह।

9. नागरिक अधिकार अधिनियम 1955 और अनुसूचित जाति, जन–जाति अन्याय रोकथाम अधिनियम 1999 (पी.ओ.ए. एक्ट), के अंतर्गत अस्पृश्यता उन्मूलन और अत्याचार रोकने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली गैर सरकारी संस्थाओं और व्यक्तिगत मानव अधिकार कार्यकर्ताओं को दिए जाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कारों को प्रचारित–प्रसारित किया गया।

10. शैक्षिणिक संस्थानों में रैगिंग के उन्मूलन का प्रचार किया गया।

11. 15 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले तेल एवं गैस संरक्षण पखवाड़े का व्यापक प्रचार किया गया।

12. राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव अवार्ड 2009 का प्रचार किया गया।

13. इग्नू के 33 ज्ञानवाणी एफ.एम. रेडियो केंद्रों के लिए रेडियो प्रोफेशनलों की रिक्तियों का प्रचार किया गया।

14. अनुसूचित जाति के शैक्षिक सामाजिक आर्थिक, सशक्तीकरण के लिए केंद्र द्वारा प्रायोजित केंद्रीय सेक्टर योजना का प्रचार किया गया (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय)।

15. सांस्कृतिक संपत्ति की तस्करी रोकने से बचाना –7 का समूह

16. एन.सी.सी. छात्र/छात्रा पर्वतारोहण अभियान का प्रचार।

17. आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों की समीक्षा और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर आकाशवाणी केंद्रों द्वारा उचित कार्यक्रमों का प्रसारण।

18. सांप्रदायिक सद्–भाव अभियान, जो कि संयोग से कौमी एकता दिवस 19 नवंबर से 25 नवंबर 2009 तक मनाया गया, का व्यापक प्रचार किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सांप्रदायिक सदभाव फाउंडेशन की ओर से एक अपील जारी की गई ताकि अनाथ बच्चों की सहायता जैसी गतिविधियों के लिए आवश्यक धन जुटाने और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए उनके द्वारा उन्नतशील गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

19. सार्वजनिक संपत्तियों पर लगे पोस्टर/बैनर्स हटाने के लिए प्रचार किया गया।

20. भारत में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सड़क सुरक्षा उपायों का व्यापक प्रचार किया गया।

21. हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 22 मार्च 2010 को जल संरक्षण दिवस पर आकाशवाणी द्वारा कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

22. अपर महानिदेशक प्रकाशन विभाग से भारतेंदु हरीशचंद्र अवार्ड 2009 पर प्राप्त प्रेस नोट का प्रचार किया गया।

23. इसके अतिरिक्त, जब कभी भी अनुरोध किया गया जनहित में कई अन्य केंद्र सरकार की योजनाओं, नीतियों को प्रचारित किया गया।

- रेडियो कश्मीर श्रीनगर से प्रसारित 'शेहरबीन' कार्यक्रम को सर्वोत्तम जन शिकायत कार्यक्रम के रूप में चुना गया और गणतंत्र दिवस 2010 पर स्टेट अवार्ड मिला।

- दिनांक 13.05.2009 को आम चुनाव–2009 के सिलसिले में द्विभाषी बहस कार्यक्रम का विशेष सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 22.05.2009 को नव–निर्वाचित प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह और नए मंत्री परिषद् के सदस्यों का राष्ट्रपति भवन से शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 04.06.2009 को संसद भवन के केंद्रीय कक्ष से संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के लिए राष्ट्रपति के अभिभाषण का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 03.07.2009 को केंद्रीय रेलमंत्री सुश्री ममता बैनर्जी द्वारा लोकसभा में रेल बजट प्रस्तुत करने का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 06.07.2009 को केंद्रीय वित्त मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा लोकसभा केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 15.07.2009 को मिस्र में गुट निरपेक्ष सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 30.07.2009 को विजय दिवस (कारगिल युद्ध) की 10वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के सिलसिले में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए

i) दिनांक 14.08.2009 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा अंग्रेजी और हिंदी में राष्ट्र को संबोधन का प्रसारण। प्रादेशिक भाषाओं में इसका अनुवाद संबंधित आकाशवाणी केंद्रों द्वारा प्रसारित किया गया।

ii) बारी–बारी से हिंदी और अंग्रेजी में राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह के ऑखों देखे हाल का सीधा प्रसारण और लाल किले की प्राचीर से दिनांक 15.08.2009 को माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 12.11.2009 को आकाशवाणी दिल्ली के प्रसारण भवन परिसर से लोक सेवा प्रसारण दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 23.11.2009 और 03.12.2009 को पणजी (गोवा) में क्रमशः 40वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2009 के उद्घाटन एवं समापन समारोहों का सीधा प्रसारण।
- भारत के माननीय मुख्य न्यायधीश द्वारा 'कानून दिवस' की पूर्व संध्या पर दिनांक 25.11.2009 को विशेष प्रसारण।
- दिनांक 09.12.2009 को नई दिल्ली में संसद भवन के केंद्रीय कक्ष से प्रो. मोहम्मद युनुस द्वारा दिए गए द्वितीय प्रो. हीरेन मुखर्जी मेमोरियल वार्षिक संसदीय व्याख्यान का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 23.01.2010 को तिरूवनंतपुरम् में आयोजित 97वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 05.01.2010 को दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रमंडल के पीठासीन अधिकारियों व अध्यक्षों के 20वें सम्मेलन के उद्घाटन का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 07.01.2010 को तिरूवनंतपुरम में आयोजित 97वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 11.01.2010 को नई दिल्ली में विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर उर्जा मिशन की शुरूआत तथा सौर उर्जा सम्मेलन पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 14.01.2010 को हरिद्वार में पूर्ण महाकुंभ–2010 के अवसर पर मकर–संक्रांति स्नान पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 23.01.2010 को नई दिल्ली, विज्ञान भवन में आयोजित भारत के निर्वाचन आयोग की हीरक जयंती समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।
- गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष्य में निम्न कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।
  1. दिनांक 25.01.2010 को महामहिम राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन।
  2. दिनांक 25.01.2010 को राष्ट्रीय कवि संगोष्ठी।
  3. नई दिल्ली में राजपथ से गणतंत्र दिवस का सीधा प्रसारण।
  4. गणतंत्र दिवस समापन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।

डा. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक व्याख्यान 2009

- दिनांक 12.02.2010 को हरिद्वार में पूर्ण महाकुंभ–2010 के अवसर पर महाशिवरात्रि स्नान की रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 22.02.2010 को संसद के संयुक्त अधिवेशन में महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 24.02.2010 को लोकसभा में रेल बजट की प्रस्तुति का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 26.02.2010 को लोकसभा में, केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने की कार्रवाई का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 11.03.2010 को उत्तर पूर्वी क्षेत्र के बसंत उत्सव 2010 से संबंधित विशेष कार्यक्रम।
- दिनांक 18.03.2010 को नई दिल्ली विज्ञान भवन में 56वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन।
- दिनांक 19.03.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 56वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 19.03.2010 विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 56वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 26.03.2010 को चेन्नै में आयोजित आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार 2008 वितरण समारोह की अंग्रेजी में रेडियो रिपोर्ट।

अन्य उल्लिखित कार्यक्रमों के अलावा जिनकी सूचनाएं और अनुरोध प्राप्त हुए, उन सभी प्रमुख राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की उपयुक्त कवरेज की गई।

आम चुनाव – 2009/राज्य विधानसभा चुनाव।

आम चुनाव 2009 उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, हरियाणा, महाराष्ट्र, अरूणाचल प्रदेश और झारखंड की राज्य विधान सभाओं के चुनावों के लिए राजनैतिक दलों के प्रसारण की भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के तहत नियत व्यवस्था की गई। आम चुनाव 2009 और विधानसभा चुनाव परिणामों पर विशेष कम्पोजिट कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण भी किया गया।

भारतीय शास्त्रीय संगीत और आकाशवाणी

हिंदुस्तानी संगीत

अप्रैल 2009 और मार्च 2010 के बीच संगीत और रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सभा के लिए निम्न जाने – माने उदीयमान कलाकारों को सूचीबद्ध किया जा चुका है।

होली के अवसर पर लोक संगीत संगोष्ठी

क्र.सं.	कलाकार का नाम	संगीत का प्रकार
1.	पं बसंत काबरा	सरोद
2.	श्रीमती शुभ्रा गुहा	गायन
3.	श्री नरेंद्र कुमार	सितार
4.	पं. जगदीश प्रसाद	गायन
5.	श्री रवि मोहन भट्ट	वायलिन
6.	विदुषी अफ़रोज बानो	सुगम शास्त्रीय गायन
7.	श्री जे. मैसी	शास्त्रीय तबला
8.	पं. कार्तिक कुमार	सितार
9.	शशिकांत ताम्बे	गायन
10.	उस्ताद महमूद मिर्जा	सितार
11.	मुनिर खातुन बेगम	सुगम शास्त्रीय गायन
12.	पुंडालिक भागवत	तबला
13.	पं. देवी प्रसाद चटर्जी	सितार
14.	बालाचंद्र नकोड़	गायन
15.	अब्दुल माजिद खान	सारंगी
16.	उस्ताद नियाज अहमद और फैयाज अहमद खान	युगल गायन

17.	देव प्रसाद चक्रवर्ती	सितार
18.	नफीस अहमद	तबला
19.	निर्मल्य डे	ध्रुपद, धमार
20.	समन्वय सरकार	सितार
21.	उस्ताद इकबाल अहमद खान और पं. रसिकलाल अंधोरिया	गायन
22.	इन्द्रजीत बैनर्जी	सितार
23.	श्रीकृष्ण शर्मा	गिटार
24.	उस्ताद मज़हर अली और उस्ताद जावेद अली	युगल गायन
25.	उस्ताद मोइनुद्दीन खान	सारंगी
26.	श्रुति गोखले	गायन
27.	बहाउद्दीन डागर	रूद्र वीणा
28.	रसूलन बाई	ठुमरी
29.	किशोर बैनर्जी	तबला
30.	दीपक क्षीरसागर	गिटार
31.	पं. महादेव प्रसाद मिश्रा	ठुमरी/दादरा
32.	पं. अनोखे लाल	तबला एकल
33.	शफ़ीक खान	सितार
34.	रज़ा अली खान	गायन
35.	देबी प्रसाद घोष	सरोद
36.	भोले नाथ	गायन
37.	साधना देशमुख मोहिते	गायन
38.	परमेशवर हेगड़े	गायन
39.	एस. एल. कंडारा	वायलिन
40.	मोइनुद्दीन खान	सारंगी
41.	रवि किरन	तबला
42.	नीलिमा लाहिरी	गायन
43.	संतोष संत	बांसुरी
44.	पं. बलदेव राज वर्मा	गायन
45.	नारायण घोष	तबला
46.	पं. डी.बी. पंशीकर	गायन

आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर माननीय राज्य मंत्री श्री जगत रक्षकन के साथ प्रसार भारती के मु० का० आधिकारी बी. एस. लाली

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन की तर्ज पर आकाशवाणी ने प्रादेशिक लोक एवं संगीत महोत्सवों को प्रारंभ किया है। ये माहोत्सव प्रत्येक वर्ष में बसंत पंचमी के दिन कुछ चुनिंदा स्थलों पर आयोजित किए जाते हैं। प्रादेशिक, लोक एवं सुगम संगीत महोत्सवों और आकशवाणी संगीत सम्मेलनों के आयोजन का मुख्य उदेश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना, प्रस्तुत करना और प्रचार करना है। वर्ष 2009 में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन का आयोजन 3 एवं 4 अक्तूबर 2009 को 20 आकाशवाणी केंद्रों पर किया गया, जिसमें 57 जाने–माने हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत कलाकारों ने भाग लिया।

कुछ जाने माने कलाकरों में से कई युवा प्रतिभाशाली कलाकारों ने आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 2009 में भाग लिया जो इस प्रकार थे–

क्रम सं.	कलाकार का नाम	संसत का प्रकार
1.	पं. बुद्धदेव दासगुप्ता	सरोद
2.	पं. देवव्रत चौधरी	सितार
3.	पं. रघुनाथ नाकोड़	तबला
4.	विदुषी श्रुति सडोलिकर	गायन
5.	पं. दीनानाथ मिश्रा	गायन
6.	उदय कुमार मलिक	पख़ावज़
7.	राजेन्द्र सिंह	गायन
8.	पं. गोकुलोत्सव जी महाराज	गायन
9.	फारूख लतीफ खान	सारंगी

युवाओं में नई प्रतिभा तलाशने के लिए आकाशवाणी संगीत प्रतिस्पर्धा आकाशवाणी का एक नियमित घटक है। वर्ष 2009–10 के लिए हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की ये प्रतियोगिताएं नवंबर और दिसंबर 2009 में क्रमशः दिल्ली और चेन्नै में आयोजित की गईं। हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत के लगभग 200 से भी अधिक युवा कलाकारों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष विजेताओं को 44 पुरस्कारों से (18 कर्नाटक संगीत और 26 हिंदुस्तानी संगीत) नवाज़ा गया।

कर्नाटक संगीत – 2009–10

आकाशवाणी संगीत संगोष्ठी

वित्त वर्ष अर्थात अप्रैल 2009 से मार्च 2010, की शुरूआत लोक एवं सुगम संगीत के राष्ट्रीय 'वसंतोत्सव– प्रसारण से होती है जो कि धारवाड़ और कोज़ीकोड (कालीकट) दक्षिण भारत में आयोजित किया गया। यह दक्षिण भारतीय संगीत पुरोधाओं से भरपूर लोक संगीत प्रस्तुति श्री कामसाले महादेवय्या एवं साथियों (मैसूर) द्वारा की गई। तेलुगू सुगम गीतों की प्रस्तुति श्रीमती डी. सुरेखा मूर्ति (हैदराबाद), रंगमंच नाटक की प्रस्तुति श्री एम. एस. सत्यम और साथी (मदुरै) द्वारा की गई। लोक कला प्रस्तुति श्री कलामंडलम रामचक्यार (त्रिचूर) नयंदी मेलम प्रस्तुति श्री ए. पी. अय्यवु एवं साथी (मदुरै) और करादि मजलू (लोक कला) की प्रस्तुति श्री महादेवा हूवन्ना कल्याणी एवं साथी कलाकारों द्वारा की गई।

आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं द्वारा अप्रैल 2009 में तिरूवनंतपुरम और विजयवाड़ा में आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष संगीत सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

दूसरा उल्लेखनीय उत्सव त्रिमूर्ति संगीत समारोह के रूप में आयोजित किया गया। इस महोत्सव में युवा एवं प्रसिद्ध दोनों प्रकार के कलाकारों की उपस्थिति दर्शायी गई। त्यागराजा रचना डॉ. आर.एन. श्रीलता (गायन) और श्री मल्लादी नारायण शर्मा (गायन) द्वारा प्रस्तुत की गई। श्यामा शास्त्री रचना को श्रीमती सीतालक्ष्मी (गायन) और श्री वी. वामनन (गायन) द्वारा और मुत्थुस्वामी दीक्षितार रचना की प्रस्तुति श्रीमती श्यामला वेंकटेश्वरन् (गायन) और मदुरै श्री जी.एस. मणी (गायन) द्वारा की गई।

आकाशवाणी संगीत सम्मेलनों की संगोष्ठी एक अन्य प्रमुख आयोजन था। इस वर्ष आकाशवाणी संगीत सम्मेलनों की संगोष्ठी 3 एवं 4 अक्तूबर 2009 को 24 जगहों पर आयोजित की गई जिनमें से देश भर की 12 जगहों पर कर्नाटक संगीत के आकाशवाणी संगीत सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में जाने पहचाने मूर्धन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं, उसमें से कर्नाटक संगीतज्ञ टी.एम. कृष्णा (गायन) मवेलिक्करा वेलुकुट्टी नायर (मृदंगम) मैसूर एम. नागाराज एवं डॉ. मैसूर एम. मंजुनाथ (वायलिन युगल), द्वारम दुर्गा प्रसाद राव (वायलिन), के.वी. रामानुजम (बांसुरी), माम्बलम एम.के.एस. शिवा (नागास्वरम) और

राजलक्ष्मी तिरूनारायणन (वीणा) ने संगीत सम्मेलनों में भाग लिया इन संगीत सम्मेलनों की रिकार्डिंग दिनांक 24.10.09 से 04.12. 2009 तक प्रसारित की गई।

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 2009

दिनांक 3 जनवरी 2010 को संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में त्यागराजा अराधना संगीत महोत्सव का तिरूवयरू से रिले किया गया। इसके साथ ही संत रचनाकार त्यागराजा के 163वें अराधना महोत्सव के सम्मान में 5 जनवरी 2010 को पंचरत्न गोष्ठी गणम् का सीधा प्रसारण भी किया गया।

कृषि एवं गृह प्रसारण

ग्रामीण श्रोताओं के प्रति आकाशवाणी की प्रतिबद्धता पिछले 50 वर्षों से अधिक की है। आकाशवाणी के सभी केंद्र ग्रामीण श्रोताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं गृह प्रसारण करते हैं। वास्तव में ग्रामीण/किसान समुदाय की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष कार्यक्रम बनाये जाते हैं। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए नवीनतम तकनीक और जानकारी प्रसारित करना कृषि एवं गृह कार्यक्रम की निरंतर प्रक्रिया है। ये कार्यक्रम न केवल कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं, अपितु कृषकों की जिंदगी को बेहतर बनाने हेतु अपनाये जाने वाले साधनों के प्रति उनमें जागरूकता पैदा करने का माध्यम है। कार्यक्रमों का प्रसारण रोजाना सुबह, दोपहर और शाम को होता है। कृषि एवं गृह प्रसारण की औसत अवधि 60 से 100 मिनट प्रतिदिन होती है। कृषि एवं गृह कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के लिए कार्यक्रम शामिल हैं।

आकाशवाणी का कृषि एवं गृह एकांश मिश्रित कार्यक्रम प्रसारित करता है, जिनमें ग्रामीण विकास योजना और प्रतिबद्ध कृषि कार्यक्रम समान मात्रा में शामिल होते हैं, जबकि एक तरफ उनमें प्रतिबद्ध कृषि विषयों अर्थात पशुपालन, मत्स्य पालन, और कृषि गतिविधियों, सूखे एवं बाढ़ग्रस्त कृषि के बारे में चर्चा की जाती है, तो वहीं दूसरी तरफ रोजगार योजना, ऋण और प्रशिक्षण सुविधाओं, सफाई, स्वास्थ्य–स्वच्छता एवं पोषण आदि पर चर्चा होती है।

आकाशवाणी, भूमि जल संरक्षण धारणीय कृषि, बायोटेक्नोलॉजी, फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन, फसल बीमा योजनाएं, पर्यावरण सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका इत्यादि पर विस्तृत कार्यक्रम देती है।

इसके अतिरिक्त, विषय सामग्री के विशेषज्ञ की सहायता से ये कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। आकाशवाणी, मंत्रालयों और विभागों के साथ–साथ केंद्रीय और राज्य सरकारों के कृषि एवं ग्रामीण विकास विभागों से निकट संपर्क रखती है। विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों से स्थानीय बोली/भाषा में ये

कार्यक्रम चलाये जाते हैं। वार्ताओं, साक्षात्कारों, रूपकों, धारावाहिकों, नाटकों, नारों, जिंगल्स, फोन–इन प्रोग्रामों, संगीत रूपकों और आकाशवाणी पर कृषि स्कूल इत्यादि विभिन्न रूपों का प्रयोग कर स्थानीय रेडियो केंद्रों द्वारा ग्रामीण विकास पर संदेश के माध्यम से नियमित प्रसारण किए जाते हैं।

आकाशवाणी स्टुडियो में आयोजित कवि सम्मेलन

आकाशवाणी ने अपनी विशेष परियोजना मास मीडिया सपोर्ट के माध्यम से 15 फरवरी 2004 में कृषि मंत्रालय के सहयोग से कृषि प्रसारण गतिविधियों को बढ़ावा दिया। जिससे स्थानीय कृषकों को दैनिक बाजार दरों, मौसम रिपोर्ट एवं सूक्ष्म स्तर तक क्षेत्रीय गतिविधियों की दैनिक सूचना मिल सके। वर्तमान में कृषि वाणी का प्रसारण और रिले आकाशवाणी के 96 एफ.एम. केंद्रों से किया जा रहा है।

रेडियो किसान दिवस

आकाशवाणी पर कृषि कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा प्राप्त सूचनाओं से लाभान्वित कृषक अपनी स्थानीय बोली/भाषा में अपने अनुभवों का अन्य कृषकों के साथ आदान–प्रदान करते हैं। इस अवसर को महत्त्व देते हुए आकाशवाणी अपने सभी केंद्रों द्वारा 15 फरवरी को किसान दिवस के रूप में मनाता है और कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। अपने सभी आकाशवाणी केन्द्रों के दैनिक प्रसारण में सूखा समस्या, बर्ड फ्लू इत्यादि का एन.एफ.एस.एम. फसल सलाहकार अभियान के तहत निवारण किया जाता है।

पर्यावरण

वन्य प्राणी एवं वन संरक्षण की महत्ता को ध्यान में रखते हुए आकाशवाणी इसे एक चुनौती के रूप में लेती है एवं इसमें विकासीय गतिविधियों और सामाजिक रीति–रिवाजों को महत्त्व देती हे। आकाशवाणी वनरोपण, वन्य प्राणी संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन संबंधी सरकार के प्रयासों की सफलता को प्रस्तुत करती है। वैसे भी आकाशवाणी वन्य प्राणी एवं पशुपालन पर अपने विशेष श्रोता कार्यक्रम के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारित करती है।

सभी आकाशवाणी केंद्र पर्यावरण एवं वनारोपण के विधिक तत्वों को व्यापक प्रचार देते हैं। आकाशवाणी केंद्रों से भेजे गए मासिक ब्यौरों द्वारा महानिदेशालय नियमित रूप से इन कार्यक्रमों की जांच करता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम

स्वास्थ्य कार्यक्रम के नियमित प्रसारण में कवर किए गए विषय विवाह की उम्र बढ़ाना, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों में अंतराल, देरी के उपाय, मातृत्व देख–रेख, शिशु उत्तर जीविता, नारी सशक्तीकरण, इंटर स्पाउस कम्यूनिकेशन में संवर्धन/पुरूष की जिम्मेदारी, पुत्र प्राप्ति की वरीयता की समाप्ति, मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रगनेंसी, सांस्थानिक विधि प्रावधानों का संवर्धन, पुनर्प्रजनन मार्ग संक्रमण प्रबंधन (आर.टी.आई), और लैंगिक संचारी संक्रमण (एस.टी.आई.), गर्भपूर्व जांच तकनीक (नियमन एवं दुरूपयोग निवारण) अधिनियम 1994, एड, नशाखोरी, स्तनपान, बाल–अधिकार, बाल मज़दूरी, कन्या संतान, विकलांगता, क्षयरोग, कोढ़, एवं पुनर्प्रजनन, बाल स्वास्थ्य आदि है।

रक्तदान और नेत्रदान को व्यापक प्रचार दिया जा रहा है। नशाखोरी तंबाकू सेवन, अवैध मानव व्यापार, कोढ़ निवारण एवं एड्स इत्यादि के विरूद्ध उचित कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

हमारे कुछ विशेष श्रोता कार्यक्रमों जैसे ग्रामीण/महिला/युवा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए आकाशवाणी ने श्रोता समूहों का पंजीयन किया है। ये समूह इन विषयों पर आम जागृति फैलाने में अपना सहयोग देते हैं।

स्वाइन फ्लू (एच1 एन1)

देश भर में सभी आकाशवाणी केंद्रों से विभिन्न प्रारूपों के विशेष जागरूकता कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

रेड रिबन एक्सप्रेस

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने रेड रिबन एक्सप्रेस रेल जिसपर एच.आई.वी. एड्स का संदेश लिखा था उसकी शुरूआत की है जो देश भर के 152 आकाशवाणी केंद्रों की यात्रा करा चुका है। आकाशवाणी ने इस ट्रेन को देखने के लिए श्रोताओं को प्रेरित करने के लिए चलाए गए अभियान का व्यापक प्रचार–प्रसार किया है। इस प्रकरण पर विशेष ध्यान देने के लिए न्यूज़ बुलेटिन और कार्यक्रम तैयार किए गए ताकि लोगों की एच.आई.वी. एड्स के प्रति जागरूकता और ज्ञान बढ़ाया जा सके।

यू.एन.सी.आर.पी.डी.

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को प्रेषित और उनके परामर्श पर आधारित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के प्रावधानों के अनुसार विकलांगों के अधिकार के कार्यान्वयन का विशेष अभियान शुरू किया गया। यू.एन.सी.आर.पी.डी. की धारा 8,9,21,27 और 30 के अंतर्गत प्रावधानों को विशेष महत्व देते हुए विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए जिससे कि विकलांगों के मुद्दे पर सामाजिक जागृति उत्पन्न की जा सके।

बच्चों के कार्यक्रम

आकाशवाणी के सभी केंद्र नियमित रूप से बच्चों के कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। तीन श्रेणी अर्थात 5 वर्ष से 7 वर्ष, 8 वर्ष से 14 वर्ष और ग्रामीण बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

कुछ कार्यक्रम सप्ताहिक आधार पर प्रसारित किए जाते हैं। नाटक, कहानी, रूपक, वृंदगान, साक्षात्कार महाकाव्यों की कहानियाँ इत्यादि इन प्रसारणों के अंग हैं।

प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर बाल–दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसमें विशेष बाल गतिविधियों, स्टेज शो और आमंत्रित श्रोताओं के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

निम्नबिंदुओं को ध्यान में रखकर कार्यक्रमों की योजना बनाई जाती है:–

1. बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा।
2. विकलांग बच्चों की सहायता और देखभाल।
3. कठिन परिस्थितियों में बच्चों की सहायता और देखभाल।
4. लड़कियों को समान अधिकार।
5. बच्चों की बुनियादी सार्वभौमिक शिक्षा तक पहुंच और लड़कियों की शिक्षा की तरफ विशेष ध्यान।
6. बच्चों को सुरक्षित और समर्थित वातावरण प्रदान करना।
7. परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मनिर्भर समाज।
8. बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।
9. स्वच्छ पेयजल की सुविधा और मल–मूत्र निपटान की सफाई के साधन।

लड़के की तरह लड़की के जन्म का स्वागत करने हेतु सामाजिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए, लड़की के महत्त्व और स्थिति पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम पूरे वर्ष प्रसारित किए जा रहे हैं।

महिला कार्यक्रम:–

इन कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आहार एवं पोषण, वैज्ञानिक, गृह प्रबंधन, महिला उद्यमी, शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा सहित महिला सशक्तीकरण, लिंग भेद इत्यादि विषय होते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विधिक साक्षरता के माध्यम से महिलाओं में अधिकारों और विशेषाधिकारों के प्रति सामाजिक जागरूकता पैदा करना भी है। ग्रामीण महिला श्रोताओं से संपर्क बनाने के लिए विभिन्न लोक परंपराओं का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है।

प्रधान मंत्री कार्यालय के आदेशानुसार महिलाओं के उत्पीड़न के बारे में समस्त आकाशवाणी के कार्यक्रम अध्यक्षों को सलाह दी गई है कि निम्नलिखित विषयों को महिला कार्यक्रमो में सम्मिलित करें। इन कार्यक्रमों को तैयार करके आकाशवाणी केंद्रों द्वारा मासिक विवरणियों में भेजा जाता है:–

1. महिलाओं पर अत्याचार
2. महिलाओं का व्यापार
3. कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या
4. महिलाओं पर अश्लील साहित्य
5. शिक्षा एवं रोज़गार के अवसर

6. महिलाओं की सुरक्षा

7. कामकाजी महिलाओं के लिए मातृत्व लाभ शिशु गृह आदि

8. समान कार्य के लिए समान मजदूरी

9. बाल मजदूरी पर प्रतिबंध

10. लिंग भेदभाव

प्रतिवर्ष मार्च महीने में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस/सप्ताह मनाया जाता है। जिसमें महिलाओं के विशेष कार्यक्रम, परिचर्चाएं और चर्चाएं होती हैं।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

प्रत्यंकन सेवा का शुभारंभ 3 अप्रैल 1954 को हुआ, जिसका मुख्य कार्य गणमान्य व्यक्तियों सहित देश के प्रधान मंत्रियों व राष्ट्रपतियों के भाषणों का अनुलेखन तैयार करना है।

इस कार्यालय में निम्नलिखित सक्रिय इकाइयां हैं:–

अ. केंद्रीय अभिलेखागार

ब. कार्यक्रम विनिमय इकाई (अंतर्देशीय एवं विदेशीय)

स. प्रत्यंकन एकक

द. सुसज्जीकरण इकाई

प. डिजिटल स्वर अभिलेखागार

फ. विज्ञापन रिलीज़

(अ) केंद्रीय अभिलेखागार

आकाशवाणी के स्वर अभिलेखागार को देश का राष्ट्रीय अभिलेखागार भी कहा जा सकता है क्योंकि इसमें विभिन्न श्रेणियों की दुर्लभ बेशकीमती रिकार्डिंगों की 15000 घंटे की अवधि से भी अधिक की संगीत और स्पोकन वर्ड रिकार्डिंगों का खजाना है। यहां भारतीय संगीत और अन्य लोक संगीत परम्पराओं की 12000 से भी अधिक टेपें हैं।

लाइब्रेरी में 11 मई 1947 की सोडेपुर आश्रम कोलकाता में तथा 29 जनवरी 1948 को बिड़ला हाउस में क्रमशः पहली और अंतिम प्रार्थनाओं सहित महात्मा गांधी के भाषणों की रिकार्डिंगों का संग्रह अलग से सुरक्षित है। आकाशवाणी दिल्ली से 12 नवंबर 1947 को केवल एक बार किया गया प्रसारण भी सुरक्षित रखा गया है। इस लाइब्रेरी में सभी राष्ट्रपतियों एवं प्रधानमंत्रियों की रिकार्डिंगों को सुरक्षित रखा गया है।

रविंद्र नाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, सरोजनी नायडू इत्यादि जैसे अन्य प्रसिद्ध व्यक्तियों की आवाजों की रिकार्डिंगों को भी सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा पुरस्कृत रेडियो ड्रामा, रूपक, वृत्तचित्र, आदि और मेमोरियल लेक्चर भी लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं।

रेडियो आत्मकथा की श्रेणी में विभिन्न क्षेत्रों के सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की 300 रिकार्डिंग हैं। आकाशवाणी केंद्र सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की पहचान और रिकार्डिंग करते हैं। इन रिकार्डिंगों को केंद्रीय अभिलेखागारों में सुरक्षित रखने के लिए भेजा जाता है।

(ख) कार्यक्रम विनिमय एकक

अंतर्देशीय कार्यक्रम एकक

इस एकक का मुख्य कार्य उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों का केंद्रों में उनकी आवश्यकतानुसार विनिमय करना है। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में इस कार्य के लिए संगीत और उच्चरित शब्द कार्यक्रमों की रिकार्डिंगों के लगभग 8000 टेप सुरक्षित रखे गए हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं के संगीत और उच्चरित शब्दों के कार्यक्रमों के अतिरिक्त कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में संस्कृत, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उडिया, तमिल, तेलुगू और अंग्रेजी भाषाओं के पाठ भी सुरक्षित रखे गए हैं।

विदेश कार्यक्रम एकक

विदेश कार्यक्रम एकक विश्वभर के प्रसारण संगठनों से प्राप्त कार्यक्रमों के विनिमय का समन्वय करता है। इन कार्यक्रमों में विज्ञान, समसामयिक मामले, पाश्चात्य, सुगम, शास्त्रीय, वेर्स्टन पॉप और रॉक से लेकर महिला और पर्यावरण तक के विस्तृत विषय सम्मिलित हैं। यह एकक भारत में सार्क ऑडियो विजुअल एक्सचेंज (एस.ए.वी.ई.) कार्यक्रमों के प्रसारण के विनिमय का भी समन्वय करता है। इन कार्यक्रमों में श्रोताओं की रूचि के सभी पहलू शामिल होते हैं।

(ग) प्रत्यंकन एकक

इस सेवा के मुख्य कार्यों में से एक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भाषणों की रिकार्डिंग को तैयार करना और उनको खंडों के रूप में क्रमवार सुरक्षित रखना है। राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक सभाओं में दिए गए सभी भाषणों को रिकार्ड करना आकाशवाणी केंद्रों का अनिवार्य कार्य हैं। भाषणों की रिकार्डिंगों की टेपें विभिन्न संबंधित आकाशवाणी केंद्रों से प्राप्त की जाती हैं। सभी प्रत्यंकनों को बांधकर बंडल बनाए जाते हैं और अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जा.ा है।

(घ) सुसज्जीकरण एकांश

अभिलेखागार में सुरक्षित रखी गई रिकार्डिंग पुरानी पड़ने पर कुछ अतिरिक्त शोरयुक्त हो जाती हैं। इस शोर को सुसज्जीकरण द्वारा टेप से हटा दिया जाता है। अभिलेखागार की पुरानी टेपों से शोर समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की सहायता से कुछ साल पहले इस एकांश की स्थापना की गई थी। सहस्रों घंटों के संगीत व महात्मा गांधी, पं0 जवाहर लाल नेहरू आदि के स्वरों की रिकार्डिंगों का यहां सुसज्जीकरण किया गया है। आजकल इस एकांश ने आकाशवाणी संगीत के बैनर तले गुणवत्ता वाले ऑडियो की रिकार्डिंग का रख–रखाव और विमोचन आरंभ कर दिया है।

(ड.) डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार

सभी अभिलेखों की रिकार्डिंग को डिजिटलाइज़ करने के लिए वर्ष 2001 से एक विशेष परियोजना शुरू

की गई। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्य मानकों और नई टेप नंबरिंग प्रणाली के साथ प्रसारण नेटवर्क में आकाशवाणी मुख्य डिजिटल पुस्तकालयों में से एक बन गई। वर्ष 2008 से प्रारंभ हुए डिजिटाइजेशन के दूसरे चरण में लगभग 500 घंटों की रिकोर्डिंग को डिजिटलाइज़ किया गया है।

(च) विज्ञापन रिलीज

अप्रैल 2003 से आकाशवाणी के केंद्रीय अभिलेखागार ने आकाशवाणी संगीत के बैनर तले अपने बहुमूल्य संगीत संग्रह को जारी करना आरंभ कर दिया। अब तक 59 एलबम जारी किए जा चुके हैं। इनमें दो एलबम शब्द कीर्तन के हैं जिन्हें गुरू ग्रंथ साहब के त्रै–शताब्दी स्मरणोत्सव पर जारी किया गया इनके शीर्षक 'बानी गुरू, गुरू है बानी' हैं। इसके विपणन का अधिकतर कार्य आकाशवाणी केंद्रों द्वारा किया गया। आकाशवाणी संगीत रिलीजिज की सूची निम्न प्रकार से है:–

क्रम सं.	कलाकार	गायन/वादन
1.	पंडित ओंकार नाथ ठाकुर (खंड 1)	गायन
2.	पंडित ओंकार नाथ ठाकुर (खंड 2)	गायन
3.	पंडित डी.वी. पलुस्कर (खंड 1)	गायन
4.	पंडित डी.वी. पलुस्कर (खंड 2)	गायन
5.	पन्ना लाल घोष	बांसुरी
6.	उस्ताद अहमद खान वारसी, (खंड 1)	कव्वाली
7.	उस्ताद अहमद खान वारसी, (खंड 2)	कव्वाली
8.	मुसिरी सुब्रमन्या अय्यर, (खंड 1)	कर्नाटक गायन
9.	मुसिरी सुब्रमन्या अय्यर, (खंड 2)	कर्नाटक गायन
10.	द्वारम वेंकटास्वामी नायडू	वायलिन
11.	सेम्मनगुड़ी श्रीनिवास अय्यर	कर्नाटक गायन
12.	एम. डी. रामानाथन	कर्नाटक गायन
13.	पंडित वी. जी. जोग	वायलिन
14.	सिद्धेश्वरी देवी	गायन
15.	भजनावली	गायन
16.	अलातुर ब्रदर्स	कर्नाटक गायन
17.	अरियाकुड़ी रामानुजा अय्यंगर	कर्नाटक गायन
18.	एम. एस. सुब्बालक्ष्मी, (खंड–1)	कर्नाटक गायन
19.	एम. एस. सुब्बालक्ष्मी, (खंड–2)	कर्नाटक गायन
20.	उस्ताद आमिर खान, (खंड–1)	गायन
21.	पंडित कृष्ण राव शंकर पंडित	गायन
22.	पंडित कुमार गंधर्व	गायन
23.	टी. वृंदा/टी. मुक्ता	कर्नाटक गायन

24.	टी.एन. राजारत्नम पिल्लै	नागस्वरम वादन
25.	टी. चौडैया	कर्नाटक वायलिन
26.	पंडित निखिल बैनर्जी	सितार वादन
27.	डागर ब्रदर्स	ध्रुपद
28.	उस्ताद अलाउद्दीन खान	सरोद वादन
29.	बेगम अख्तर, (खंड–1)	गायन
30.	बेगम अख्तर, (खंड–2)	गायन
31.	चेंबई वैद्यनाथन भगवतर	गायन
32.	एम. एल. बंसता कुमारी, (खंड–1)	कर्नाटक गायन
33.	एम. एल. बंसता कुमारी, (खंड–2)	कर्नाटक गायन
34.	भीमसेन जोशी, (खंड–1)	गायन
35.	भीमसेन जोशी, (खंड–2)	गायन
36.	बड़े गुलाम अली, (खंड–1)	गायन
37.	बड़े गुलाम अली, (खंड–2)	गायन
38.	बड़े गुलाम अली, (खंड–3)	गायन
39.	डी. के रॉय	द्विजेन्द्र गीती
40.	महराजापुरम संथानम, (खंड–1)	कर्नाटक गायन
41.	महराजापुरम संथानम, (खंड–2)	कर्नाटक गायन
42.	टी. आर. महालिंगम	कर्नाटक गायन
43.	आजादी के गीत, (खंड–1)	देशभक्ति गीत
44.	आजादी के गीत, (खंड–2)	देशभक्ति गीत
45.	उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, (खंड–1)	शहनाई वादन
46.	उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, (खंड–2)	शहनाई वादन
47.	सुन्दर कांड	भक्ति गीत
48.	राग रंग	गायन
49.	राग रंग	वादन
50.	डी. के. पट्टामल, (खंड–1)	गायन
51.	डी. के. पट्टामल, (खंड–2)	गायन
52.	पं. राम नारायन, (खंड–1)	गायन
53.	पं. राम नारायन, (खंड–2)	गायन
54.	उस्ताद आमीर खान, (खंड–2)	गायन
55.	बानी गुरू गुरू है बानी, (खंड–1)	शबद
56.	बानी गुरू गुरू है बानी, (खंड–2)	शबद
57.	राधिका मोहन मैत्रा, (खंड–1)	सरोद वादन
58.	राधिका मोहन मैत्रा, (खंड–2)	सरोद वादन
59.	अहमद खान थिरकवा	तबला वादन

सभी आकाशवाणी केंद्रों के स्वागत कक्षों पर उपलब्ध है। पूछताछ के लिए प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा, आकाशवाणी कमरा नं. 9, आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली, दूरभाष – 23421947, 23421927 (टेलीफैक्स) से संपर्क करें।

वेबसाइट www.allindiaradio.org.in email:delhi.dtpes@air.org.in

विज्ञापन स्कंध

राजस्व अर्जित करने की जिम्मेदारी आकाशवाणी के विज्ञापन सैटअप की है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसारण में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद आकाशवाणी के विज्ञापन स्कंध ने अपने केंद्रीय विक्रय एकक, मुंबई तथा भारत के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों तथा मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नै, बैंगलूरू, हैदराबाद, कोलकाता, कोच्चि, तिरूवनंतपुरम, गुवाहाटी तथा जालंधर के 10 विपणन विभागों के जरिए लोकसेवा प्रसारक के रूप में अपनी मूल पहचान के साथ वर्ष दर वर्ष राजस्व में संवर्धन किया है।

आकाशवाणी की एक निर्धारित आचरण संहिता है जिसके द्वारा कार्यक्रमों के साथ विज्ञापन प्रासारण नियंत्रित होता है। हाल ही में इस संहिता के खंड–दो (4) में एक प्रावधान जोड़कर इसमें संशोधन किया गया है जिसके अनुसार मॉडल आचार संहिता लागू होने की अवधि के दौरान स्थानीय निकाय/राज्य विधान सभाओं/लोक सभाओं के आम चुनावो में अन्य व्यक्तियों, उम्मीदवारों/राजनीतिक पार्टियों से निर्धारित फीस के भुगतान और भारत के निर्वाचन आयोग के अधीन प्राधिकारी द्वारा प्रसारण से पूर्व की जांच के बाद स्पॉट और तुकबंदी के रूप में रेडियो पर विज्ञापन देने की अनुमति दी गई।

सभी आकाशवाणी केंद्रों और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रो/विविध भारती केंद्रों/एफ.एम. चैनलों में प्रसारण और विज्ञापन संहिता का पूर्णतः पालन करते हुए, बजट व कर्मचारियों की कमी के बावजूद, विज्ञापन स्कंध सरकारी विभागों और पी.एस.यू. (सार्वजनिक उपक्रम) से व्यापार प्राप्त करने में सक्षम हो पाया है। कुछ प्रमुख निजी कोरपोरेट ग्राहक हैं – हिन्दुस्तान लीवर लि., डाबर (इंडिया) लि., हीरो होंडा, रिलायंस ग्रुप, एल.जी., एयरटेल, वोडाफोन और रेनबैक्सी। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्रों में से हमारे पास प्रमुख ग्राहक ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जहाजरानी परिवहन एवं राजमार्ग, इग्नू, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, इंडियन ऑयल, बी.पी.सी.एल., बी.एस.एन.एल., एम.टी.एन.एल, एन.ए.सी.ओ., एन.एच.ए.आई, एस.बी.आई., पी.एन.बी., आई.आर.डी.ए. इत्यादि रहे हैं।

विज्ञापन विंग ने अपने सभी प्राइमरी चैनलों, स्थानीय रेडियो केंद्रों, एफ. एम. सहित विविध भारती केंद्रों पर स्पॉट क्रय बुकिंग की 1:1 बोनस योजना सुविधा लागू कर दी है। सभी लघु ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए 18 अगस्त 2009 से सभी पी.सी/एल.आर.एस. एवं विविध भारती केंद्रों ने अपने वर्गीकृत विज्ञापनों की दर 250/– रुपये से 150/– कर दी है। इस बाजार अनुकूल योजना की मॉनिटरिंग करते हुए विज्ञापन विंग प्रत्येक स्तर पर ग्राहक/विज्ञापन दाताओं से लगातार जुड़ा रहता है ताकि उन्हें आकाशवाणी पर, जो पूरे देश को कवर करने वाला एकमात्र माध्यम है, विज्ञापन खर्च के भाग को निवेश करने के लिए मनाया जा सके। विपणन विभाग और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र अपने ग्राहकों को उनके उत्पादन/सेवाओं के प्रचार के लिए उनके उपलब्ध बजट के अंदर "कम लागत पर मीडिया योजना" का अधिक से अधिक अवसर प्रदान करते हैं।

आकाशवाणी का विज्ञापन विंग आकाशवाणी के अन्य निष्पादन अनुभागों/विंग से भी बराबर जुड़ा रहता है, ताकि वह वर्तमान प्रतिस्पर्धापूर्ण मीडिया पर्यावरण में रेडियो प्रसारण को और अधिक प्रभावशाली बनाने में कार्यक्रम विंग के नीति निर्माताओं की सहायता कर सके/उन्हें नीतिगत प्रतिक्रिया दे सके।

वास्तव में इस पूरे संगठन के राजस्व अर्जन का उत्तरदायित्व विज्ञापन विंग पर ही है और निःसंदेह पिछले कुछ वर्षों में इस संगठन का कुल राजस्व बढ़ाने में इसने अच्छे परिणाम दिए हैं।

पिछले पांच वर्षों के दौरान आकाशवाणी द्वारा अर्जित राजस्व, जो प्रत्येक वर्ष आगे की ओर बढ़ रहा है, निम्न तालिकानुसार है:–

2005–06	268.83 करोड़ रूपए
2006.07	283.65 करोड़ रूपए
2007.08	289.21 करोड़ रूपए
2008.09	291.59 करोड़ रूपए
2009.10	303.18 करोड रूपए

विपणन

प्रसार भारती सार्वजनिक सेवा प्रसारक के उत्तरदायित्व को निभाते हुए राजस्व अर्जन को और समुचित और आक्रामक ढंग से बढ़ाने के लिए इन हाऊस कार्यक्रमों के साथ कस्टमाइज कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है। इस दिशा में मुंबई, चेन्नै, बैंगलूरू, हैदराबाद, दिल्ली, कोलकाता, गुवाहटी, कोच्चि, तिरूवनंतपुरम और जालंधर में विपणन प्रभाग खोले गए हैं।

विपणन प्रभाग, आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी चैनलों में विज्ञापन के लिए एक सिंगल विंडो सुविधा है। ग्राहकों तक पहुँच और उनके बजट व उनकी आवश्यकतानुसार मीडिया योजना को तैयार करना, प्रचार का निष्पादन करना और स्पॉट जिंगल्स का निर्माण तथा जरुरत पड़ने पर प्रायोजित कार्यक्रमों का निर्माण करना, ये कुछ महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपणन प्रभाग द्वारा किए जाते हैं।

वर्ष 2009–10 के मुख्य ग्राहकों में – ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, आयकर निदेशालय, कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय, सड़क एवं परिवहन मंत्रालय, कॉमनवेल्थ, हयूमन राइट इनिशियेटिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नु), महिला एवं बाल मंत्रालय, पोषक बोर्ड विभाग, और निजी ग्राहक जैसे एयरटेल, एयरसेल, वोडाफोन, एम.टी.एस., एल.जी, रैनबैक्सी, परफैक्टी एवं पिडीलाइट इत्यादि हैं।

वर्ष 2008–09 में विपणन प्रभाग दिल्ली ने आकाशवाणी के राजस्व अर्जन में 102.46 करोड़ रुपये का योगदान दिया। विपणन प्रभाग ने अपने अनवरत व ठोस प्रयासों से वर्ष 2009–10 में कुल 303.18 करोड़ रूपए का रिकार्ड राजस्व अर्जित किया।

प्रत्येक वर्ष जनवरी से मार्च महीने की अवधि हमेशा वह समय होता है जब विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों से विजनेस प्राप्त होता है। इन महीनों के दौरान प्रत्येक विभाग विज्ञापन के लिए उपलब्ध बजट निधि का स्पष्ट जायजा लेते हैं जिसके परिणामस्वरूप वे हमारे प्रस्ताव पर शीघ्र अनुमोदन देते हैं। बहुत सी क्रिकेट संबंधी गतिविधियॉं हो रही हैं, तथा आने वाले महीनों में और भी होने ही उम्मीद है। इन श्रृखंलाओं की मार्केटिंग से आकाशवाणी को अच्छे राजस्व अर्जन की उम्मीद है। इस वर्ष की

उपलब्धि में विभिन्न खेलों की सफलता पूर्वक मार्केटिंग है और विभिन्न नए सरकारी एवं प्राइवेट विभागों को आकाशवाणी ग्राहकों की सूची में शामिल करना भी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2010, अक्तूबर 2010 में आयोजित किए जाने वाले हैं। विस्तृत विपणन योजनाओं को बनाया और कवरेज योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विपणन विभाग आगामी राष्ट्रमंडल खेल 2010 से अच्छा राजस्व अर्जित करने की उम्मीद रखता है। इस तरह की परियोजनाओं की प्रक्रिया से हम एक अच्छा राजस्व अर्जित कर सकते हैं, और हम अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकते हैं।

समाचार सेवा प्रभाग

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग (एन. एस. डी.) सार्वजनिक प्रसारक के रूप में समाचारों एवं सूचनाओं को जन–मानस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आकाशवाणी के समाचारों को हमेशा से विश्वसनीयता, वास्तविकता यथार्थ समतुल्य एवं स्पष्टता के कारण पहचाना जाता है। मीडिया परिदृश्य में तीव्र बदलाव और विभिन्न मीडियाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण समाचार की प्रकृति में बदलाव लाया गया है जो सही सोच रखने वाले लोगों को ध्यान में रखकर किया गया है। तथापि आकाशवाणी के समाचार अपने सिद्धांतों के कारण जनता को निष्पक्ष एवं वास्तविक सूचनाएं मुहैया कराने में प्रतिबद्ध है।

समाचार एवं समाचार आधारित कार्यक्रम

समाचार सेवा प्रभाग प्रतिदिन कुल 56 घंटों की अवधि के 647 बुलेटिन 90 भाषाओं/बोलियों में गृह, क्षेत्रीय, बाहरी एवं डी.टी.एच. सेवा हेतु दिल्ली मुख्यालय एवं 44 क्षेत्रीय समाचार एककों के माध्यम से पूरे देश में प्रसारित करता है। जिसमें 41 आकाशवाणी केंद्रों के एफ.एम. सेवा व अन्य एफ.एम. फ्रिक्वेंसी चैनल 314 घंटे का समाचार प्रसारित करते हैं। समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय सें 13 दैनिक और 10 साप्ताहिक समाचार आधारित कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। जो कुल 6 घंटे 49 मिनट की अवधि के होते है और ये सरकारी कार्यक्रम, लोगों के विकास संबंधी कार्यक्रम और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख घटनाओं के कार्यक्रम होते हैं। संसद सत्र में भी विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। इसी प्रकार क्षेत्रीय समाचार एकक भी 17 दैनिक और 94 साप्ताहिक समाचार आधारित कार्यक्रमों को जो लगभग 25 घंटों की अवधि के होते हैं, तैयार कर प्रसारित करता है। इसके अलावा ये एकक विधान सभा सत्र के दौरान अपने विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित करते हैं।

न्यूज ऑन फोन (एन.ओ.पी)

एन.ओ.पी. के आने से समाचार सेवा प्रभाग को अपनी प्रसिद्धि में एक नया आयाम मिला है। अब दूरभाष के माध्यम से निर्दिष्ट नंबरों पर कॉल करने से नवीनतम जानकारियों को सुना जा सकता है। वर्तमान में न्यूज ऑन फोन (एन.पी.ओ.) सेवा समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय और 13 क्षेत्रीय समाचार एककों जिनमें मुंबई, चेन्नै, गुवाहटी, इम्फाल, हैदराबाद, बैंगलूर, तिरूवनंतपुरम, पटना, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, रायपुर और शिमला में उपलब्ध है। 11 वीं योजना में एन.ओ.पी. सेवा का विस्तार 16 और क्षेत्रीय समाचार इकाइयों पर किया जा रहा है।

समाचार विस्तार

एन.एस.डी. ने दिनांक 27.08.2009 को आकाशवाणी, ईटानगर से दो समचार बुलेटिन हिंदी व अंग्रेजी में शुरू किए। नार्थ–ईस्ट में आकाशवाणी समाचार के नेटवर्क को और अधिक बढ़ाने के सरकार के वादे के कारण विशेष तौर पर हिंदी बुलेटिन प्रारंभ किया गया। अरूणाचल प्रदेश के लोगों को जानकारियां मुहैया कराने के लिए प्रतिदिन 19.45 बजे से 19.50 बजे तक के हिंदी बुलेटिन तथा 19.50 से 19.55

बजे तक के अंग्रेजी बुलेटिन का प्रसारण किया जाता है। इसके साथ ही क्षेत्रीय समाचार इकाइयों से प्रसारित होने वाले कुल बुलेटिनों की संख्या बढ़कर 474 हो गई हैं जिसमें 174 अंतर्देशीय सेवा बुलेटिन, 10 विदेश सेवा बुलेटिन और 290 हैडलाइन बुलेटिन शामिल हैं।

एफ. एम. हेडलाइन बुलेटिन

नगर और शहरों के लोग अपने रोजमर्रा में कार्यों में व्यस्त रहते हैं उन्हें इस दौरान एफ.एम. अपने समाचारों के माध्यम से तुरंत व शीघ्रतम नई–नई जानकारियां एफ.एम हैडलाइन के माध्यम से मुहैया करवाता रहता है। इस प्रसारण मोड में एन.एस.डी. विशेष स्थानीय समाचार सारांश प्रसारित करते हैं। पहले, पूरे देश से 294 एफ.एम बुलेटिन प्रसारित किए जाते थे अब बढ़ती मांग के कारण इनकी संख्या बढ़कर 313 हो गई है।

समाचार एकत्रण नेटवर्क

एन.एस.डी. के पास समाचार ब्यूरो संवाददाताओं और संपादकों का एक नेटवर्क है। देश भर में इसकी 44 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आर.एन.यू.) में 100 से ज्यादा पूर्णकालिक संवाददाता/संपादक कार्यरत है। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न भागों में स्थित 8 गैर क्षेत्रीय समाचार एकक संवाददाता हैं। इसके अलावा दुबई, काबुल, ढाका, काठमांडू और कोलंबो में प्रसार भारती के पांच (5) विशेष संवाददाता भी है जो आकाशवाणी समाचार सेवा को समाचार भेजते हैं। सामाचार सेवा प्रभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम संवाददाता एवं सर्वोत्तम संपादक का अवार्ड विषयपरक समाचार, रिपोर्टिंग तथा प्रभावशाली संपादक के लिए दिया जाता है।

अंशकालिक संवाददाता (पी.टी.सी)

जिला एवं सुदूर क्षेत्रों से समाचार वृतांत प्राप्त करने के लिए अंश कालिक संवाददाताओं की सेवाएं ली जा रही है। अंशकालिक संवाददाताओं के समाचार वृतांतों का मुख्यतः क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों में प्रयोग किया जाता है। हालांकि इन समाचारों को राष्ट्रीय समाचार बुलेटिनों में भी प्रसारित किया जाता है। अंशकालिक संवाददाता मुख्यतः अन्य नौकरियों व व्यवसायों में पूर्णकालिक रूप से कार्यरत हैं परन्तु एन.एस.डी. में वे अंशकालिक आधार पर कार्य करते हैं। वे प्रसार भारती के नियमित कर्मचारी नहीं है। उनके कार्य निष्पादन के आधार पर ही उनकी अनुबंध अवधि का अगली अवधि के लिए नवीनीकरण किया जाता है। अंशकालिक संवाददाता क्षेत्रीय समाचार एकक की निगरानी व मॉनीटरिंग में कार्य करते हैं। उन्हें क्षेत्रीय समाचार एकक के नियमित संवाददाताओं व संपादकों से सही मार्गदर्शन व व्यवहारिक सहायता मिलती रहती है। अंशकालिक संवाददाताओं की कुशलता को परिणामदायक बनाने के लिए एन.एस.डी. लाभप्रद कार्यशालाओं का आयोजन करती है। दो वर्ष के दौरान एन.एस.डी. ने 20 ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन विभिन्न राज्यों में किया है।

लोक सभा व विधान सभा के चुनाओं के दौरान चुनाव की सही कवरेज के लिए अंशकालिक संवाददाताओं हेतु विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। वर्ष 2009 में ऐसी ओरियंटेशन कार्यशालाएं हैदराबाद, नागपुर, चंडीगढ़ और रॉची में आयोजित की गईं। आकाशवाणी समाचार बुलेटिन को सही ढंग से अच्छी आवाज में पढ़ने व अलग वृतांतों के लिए अंशकालिक संवाददाताओं को श्रेय दिया जाता है और उनके अच्छे निष्पादन के लिए पी.टी.सी. वार्षिक अवार्ड का शुभारंभ किया गया है। पी.टी.सी. संबंधित जो मामले आकाशवाणी केंद्र स्तर पर नही सुलझाए जाते उन मामलों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक की देख–रेख में एक राष्ट्रीय स्तर की समन्वय समिति एन.एस.डी. मुख्यालय में है। इस समिति की बैठक में एन.एस.डी. और दूरदर्शन (समाचार) के वरिष्ठ अधिकारी तथा पी.टी.सी. के प्रतिनिधि देश के विभिन्न भागों से उपस्थित होते हैं।

वेबसाइट

एन.एस.डी. के पास एक वेबसाइट **www.newsonair.nic.in** है। इसे भारत में रह रहे टैक–सेवी लोग व जानकारियां एकत्रित करने में रूचि रखने वाले विदेशों में रह रहे भारतीय व अन्य लोग सुन सकते हैं। इस वेबसाइट की खासियत है कि इन समाचार बुलेटिनों को अंग्रेजी और हिंदी में ही नहीं बल्कि 20 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में भी सुन सकते हैं। वर्तमान में इस वेबसाइट में 9 राष्ट्रीय समाचार बुलेटिन और 36 क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन उपलब्ध हैं। गणमान्य व्यक्तियों के साक्षात्कर सहित विशेष कार्यक्रमों के ऑडियो भी इस वेबसाइट में डाले जाते हैं।

2009 के आम चुनाव के दौरान प्रथम बार पहले दिन की वोटों की गिनती के विशेष बुलेटिन व कार्यक्रमों को एन.एस.डी. की वेबसाइट में डाला गया। इस वेबसाइट में आम चुनावों और विधान सभा के चुनावों के विशेष खंडों के अलावा नवीनतम चुनाव संबंधी बुलेटिनों को अपलोड किया गया। अन्य महत्त्वपूर्ण घटनाओं सहित आम बजट की प्रस्तुति रेल बजट और क्रिकेट मैच को एक विशेष विंडो में कवर किया गया।

इंट्रा–एन.एस.डी. सेवा

इंट्रा–एन.एस.डी एन.एस.डी. मुख्यालय और इसकी 44 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आर.एन.यू.) और गैर क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (नॉन आर.एन.यू.) के बीच जानकारियों के आदान–प्रदान के लिंक के रूप में कार्य करता है।

जी.एन.आर. ऑटोमेशन (स्वचलित–सामान्य समाचार कक्ष)

एन.एस.डी. मुख्यालय में स्थित सामान्य समाचार कक्ष और हिंदी न्यूज़ कक्ष के बीच के लिंक को सुप्रवाही बनाने के लिए एक स्वतंत्र स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (लैन) को उद्यत व्यवस्था के रूप में सेटअप किया गया है ताकि वर्तमान प्रणाली फेल होने की स्थिति में वह काम कर सके।

चुनावों की विस्तृत कवरेज

एन.एस.डी. मुख्यालय और 44 क्षेत्रीय समाचार एकको द्वारा आम चुनावों की पूर्ण/विस्तृत कवरेज के लिए योजना बनाई गई। एन.एस.डी. मुख्यालय व अन्य क्षेत्रीय समाचार एककों से मुख्य चुनाव क्षेत्रों की बेहतर कवरेज के लिए संवाददाताओं को तैनात किया गया। एन.एस.डी. मुख्यालय के चुनाव प्रकोष्ठ ने समाचार बुलेटिन वृतांतों को भेजने, बुलेटिनों को अद्यतन करने, उन्हें और ज्यादा उपयोगी, सुनने लायक व रोचक बनाने में क्षेत्रों में स्थित संवाददाताओं का मार्गदर्शन किया।

समाचार सेवा प्रभाग ने समाचार बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों में विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच संतुलन व निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा। पहले प्रयास में और कम समय में इंटरनेट के जरिए पूरा कवरेज इस प्रकार किया गया कि जैसे कवरेज और कार्यक्रमों का सैलाब आ गया हो और इसके विज्ञापनों के जरिए रिकार्ड तोड़ राजस्व अर्जित किया गया। मतदान के दिन दो विशेष कार्यक्रमों को तैयार किया गया जिनमें राजनैतिक नेताओं, विश्लेषकों, विशेषज्ञों ने चुनाव परिणाम संबंधी चर्चाओं में भाग लिया। समाचार सेवा प्रभाग ने पब्लिक स्पीक, करंट अफेयर्स, चर्चा का विषय है, न्यूज़ एनालिसिस और स्पॉट लाइट सहित 19 समाचार आधारित कार्यक्रम तैयार किए जिनसे श्रोताओं को नवीनतम व गहनतम जानकारियां प्राप्त हुईं। क्षेत्रीय समाचार एककों ने देश भर में 459 अतिरिक्त बुलेटिन और 83 विशेष पैनल चर्चाओं संबंधी कार्यक्रम प्रसारित किए। समाचार सेवा प्रभाग (एन.एस.डी) ने यू.पी.ए. सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का 30 मिनट का सीधा द्विभाषी कार्यक्रम प्रसारित किया। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, उड़ीसा में बी.जे.डी. सरकार, महाराष्ट्र में कांग्रेस–राष्ट्रवादी कांग्रेस गठबंधन सरकार

और आंध्र प्रदेश, हरियाणा और अरूणाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया। .

भारत निर्माण का कवरेज

समाचार सेवा प्रभाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा), मिड डे मील योजना, सर्वशिक्षा अभियान, जवाहर लाल नेहरू अर्बन रिन्यूअल मिशन राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और महिला सशक्तीकरण जैसे सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम सहित भारत निर्माण लोक सूचना अभिमान (पी.आई.सी.) कार्यक्रम का व्यापक प्रचार–प्रसार किया। रेड रिबन एक्सप्रैस–।। के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान व एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम हेतु लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार किया।

प्रधानमंत्री की यात्राओं का कवरेज

प्रधानमंत्री की विभिन्न देशों की यात्राओं का व्यापक कवरेज राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों और साथ ही समाचार आधारित कार्यक्रमों में किया गया। प्रधानमंत्री की जिन यात्राओं को कवरेज दी गई वे इस प्रकार हैं – जी 20 शिखर सम्मेलन, बी.आर.आई.सी. शिखर, एस.सी.ओ. शिखर, जी–8, जी–5 और गुट–निरपेक्ष शिखर, एशियन और ईस्ट एशियन शिखर, सयुंक्त राष्ट्र संघ (यू.एस.) के राष्ट्रपति के साथ शिखर वार्ता और इंडो–एशियन शिखर।

अन्य महत्त्वपूर्ण कवरेज

सुखोई विमान उडाने वाली, श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल की विश्व की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनने की उपलब्धि जम्मू और कश्मीर के चौतरफा विकास हेतु, प्रधानमंत्री का विशेष पैकेज, सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी द्वारा जम्मू और कश्मीर में आकाशवाणी और दूरदर्शन के नेटवर्क को बढ़ाने के लिए 100 करोड़ के पैकेज की घोषणा, प्रेस सूचना ब्यूरो (पी.आई.बी;) द्वारा श्रीनगर व दिल्ली राज्यों के सूचना मंत्रियों के सम्मेलन की कवरेज, अग्नि–।। मिसाईल से न्यूक्लियर की टेस्ट फायरिंग, भारतीय वायु सेना में एयर बोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (ए.डब्लू.ए.सी.एस.) शामिल होना, विशाखापट्टनम में भारत के प्रथम इंडीजिनीयस न्यूक्लियर सबमरीन का शुभारंभ, पी.एस.एल.वी. सी–14 का प्रक्षेपण, लिब्रहान आयोग की रिपोर्ट, इंडो न्यूज़ सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन, चन्द्रयान, केरल में इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ सांइस एंड स्पेस टेक्नॉलोजी (आई.एस.एस.टी.) का उद्घाटन, न्यू ट्रेड पॉलिसी, इंडो–एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हेतु हस्ताक्षर, देश के इको–सिस्टम के संरक्षण की 11000 करोड़ रुपये की योजना। राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड के प्रस्तुतीकरण एवं गोवा में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सव का भी व्यापक कवरेज किया गया।

खेल कवरेज

नई दिल्ली में 2010 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल का लंदन में बैटन रिले समारोह, सचिन तेंदुलकर के विश्व रिकॉर्ड प्रदर्शन सहित भारत की क्रिकेट में 100 टेस्ट की जीत, रूस में महिला हॉकी टीम की चैलेंजर ट्राफी की जीत, चीन में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सुरनजॉय सिंह को पहला स्वर्ण पदक, जर्मन ग्रां प्रि कुश्ती चैंपियनशिप में सुशील कुमार और राहुल अवारे के स्वर्ण पदक जीतने का जोर–शोर से प्रचार–प्रसार किया गया।

संसद सत्रों का कवरेज

समाचार सेवा प्रभाग (एन.एस.डी.) संसद सत्र के प्रारंभ में विभिन्न राजनैतिक दलों के सांसदों के साथ

'इश्यूज़ बिफोर द पार्लियामेंट' अंग्रेज़ी में और 'संसद के समक्ष मुद्दे' हिंदी में का आयोजन करता है। संसद सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों के दिन भर की कार्रवाई की समीक्षा कार्यक्रम 'संसद समीक्षा' हिंदी में तथा 'टुडे इन पार्लियामेंट' अंग्रेज़ी में प्रसारित किये जाते हैं। इसी प्रकार जब भी उनका सत्र चलता है विधान सभाओं की कार्रवाई की समीक्षा का भी संबंधित क्षेत्रीय समाचार एककों द्वारा प्रसारण किया जाता है।

खेल

2009–10 के दौरान आकाशवाणी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच, जो भारत और विदेश में खेले गए, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप हैदराबाद, लखनऊ में आयोजित 19वीं एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप, पुणे अंतर्राष्ट्रीय मेराथन 2009, विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप 2009 और फुटबाल, हॉकी, बैडमिंटन और टेनिस के राष्ट्रीय टूर्नामेंट की व्यापक कवरेज की गई। ये कवरेज राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर पर की गई।

इंग्लैड की महारानी क्वीन ऐलिजाबेथ द्वितीय द्वारा दिनांक 29.10.2009 को जारी क्वीन बैटन का सीधा प्रसारण किया गया। राष्ट्रीय हुकअप पर राष्ट्रमंडल खेल से पहले के कार्यक्रम का 30 मिनट का प्रसारण जनवरी 2010 से महीने में दो बार अंग्रेज़ी और हिंदी में किया गया। राष्ट्रीय हुकअप पर क्षेत्रीय अनुवाद को क्षेत्रीय केंद्रों से प्रसारित किया गया। राष्ट्रमंडल खेलों से संबंधित घटनाओं, जिसमें राष्ट्रमंडल शूटिंग चैंपियनशिप 17 फरवरी से 27 फरवरी 2010 तक, तीरंदाजी 7 से 13 मार्च तक और 5वां राष्ट्रमंडल बाक्सिंग चैंपियनशिप 10 से 18 मार्च तक को राष्ट्रीय नेटवर्क पर कवर किया गया।

दिल्ली में विश्व कप हॉकी 2010 का सीधा प्रसारण

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

निर्णय लेने की कला, विपदा प्रबंधन, वॉइस कल्चर, एंकरिंग की कला, इंटरव्यू की कला, संगीत समीक्षा विषयों सहित रेडियो संप्रेषण को प्रभावशाली, नवीनतम, वैज्ञानिक एवं क्रमबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए कार्यक्रम कर्मचारियों की कार्यशाला आयोजित की गई।

भारत में आगामी राष्ट्रमंडल खेलों और भारत के खाद्य सुरक्षा मिशन को ध्यान में रखते हुए हमारे प्रशिक्षण संस्थानों में रेडियो पर खेल का सीधा प्रसारण और रेडियो कृषि–दृश्य आदि पर विशेष कार्यशालाओं की श्रृंखलाएं पुनर्निर्धारित की गई।

प्रशासनिक कर्मियों के लिए इस साल 'फील्ड कार्यालय का प्रबंधन, अनुशासनिक प्रक्रिया और विभागीय पूछताछ' 'साईबर कार्यालय 'प्रबंधन', 'संस्था नियम', क्रय प्रबंधन, 'सेवाओं में आरक्षण तथा जो समूह 'घ' के कर्मचारी अ.श्रे.लि.' में पदोन्नति के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होंगे उनके प्रशिक्षण के लिए प्रारंभिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

1. इन हाउस पाठ्यक्रम

- कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) और उसके 6 प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) भुवनेश्वर, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरूवनंतपुरम में 53 पाठ्यक्रम चलाए गए जिनमें 31 कार्यक्रम और 22 प्रशासनिक पाठ्यक्रम है। इसमें आकाशवाणी और दूरदर्शन के 1378 कार्मिकों, जिनमें 763 कार्यक्रम और 615 प्रशासनिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- **वाणी प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम**:– आकाशवाणी के कई केंद्रो में भुगतान के आधार पर नए चुने गए सूत्रधारों, उद्घोषकों, प्रस्तुतकर्ताओं, समाचार वाचकों, संपादकों और संवाददाताओं के वाणी (वायस आर्टिकुलेशन एंड नरचरिंग इनिशियेटिव) प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। 96 बेचों में लगभग 1632 प्रत्याशियों को प्रशिक्षित किया गया।

2. बाह्य पाठ्यक्रम

- **इग्नू पाठ्यक्रम** – इग्नू के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार प्रसार भारती रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आर.पी.) और श्रव्य कार्यक्रम प्रस्तुति (पी.जी.डी.ए.पी.पी.) में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। 4 बैचों में लगभग 68 छात्रों को प्रेक्टिकल प्रशिक्षण दिया गया।
- **जन मीडिया पाठ्यक्रम**: मान्यता प्राप्त संस्थानों के 64 छात्रों को जन–मीडिया प्रेक्टिकल प्रशिक्षण दिया गया।

3. इन कंट्री वर्कशॉप

- नवंबर 2009 में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) भुवनेश्वर में ए.आई.बी.डी.सी.बी.ए. के संयोजन में "आपदा प्रबंधन" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम अभियांत्रिकी और समाचार अनुभागों से कुल 23 उम्मीदवार इस कार्यशाला में उपस्थित हुए।
- कैपेसिटी बिल्डिंग और इनोवेटिव प्रोग्रामिंग में यूनिसेफ के संयोजन में पोलियो की रोकथाम व स्वास्थ्य संबंधी पांच कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में आकाशवाणी केंद्रों/दूरदर्शन केंद्रों से कुल 119 प्रोग्रामरों ने भाग लिया।

अर्जित राजस्व

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने सभी संसाधनों द्वारा अप्रैल 2009 से मार्च 2010 तक 55,73,685 रुपये (कुल रुपये पचपन लाख तिहत्तर हजार छः सौ पचासी मात्र) शुद्ध राजस्व अर्जित किया।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

वर्ष 2009–10 के दौरान प्रत्येक अनुभाग/इकाई और केंद्रों कार्यालयों ने संघ की राजभाषा नीति का पालन करने का ईमानदारी से प्रयास किया और हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाया। परिणामस्वरूप राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के तहत आने वाले सभी दस्तावेज द्विभाषी हिंदी–अंग्रेज़ी में जारी किए गए। इसके साथ ही सभी पत्र जो हिंदी में प्राप्त हुए उनके उत्तर हिंदी में दिए गए। अतः इस वर्ष 100 प्रतिशत सांविधिक अनिवार्यताओं का अनुपालन सुनिश्चित किया गया।

आकाशवाणी बेंगलूरु में आयोजित हिंदी दिवस समारोह

प्रशासनिक प्रमुख की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में बैठकें हुई और हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा की गई।

14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया गया और हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। महानिदेशालय द्वारा आकाशवाणी केंद्रों, कार्यालयों और मुख्यालयों के उन अधिकारियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अधिकार क्षेत्र में रहकर राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ाने में अपना विशेष योगदान दिया।

समीक्षा अवधि के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम में स्थित आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों के लिए संघ की राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एक विशेष पुरस्कार की शुरूआत की गई है जिससे 'ग' क्षेत्र में पुरस्कारों की संख्या 1 से बढ़कर 2 हो गई है। ये पुरस्कार 'क' और 'ख' क्षेत्रों के कार्यालयों को दिए जाने वाले पुरस्कारों के अलावा होंगे। ये राजभाषा सम्मान आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर दिए जाते हैं, जिससे राजभाषा कार्यान्वयन को आकाशवाणी की प्रमुख गतिविधियों के एक भाग के रूप में पहचान मिल सके।

आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली हिंदी पत्रिकाओं में भी संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन का सतत् प्रयास होता है जिनकी समय–समय पर निरीक्षण के दौरान माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा प्रशंसा की जाती है।

प्रशासन

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण

प्रसार भारती ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को क्रियान्वित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। नोडल मंत्रालय/विभागों द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी सेवा और वैयक्तिक मामलों में आरक्षण देने संबंधी सभी समुचित निर्देश एवं अनुदेश आकाशवाणी के सभी कार्यालयों और क्षेत्रीय इकाइयों को परिचालित कर

दिए गए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के समन्वय अधिकारी संबंधितों के हितों की रक्षा करने संबंधी अनुदेशों के क्रियान्वयन पर निगरानी रखते हैं। दिनांक 05.08.04 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36038/2004–स्थापना (आरक्षण), विशेष भर्ती अभियान दिनांक 01.07.04 और अनुवर्ती दिनांक 01.11.2008 और भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के 22.04.2009 के अ.शा. पत्र सं 14011/01/2009 के आदेशों के अनुसरण में कार्रवाई की गई। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति वर्ग की आरक्षित बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए सभी कैपिटल केंद्रों को अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति समन्वय अधिकारियों को नामित करने का निदेश दिया है।

जहां तक अन्य पिछड़ा वर्ग की दिनांक 31.03.2006 की स्थिति के अनुसार 759 रिक्तियों का प्रश्न है, जिनमें 610 समूह 'ग' तथा 149 समूह 'घ' की रिक्तियां हैं, दिनांक 25/04/2006 के भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36033/2/20076–स्थापना (आरक्षित) के अनुसार उनकी पहचान कर ली गई है जिसकी जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेज दी गई।

लोक शिकायत और निवारण तंत्र

केंद्र स्तर पर क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर और केंद्रीय मुख्यालय स्तर पर प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के निर्देशानुसार शिकायत निवारण और समाधान तंत्र की स्थापना की गई। आकाशवाणी के सभी कार्यालयों में सूचना और सुविधा काउंटर बनाए गए हैं। शिकायतों के निपटान की स्थिति की रिपोर्ट नियमित रूप से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेजी जाती है। वर्ष 2009–10 में आकाशवाणी में 100 स्टाफ शिकायतें और 3 लोक शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 79 स्टाफ शिकायतों का निपटान कर दिया गया और शेष प्रक्रियाधीन हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का क्रियान्वयन

लोक सशक्तीकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के क्रम में सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के विभिन्न प्रावधानों की लोगों को जानकारी देने के लिए आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किए गए है। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यालय प्रमुखों को कहा गया है कि वे अपने कार्यक्रमों में इस अधिनियम की मुख्य विशेषताओं को उजागर करें। सितंबर 2008 से इस अधिनियम को फ्लैग–शिप कार्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। आकाशवाणी भविष्य में भी इस अधिनियम के प्रचार–प्रसार को निरंतर जारी रखेगा।

सूचना का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए आकाशवाणी महानिदेशालय में 44 केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सी.पी.आई.ओ.) और 6 अपील प्राधिकारी और क्षेत्रीय स्तर पर 295 सी.पी.आई.ओ. और 20 अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

वर्ष 2009–10 (01.04.2009 से 31.03.2010) में 917 आर.टी.आई. आवेदन प्राप्त हुए और उनका निर्धारित समय में जवाब दिया गया।

वर्ष 2009–10 (01.04.2009 से 31.03.2010) के दौरान अपील प्राधिकारी को 150 अपीलें प्राप्त हुईं और उन सबका निपटान किया गया।

महिला सशक्तीकरण

आकाशवाणी के पूरे देश में 320 केंद्रों/कार्यालयों में 26304 कार्मिक हैं जो कार्यक्रम, अभियांत्रिकी एवं प्रशासन तीन शाखाओं में कार्यरत हैं।

आकाशवाणी में समूह 'क' एवं 'ख' और 'ग' में महिलाओं की संख्या 24.6 प्रतिशत से अधिक है।

इस संगठन के प्रमुख (हेड) के पद पर महिला अधिकारी कार्यरत हैं। निदेशक (प्रशासन) के पद पर

भी आकाशवाणी महानिदेशालय में महिला अधिकारी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त एस.ए.जी, .जे.ए.जी, एस.टी.एस., जे.टी.एस. स्तरों पर भी कार्यक्रम और इंजीनियरिंग खंडों में महिला अधिकारी कार्यरत हैं।

महानिदेशालय के परिपत्र सं.1/29/2008–महिला सेल/डब्ल्यू एल दिनांक 23.09.2008 के माध्यम से महिलाओं की शिकयात/महिलाओं के उत्पीड़न की शिकायतों के लिए सभी आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों में महिला सेल स्थापित करने के निर्देश दिए गए। महिला सेल सभी आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों में स्थापित किए जा चुके हैं।

महिला कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी गतिविधियां

इस संबंध में निम्नलिखित बिंदुओं का उल्लेख किया जाता है।

क) आकाशवाणी के कई कार्यालय प्रसार भारती की अपनी बिल्डिंगों में ही स्थापित हैं। यहां पर उनके बैठने तथा पीने के पानी का पर्याप्त प्रबंध है। उनके पास कार्य करने की जगह पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था है। स्टॉफ के लिए उचित प्रसाधनों की व्यवस्था है तथा महिला स्टाफ के लिए आवश्यकतानुसार अलग से उचित प्रसाधनों का प्रावधान है।

ख) आकाशवाणी की अधिकतर जगहों में अपने ही स्टाफ क्वार्टर हैं तथा उनको ये क्वार्टर आकाशवाणी के आवासीय क्वार्टर आबंटन नियम के अंतर्गत आबंटित किए जाते हैं।

ग) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के निर्देशानुसार सेवा काल में देहांत हुए स्टाफ कर्मी के निकट संबंधियों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की जाती है जिनमें परिवार की महिला सदस्य भी शामिल है।

घ) आकाशवाणी का स्टाफ जैसे तकनीशियन, वरिष्ठ तकनीशियन, अभियांत्रिकी सहायक, वरिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक इत्यादि की शिफ्ट ड्यूटी होती है। शिफ्ट ड्यूटी इनकी सेवा का आनुषांगिक अंग है। देर रात्रि शिफ्ट ड्यूटी में महिलाओं को घर तक छोड़ने के हर संभव प्रबंध किए गए हैं।

ड) स्टाफ (पुरूष/महिला) को भारत सरकार से अनुमोदित वेतनमान दिया जाता है। आकाशवाणी के कर्मचारियों को जिसमें महिला कर्मचारी भी शामिल हैं, उन सभी को सरकारी नियमों के अनुसार अवकाश/छुट्टी दी जाती है।

च) आकाशवाणी स्टाफ (महिला कर्मचारी सहित सभी) को भारत के कर्मचारियों की तरह आवधिक लाभ दिए जाते हैं।

छ) जहां कहीं भी केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना है वहां पर आकाशवाणी के स्टाफ को यह सुविधा दी गई है। अन्य स्थानों में आकाशवाणी के कर्मचारियों को केंद्रीय सेवा (मेडिकल अटेंडेंस) नियम के अंतर्गत निजी डॉक्टरों को उनके व उनके परिवार की चिकित्सा के लिए प्राधिकृत किया जाता है। आग्रह अनुसार महिलाओं को अलग से मेडिकल अटेंडर्स (सहायता) प्राधिकृत किए जाते हैं।

ज. आकाशवाणी अपने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन के रूप में वार्षिक पुरस्कार देती है। यह पुरस्कार कार्यक्रम और साथ ही तकनीकी विशिष्टता के लिए दिया जाता है तथा पुरस्कार योजना में बहुत सी महिलाओं को ये पुरस्कार दिए गए।

झ. महिला सशक्तीकरण समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए एक नई श्रेणी के पुरस्कार–सर्वोत्तम महिला कार्यक्रम, को आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार के तहत 2009 से प्रारंभ किया गया। महिला कार्यक्रम के निर्माण में महिला निर्माताओं की संख्या अधिक होती है अतः इस नई श्रेणी के अवार्ड का लाभ अंततः महिलाओं को ही मिलता है।

श्रोता अनुसंधान एकांश

मु० का० अ०, प्रसार भारती द्वारा किसानवानी पर पुस्तक का विमोचन

जन संचार परिदृश्य में बदलाव के बावजूद श्रोता अनुसंधान एकांश प्रतिस्पर्धा में कायम है। इस मार्केट संचालित प्रसारण के युग में किसी मीडिया संगठन के लिए अनुसंधान और फीडबैक के बिना और साथ में श्रोताओं की नब्ज को पहचाने बिना तथा मार्केट की अच्छी जानकारी के बगैर टिकना संभव नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त उसे ग्राहकों से, संघीय अनुसंधान व विभिन्न मीडिया और मार्केट अनुसंधान संस्थाओं से फीड बैक प्राप्त करना भी जरूरी है। निजी टेलीविजन और रेडियो चैनलों की सफलता का राज है कि वे अपने ग्राहकों की नब्ज़ को पहचानते हैं, तथा वे हमेशा अपने कार्यक्रमों के डिजाइनों में परिवर्तन के साथ–साथ अच्छे प्रस्तुतीकरण को श्रोताओं के अनुरूप बनाते हैं।

आकाशवाणी इस क्षेत्र में अग्रणी है। आकाशवाणी में श्रोता अनुसंधान एकांश का विस्तृत नेटवर्क है जो पूरे देश में सन् 1946 से कार्यरत है। ये कार्यक्रम संबंधी फीड बैक देता है तथा श्रोताओं की आवश्यकतानुसार कार्यक्रम निर्माताओं को कार्यक्रम की योजना, डिजाइन व उसमें अनुरूपीय परिवर्तन बताता है ताकि वे ज्यादा से ज्यादा श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित कर सके। इसके अलावा आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश कार्यक्रम आयोजकों और प्रस्तुतकर्ताओं, प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को कार्यक्रम दर्जा/श्रोता अनुसंधान आंकडे भी प्रदान करता है। श्रोता अनुसंधान एकांश डाटा बैंक और संदर्भ अनुभाग के रूप में भी अपने संगठन के लिए कार्य करता है। वर्ष 2008 में निम्नलिखित श्रोता अनुसंधान संबंधी गतिविधियां व अध्ययन किए गए।

1. वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम "कोशिश सुनहरे कल की" और "फंटास्टिक फोर" का मूल्यांकन/फीडबैक अध्ययन किया गया। भारत सरकार ने इसको पूरे देश में 11 जगहों में आरंभ किया।
2. अरूणाचल प्रदेश में सामुदायिक रेडियो सैटों के वितरण पर अध्ययन (पूर्व क्षेत्रीय विशेष पैकेज खंड –।। में से) किया गया।
3. एडस नियंत्रण कार्यक्रम पर तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा "इनी ओनू विधि सिवम" पर आयोजित एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम का 8 आकाशवाणी केंद्रों के कवरेज क्षेत्र के अधीन 18 जगहों पर सर्वेक्षण किया गया।
4. एक पुस्तक जिसमें किसानवाणी कार्यक्रम की सफलता की कहानी है "मीडिया सपोर्ट टू एग्रीकल्चर एक्टेंशन : सक्सस स्टोरीज़ ऑफ ऑल इंडिया रेडियो" प्रकाशित की गई जिसका विमोचन श्री बी.एस. लाली, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती द्वारा किया गया।
5. विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा प्रायोजित निजी एफ.एम. चैनलों को सूचीबद्ध करने के लिए उनके श्रोताओ का अध्ययन फरवरी 2010 में पूरे देश की 84 जगहों में प्रारंभ किया गया।
6. प्रसार भारती व सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्टो के संकलन में इस एकांश ने अपना सहयोग दिया।

रेडियो–श्रोताओं में वृद्धि

(रेडियो श्रोताओं का प्रतिशत)

वर्ष	ग्रामीण	शहरी	कुल
1997–1998	49	46	47
1998–1999	56	44	50
2000–2001	52	49	51
2001–2002	53	48	51
2002–2003	58	48	53
2003–2004	45	55	54
2004–2005	58	53	56
2005–2006	52	60	56
2006–2007	55	50	52
2007–2008	57	51	54
2008–2009	61	54	58

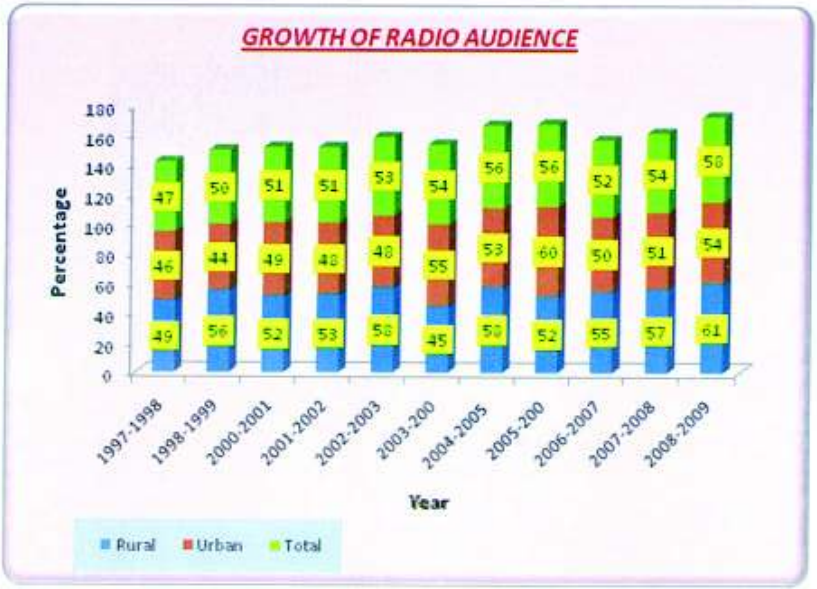

तथ्यों पर एक नज़र

प्रसारण केंद्र		234
•	क्षेत्रीय/स्थानीय केंद्र	115
•	स्थानीय रेडियो केंद्र	87
•	अन्य विविध भारती केंद्र (चंडीगढ़, कानपुर, वडोदरा)	3
•	रिले केंद्र	24
•	सामुदायिक रेडियो केंद्र	5

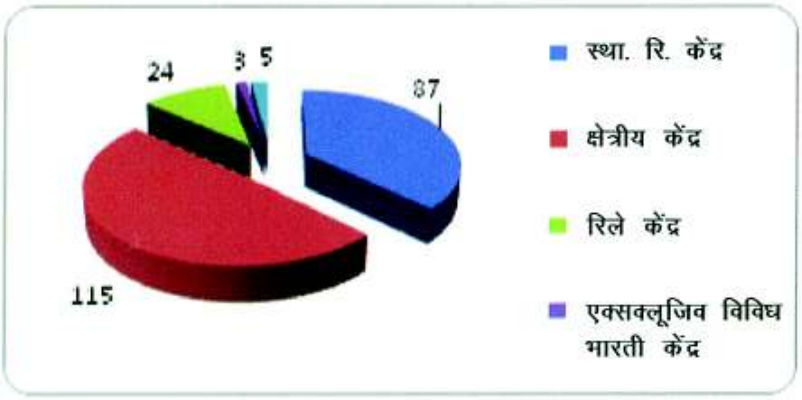

रेडियो प्रेषित्र	376
• मीडियम वेव	149
• शॉर्ट वेव	54
• एफ. एम.	173

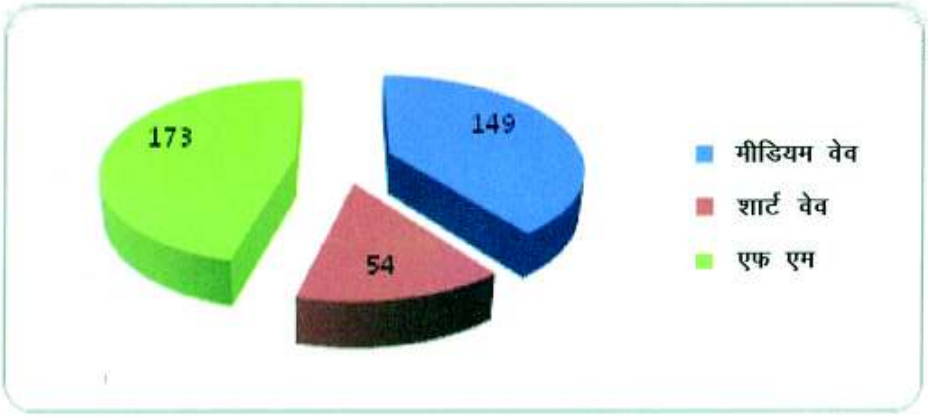

	क्षेत्र अनुसार (%)	जनसंख्या अनुसार(%)
क) प्राथमिक ग्रेड सिग्नल अनुसार (एमडब्ल्यू+एफएम)	91.82	99.16
ख) केवल एफ एम सिग्नल के अनुसार	24.55	35.76
ग) केवल मीडियम वेव सिग्नल के अनुसार	90.52	98.38

गृह सेवा

त्रिस्तरीय प्रसारण सेवा	राष्ट्रीय क्षेत्रीय एवं स्थानीय	
प्रसारण की भाषा	भाषाएं	22
	बोलियां	146

भारत में रेडियो यंत्रों की संख्या

- रेडियो सेट — 1370 लाख
- कुल सेटों में एफ एम सेटों की संख्या — 800 लाख
- जनसंख्या (2001 जनगणना) — 10270 लाख
- रेडियो सेट तक पहुंच वाली जनसंख्या का प्रतिशत — 58 प्रतिशत
- एक दिन में आकाशवाणी के वास्तविक श्रोताओं की संख्या — 4600 लाख
- एक दिन में आकाशवाणी के प्राथमिक चैनल के श्रोताओं की संख्या — 2670 लाख (58 प्रतिशत)
- एक दिन में आकाशवाणी के विविध भारती श्रोताओं की संख्या — 2480 लाख (24.8 प्रतिशत)
- एफ एम रेनबो के श्रोताओं की संख्या — 2250 लाख (22.5 प्रतिशत)
- एफ एम गोल्ड के श्रोताओं की संख्या — 1530 लाख (15.3 प्रतिशत)

चेन्नै में आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए माननीय राज्य मंत्री श्री जगत रक्षकन

अभियांत्रिकी

वर्ष के दौरान की गई गतिविधियां

1. महाराष्ट्र के ओरस (सिंधुदुर्गनगरी) में 5 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र के नए केंद्र को चालू किया गया है। रामरंगपुर (उड़ीसा) में 1 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र, लौंगथराई (त्रिपुरा) में 1 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र (5 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र अंतरिम स्थापना के लिए) सुर्यापेट (आंध्रप्रदेश) में 1 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र (10 किलोवाट के एफ एम प्रेषित्र की अंतरिम स्थापना के लिए), डूंगरपुर (राजस्थान) में 1 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र और धर्मनगर (त्रिपुरा) में 1 किलोवाट मी वेव प्रेषित्र कें नए केंद्र तैयार हैं। इन स्थापनाओं को ओ और एम कर्मचारी स्वीकृति और भर्ती कर्मचारी की उपलब्धता पर चालू किया जाएगा।

2. निर्माण सुविधाओं का डिजीटलाइज़ेशन

   - मुख्य आकाशवाणी स्टुडियो केंद्रों पर डिजीटल डंबिग कॉनसोल (39 संख्या में) और डिजीटल स्विचिंग कॉनसोल (85 संख्या में) खरीदे गए और स्थापित किए गए।
   - पहले के 76 आकाशवाणी केंद्रों के अतिरिक्त 69 और केंद्रों पर कंप्यूटर हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग, एडिटिंग और प्लेबैक प्रणाली उपलब्ध करवाई गई है।

3. जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष पैकेज

   क) फेज़– I: जम्मू और कश्मीर में आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज फेज़– I को कार्यान्वित कर दिया गया है। जम्मू और कश्मीर में अब 16 आकाशवाणी केंद्र और 25 प्रेषित्र (एम डब्ल्यू 14, एफ एम 8, एस डब्ल्यू 3) हैं। राज्य की 99.52 प्रतिशत जनसंख्या को रेडियो सिग्नल कवर करते हैं।

बी. ई. एस. एक्सपो 2009 का शुभारंभ करते हुए माननीय मंत्री श्री आनन्द शर्मा

ख) फेज़–।।: विद्यमान आकाशवाणी केंद्रों की सीमित बिजली आपूर्ति को और सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त डीज़ल जेनरेटरों एवं यू.पी.एस. उपलब्ध करवाने के लिए योजना को अनुमोदित कर दिया गया। यह बिजली आपूर्ति बाधित होने पर और आपातकाल या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में भी प्रसारण की निरंतरता को सुनिश्चित करने में सहायक होगी। जम्मू के लिए 15 केवी एके (9), 62.5 केवीए के डीजी सेट (6), यूपीएस (7) और 1000 केवीए के (2) डीजी सेट खरीदे गए हैं और संस्थापित कर दिए गए हैं। पैंपोर (श्रीनगर) के लिए 500 केवीए के 2 डीजी सेटों के लिए आर्डर दे रखा है। नरबल, श्रीनगर के लिए 1000 केवीए डीजी सेट की खरीद का कार्य प्रक्रियाधीन है।

ग) फेज़–।।।: जम्मू और कश्मीर सीमा क्षेत्रों में एफएम और टी.वी. कवरेज को सुदृढ़ करने के लिए जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज की फेज़–।।। के अधीन 100 करोड़ रू0 की विशेष योजना सरकार के पास अनुमोदन के लिए भेजी गई है। इस योजना में पर्वतों के ऊपर तीन एफएम/टी.वी. उच्च शक्ति प्रेषित्रों की स्थापना और विद्यमान आकाशवाणी व दूरदर्शन केंद्रों पर एक एफएम/टी.वी प्रेषित्र की स्थापना का कार्य सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त आकाशवाणी द्वारा कवर नहीं किए जा रहे क्षेत्रों के लिए निम्न शक्ति प्रेषित्र लगाने का भी प्रस्ताव है।

4. पूर्वोत्तर विशेष पैकेज का फेज़–।।

पूर्वोत्तर और द्वीपीय प्रदेशों में आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस पैकेज में :–

1) 1 किलोवाट एफएम केंद्रों की संख्या : 19

1.	अरूणाचल प्रदेश	:	अनिनी, बोमडिला, चांगलांग, दापोरिजो, खोंसा
2.	असम	:	करीमगंज, लुमडिंग, गुवालपाड़ा
3.	मणिपुर	:	उखरूल, तमेंगलांग
4.	मेघालय	:	दावकी
5.	मिजोरम	:	तुईपांग, चम्फई, कोलासिब
6.	नागालैंड	:	ओखा, जुनहोबोटो, फेक
7.	त्रिपुरा	:	उदयपुर, नूतन बाज़ार

- नए 19 एफएम केंद्रों की स्थापना के लिए नए स्थान प्राप्त किए जाने हैं। राज्य सरकारों की ओर से स्थानों के प्रस्ताव एवं मांग पत्र देने में विलंब किया गया है। वर्तमान वर्ष के दौरान 5 अर्जित स्थानों सहित 15 स्थानों को अर्जित किया गया है।
- अनिनी (अरूणाचल प्रदेश) और जुनहोबोटो (नागालैंड) के लिए दो स्थानों के लिए मांग पत्र प्राप्त हुए थे परंतु वह आर्डर में नहीं थे। प्रस्तावित क्षेत्रफल के अनुसार उचित मांग पत्र प्राप्त करने के लिए जिला प्राधिकारियों के साथ बातचीत की जा रही थी।
- तमेंगलांग (मणिपुर) और उखरूल (मणिपुर) पर दो स्थानों पर जमीन को चिह्नित किया गया परंतु राज्य सरकार द्वारा उसे आबंटित नहीं किया गया है। तमेंगलांग में दूसरे स्थान का प्रस्ताव दिया गया है। कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार होने के बाद सर्वेक्षण दल जगह को देखने जाएगा। उखरूल की जमीन वहां के जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के नई इमारत में स्थापित होने के बाद स्थानांतरित किया जाएगा। मामले को आगे बढ़ाया जा रहा है।
- निर्माण कार्य – उदयपुर और नूतन बाजार पर सुरक्षा बाड़े के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया

गया है और बोमडीला, गुवालपाड़ा, लुमडिंग, दापोरीजो, खोंसा एवं चम्फई और कोलासिब में निर्माण कार्य प्रगति पर है। निर्माण स्थल पर परेशानी के कारण चांगलांग पर न्यायालय की अनुमति के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है।

- गुवालपाड़ा, तुईपंग और कोलासिब पर भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर है और उदयपुर, नूतन बाजार और दापोरिजो, चम्फई, खोंसा और चांगलांग में निर्माण कार्य दे दिया गया। लुमडिंग में भवन निर्माण के लिए अनुमानित लागत पता करने का कार्य प्रगति पर है।

(2) सिलचर – 5 किलोवाट एफएम प्रेषित्र और गंगटोक – 10 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र

- सिलचर और गंगटोक में एफ एम प्रेषित्र का निर्माण कार्य पूरा हो गया है तथा विभागीय कार्य प्रगति पर है।
- सिल्चर में 5 किलो वाट एफएम प्रेषित्र की खरीद का प्रस्ताव कार्य प्रगति पर था, अब आर्डर दे दिया है।
- गंगटोक – 10 किलोवाट एफएम प्रेषित्र के लिए आर्डर दे दिया गया है और उपकरण के मार्च 2011 के अंत तक प्राप्त होने की संभावना है।

(3) 100 स्थानों पर 100 वाट एफएम रिले केंद्रों के संबंध में – 80 स्थानों पर संस्थापना का कार्य पूरा कर लिया गया है और 9 अन्य स्थानों पर संस्थापन कार्य प्रगति पर है। शेष 11 स्थानों पर (7 मिजोरम में और 4 मणिपुर में) राज्य सरकार से अनुमति प्राप्त होने के बाद और मणिपुर में कानून व्यवस्था ठीक होने के बाद संस्थापन कार्य आरंभ होगा।

(4) चिनसुरा – 1000 किलो वाट मीडियम वेव प्रेषित्र (विद्यमान 1000 किलो वाट मीडियम वेव प्रेषित्र) का प्रतिस्थापन कार्य। 1000 किलो वाट प्रेषित्र के प्रतिस्थापन के लिए प्रेषित्र का आर्डर दे दिया गया है और मार्च 2011 में प्रेषित्र प्राप्ति नियत है।

(5) कावरती – 10 किलो वाट मीडियम वेव प्रेषित्र (1 किलो वाट मीडियम वेव प्रेषित्र की स्थान पर) की खरीद के प्रस्ताव का कार्य प्रगति पर था। अब आर्डर दे दिया गया है।

(6) डिजीटल सैटेलाइट द्वारा समाचार एकत्रण प्रणाली (3 संख्या में) ताजा निविदाएं मंगवाई गई क्योंकि पहली कोई निविदा स्वीकार योग्य नहीं थी।

(7) यहां उल्लेख करना है कि पूर्वोत्तर में परियोजनाओं के निष्पादन को गति प्रदान करने के लिए गुवाहटी के आंचलिक कार्यालय को मानव शक्ति, स्थायी कार्यालय बिल्डिंग एवं स्टाफ क्वाटर्स की आवश्यकता है। इसलिए गुवाहटी के पूर्वोत्तर अंचल के लिए स्थायी कार्यालय परिसर और स्टाफ क्वाटर्स के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

- संस्थापना स्टाफ – परियोजना गतिविधियों के लिए 90 स्थायी संस्थापना, पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव मंत्रालय को आकाशवाणी महानिदेशालय के ए.आई.आर. आई.डी. नं0 10/6/2006–डी(पीएलजी) दिनांक 9.6.2006 द्वारा भेजा गया है। परियोजनाओं के यथा समय निष्पादन के लिए संस्थापन पदों की स्वीकृति के कार्य को शीघ्र करवाने के लिए मंत्रालय से बातचीत की जा रही है।
- ओ.एण्ड एम. स्टाफ – पूर्वोत्तर विशेष पैकेज फेज़ – 2 के अंतर्गत परियोजनाओं के लिए ओ. एण्ड एम. पदों की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव मंत्रालय को आकाशवाणी महानिदेशालय के ए.आई.आर. आई.डी. नं0 1/8/2006–डी(बी–2) दिनांक 12.6.2006 के द्वारा भेजा गया था। इसमें कुल 292 ओ.एण्ड एम. पदों का प्रस्ताव है। (अभियांत्रिकी – 210, कार्यक्रम – 36 और प्रशासनिक – 46)

5. सूचना के ऑनलाइन विनिमय को सरल और कार्यकुशलता को सुधारने के लिए आकाशवाणी केंद्रों और कार्यालयों के कम्प्यूटरीकरण का कार्य प्रगति पर है।

6. जयपुर (राजस्थान) और तवांग (अरूणाचल प्रदेश) डिजीटल उपकरणों और रिकार्डिंग, एडिटिंग और प्लेबैक के लिए कम्प्यूटरीकृत हार्ड डिस्क वर्क स्टेशनों के साथ स्थायी स्टुडियो सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

नई पहलें

11वीं योजना के प्रारुप में आकाशवाणी में नेटवर्क का डिजिटलीकरण मुख्य महत्व वाले क्षेत्रों में से एक है। इस संबंध में, आकाशवाणी में ट्रांसमीटरों के डिजीटलीकरण की योजना में आकाशवणी के नेटवर्क में स्टूडियो कनैक्टिविटी के लिए रु. 843.54 करोड़ की लागत का प्रस्ताव रखा गया है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं :-

- 98 स्टुडियो का डिजीटलीकरण व संयोजन।
- विद्यमान केंद्रों पर 31 पुराने मीडियम वेव प्रेषित्रों का नए डीआरएम मीडियम वेव प्रेषित्रों द्वारा प्रतिस्थापन।
- अरूणाचल – चीन सीमा पर 3 स्थानों में एमडब्ल्यू डीआरएम प्रेषित्रों का सीमित बिजली संयत्र के साथ नवीनीकरण।
- 6 स्थानों में 10 केडब्ल्यू एमडब्ल्यू मोबाइल का एमडब्ल्यूडी आरएम प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन।
- 36 कम्पेरिबल एमडब्ल्यू प्रषित्रों का डीआरएम प्रणाली में परिवर्तन।
- 24 स्थानों में नए 1 किलो वाट/5 किलो वाट एफएम डीआरएम कम्पेरिबल प्रेषित्र।
- एफ एम कवरेज क्षेत्र से बाहर ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में एफएम कवरेज को बढ़ाने और संयोजन के लिए 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम डिजिटल कम्पेरिबल प्रेषित्रों की स्थापना (विद्यमान आकाशवाणी/दूरदर्शन के एलपीटी स्थानों में)
- 34 दूरवर्ती और सीमा क्षेत्रों में पुराने एफएम प्रेषित्रों का समान क्षमता वाले प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन एवं 6 एक किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्रों की 10 किलोवाट एफएम प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन।
- 5 एसडब्ल्यू प्रेषित्रों का डीआरएम एसडब्ल्यू प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन।
- दिल्ली के अभिलेखागार सुविधा में वृद्धि और चेन्नै, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में अभिलेखागार सुविधा का निर्माण।
- 44 विद्यमान समाचार इकाइयों का संवर्धन और 7 नई क्षेत्रीय समाचार इकाइयों की शुरूआत।
- 16 स्थानों से एनओपी सेवा का आरंभ एवं 11 स्थानों पर एनओपी सेवा का संवर्धन।
- डिजीटल स्टुडियो प्रेषित्र संपर्क।
- तिरूचिरापल्लि, मदुरै और धारवाड़ पर 3 नए कैप्टिव अर्थ केंद्र, ये योजनाएं कार्यान्वयन में है।

'आकाशवाणी संसाधन' के कार्यकलाप

- प्रसार भारती ने प्रसारण क्षेत्र में परामर्श कार्य और टर्न की समाधान उपलब्ध कराते हुए राजस्व अर्जित तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन हार्डवेयर, मानव संसाधन एवं तकनीकी विशेषज्ञों के विशाल संसाधनों का उपयोग करने के लिए "आकाशवाणी संसाधन" नाम से स्वतंत्र केंद्र प्रारंभ किया है।

इसमें देश में 37 स्थानों पर इग्नू को अपने ग्रामवाणी केंद्रों के लिए एफएम प्रेषित्र स्थापित करने के लिए परामर्श एवं टर्नकी समाधान उपलब्ध करवाएं हैं। प्रसार भारती ने इन एफएम प्रेषित्रों के परिचालन एवं अनुरक्षण का कार्य भी लिया है।

- निजी एफएम प्रसारकों के साथ किराए के आधार पर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे – भूमि, इमारत एवं टावर में भी साझेदारी की जा रही है। वर्तमान में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निजी एफएम प्रसारण की योजना के फेज़ । के अधीन 4 शहरों में 10 निजी एफएम चैनल परिचालन में हैं। फेज़ ।। के अधीन 87 शहरों में 245 एफ एम चैनल परिचालन में है। सैलुलर मोबाइल ऑपरेटर अपनी सेवाओं के लिए प्रसार भारती के इंफ्रास्ट्रक्चर को शेयर कर रहे हैं।
- प्रसार भारती प्रसारण की विभिन्न शाखाओं में ऑन साइट एवं संस्थागत प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर भी राजस्व अर्जन कर रहा है।
- वर्ष 2009–10 के दौरान इस एकांश ने 45.79 करोड़ रू0 का एकल राजस्व अर्जित किया है।

आईटी प्रभाग की गतिविधियाँ

1. आकाशवाणी कलाकार परिवार:

आकाशवाणी ने प्रारंभ से देश के संगीतकारों और नाटक कलाकारों का उत्साह बढ़ाया है और एक मंच प्रदान किया है। लगभग समस्त प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित कलाकारों का आकाशवाणी से संबंध रहा है। इसलिए समस्त संगीतकारों और नाटक कलाकारों का व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विवरण रखने और सहेजने के लिए वेब आधारित सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। सॉफ्टवेयर में व्यापक प्रश्नोत्तरी सुविधा है।

2. आकाशवाणी की वेबकॉस्टिंग एवं पौडकास्टिंग सेवाएं:

आकाशवाणी अपने रेडियो प्रेषित्र नेटवर्क के द्वारा प्रसारण करता है। यह कार्यक्रम आकाशवाणी द्वारा वेबकास्टिंग एवं पौडकास्टिंग तकनीकी उपयोग से विश्व भर में इंटरनेट पर उपलब्ध करवाएं जाएंगे। 11वी योजना में अनुमोदित वेबकास्टिंग एवं पौडकास्टिंग सेवाओं का प्रावधान कार्यान्वयन में है।

3. आकाशवाणी वेबसाइट का नवीनीकरण (http://allindiaradio-gov-in)

वेबसाइट का नवीनीकरण और विवरण अद्यतनीकरण का कार्य प्रगति पर है और अंतिम चरण में है।

4. आकाशवाणी केंद्र सूचना प्रणाली:

आकाशवाणी का देश भर में 300 केंद्रों एवं कार्यालयों का व्यापक नेटवर्क फैला हुआ है। निर्णय लेने के लिए निदेशालय एवं आंचलिक कार्यालयों को इन केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं जैसेः– स्टूडियो, ट्रांसमीटर, स्टाफ क्वार्टरों इत्यादि के बारे में विवरण की आवश्यकता होती है। इस तरह की सूचना को निदेशालय में स्थित केंद्रीकृत डाटाबेस में रखने और सूचना को ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के लिए वेब आधारित सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर प्रत्येक केंद्र को समुचित अधिप्रमाणन के पश्चात सूचना को ऑनलाइन एक्सेस कर अपडेट कर सकेगा।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

दिल्ली का कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) अभियांत्रिकी कार्मिकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रशिक्षण सुविधाओं को बढ़ाने के लिए भुवनेश्वर, शिलांग एवं मुंबई में भी क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं। दिल्ली में इस संस्थान को वर्ष 1948 में स्थापित किया गया था और तब से यह इलैक्ट्रानिक मीडिया में तकनीकी प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र के रूप में उभरा है। सुव्यवस्थित पुस्तकालय एवं नवीनतम मल्टी मिडिया उपकरणों के साथ कंप्यूटर केंद्र इस संस्थान का भाग है।

यह संस्थान विभागीय अभ्यर्थियों के साथ–साथ हमारे जैसे विदेशी संगठनों के अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन करता है। विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों पर भी वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है। संस्थान अभियांत्रिकी सहायकों की सीधी नियुक्ति के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन करता है और साथ ही अधीनस्थ अभियांत्रिकी संवर्गों की पदोन्नति के लिए विभागीय प्रतियोगी परीक्षा का भी आयोजन करता है। क्षेत्रीय संस्थान कंप्यूटर हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग, एडिटिंग, प्लेबैक प्रणाली के उपयोग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करते हैं।

(क)	आयोजित पाठ्यक्रम की संख्या	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	
	(01–04–2009 से 31–03–2010)	(01–04–2009 से 31–03–2010)	
1.	एस.टी.आई. (टी) दिल्ली	76	1544
2.	आर.एस.टी.आई. (टी) भुवनेश्वर	23	331
3.	एस.टी.आई. (टी) मलाड, मुंबई	12	186
4.	आर.एस.टी.आई. (टी) शिलांग	10	181

(ख) 01.04.2009 से 31.03.2010 तक प्राप्त राजस्व – 48,78,616 रु.

अनुसंधान एवं विकास

रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण में तकनीक को सम्मिलित करते के लिए अनुसंधान विभाग अनुसंधान एवं विकास कार्य में लगा हुआ है। प्रसारण अभियांत्रिकी से संबद्ध यह प्रधान राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए :–

(i) मिडियम वेव प्रेषित्रों के लिए टेलीमैट्री प्रणाली

अनुसंधान विभाग ने मिडियम वेव प्रेषित्रों के लिए सुदूर अनुवीक्षण और नियंत्रण (टेलीमैट्री) प्रणाली विकसित की है। आकाशवाणी रोहतक के 20 किलावाट हैरिस प्रेषित्र पर अनुसंधान एवं विकास द्वारा विकसित हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर भागों का परीक्षण कर लिया गया है। आकाशवाणी कोटा पर 20 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र के लिए टेलीमैट्री प्रणाली के संस्थापन का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसमें सुधार/परिवर्तन का कार्य किया जा रहा है

(ii) प्रचार अध्ययन एवं अन्वेषण

डी.आर.एम. प्रसारण का व्यापक सर्वेक्षण किया गया है।

(iii) ध्वनि परीक्षण मापन

ध्वनि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनुसंधान विभाग के पास व्यापक अनुसंधान व विकास का अनुभव है। आधुनिक ध्वनि एवं विश्लेषक और उससे संबंधित उपकरणों के पुनः स्थापन से प्रयोगशाला को सुधारा गया है और स्वचलित परीक्षण और मूल्यांकन सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। यह प्रयोगशाला आकाशवाणी केंद्रों के विभिन्न ध्वनिक मापन विद्यमान राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप माइक्रोफोन एवं स्पीकरों जैसी वैद्युत–ध्वनिक सामग्री के मूल्यांकन और ध्वनिक ट्रांसड्यूसरों के मूल्यांकन के साथ ध्वनिक उपकरणों (NRC, STC, FIIC इत्यादि) के परीक्षण व मूल्यांकन का कार्य करती रही है।

वर्ष 2009–10 में देश के 30 से भी अधिक ध्वनिक उपकरणों के निर्माता/स्पलायरों से परीक्षण व मूल्यांकन प्रभार के रूप में रु. 1.85 लाख से अधिक एकत्रित हुए हैं।

गलीचों से संबंधित आधुनिक ध्वनि विलयन आंकड़े एकत्रित करने के लिए ध्वनिक परीक्षण करने का प्रस्ताव है। प्रयोगशाला आधुनिक कला के डिजीटल उपकरणों से पहले से ही लैस है और मापन का कार्य ज्यादा यथार्थता एवं परिशुद्धता से कार्यान्वित करने में समर्थ है। यह भविष्य में आकाशवाणी महानिदेशालय के योजना एवं विकास एकांश द्वारा स्टूडियो बनाने में सहायक होगा।

(iv) आकाशवाणी लेह तथा जम्मू और कश्मीर का विभागीय ध्वनिक मापन

दिनांक 30.09.2009 से दिनांक 12.10.2009 के दौरान आकाशवाणी लेह (जम्मू और कश्मीर) पर नवनिर्मित स्थायी स्टुडियो व्यवस्था का ध्वनिक मापन का कार्य किया गया। इस मापन में स्टुडियो व्यवस्था के क्षेत्र का प्रतिध्वनि समय, वायुवहित ध्वनि रोधन एवं आस–पास का शोर सम्मिलित है।

(v) डिजीटल रेडियो प्रसारण प्रयोग (डीआरएम)

डिजीटल रेडियो मॉड्यूल (डीआरएम) मीडियम वेव और शार्ट वेव प्रसारण को डिजीटल कोटि एवं बहु ओडियो चैनल कर नवीनता प्रदान करेगा। प्रायोगिक परियोजना के तौर पर उच्च शक्ति प्रेषित्र, खामपुर, दिल्ली पर उपलब्ध 250 किलावाट शार्ट वेव प्रेषित्र को डीआरएम प्रसारण के लिए रूपांतरित किया गया।

(क) अनुसांधान विभाग द्वारा 250 किलावाट प्रेषित्र से 50 किलोवाट डीआरएम के साथ प्रायोगिक डीआरएम प्रसारण का उपयोग कर निम्नलिखित अध्ययन और अन्वेषण किए गए:

1. शार्ट वेव बैंड में ट्रॉपिकल प्रसारण का श्रवण, (एनवीआईएस)
2. दीर्घ फासलों पर डीआरएम प्रसारण की प्राप्ति

(ख) स्थानीय रेडियो के लिए 26 मेगा हर्टज डीआरएमओसी का अध्ययन किया गया।

(vi) एफएम – डीएआरसी बिलबोर्ड अनुप्रयोग

इलैक्ट्रानिक एल.ई.डी. बिलबोर्ड पर प्रदर्शित करने के लिए प्रेषण सिरे पर टेक्स्ट संदेश, बिटमैप एवं ऑइकन भेजने के लिए विजुअल बेसिक में सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। आकाशवाणी एफएम गोल्ड 106.4 मेगा हर्ट्ज में लगातार एक वर्ष से डाटा प्रसारण जारी है। बिलबोर्ड पर प्राप्त डाटा सिग्नल को प्रेषित्र से सभी दिशाओं में 55 किलो मीटर की दूरी तक चारों ओर संतोषप्रद श्रवण के लिए परीक्षण किया जा चुका है। इस प्रणाली को केबल ब्रॉडकास्ट (आई), आईईटीई एवं बीई एस प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया है। इलैक्ट्रानिक एल.ई.डी. डिस्पले और डाटा प्रोजेक्टर पर एफएम गोल्ड (106.4 मेगा हर्टज) के द्वारा टेक्स्ट और तस्वीर प्रसारण का सजीव प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। आकाशवाणी भवन पर एफएम गोल्ड से डाटा प्राप्त कर लगातार एक माह तक बिलबोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया

(vii) एफएम प्रेषित्रों के लिए टेलीमैट्री प्रणाली –

श्रीनगर, शंकराचार्य पहाड़ों पर 10 किलोवाट एफएम प्रेषित्र के रिमोट कन्ट्रोल एवं अनुवीक्षक प्रणाली को संस्थापित कर दिया गया है और नियंत्रण कक्ष से प्रणाली का परीक्षण किया गया तथा संतोषप्रद कार्य कर रहा है।

(viii) आकाशवाणी की क्षेत्रीय समाचार इकाइयों के लिए बहुभाषी समाचार स्वचालन प्रणाली :

इस प्रणाली का विकास आकाशवाणी के लिए अनुसंधान विभाग द्वारा समाचार एजेंसियों से समाचार प्राप्त करने, समाचार बुलेटिन बनाने के लिए उन्हें संसाधित करने, समाचार वाचकों द्वारा आकाशवाणी पर बुलेटिन पढ़े जाने और अभिलेखागार में रखे जाने के लिए किया गया है। तकनीक में आधुनिक विकास के फलस्वरूप समाचार एजेंसियों ने वर्ल्ड स्पेस रिसीवर और

वी एसएटी टर्मिनल द्वारा समाचारों को एकत्र कर वितरण का कार्य आरंभ किया है। वर्ल्ड स्पेस रिसीवर से अंग्रेजी समाचारों को एकत्रित करने का कार्य लगभग पूरा हो गया है और हिंदी समाचारों के आगे का कार्य प्रगति पर है। साथ ही वी एसएटी रिसीवर द्वारा प्राप्त समाचारों को एकत्रित करने का कार्य भी किया जा रहा है।

(झ) प्रोटोटाइप यूनिट :

1. कर्सियांग के लिए एफ एम टेलीमैट्री रिमोट सिस्टम	1 सेट
2. डीसी से डीसी परिवर्तन	50 सेटों का निरीक्षण किया गया
3. एफ एम टेलीमैट्री नियंत्रक	2 सेट

प्राथमिक सेवा : आकाशवाणी

वर्ष 2009–10 के दौरान आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्रों के प्राथमिक चैनल से प्रसारित कार्यक्रम मिश्रण का स्वरूप निम्नलिखित है :–

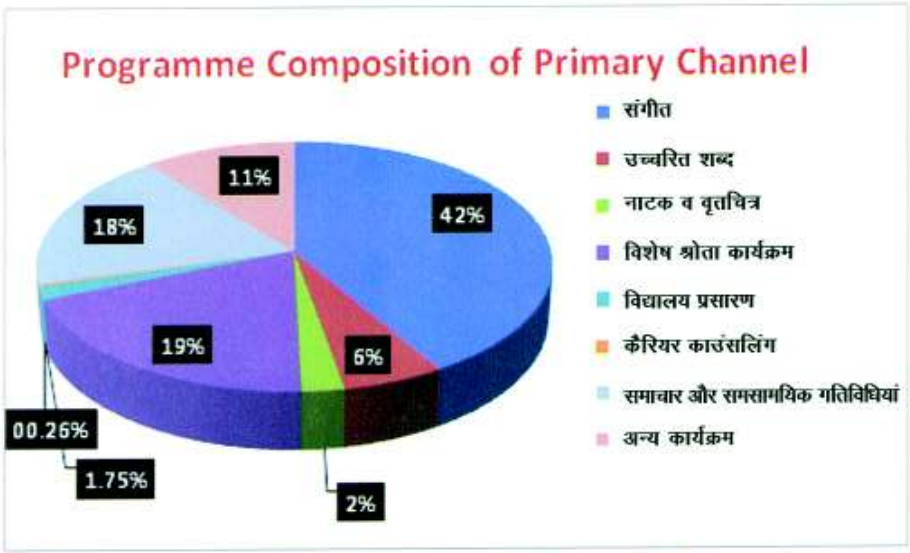

क्रम संख्या	कार्यक्रम	प्रतिशत
1.	संगीत	42.0
2.	उच्चरित शब्द	06.0
3.	ड्रामा एवं वृत्तचित्र	02.0
4.	विशेष श्रोता कार्यक्रम	19.0
5.	स्कूल प्रसारण	01.7
6.	कैरियर परामर्श	00.3
7.	समाचार एवं सामयिक विषय	18.0
8.	अन्य कार्यक्रम	11.0

स्थानीय रेडियो केंद्र : आकाशवाणी

आकाशवाणी के स्थानीय रेडियो केंद्रों से प्रसारित कार्यक्रमों के सम्मिश्रण का प्रतिशत निम्नलिखित है:

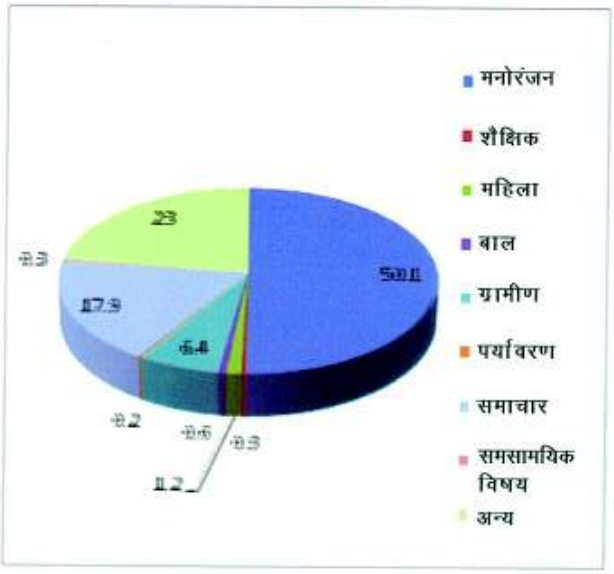

कार्यक्रम	प्रतिशत
मनोरंजन	50.1
शैक्षिक	0.3
महिला	1.2
बाल	0.6
ग्रामीण	6.4
पर्यावरण	0.2
समाचार	17.9
समसामयिक विषय	0.3
अन्य	23.0

आकाशवाणी

स्टुडियो अवधि (घंटो) का वास्तविक सुविधाओं की प्रस्तुति में उपयोग

कार्यक्रम श्रोत	प्रतिशत
घरेलू कार्यक्रम	99.07
कमीशन्ड कार्यक्रम	0.93
प्रायोजित कार्यक्रम	—
प्राप्त कार्यक्रम	—

आकाशवाणी

1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 की अवधि के दौरान आकाशवाणी से प्रसारित 90 प्रतिशत कार्यक्रमों का निर्माण घरेलू था। यह स्टुडियो सुविधाओं के अधिकतम उपयोग द्वारा सुनिश्चित किया गया।

प्रसारण समय (घंटों में) में विभिन्न प्रसारण सुविधाओं का उपयोग।

वर्ष 2009–10 के दौरान प्रसारण समय (घंटों में) प्रतिमाह प्रसारण सुविधाओं का औसतन उपयोग निम्न प्रकार था :–

(1)	मीडियम वेव ट्रांसमिटर	52,179 घंटे
(2)	शार्ट वेव ट्रांसमिटर	18, 862 घंटे
(3)	एफएम ट्रांसमिटर	64, 997 घंटे

वर्ष के दौरान आकाशवाणी की स्थानीय कवरेज का क्षेत्रवार और जनसंख्यावार किया गया विस्तार – 31 मार्च 2010 को आकाशवाणी का क्षेत्रवार स्थानीय कवरेज 91.82 प्रतिशत और जनसंख्यावार 99.16 प्रतिशत था।

आकशवाणी का विस्तार

पंचवर्षीय योजना	की स्थिति	केंद्रों की संख्या		प्रेषित्रों की संख्या				कवरेज (%)	
		प्रसारण केन्द्र	सहायक/ रिकार्डिंग केंद्र	मी.वे.	शा.वे	एफएम	कुल	% क्षेत्र	%
जनसंख्या	15.08.47	06	–	06	12	–	18	2.50	11.00
के अंत में	01.04.51	25	01	29	17	–	46	12.00	20.00
पहली योजना(51-56)	31.03.56	26	02	29	17	–	46	31.00	46.00
दूसरी योजना(56-61)	31.03.61	30	04**	33	26	–	59	37.00	55.00
तीसरी योजना(61-66)	31.03.66	54	02	82	28	–	110	52.00	70.00
	31.03.69	66	03	97	30	–	127	56.00	73.00
चौथी योजना(69-74)	31.03.74	71	04	108	32	–	140	67.50	80.30
पांचवी योजना(74-78)	31.03.78	84	02	124	32	01	157	77.63	89.35
	31.03.80	84	02	124	32	01	157	77.73	89.40
	31.03.81	85	02	125	32	03	160	78.08	89.55
	31.03.82	85	02	125	32	03	160	78.83	89.65
	31.03.83	86	02	126	33	03	162	78.83	89.65
	31.03.84	86	02	126	33	03	162	78.90	89.69
छठी योजना(80-85)	31.03.85	88	02	128	35	04	167	79.78	90.27
	31.03.86	88	02	128	35	04	167	79.78	90.27
	31.03.87	93	02	133	35	04	172	82.20	93.40
	31.03.88	94	02	134	35	04	173	82.93	94.52
	31.03.89	97	02	137	36	05	178	83.71	94.91
सातवीं योजना(85-90)	31.03.90	100	02	137	41	08	186	83.78	94.96
	31.03.91	108	02	139	43	15	197	84.60	95.40
	31.12.91	125	02	139	43	37	219	85.00	95.70
	29.02.92	126	02	140	43	37	220	85.40	95.90
आठवीं योजना के प्रारंभ में	01.04.92	128	02	140	43	39	222	85.40	95.90
अंत में (92-97)	31.03.97	187	01	147	52	98	297	90.00	97.30
नौवीं योजना के प्रारंभ में									
अंत में (97-02)	31.03.02	208	–	149	55	130	334	89.66	98.84
दसवीं योजना (02-07)									
	31.12.05	222	–	144	54	158	356	91.42	99.13
	31.12.06	225	–	146	54	161	361	92.92	99.49
ग्यारहवीं योजना (2007-12)									
	31.12.07	231	-	149	54	170	372	91.79	99.14
	31.03.10	234	—	149	54	173	376	91.82	99.16

आख्यानः

* हैदराबाद, औरंगाबाद, मैसूर, त्रिवेंद्रम और बड़ौदा, राजवंशी राज्यों के 5 और प्रसारण केंद्रों को अधिग्रहित किया गया।
* शिलांग और चंडीगढ़ को प्रसारण केंद्रों में बदला गया।

आकाशवाणी केंद्रों का विस्तार

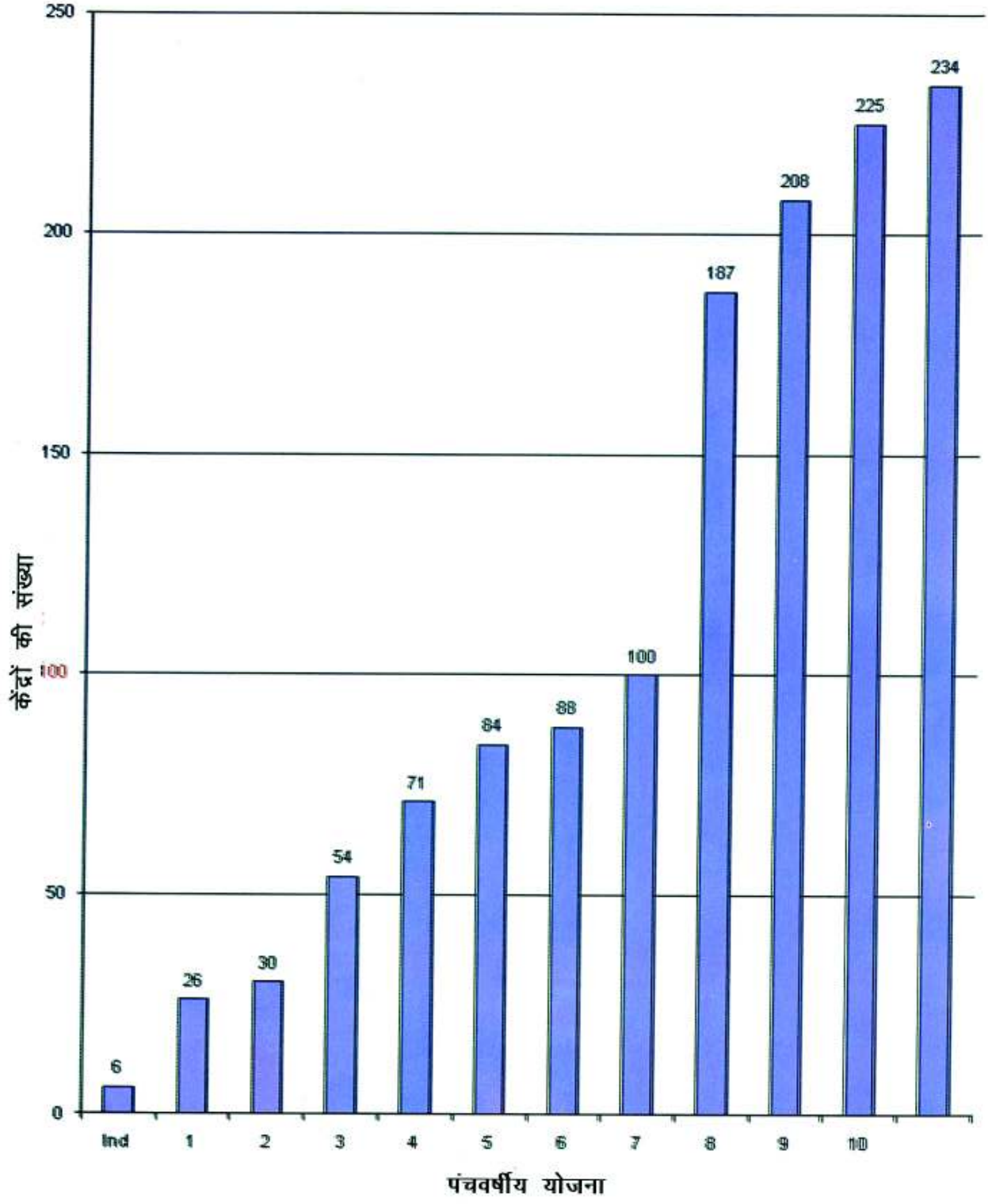

आकाशवाणी प्रेषित्रों का विस्तार

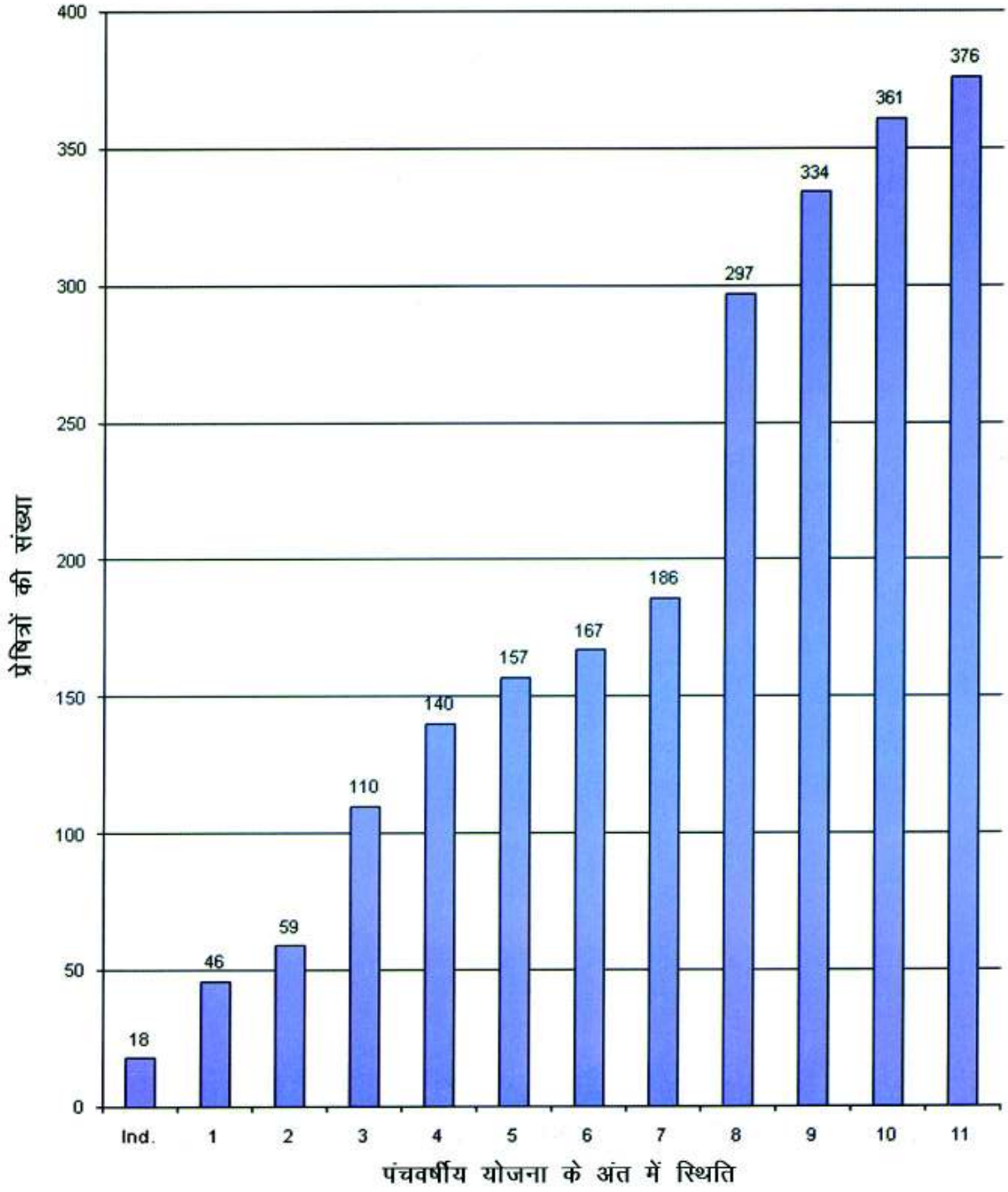

आकशवाणी की राज्यवार कवरेज

दिन के समय

31.10.21010 की स्थिति के अनुसार

क्रम सं.	राज्य	विद्यमान क्षेत्र		दसवीं योजना के पूर्ण होने पर	
		क्षेत्र (%)	जनसंख्या (%) (2001 की जनगणना)	क्षेत्र (%)	जनसंख्या (%) (2001 की जनगणना)
1.	आंध्र प्रदेश	99.00	99.50	99.00	99.50
2.	अरूणाचल प्रदेश	57.00	76.00	58.70	76.50
3.	असम	96.70	98.87	97.80	99.29
4.	बिहार	99.00	99.00	99.00	99.00
5.	छत्तीसगढ़	93.80	97.35	93.90	97.58
6.	दिल्ली	99.00	99.00	99.00	99.00
7.	गोवा	99.00	99.00	99.00	99.00
8.	गुजरात	99.00	99.00	99.00	99.00
9.	हरियाणा	99.00	99.00	99.00	99.00
10.	हिमाचल प्रदेश	52.00	88.91	53.17	89.66
11.	जम्मू और कश्मीर	48.05	99.50	48.22	99.52
12.	झारखंड	99.00	99.00	99.00	99.00
13.	कर्नाटक	96.40	97.30	98.48	98.75
14.	केरल	99.60	99.80	99.60	99.80
15.	मध्य प्रदेश	99.30	99.40	99.40	99.50
16.	महाराष्ट्र	98.67	98.99	99.00	99.68
17.	मणिपुर	94.96	98.46	95.16	98.51
18.	मेघालय	97.50	98.45	97.50	98.45
19.	मिज़ोरम	59.56	73.27	67.55	80.85
20.	नागालैंड	81.50	87.67	83.10	88.88
21.	उड़ीसा	98.27	99.00	99.47	99.70
22.	पंजाब	99.00	99.00	99.00	99.00
23.	राजस्थान	94.00	99.00	98.47	99.80
24.	सिक्किम	72.00	95.60	73.00	96.68
25.	तमिलनाडु	99.00	99.00	99.00	99.00
26.	त्रिपुरा	84.31	89.00	99.00	99.00
27.	उत्तर प्रदेश	99.90	99.90	99.90	99.90
28.	उत्तराखंड	54.69	80.10	66.37	87.36
29.	पश्चिमी बंगाल	99.00	99.00	99.00	99.00
II	संघ शासित क्षेत्र				
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	99.00	99.00	99.00	99.00
2.	चंडीगढ़	99.00	99.00	99.00	99.00
3.	दादर और नगर हवेली	99.00	99.00	99.00	99.00
4.	दमन एवं दीव	99.00	99.00	99.00	99.00
5.	लक्षद्वीप और मिनिकाय द्वीप समूह	99.00	99.00	99.00	99.00
6.	पुद्दुचेरी	99.00	99.00	99.00	99.00
राष्ट्रीय औसत		91.82	99.16	92.92	99.49

स्वतंत्रता से लेकर आकाशवाणी कवरेज का विस्तार

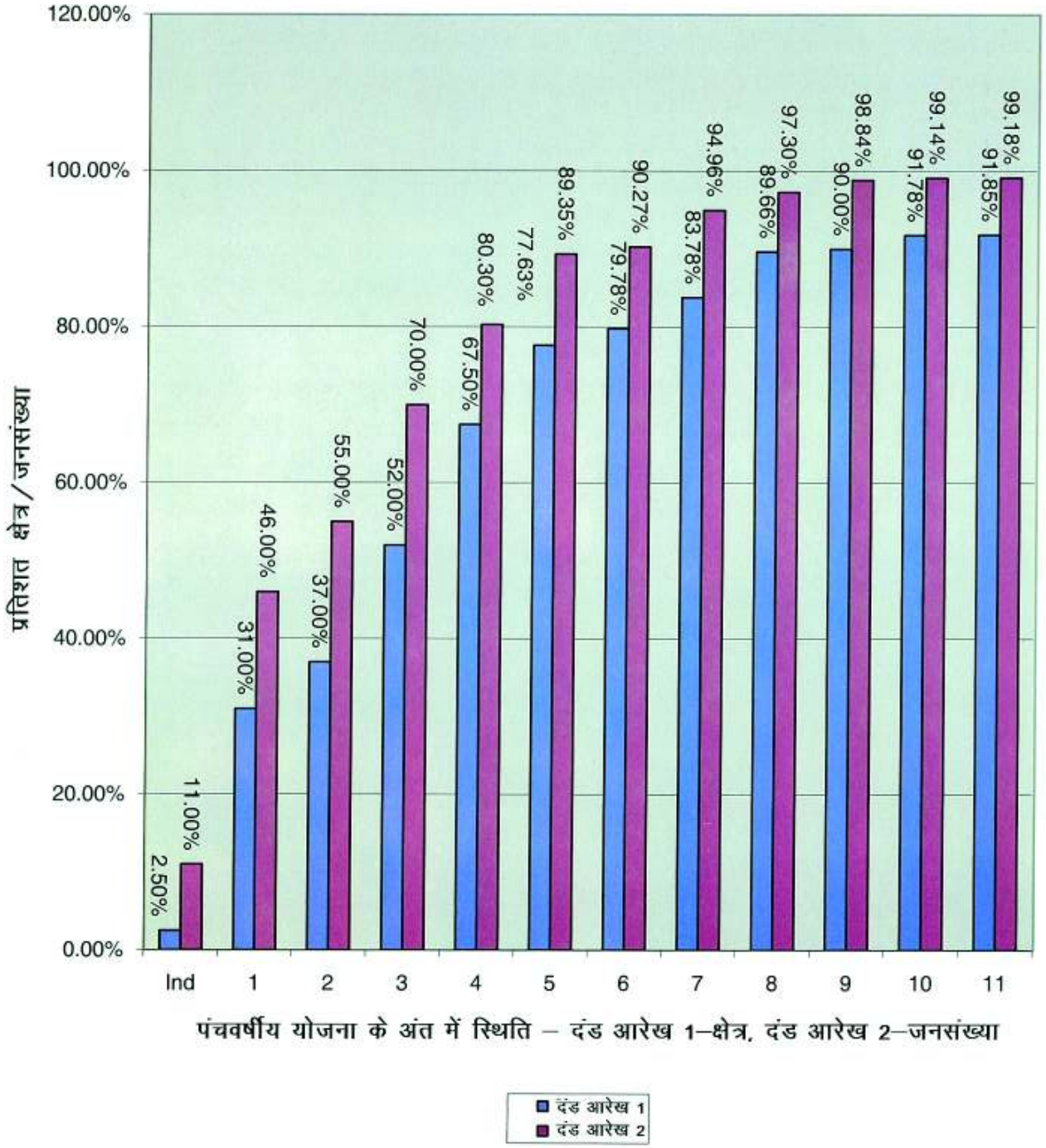

दूरदर्शन

वर्ष की उपलब्धियां

दूरदर्शन ने सन् 2009 में अपने प्रसारण के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं । यह घटना मेजबान प्रसारण के इतिहास में सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है तथा इस दिशा में दूरर्दशन अलग कीर्तिमान स्थापित करता रहा है । अपनी इस गरिमा को बनाए रखने के लिए दूरदर्शन ने अपनी कार्यशैली को सुव्यवस्थित किया है तथा सर्वोत्तम प्रतिमान कायम करने के लिए इसने उपलब्धियों के मील के पत्थर को अपना लक्ष्य बनाया है । इन उपलब्धियों में से एक है विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष (अप्रैल 2009 से मार्च 2010 तक) दूरदर्शन के राजस्व में 19 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी ।

दूरदर्शन राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेजबान प्रसारक है और पहली बार भारत में एचडी प्लेटफार्म में प्रसारण होगा । यह भी महत्त्वपूर्ण है कि दूरदर्शन ने मंत्रालय के मार्गदर्शन में निर्णय लिया और डीटीएच प्लेटफार्म पर चैनलों की संख्या 59 से बढ़ाकर 200 चैनल करने के लिए ईएफसी प्रस्ताव पर काम किया ।

पहली बार, दूरदर्शन ने प्राइम टाइम में दैनिक धारावाहिक, टीआरपी रेटिंग्स तथा अपनी लोकप्रियता का प्रदर्शन शुरू किया है । पहली बार दूरदर्शन को फिल्म निर्माताओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं । इस प्रकार इस प्रक्रिया से इसने बिचौलियों के गठजोड़ को तोड़ दिया है । इससे दूरदर्शन सीधे ही अपने दर्शकों को नवीनतम फिल्में दिखा सकेगा ।

दूरदर्शन को निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए:

(क) महिलाओं के लिए यूएनएफपीए – लाडली मीडिया पुरस्कार 2008 (डॉ. सुनीति देवी)– अमा अधिकार

(ख) जलवायु परिवर्तन के लिए एबीयू पुरस्कार 2009 – एमानी कृष्णा राव

(ग) जापानी पुरस्कार 2009 – जलवायु परिवर्तन पर प्रस्ताव– एमानी कृष्णा राव

दूरदर्शन स्टुडियो में माननीय सू. और प्र. मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी के साथ मु. का. अधि. प्रसार भारती श्री बी. एस. लाली

नई पहलें

दूरदर्शन की डीटीएच सेवा "डीडी डाइरेक्ट प्लस"

मुख्य रूप से अब तक स्थलीय ट्रांसमिटरों द्वारा कवर न किए गए क्षेत्रों को टीवी कवरेज उपलब्ध कराने के लिए दूरदर्शन ने दिसंबर, 2004 में 33 टीवी चैनलों के बुके के साथ (जिसमें दूरदर्शन के तथा निजी टीवी चैनल शामिल हैं) फ्री–टु–एयर डीटीएच सेवा "डीडी डाइरेक्ट प्लस" शुरु की थी। बाद में डीटीएच प्लेटफार्म की प्रसारण क्षमता बढ़ाकर 59 टीवी चैनल कर दी गई है। डीटीएच के सिग्नल टोडापुर, नई दिल्ली स्थित डीटीएच केंद्र से इनसेट–4–बी उपग्रह के साथ अपलिंक किए जाते हैं । एक छोटे आकार की डिश रिसीव यूनिट की सहायता से डीटीएच (केयू बैंड/सिग्नल देश में कहीं भी) (अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह को छोड़कर) प्राप्त किए जा सकते हैं । इस समय दूरदर्शन डीटीएच प्लेटफार्म पर 56 टीवी चैनल उपलब्ध हैं। विशेष रूप से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए 10 चैनलों के बुके के साथ सितंबर, 2009 से सी बैंड में डीटीएच सेवा आरंभ की गई है । सी बैंड में डीटीएच सिग्नलों को पीतमपुरा, दिल्ली के दूरदर्शन एचपीटी परिसर में स्थित भू–केंद्र से इनसेट–4–बी उपग्रह के साथ अपलिंक किया जाता है । सी–बैंड डीटीएच बुके में शामिल चैनल हैं: डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी भारती, डीडी उर्दू, डीडी बांग्ला, डीडी तमिल, डीडी तेलुगु, डीडी मलयालम एवं दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर के कार्यक्रम ।

दूरदर्शन डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता बढ़ाकर 97 टीवी चैनल किए जाने का प्रस्ताव है ।

वर्ष 2009–10 के दौरान विकासात्मक गतिविधियां

वर्ष 2009–10 के दौरान निम्नलिखित प्रमुख परियोजनाएं चालू/पूरी की गईं:

1. **उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, सहरसा** (स्थायी संरचना)
   डीडी–1 के कार्यक्रम रिले करने के लिए सहरसा में 132 मीटर ऊंची टॉवर के साथ 20 किलोवाट का ट्रांसमीटर चालू किया गया ।
2. **उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, बाडमेर** (स्थायी संरचना)
   डीडी–1 के कार्यक्रम रिले करने के लिए बाडमेर में 100 मीटर ऊंची टॉवर के साथ 10 किलोवाट का ट्रांसमीटर चालू किया गया ।
3. **आटोमोड अल्प शक्ति ट्रांसमिटर (11)**
   जामनगर (गुजरात), बेतूल (मध्य प्रदेश), बर्धमान (पश्चिम बंगाल), वेल्लूर (तमिलनाडु), वनियामबाड़ी (तमिलनाडु), नेवेली (तमिलनाडु), कोर्टलाम (तमिलनाडु), फतेहपुर (उत्तर प्रदेश), केवडिया कालोनी (गुजरात), मऊ (उत्तर प्रदेश), गोंडा (उत्तर प्रदेश)
4. **अति अल्प शक्ति ट्रांसमिटर (2X50 वाट) (3)**
   हटबे (डीडी–न्यूज), चौरा, हटबे (डीडी–1 – 2X50 वाट से संवर्धन)
5. **भू–केंद्र, गुवाहाटी का अपग्रेडेशन**
   एक अतिरिक्त (2+1) अपलिंक चेन की स्थापना करके गुवाहाटी स्थित भू–केंद्र अपग्रेड किया गया।
6. **अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के लिए डीटीएच सेवा**
   अंडमान एवं निकोबार में केयू बैंड में डीटीएच सेवा उपलब्ध नहीं है । सितंबर, 2009 में विशेष रूप से अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के लिए 10 चैनलों के बुके के साथ सी बैंड में डीटीएच सेवा शुरु की गई है । डीटीएच सिग्नलों को अपलिंक करने के लिए पीतमपुरा, दिल्ली में एचपीटी परिसर में उपग्रह अपलिंक प्रणाली स्थापित की गई है । सी बैंड डीटीएच बुके में शामिल 10 चैनल निम्नलिखित हैं:–

डीडी नेशनल, डीडी उर्दू, डीडी मलयालम, डीडी न्यूज, डीडी बांग्ला, डीडी स्पोर्ट्स, दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर के कार्यक्रम, डीडी तमिल, डीडी भारती, डीडी तेलुगु ।

उपर्युक्त डीटीएच सेवा का प्रसारण इनसेट–4बी उपग्रह के माध्यम से होता है तथा इसके सिग्नल पूरे देश में उपलब्ध हैं ।

वार्षिक योजना 2009–10 से संबंधित लक्ष्यों एवं उपलब्धियों को दर्शाने वाला विवरण अनुलग्नक में दिया गया है ।

महत्त्वपूर्ण कवरेज

वर्ष 2009–10 के दौरान दूरदर्शन द्वारा लाइव कवर किए गए प्रमुख आयोजन निम्नानुसार है:

क) आम चुनाव ।

ख) राज्य विधान सभा चुनाव ।

ग) 22.05.2009 को राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय मंत्री परिषद् का शपथ ग्रहण समारोह ।

घ) 05.08.2009 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महिला स्पेशल ट्रेन का उद्घाटन ।

ङ) आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के परीक्षण आयोजन के रूप में गचिकोली स्टेडियम, हैदराबाद में विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप ।

स्वतंत्रता दिवस के सीधे प्रसारण का ओबी. वैन का दृश्य

च) लाल किला, दिल्ली में 15.08.2009 को स्वतंत्रता दिवस समारोह ।

छ) सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से दिनांक 23.09.2009 को ओशियन सेट–2 का प्रक्षेपण।

ज) कोट्टायम और अरांमुल में आयोजित नौका दौड़ ।

झ) बंगलौर में आयोजित साइकिल मैराथन ।

ञ) दिल्ली में आयोजित एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन 2009 ।

ट) 15–29 नवंबर, 2009 के दौरान हैदराबाद में आयोजित विश्व स्नूकर चौंपियनशिप 2009 ।

ठ) 20.11.2009 को हैदराबाद में आयोजित 16वां अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह ।

ड) 23.11.09 से 03.12.09 तक गोवा में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह ।

ढ) 1.12.09 से 31.12.09 के दौरान झारखंड में विधानसभा चुनाव ।

ण) 1.12.09 से 3.12.09 तक पणजी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह ।

त) 26.01.2010 को दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड ।

थ) 26.01.2010 को दिल्ली में बीटिंग रिट्रीट ।

द) मुंबई में 3.2.10 से 9.2.10 तक 11वां मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह–2010 ।

ध) 19.3.2010 को विज्ञान भवन में आयोजित 56वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह ।

न) 30.3.2010 को हरिद्वार में महाकुंभ ।

डिजीटलीकरण

कैमरा नियंत्रण एकक का एक दृश्य

सभी 31 दूरदर्शन चैनलों का उपग्रह प्रसारण डिजीटल मोड में है । डीटीएच प्रसारण भी डिजीटल मोड में है । दूरदर्शन नेटवर्क में कुल 66 स्टुडियो केंद्रों में से सभी 17 प्रमुख स्टुडियो केंद्र और 4 छोटे स्टुडियो केंद्र पूर्ण रूप से डिजीटल हैं तथा 31 छोटे केंद्र आंशिक रूप से डिजीटल हैं । शेष 14 स्टुडियो केंद्र इस समय एनालॉग मोड में हैं । इन 14 एनालॉग स्टुडियो केंद्रों में से 2 स्थानों पर डिजीटल स्टुडियो की परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं तथा इन स्टुडियों केंद्रों (आंशिक रूप से डिजीटल) का काम पूरा होने के बाद 11वीं योजना के तहत इन्हें पूर्ण रूप से डिजीटल करने की योजना है । शेष 4 अनालॉग स्टुडियो को 12वीं योजना में डिजीटल किए जाने की योजना है क्योंकि इन स्थानों पर लगे उपकरणों की कार्य करने की मियाद अभी पूरी नहीं हुई है ।

डिजीटल टेरेस्ट्रियल टेलीविजन (डीटीटी) के अपने एनालॉग प्रतिरूप की तुलना में कई फायदे हैं जैसे मल्टी–चैनल प्रचालन; बहुत अधिक बेहतर और एक समान रिसेप्शन क्वालिटी तेज गति से चल रहे वाहनों में अति उत्तम क्वालिटी के रिसेप्शन की संभावना, बहुत कम बिजली की आवश्यकता । डीटीटी प्रौद्योगिकी में अनुभव प्राप्त करने के लिए दूरदर्शन ने प्रयोगात्मक आधार पर जनवरी 2003 में कुल 4 डिजीटल ट्रांसमिटर दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै (प्रत्येक मे एक–एक) डिजीटल ट्रांसमिटर स्थापित किए गए थे। दूरदर्शन द्वारा दिल्ली में मई, 2007 में मोबाइल टीवी सेवा (डीवीबी–एच ट्रांसमिशन) शुरु की गई थी। प्रयोगात्मक सेवा के लिए 2003 में दिल्ली में स्थापित डिजीटल ट्रांसमिटर को डीवीबी–एच सिग्नलों के लिए बदल दिया गया था । इस समय डीवीबी–एच बुके में 16 टीवी चैनल हैं । अपने स्थलीय प्रसारण नेटवर्क के डिजीटलीकरण के लिए दूरदर्शन ने 1412 एनालॉग ट्रांसमिटरों द्वारा वर्तमान में उपलब्ध कराई जा रही कवरेज के स्तर की कवरेज उपलब्ध कराने के लिए 630 डिजीटल ट्रांसमिटर (एचपीटी–230, एलपीटी–400) स्थापित करने की योजना बनाई है। उपर्युक्त 630 ट्रांसमिटरों में से 40 ट्रांसमिटर 11वीं योजना के दौरान स्थापित किए जाने की योजना है। शेष ट्रांसमिटर 12वीं योजना में स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है ।

उपर्युक्त 39 स्टुडियो केंद्रों (31 आंशिक रूप से डिजीटल एवं 8 एनालॉग स्टुडियो) के डिजीटलीकरण और 40 डिजीटल उच्च शक्ति ट्रांसमिटर स्थापित करने के लिए रु. 620 करोड़ की लागत का प्रस्ताव रखा गया है।

हाई डेफिनिशन टेलीविजन (एचडीटीवी)

हाई डेफिनिशन टेलीविजन (एचडीटीवी) एक ऐसी प्रसारण प्रणाली है जिसमें अधिक लाइनों के साथ चित्रों को प्रसारित किया जाता है जिससे पारंपरिक फॉर्मेट की तुलना में काफी हायर रेजॅलूशन उपलब्ध होता है । इस प्रणाली के माध्यम से प्राप्त चित्र बड़े टीवी स्क्रीन पर देखने में काफी उच्च कोटि के होते हैं। एचडीटीवी की मुख्य विशेषताएं हैं: क्रिस्टल क्लीयर और शोर रहित पिक्चर क्वालिटी; बड़े स्क्रीन की पिक्चर; देखने में वास्तविकता की अधिक अनुभूति । दूरदर्शन ने दिल्ली में एचडीटीवी की एक पायलट परियोजना शुरू की है और इस परियोजना के एक भाग के रूप में फील्ड प्रोडक्शन के लिए एक मल्टी

कैमरा एचडीटीवी वैन खरीदी गई है तथा यह दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली में प्रयोग में लाई जा रही है।

11वीं योजना के अंग के रूप में निम्नलिखित एचडीटीवी परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है।

क) दिल्ली और मुंबई में एचडीटीवी स्टुडियो ।

ख) दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में एचडीटीवी फील्ड प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन सुविधाएं।

ग. दिल्ली में एचडीटीवी अपलिंक और डीटीएच प्लेटफार्म पर एक एचडीटीवी चैनल डालना ।

घ. दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में एचडीटीवी स्थलीय ट्रांसमीटर ।

उपर्युक्त परियोजनाओं का कार्यान्वयन कार्य प्रगति पर है ।

वर्ष 2009 के दौरान एसटीआई (टी) द्वारा दिल्ली में "टी.वी. प्रसारण में कम्प्यूटरीकरण एवं डिजीटलीकरण" पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था । इस पाठ्यक्रम में दूरदर्शन और एबीयू सदस्य देशों के प्रतिभागी शामिल हुए । इस पाठ्यक्रम के तहत कवर किए गए मुख्य विषय थे:– डिजीटल वीडियो एवं कम्प्रैशन तकनीकें; डिजीटल कैमरे एवं वीटीआर वर्चुअल स्टुडियो; एचडीटीवी डिजीटल मापन मोबाइल टीवी डिजीटल ट्रांसमिटर एवं न्यूज रूम ऑटोमेशन।

दिल्ली में हाईडेफिनिशन ओ.बी.वैन का निरीक्षण करती हुई माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी।

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार–2009

दूरदर्शन ने इन–हाउस कार्यक्रमों में विषयपरकता, सौंदर्यपरकता और तकनीकी उत्कृष्टता को स्वीकार करने और महत्त्व प्रदान करने के लिए वर्ष 2001 में दूरदर्शन पुरस्कार शुरू किए थे । इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य उच्च कोटि और अभिनव कार्यक्रमों का निर्माण करने के लिए कर्मचारियों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है । आरंभ में इस योजना में 34 श्रेणियां शामिल की गई थीं जिनमें 26 श्रेणियाँ कार्यक्रमों की थीं। जबकि अभियांत्रिकी के दो व्यक्तिगत पुरस्कार और एक सर्वश्रेष्ठ दूरदर्शन केंद्र पुरस्कार था।

वर्ष 2009 में, 9वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हैदराबाद में 30 नवंबर, 2009 को आयोजित किया गया था । तकनीकी पुरस्कारों में दस नई श्रेणियां (क्षेत्रवार) शुरू की गई थीं ।

अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

क्रम सं.	पुरस्कार	वर्ष	कार्यक्रम / श्रेणी
1.	दूरदर्शन ने एबीयू पुरस्कार 2009 जीता	2009	जलवायु परिवर्तन
2.	दूरदर्शन ने एबीयू पुरस्कार 2009 जीता	2009	एक प्रस्ताव

श्री डेविड एस्टले, महासचिव ए.बी.यू. से पट्टिका प्राप्त करती हुई सुश्री मीनू खरे।

दूरदर्शन नेटवर्क

इस समय दूरदर्शन फ्री टु एयर (निःशुल्क) डीटीएच सेवा के अलावा 31 उपग्रह चैनल प्रसारित कर रहा है। उसके पास 66 स्टुडियो केंद्रों, 39 उपग्रह भू केंद्रों और विविध क्षमताओं वाले 1415 ट्रांसमिटरों का एक बहुत बड़ा नेटवर्क है, जिससे इसकी पहुंच देश की 92% जनसंख्या तक है।

डीडी नेशनल

डीडी नेशनल विश्व के सर्वाधिक विस्तृत स्थलीय नेटवर्कों में से एक है, जिसकी पहुंच देश की 91.2% जनसंख्या और 79% भू–भाग तक है। लोक सेवा प्रसारक के नाते चैनल ने सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों को गति देने, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, जनता में एकता एवं बंधुत्व की भावना पैदा करने तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखा ।

दर्शकों की संख्या की दृष्टि से डीडी नेशनल देश का नंबर एक चैनल है । लोकसेवा प्रसारण का मुख्य चेहरा होने के नाते यह चैनल मनोरंजन, सूचना और शिक्षा का स्वस्थ सम्मिश्रण प्रस्तुत करता है । इसकी सेवा प्रातः 5.30 बजे से लेकर मध्य रात्रि तक स्थलीय मोड में उपलब्ध रहती है । उपग्रह मोड में इसकी सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है । इस लोक सेवा प्रसारण चैनल के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रसारण समय इस प्रकार रखा गया है कि यह अलग–अलग समय में अलग–अलग प्रकार के दर्शकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है ।

वर्ष 2009–10 में गणतंत्र दिवस परेड, स्वतंत्रता दिवस समारोह, संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का अभिभाषण, संसद में महत्वपूर्ण बहसें, रेल बजट और आम बजट की प्रस्तुति, लोक सभा एवं राज्य सभा में प्रश्नकाल, चुनाव परिणाम और उनके विश्लेषण, खेल आयोजनों, प्रधानमंत्री की एनसीसी रैली, प्रवासी भारतीय दिवस, संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री का भाषण जैसे महत्वपूर्ण

राजपथ से गणतंत्र दिवस परेड का सीधा प्रसारण

राष्ट्रीय आयोजनों की सीधी कवरेज की गई । दूरदर्शन ने संसद और विधानसभा के आम चुनावों में राजनीतिक प्रसारण के लिए चुनाव आयोग को अपना मंच प्रदान किया ।

कवरेज के साथ–साथ विभिन्न सरकारी विभागों, विकास कार्यक्रमों, पल्स पोलियो अभियान, कैंसर, कुष्ठ रोग, क्षय रोग, डेंगू, स्वाइन फ्लू और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य मुद्दों के उन्मूलन हेतु सामाजिक दृष्टि से उपयोगी विशेष कार्यक्रमों, सबके लिए प्राथमिक शिक्षा, एड्स, उपभोक्ता जागृति, सड़क सुरक्षा, समाज के कमजोर तबकों को मुफ्त कानूनी सहायता जैसे व्यापक अभियान चलाए गए । इन सभी को प्रसारण में मुख्य स्थान दिया गया ।

कार्यक्रम घटक और स्रोत

शैक्षणिक कार्यक्रम इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केंद्रीय शैक्षणिक तकनीकी संस्थान जैसे विभिन्न स्रोतों से प्राप्त किए जाते रहे ।

दूरदर्शन ने यूनिसेफ और नाको के सहयोग से महिला कल्याण कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रसारित की है जैसे– क्योंकि जीना इसी का नाम है, उड़ान, पिया का आंगन, स्त्री तेरी कहानी, करम धरम अपना अपना, सात वचन सात फेरे, नरगिस, व्हील स्मार्ट श्रीमती । आज सवेरे/ईवनिंग लाइव शो में भी नारी से जुड़े मुद्दों पर नियमित रूप से प्रसारण किया गया ।

सूचना घटक के अंतर्गत डीडी नेशनल पर समाचार और समसामयिक घटनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित किए जाते रहे हैं जो मुख्यतः अपने यहां ही तैयार होते हैं । सायं 8.00 बजे से 8.30 बजे तक प्रसारित समाचार देश के एक चैनल वाले घरों तथा बहु चैनल केबल और उपग्रह चैनलों वाले घरों में सबसे अधिक देखा जाने वाला समाचार बुलेटिन है । संसद के प्रश्नकाल का डीडी नेशनल और डीडी न्यूज चैनलों पर सीधा प्रसारण किया गया । मनोरंजन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से दोपहर से अपराह्न 3.00

बजे तक प्रसारित किए जाने वाले दैनिक धारावहिक तथा रात्रि 8.30 बजे से मध्य रात्रि तक प्रसारित होने वाले धारावाहिक सम्मिलित हैं । इनमें शुक्रवार, शनिवार और रविवार को प्रसारित होने वाली फिल्में तथा माह के दूसरे तथा चौथे रविवार को पुरस्कृत क्षेत्रीय फिल्में भी शामिल हैं ।

डीडी नेशनल पर शाम को प्रसारित कुछ लोकप्रिय धारावाहिक इस प्रकार थे – हरी मिर्ची लाल मिर्ची, कभी सास कभी बहू, कब क्यों कैसे, क्योंकि जीना इसी का नाम है, झूठा कहीं का, कल्पना, सात वचन सात फेरे, पनाह, क्रेजी किया रे, भारत की शान, एयर होस्टेस, फौजी द आयरन मैन आदि ।

सप्ताह के सभी दिवसों में क्षेत्रीय भाषाओं के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए अपराह्न 3.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक का समय निर्धारित है जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में जन उपयोगी, विकास समाचार, समसामयिक समाचार और मनोरंजन कार्यक्रम साल भर प्रसारित किए गए ।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान स्तरीय फीचर फिल्मों तथा एसएफसी कार्यक्रमों से डीडी 1 की लोकप्रियता के आधार पर विगत वर्ष की तुलना में विज्ञापनों से आय में वृद्धि हुई है । विभिन्न दूरदर्शन चैनलों पर सॉफ्टवेयर परियोजना को लागू करने से विज्ञापन आय में लगभग 50 लाख से एक करोड़ रूपए तक की वृद्धि होगी जो आगामी दो वर्षों के दौरान बाजार की स्थितियों तथा प्रतिस्पर्धा परिदृश्य पर निर्भर होगी ।

लोकसेवा वृत्तचित्र

डीडी–1 नेटवर्क पर प्रत्येक शनिवार को प्रातः 09.00 बजे 'ओपन फ्रेम' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं के साथ–साथ नवोदित फिल्म निर्माताओं द्वारा लोकहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बनाए गए स्तरीय वृत्त चित्रों का प्रसारण जारी रहा । ये वृत्त चित्र प्रसार भारती और लोक सेवा प्रसारण ट्रस्ट के बीच हुए समझौते के तहत प्राप्त किए गए ।

दूरदर्शन पर फीचर फिल्में (विगत वर्ष की गतिविधियां)

फीचर फिल्में दूरदर्शन के लिए उच्च राजस्व प्रदान करने वाली मनोरंजनप्रद संपदा हैं । प्रति सप्ताह दूरदर्शन के नेशनल नेटवर्क पर प्रसारित की जाने वाली पाँच हिंदी फीचर फिल्मों से प्राप्त कुल राजस्व दो करोड़ रूपये से अधिक होता है । पैकेजिंग और विपणन के संदर्भ में प्रसारण को अधिक आकर्षक और बेहतर बनाने के लिए दूरदर्शन ने नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्मों को दिखाने के लिए "फ्राइडे हाउसफुल", सुपरहिट लोकप्रिय फिल्मों को दिखाने के लिए "सेटर्डे जुबिली", रविवार को प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं/ कलाकारों द्वारा निर्मित विषय वस्तु आधारित फिल्मों को दिखाने के लिए "रेट्रोस्पेक्टिव", पुरानी क्लासिक एवं लोकप्रिय फिल्मों को सोमवार से बुधवार तक धारावाहिक के रूप में दिखाने के लिए "बायस्कोप" जैसे ब्रांड नाम दिए हैं । हाल ही में "उमराव जान", "गुरू", "सावन की घटा", "गांधी माइ फादर", "वेल्कम", "रंग दे बसंती", "नेताजी सुभाष चन्द्र बोस", "द लेजेंड ऑफ भगत सिंह" और "चीनी कम" उन लोकप्रिय फिल्मों में से थी जिन्हें उपर्युक्त विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत दूरदर्शन पर दिखाया गया । स्वतंत्रता दिवस के आसपास "ऐ वतन तेरे लिए" कार्यक्रम के अंतर्गत देश भक्ति पर आधारित फिल्में प्रसारित की गईं । इसी प्रकार "रेट्रोस्पेक्टिव", के अंतर्गत "हँसते–हँसाते" शीर्षक के तहत त्यौहार के दिनों में कॉमेडी फिल्में प्रसारित की गईं ।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त क्षेत्रीय फिल्में

लोक प्रसारक के रूप में अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप स्तरीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए, दूरदर्शन प्रत्येक माह क्षेत्रीय भाषा की राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त दो फिल्मों का प्रसारण करता है । स्वर्ण कमल और रजत कमल पुरस्कारों से सम्मानित इन फिल्मों को बहु प्रसारण अधिकार के तहत तीन वर्षों के लिए

प्राप्त किया जाता है और इन्हें प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे रविवार को रात 11.30 बजे राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया जाता है । हाल ही में स्वर्ण कमल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित "एकंथम मलयालम्" का प्रसारण किया गया था ।

फिल्मों संबंधी नए दिशा–निर्देश 2007: फिल्मों संबंधी नए दिशा–निर्देश 2007 लागू किए गए हैं जिनके तहत फिल्म अनुभाग द्वारा दूरदर्शन चैनलों पर रॉयल्टी के आधार पर प्रसारण हेतु केंद्रीकृत रूप में फिल्में प्राप्त की जाती हैं ।

आगामी वर्ष के लिए अनंतिम योजना

फिल्मों संबंधी नए दिशा–निर्देशों के अंतर्गत प्राप्त फिल्मों के प्रति दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए दूरदर्शन अधिक राजस्व प्राप्त करने तथा दर्शकों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्में प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित करने की योजना बना सकता है । दूरदर्शन मेसर्स यशराज फिल्म्स, मेसर्स यूटीवी जैसे प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं से पैकेज के रुप में नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्में प्राप्त करने की प्रक्रिया में है ।

दूरदर्शन अपने राष्ट्रीय नेटवर्क और क्षेत्रीय केंद्रों से प्रसारण हेतु क्षेत्रीय भाषाओं की पुरस्कृत फिल्मों के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषाओं की कमर्शियल फिल्मों के लिए नए दिशा–निर्देश तैयार कर रहा है ।

दूरदर्शन समाचार

देशभर में दूरदर्शन समाचार ही एक द्विभाषी चैनल है। लोक सेवा प्रसारक के लिए समाचार और समसामयिकी मामलों के कार्यक्रम चैनल मिक्स का एक महत्त्वपूर्ण घटक होते हैं। 3 नवंबर 2003 को आरंभ होने के बाद पिछले 6 वर्षो से दूरदर्शन न्यूज चैनल लोक प्रसारक ही भूमिका को बखूबी निभा रहा है। दूरदर्शन समाचार प्रतिबद्ध है कि समाचार और सामयिकी मामलों को संतुलित और यथार्थता के साथ सनसनी फैलाए बिना प्रस्तुत करें। एक मात्र स्थलीय सह सेटेलाइट समाचार चैनल होने की अपनी अलग पहचान के साथ दूरदर्शन समाचार गैर केबल, गैर सेटेलाइट घरों तक पहुंचता हैं जो कि जनसंख्या का मुख्य भाग है। देशभर में इसकी सबसे अधिक पहुंच है और ऑल होम श्रेणी में यह मार्केट लीडर है।

वर्ष के दौरान दूरदर्शन समाचार ने प्रतिदिन 16–18 घंटों के सीधे प्रसारण किए हैं, जिसमें 17 हिंदी और अंग्रेजी बुलेटिन शामिल हैं। साप्ताहिक बधिर बुलेटिनों के अलावा उर्दू और संस्कृत के बुलेटिन भी प्रसारित किए जाते हैं। दूरदर्शन राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए दूरदर्शन समाचार प्रतिदिन प्रातः दो और शाम को दो क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी के बुलेटिनों का निर्माण करता है।

देश भर में दूरदर्शन समाचार के पास 25 सक्रिय क्षेत्रीय समाचार इकाइयों और एक समाचार ब्यूरो है। अप्रैल 2009 से मार्च 2010 की अवधि के दौरान उसने प्रतिदिन 28 विभिन्न भाषाओं में 112 क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन प्रसारित किए। इन 25 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों और चंडीगढ़ में स्थित समाचार ब्यूरो ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दैनिक गतिविधियों को राष्ट्रीय समाचार चैनल पर फीड करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि राष्ट्रीय समाचार बुलेटिन दिल्ली केंद्रित न हो कर देशभर में सभी महत्वपूर्ण निकायों का मिश्रण हो।

फोन–इन जैसे लाइव इनपुट के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि 'मैट्रो स्कैन', 'स्टेट स्कैन' और 'राज्यों से समाचार' जैसी क्षेत्रीय समाचार विंडोज के माध्यम से समाचार बुलेटिनों को अद्यतन एवं प्रभावशाली बनाया जाए। वर्ष के दौरान आर.एन.यू.तिरूवनंतपुरम ने आधे–आधे घंटे के साप्ताहिक व्यापार बुलेटिन और चर्चा पर आधारित साप्ताहिक सम–सामयिक कार्यक्रम पहली बार शामिल किए जो कि राज्य भर में जन सराहना पा रहे हैं। इस अवधि के दौरान उसने अपने समाचार कक्षों को अलग

से टैक्सट और दृश्य ऑटोमेशन पर स्विचओवर किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र शिलांग में एक दैनिक समाचार बुलेटिन प्रारंभ करने के लिए इटानगर आर.एन.यू. से अरूणाचल तक 'इस हफ्ते' नामक 15 मिनट का एक राउंडअप साप्ताहिक समाचार बुलेटिन पहले ही शुरू किया जा चुका है। आर.एन.यू., बेंगलुरू प्रातः के समाचार बुलेटिन की अवधि 10 मिनट से बढ़ाकर 15 मिनट कर दी गई है। डी.डी. चंदना से 15 मिनट के एक दोपहर के क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन की शुरूआत भी की गई है।

डीडी समाचार ने वर्ष के दौरान बहुत सी महत्त्वपूर्ण घटनाओं के सीधे प्रसारण सहित विशेष और व्यापक कवरेज प्रदान की। संसद सत्र आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, झारखंड, ओडिसा, हरियाणा और अरूणाचल प्रदेश के राज्यों में आम चुनाव और विधान सभा चुनाव, अति विशिष्ट व्यक्तियों की विदेश यात्रा, ग्लोबल वार्मिंग, स्वाइन फ्लू, सार्वभोम महामारी, आतंकवाद, नक्सली समस्या इत्यादि कुछेक ऐसी घटनाएं और मुद्दे हैं, जिन्हें वर्ष के दौरान व्यापक कवरेज दी गई।

महामहिम राष्ट्रपति की कुवैत, स्पेन, पोलैंड, रूस, तजाकिस्तान, ब्रिटेन और साइप्रस की विदेश यात्राओं को वर्ष के दौरान व्यापक कवरेज दी गई। महामहिम उपराष्ट्रपति की साउथ अफ्रीका और मालावी, जांबिया और बोत्सवाना (अफ्रीकन देश) और माननीय प्रधानमंत्री की रूस, इटली, मिस्र, पेरिस, बैंकाक, पोर्ट ऑफ स्पेन, अमरीका, कोपनहेगन, डेनमार्क और साउदी अरब की विदेश यात्राओं को भी व्यापक कवरेज प्रदान की गई।

लेह, लक्षद्वीप और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे सुदूर इलाकों से लाइव इनपुट लिए गए।

ग्लोबल वार्मिंग पर भी डीडी समाचार ने कार्यक्रम प्रसारित किए। वर्ष के दौरान कोपनहेगन क्लाइमेट चेंज समिट की कवरेज के लिए तैनात डीडी समाचार के संवाददताओं से लाइव इनपुट लिए गए।

चैनल ने यूनीसेफ के साथ मिलकर ग्रामीण और सुदूर इलाकों के बच्चों के लिए स्वास्थ्य और शैक्षणिक कार्यक्रमों पर कहानियॉं प्रसारित की।

डीडी समाचार ने भारतीय क्रिकेट टीम की आस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, श्रीलंका के साथ श्रृंखलाओं, एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखलाओं और 20–20 श्रृंखला जैसी स्पोर्ट्स गतिविधियों को भी व्यापक कवरेज प्रदान की। वर्ष के दौरान आवश्यकतानुसार अन्य स्पोर्ट्स गतिविधियों को भी चैनल पर व्यापक कवरेज प्रदान की गई। इस वर्ष के दौरान दर्शकों के लिए विश्व स्पोर्ट्स चैनल पर सप्ताह में दो घंटे के एक 'डेली स्पोर्ट्स' कार्यक्रम की भी शुरूआत की गई। भारत और अन्य देश की स्पोर्ट्स गतिविधियों पर आधे घंटे का एक स्पोर्ट्स बुलेटिन, हिंदी में 3 (1.00 बजे, 7.00, 11.05 बजे) और अंग्रेजी में एक 3.00 बजे वाला बुलेटिन भारत व विदेशों में खेल विकास का आदर्श मिश्रण है।

जी–20 बैठक, प्रेरक पैकेज, जीडीपी विकास और नए डायरेक्ट टैक्स कोड कुछ घटनाएं और मदें हैं जिन्हें वर्ष के दौरान डीडी समाचार सप्ताह में प्रतिदिन दो बार और सप्ताहांत में नियमित समाचारों और व्यापार कार्यक्रमों में व्यापक कवरेज प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान दिन में तीन बार हिंदी और अंग्रेजी में दो मिनट का पूर्वानुमान सहित मौसम कैप्सूल प्रसारित किया गया। डीडी समाचार चैनल ने वर्ष के दौरान देशभर में समाचारों और घटनाओं के तुरंत सटीक सीधे एकत्रण व प्रसारण हेतु 12 डिजीटल सेटेलाइट समाचार एकत्रण वैन लगाईं।

दर्शकों के बीच नव वर्ष समाचार कार्यक्रम सहित न्यूज राउंड अप और न्यूज टॉप 10 काफी लोकप्रिय साबित हुआ।

दूरदर्शन की समाचार वेबसाइट www.ddinews.gov.in. अद्यतन समाचार मुहैय्या कराती है।

स्पोर्ट्स चैनल

खेलों के प्रसारण के लिए दूरदर्शन ने एक भारतीय चैनल का शुभारंभ 18 मार्च 1999 को किया था। 25 अप्रैल 1999 से इस चैनल का प्रसारण 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिया गया । इस चैनल की लोकप्रियता को देखते हुए जून 2000 से इसका चौबीसों घंटे प्रसारण प्रारंभ कर दिया गया ।

वर्ष 2009–10 के दौरान डीडी स्पोर्ट्स भारत के विभिन्न स्थानों में आयोजित 100 से भी अधिक विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण की व्यवस्था करने में सफल रहा । इसके कुछ उत्कृष्ट प्रसारणों में विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप का प्रसारण, क्वींस बैटन रिले काउंटडाउन तथा राष्ट्रमंडल खेल दिल्ली 2010 हेतु अद्यतन कार्यक्रमों के प्रसारण शामिल हैं जो कि वर्तमान में जारी हैं तथा दिल्ली में 3 अक्तूबर से 14 अक्तूबर 2010 तक आयोजित होने वाले इन खेलों तक भी जारी रहेगा।

इसके अलावा, खेल प्रसारण सिग्नल (प्रसार भारती के साथ अनिवार्य साझेदारी अधिनियम, 2007) के प्रावधानों के तहत विभिन्न क्रिकेट आयोजनों का प्रसारण राजस्व के शेयरिंग के आधार पर किया गया। वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान (31 मार्च 2010 तक) ढाका सेफ खेल, बीसीसीआई क्रिकेट आयोजन, भारत का अफ्रीका दौरा तथा इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम का भारत दौरा का प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स और डीडी–नेशनल चैनल पर किया गया ।

हैदराबाद में 10 अगस्त से 16 अगस्त 2009 तक विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। दूरदर्शन इस आयोजन का मेजबान प्रसारक था । इस चैम्पियनशिप के लिए दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों से 150 से भी अधिक कर्मचारी तैनात किए गए ।

दूरदर्शन ने विश्वस्तरीय कवरेज प्रस्तुति और प्रसारण के साथ अपने दर्शकों को विश्व चैम्पियनशिप कार्यक्रम दिखाए । लाइव कवरेज में 9 कैमरों से युक्त ओबी वैन के साथ–साथ दोनों सेंट्रल कोर्ट से सिग्नल प्राप्त करना और पर्दे का विश्व स्तरीय स्वरूप शामिल था । दूरदर्शन को इस कार्यक्रम से 62,71,803/– रू0 की अभूतपूर्व विज्ञापन आय प्राप्त हुई । यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है । इसका श्रेय विपणन प्रभाग, हैदराबाद को जाता है जिसने दूरदर्शन महानिदेशालय की देखरेख में काम किया।

एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट सिरीज़ पर चौथा एम्पायर कार्यक्रम

इस चैम्पियनशिप के दौरान दूरदर्शन ने अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों को तकनीकी सुविधाएँ भी उपलब्ध करवायीं, जिसके अंतर्गत इसने न केवल क्लीन फीड उपलब्ध कराई बल्कि कस्टमाइज्ड कमेंट्री सुविधा भी उपलब्ध कराई ।

लंदन से क्वीन बेटन रिले का सीधा प्रसारण

दूरदर्शन ने टीम के सभी सदस्यों के लिए 7 अगस्त से 9 अगस्त तक दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद के स्टुडियो और वास्तविक खेल स्थल पर खेल–पूर्व कार्यशाला का आयोजन करवाया । कार्यशाला में खेल नियमों की अद्यतन जानकारी, खेल परिस्थिति, ओलंपिक खेल बीजिंग 2008, एशियाई खेल दोहा 2006 और राष्ट्रमंडल खेल मेलबोर्न 2006 के टेप भी दिखाए गए ।

डीडी भारती

प्रसार भारती ने 26 जनवरी 2002 को डीडी भारती चैनल की शुरूआत की थी । अब मार्च 2010 में इस चैनल ने आठ वर्ष से अधिक का समय पूरा कर लिया है । इस चैनल पर मेरी बात जैसे स्वास्थ्य एवं बाल कार्यक्रम तथा "पीली आँधी", "बूँद और समुंद्र" "कगार की आग", "फौजी", "स्वराज", आदि जैसे उपन्यास आधारित कला–संस्कृति के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । नृत्य, संगीत, महिला, शिक्षा, यात्रा संस्मरण पर आधारित कार्यक्रम, देश की विरासत एवं मूल्यों को अक्षुण्ण रखने वाले कार्यक्रम "मेरे हम सफर", अंदाज स्टाइल बॉलीवुड का" तथा 'द लिविंग लेजेंड' जैसे फिल्म आधारित कार्यक्रम तथा 'पति देव काम पर गए' और 'दाने अनार के' जैसे हास्य धारावाहिकों का प्रसारण डीडी भारती चैनल से किया जाता है ।

डीडी भारती पर सिंधु दर्शन और संस्कृत भाषा शिक्षणम जैसे प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के अलावा अक्षत ऊर्जा प्रश्नोत्तरी शो, आईआईटीएफ–2009 तथा हमारी जमीन हमारा आसमान जैसे तीन नए कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए । डीडी भारती विभिन्न केंद्रों से विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम प्राप्त करता है तथा भरतनाट्यम, सुर सागर, क्रिसमस ज्वॉय, तथा नव वर्ष कार्यक्रम जैसे नए पुनः पैकेज्ड के कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है । सीधा प्रसारण और कवरेज खंड में, डीडी भारती नृत्य और संगीत सहित देश भर में आयोजित अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सीधा प्रसारणकवरेज करता रहा है जैसे ग्वालियर में आयोजित तानसेन समारोह, मुक्तेश्वर नृत्य समारोह, मध्यप्रदेश में खजुराहो नृत्य समारोह, तुरा में ड्रम उत्सव, तमिलनाडु में त्यागराज समारोह, कोणार्क महोत्सव–भोपाल (वित्तीय प्रवाह के आधार पर), पुणे में संगीत समारोह, इलाहाबाद में कुंभ और अर्ध कुंभ शाही स्नान, कपूरथला (पंजाब) में विरासत महोत्सव। डी–डी भारती ने इग्नू, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला अकादमी तथा एनसीईआरटी जैसी सरकारी एजेंसियों के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करके अपने कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अपना परिमार्जन किया है ।

डी डी भारती पर "मेरी बात" का एक दृश्य

डीडी उर्दू

डीडी उर्दू चैनल 15 अगस्त 2006 को प्रारंभ किया गया था। शुरू में इसका प्रसारण थोड़ी देर ही होता था, जिसे 14 नवंबर 2007 से बढ़ाकर चौबीसों घंटे के लिए कर दिया गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम महामहिम राष्ट्रपति के संदेश का उर्दू अनुवाद डीडी उर्दू पर प्रसारित किया गया। डीडी उर्दू के लिए और अधिक सॉफ्टवेयर प्राप्त करने की कार्रवाई आरंभ की गई और यह प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है ।

डीडी उर्दू ने मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय प्रति दिन एक घंटे का सॉफ्टवेयर उपलब्ध करवा रहा है जो कि आगामी पाँच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष दुगुना होता जाएगा। उनके द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले कार्यक्रमों में शिक्षा, विरासत और सूचना सह मनोरंजन कार्यक्रम शामिल होंगे ।

भविष्य में, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, ओस्मानिया विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, खुदा बख्श लाइब्रेरी तथा भारत की सभी उर्दू अकादमियों जैसी राष्ट्रीय स्तर के सभी प्रमुख तथा प्रामाणिक उर्दू केंद्रों को जोड़ने का प्रस्ताव है । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया तथा मध्य एशिया के चुने हुए स्थानों तथा यूरोप एवं अमरीका के उर्दू अनुसंधान केंद्रों को उपग्रह के माध्यम से जोड़कर उर्दू के विकास से जुड़े विचारों का आदान प्रदान किया जाएगा जिससे लक्षित दर्शक वर्ग में सामाजिक परिवर्तन आएगा । इस चैनल में न केवल भारत के बल्कि पाकिस्तान, यूरोप, अमरीका तथा मध्य पूर्व के कलाकारों को भी अपने पर्दे पर लाने की काफी संभावना है ।

इस वर्ष विभिन्न विधाओं के उच्च स्तरीय निर्माताओं से आवेदन आमंत्रित करने का प्रयास किया गया है जिससे उर्दू चैनल की लोकप्रियता बढ़ेगी । एक बार यह प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के उपरांत यह चैनल अधिक दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सक्षम हो सकेगा ।

क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल

इस समय दूरदर्शन क्षेत्रीय भाषाओं के 11 उपग्रह चैनलों का प्रचालन कर रहा है । ये इस प्रकार हैं:

डीडी केरलम्, डीडी औड़िया, डीडी सप्तगिरि, डीडी सह्याद्रि, डीडी पोढ़िगै, डीडी बांग्ला, डीडी चांदना, डीडी गिरनार, डीडी नॉर्थ ईस्ट, डीडी पंजाबी । इन चैनलों की गतिविधियों (2009–10 की गतिविधियों सहित) का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:–

सह्याद्रि चैनल

सह्याद्रि चैनल (डीडी 10) ने 15 अगस्त 1994 से उपग्रह के माध्यम से मराठी कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू किया था । 1 जनवरी, 2000 से इसका प्रसारण समय बढ़ाकर प्रतिदिन 17 घंटे का कर दिया गया और इसे सह्याद्रि चैनल का नाम दिया गया । 05 अप्रैल 2000 से यह चौबीसों घंटे प्रसारण करने वाला चैनल बन गया । सह्याद्रि चैनल प्रातः 06:00 से 09:00 बजे तक (रविवार को छोड़कर) तथा अपराह्न 15.00 बजे से 20.00 बजे तक स्थलीय और उपग्रह दोनों मोड में प्रसारण करता है । उपग्रह मोड में यह 24 घंटे प्रसारण करता है । इसके माध्यम से वर्ष 2009–10 के दौरान 367 घंटे (51.1%) के नए कार्यक्रम तथा 353 (48.9%) घंटे के पुनरावृत्ति कार्यक्रम दिखाए गए ।

डीडी सह्याद्रि चैनल को वर्ष 2009 में महिला सशक्तिकरण के लिए हिरकानी पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इसे वर्ष 2009 में सह्याद्रि माणिक पुरस्कार तथा सह्याद्रि नव रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया । पुणे में रोबोकोन प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए इसकी काफी सराहना भी हुई । सह्याद्रि चैनल द्वारा राष्ट्रीय एकता पर तथा जनजातीय कल्याण सहित महाराष्ट्र में नक्सली गतिविधियों का सामना करने के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । टैम की रिपोर्ट के अनुसार डीडी सह्याद्रि चैनल महाराष्ट्र के प्रसारित सभी मराठी चैनलों में प्रथम स्थान पर है ।

दूरदर्शन मुंबई का सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रत्येक माह यह 84.7% कार्यक्रमों का निर्माण स्वयं करता है तथा 10.6% कार्यक्रम प्रायोजित श्रेणी के अंतर्गत होते हैं । सह्याद्रि चैनल के कार्यक्रमों की स्थिति तथा उनके स्रोत निम्नानुसार हैं:–

कार्यक्रम श्रेणी

(1) खेल कूद	1.0%
(2) लोक सेवा	13.9%
(3) मनोरंजन	41.4%
(4) शैक्षणिक	8.7%
(5) समाचार एवं सामयिक घटनाएँ	14.0%
(6) स्वास्थ्य	2.2%
(7) बाल कार्यक्रम	3.4%
(8) अन्य श्रेणी	10.6%
(स्लाइड/टाइटल/प्रोमो आदि)	
	100.0%

कार्यक्रम स्रोत

(1) समाचार सहित स्व निर्मित कार्यक्रम	84.7%
(2) प्रायोजित	10.6%
(3) अन्य (एसएफसी/स्लाइड/प्रोमो)	4.7%
	100.0%

पोढ़िगै चैनल

'पोढ़िगै चैनल' चौबीसों घंटे प्रसारित होने वाला चैनल है । इसका शुभारंभ 15 जनवरी, 2000 को पोंगल दिवस पर किया गया था । इस चैनल को 'सूचना और मनोरंजन कार्यक्रमों' का पैकेज कहा गया है ।

पोढ़िगै चैनल के लिए 65% कार्यक्रम अपने यहाँ तैयार किए जाते हैं । इस पर इस समय आठ समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं और ये दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं । पोढ़िगै चैनल को नया स्वरूप देने के लिए कार्यक्रमों की विषय वस्तु तथा कम्पलेक्शन में इन दस वर्षों के दौरान काफी परिवर्तन किया गया है ।

महत्त्वपूर्ण स्व–निर्मित कार्यक्रम

कुछ मुख्य स्व–निर्मित कार्यक्रम इस प्रकार हैं– समाचार, एमर्जेन्सी एक्शन, सुवैयो सुवै, एल्लामे संगीतमतान (संगीत कार्यक्रम). तुल्लाद, मनमुम तुल्लुम, कार–सारम, वेट्रिक्कु पिन्नाल, वणिक–तगवलकल (वाणिज्य समाचार), तेनीर नेरम, समयल संदेकंगल, अझगुकलै, समैकलाम वांग, एंड्रम इनिमै, सिरिप्पु वेडिकल, पोनविलयुम भूमि (कृषि) और हैलो उंगलुडन (फोन–इन–लाइव कार्यक्रम) ।

हिंदू लोगों का यह विश्वास है कि भगवान शनि (शनीश्वर) हर 2½ वर्ष में, एक घर से दूसरे घर में प्रवेश करते हैं । इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पोढ़िगै चौनल द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है । इस वर्ष का कार्यक्रम दिनांक 26.09.2009 को पोढ़िगै चैनल पर प्रसारित किया गया था । इसका संक्षिप्त संस्करण दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर भी प्रसारित किया गया था ।

प्रसिद्ध कवि श्री कविक्को अब्दुल रहमान की अध्यक्षता में इस क्षेत्र के अन्य मशहूर कवियों के साथ, स्वाधीनता दिवस के अवसर पर तमिल भाषा में "सुदंतिर दागम" नामक एक कवि सम्मेलन रिकार्ड किया गया था ।

अन्य केन्द्रों द्वारा योगदान

फिलहाल दूरदर्शन के अन्य केंद्र जैसे मदुरै, पांडिचेरी एवं कोयम्बत्तूर द्वारा भी पोढ़िगै चैनल के लिए कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है । कण्णनीन आरमुदु, नायनमारकलै नाडुवोम, श्री वेंकटाचल–महात्तियम (प्रायोजित), कालवेंद्र/कवियरसर (तमिल फिल्मी कवि स्वर्गीय कण्णदासन) और सिरुवर पूंगा (बच्चों का कार्यक्रम) आदि जैसे कार्यक्रमों का निर्माण दूरदर्शन केंद्र मदुरै द्वारा किया गया है । कृषि कार्यक्रम नैरोकास्टिंग, सिरूवर पूंगा सोल्ला (बच्चों का कार्यक्रम), तुडिक्कुदु मससु आदि का निर्माण दूरदर्शन केंद्र कोयम्बत्तूर द्वारा और नलमंताना (स्वास्थ्य), सिरूवर पूंगा (बच्चों का कार्यक्रम) का निर्माण दूरदर्शन केंद्र पांडिचेरी द्वारा किया गया ।

वर्ष 2009–10 के लिए श्रोत–वार कार्यक्रमों की प्रतिशतता

कार्यक्रम श्रेणी	अवधि (मिनट में)	%
1) अपने यहाँ निर्मित और कमीशंड	287301	72.2%
2) प्रायोजित	58904	14.8%
3) अर्जित	8603	2.2%
4) सरकारी एजेंसिया	5804	1.5%
5) अन्य–स्लाइड/फिलर	37435	9.4
कुल	**398047**	**100.0**

डीडी गिरनार

डीडी गिरनार चैनल का यह नामकरण 15 सितंबर, 2008 को किया गया था । इसका प्रसार 86% भू–भाग और 87% जनसंख्या तक है । यह चौबीसों घंटे का चैनल है जिसमें अपराह्न 3.00 बजे से रात्रि के 8.00 बजे तक स्थलीय प्रसारण भी होता है । डीडी गुजराती (डीडी गिरनार) की पहुँच 29% है और सभी टीवी घरों में इसका शेयर 2–3% है । रथयात्रा, जन्माष्टमी और पतंग महोत्सव जैसे वार्षिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण/विलंबित लाइव प्रसारण किया जाता है । विभिन्न समसामयिक मुद्दों तथा सरकारी योजनाओं पर कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक निर्माण करके इसने कार्यक्रम निर्माण–गृह के रूप में अपनी साख स्थापित कर ली है ।

डीडी कशीर

नस्संदेह डीडी कशीर का शुभारंभ दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है । प्रारंभ में दिनांक 27.03.1995 से स्थलीय प्रसारण के माध्यम से प्रति दिन 4 घंटे की सेवा उपलब्ध करवायी गई थी । लेकिन वास्तव में अलग क्षेत्रीय उपग्रह चैनल के रूप में डीडी कशीर की पहचान तब हुई जब 26.06.2000 को इसका शुभारंभ किया गया । इस समय प्रातः 0600 बजे से उपग्रह द्वारा इस चैनल का प्रसारण 24 घंटे उपलब्ध है । यह दूरदर्शन का एकमात्र उपग्रह चैनल है जिसका प्रसारण घाटी के विभिन्न भागों में स्थित स्थलीय ट्रांसमीटरों के माध्यम से भी उपलब्ध है।

डीडी कशीर पर प्रत्येक दिन 12 घंटे से अधिक अवधि के नए कार्यक्रम दिखाए जाते हैं । चैनल पर कश्मीर घाटी के दर्शकों सहित उप महाद्वीप के करोड़ों दर्शकों को मनोरंजन, सूचना और शिक्षा पर आधारित कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं ।

दर्शकों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले सूचनाप्रद तथा मनोरंजन कार्यक्रम दिखाकर और पीर–ए–वार के अमर पहलुओं के चित्रण द्वारा सूफी मत तथा ऋषि मत को बढ़ावा देकर कशीर चैनल सशक्त और आकर्षक सेवा उपलब्ध करवाने का जरिया बन गया है ।

इसके विशिष्ट साक्षात्कार, चर्चा–परिचर्चा और नामी हास्तियों के साथ मुलाकात के कारण यह दर्शकों का पसंदीदा चैनल बन गया है । यह अपने कार्यक्रमों में क्षेत्रीय कलाकारों, सुर्खियों में रहने वाले लोगों, नौकरशाहों, तकनीकविदों, उपलब्धि हासिल करने वाली हस्तियों, जनमत को प्रभावित करने वाले नेताओं, प्रोफेशनलों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों को नियमित रूप से शामिल करता है ।

अपने दर्शकों को स्तरीय प्रसारण उपलब्ध करवाने के लिए डीडी कशीर ने अब अपने कार्यक्रमों की कमीशनिंग प्रारंभ की है ।

डीडी सप्तगिरि

डीडी सप्तगिरि तेलुगू भाषा का चैनल है जिसके कार्यक्रम हैदराबाद, विजयवाड़ा, और वारंगल के स्टुडियो में बनाए जाते हैं । इसे 10 अक्टूबर 1993 को शुरू किया गया था और वर्ष 2000 से इसका चौबीसों घंटे प्रसारण प्रारंभ किया गया । इस अवधि के दौरान इस पर अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह, विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप, भारत निर्माण पर कार्यक्रम आदि का प्रसारण किया गया । डीडी सप्तगिरि का एक कार्यक्रम शास्त्रीय नृत्य आधारित मुव्वाला सव्वादी है जिसे फिल्मी कलाकार श्रीमती प्रतिभा प्रस्तुत करती हैं । यह कार्यक्रम लोकप्रियता में सदैव अव्वल रहा है । इस चैनल द्वारा इस अवधि में प्रस्तुत अन्य कार्यक्रम इस प्रकार हैं:–

- **रिथेराजू** :– किसानों को अन्न की पैदावार बढ़ाने के तौर–तरीके दिखाने में सप्तगिरि हमेशा आगे रहा है । प्रत्येक मंगलवार सायं 6.00 बजे किसानों के लिए एक क्विज कार्यक्रम, रिथेराजू की शुरूआत की गई ।
- **नव्य** :–महिला पत्रिका कार्यक्रम सोमवार से शनिवार दोपहर 1.30 बजे । यह महिलाओं से जुड़े विभिन्न विकास पहलुओं से संबंधित एक उपयोगी कार्यक्रम है ।
- **लाइव कवरेज** :– तिरूमाला श्रीवारी ब्रह्मोतसवालू, भद्राचलम, श्रीसीताराम कल्याणोत्सवम, अन्नवारम, श्री सत्यनारायण स्वामी कल्याणोत्सवम, यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी कल्याणोत्सवम्, मेदाराम सम्मक्का, सरलम्मा जातरा, वेमुलावडा श्री राजेश्वर स्वामी कल्याणोत्सवम्, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह, गणमान्य व्यक्तियों के आगमन, फसल संगोष्ठी, खेल, 9वें दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोह ।
- **प्रगति पाधम** :– प्रगति पाधम (खाड़ी खिड़की) खाड़ी देशों तथा मध्य पूर्व में रह रहे तेलुगू दर्शकों के लिए एक विशेष पत्रिका कार्यक्रम है । इस कार्यक्रम के विभिन्न भागों में मनोरंजन, भारतीय संस्कृति एवं परंपरा पर कार्यक्रम तथा भारत/आंध्र प्रदेश में व्यवसाय के अवसर शामिल हैं । ई–मेल के माध्यम से इन कार्यक्रमों की अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है ।
- **सरकारी गतिविधियों का प्रचार** :– डीडी सप्तगिरि पर अलग से समय आबंटित कर आंध्रप्रदेश सरकार और भारत सरकार की विकास गतिविधियों तथा कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार किया जाता है । इन योजनाओं का प्रसारण 'फ्लैगशिप कार्यक्रम' के अंतर्गत किया गया। भारत में विकास योजनाओं और गतिविधियों की झलकियों से संबंधित भारत देश प्रजा विश्वासम् (भारत में है विश्वास) का प्रसारण सोमवार प्रातः 7.15 बजे किया गया और गुरूवार को प्रातः 7.15 बजे उसका पुनरू प्रसारण किया गया था । इन योजनाओं से मिले लाभ के संबंध में अपने विचार व्यक्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्र के लोग इस कार्यक्रम में भाग लेते थे । वन और पर्यावरण के प्रति सजगता उत्पन्न करने के लिए 'अकुवाचाचंदा मामा' नामक कार्यक्रम प्रसारित किया गया ।

❖ **विकास योजनाओं पर कथा धारावाहिक** :– आंध्र प्रदेश सरकार ने डीडी सप्तगिरि पर दो कार्यक्रम प्रारंभ किए–साप्तहिक कार्यक्रम 'प्रगति' तथा दैनिक कार्यक्रम 'इनतिंता संतोषम' । यह डीडी सप्तगिरि के इतिहास में पहला अवसर है जब राज्य सरकार ने दैनिक धारावाहिक प्रारंभ किया है । इन धारावाहिकों में कथा के माध्यम से सभी विकास गतिविधियों की झलकियाँ प्रस्तुत की गई । डीडी सप्तगिरि ने इन धारावाहिकों को प्रसारित करके लोक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी की है । इन धारावाहिकों की दर्शकों ने काफी सराहना की ।

❖ **विराजाजुलू** :– दूरदर्शन सप्तगिरि ने भारतीय संस्कृति और विरासत की रक्षा के लिए संरक्षक की भूमिका का निर्वाह किया है । इसमें तेलुगू साहित्य के दिग्गज साहित्यकारों की उत्कृष्ट कृतियों पर अपने यहाँ कार्यक्रम निर्मित कर समान शीर्षक 'विराजाजुलू' नाम से छः धारावाहिकों के रूप में प्रस्तुत किया है ।

डीडी मलयालय

यह चैनल 15 अगस्त, 1994 को आरंभ किया गया था और 2000 में यह चौबीस घंटे का चैनल बन गया। इस चैनल के कार्यक्रम तिरुवनंतपुरम, त्रिस्सूर और कालीकट में स्थित दूरदर्शन स्टुडियो में बनाए जाते हैं । स्थलीय मोड में डीडी मलयालम चैनल केरल की 100% जनसंख्या तक पहुंचता है ।

मलयालम संचार क्षेत्र में निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की भीड़ में यह चैनल मनोरंजन और सूचना के क्षेत्र में कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है । रूझान को समझते हुए चैनल ने कोर कार्यक्रम के उन क्षेत्रों में अभिनव प्रयोग आरंभ किए हैं जिनमें इसे अन्य निजी टेलीविजन चैनलों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ है । सामयिक मामलों पर बहस, स्टाक मार्केट विश्लेषण, सजीव क्विज शो, महिला कार्यक्रम, सजीव और सहभागिता स्वास्थ्य कार्यक्रम, युवा शो, बाल कार्यक्रम, प्रातरू कालीन शो, सांस्कृतिक पत्रिका, सजीव संगीत शो और फिल्म आधारित कार्यक्रम जैसे नई शैली के कार्यक्रम आरंभ करके डीडी मलयालम ने सूचना और मनोरंजन के बाजार में गहरी पैठ बना ली है । इसके बावजूद इसने विशेष दर्शक और लक्षित समूह कार्यक्रमों को बरकरार रखा है । मलयालम का पहला टेलीविजन चैनल और नम्बर एक चैनल के खिताब को बनाए रखा है । सबरीमाला–मकर बिलाक्कू, त्रिस्सूर–पूरम, नेहरु ट्राफी नौका दौड़ आदि जैसे सांस्कृतिक आयोजनों और पर्वों के सजीव प्रसारण के क्षेत्र में केंद्र की सिद्ध क्षमताओं की वजह से सजीव कार्यकमों के संबंध में यह चैनल लोगों का पसंदीदा चैनल है।

डीडी चांदना

डीडी चांदना कन्नड भाषा का उपग्रह चैनल है, जो 15 अगस्त, 1994 को आरंभ किया गया था । इसके कार्यक्रम बंगलौर और गुलबर्गा में स्थित दूरदर्शन स्टुडियो में बनाए जाते हैं । वर्ष 2000 में यह चौबीस घंटे का उपग्रह चैनल बन गया और 24 मार्च, 2003 से इसकी कवरेज का विस्तार 30 से भी अधिक देशों तक हो गया। अप्रैल, 2009 से मार्च 2010 के दौरान इस चैनल की कुल विज्ञापन आय 1,17,66,118/– रुपए रही । चैनल पर प्रसारित इन–हाउस कार्यक्रमों में से कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं:–

1. दैट अंत हेली (प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम) ।
2. मधुर मधुरेव मनुला गाना (कन्नड फिल्मों के पुराने हिट गानों पर आधारित कार्यक्रम) ।
3. बेलागू (महान कार्य करने वाले ऐसे व्यक्तियों के साथ साक्षात्कार जो प्रसिद्ध नहीं हैं) ।
4. हैलो गेलेयारे (फोन इन) ।
5. टीवी डाक्टर (फोन इन) ।
6. जीवन दर्शन (जीवन मूल्यों पर विशेषज्ञ के साथ फोन इन) ।

7. मार्ग दर्शन (नैतिक और आध्यात्मिक प्रवचन) ।

8. सत्य दर्शन (धर्म की बारीकियों और महाकाव्यों/पौराणिक कथाओं की जटिलताओं पर कार्यक्रम) ।

डीडी बांग्ला

डीडी बांग्ला 20 अगस्त, 1992 को आरंभ किया गया था । यह चैनल 1 जनवरी, 2000 से चौबीस घंटे का चैनल बन गया और तब से इसने पीछे मुड़कर नहीं देखा । इसने लोक सेवा प्रसारण के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं ।

डीडी बांग्ला बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । यह देश के बंगाली दर्शकों का एक लोकप्रिय चैनल है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इस चैनल पर फिल्मों, सामान्य मनोरंजन पर आधारित कार्यक्रम और सामाजिक कार्यक्रम प्रसारित किए गए । प्रसारित कार्यक्रमों में से कुछ कार्यक्रम बंगाली नव वर्ष पर कार्यक्रम, रथ यात्रा, दुर्गा पूजा आदि हैं ।

डीडी नॉर्थ ईस्ट

डीडी नार्थ–ईस्ट चैनल 15 अगस्त, 1994 को आरंभ किया गया था और यह 27 दिसंबर, 2000 से चौबीस घंटे का चैनल बन गया। असम के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के रूप में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम तैयार करके प्रसारित किए जा रहे हैं जिनकी दर्शक सराहना करते हैं । भारत निर्माण पत्रिका सहित अग्रणी कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सराहे गए हैं ।

डीडी ओडिया

1994 में आरंभ किया गया डीडी उड़िया चैनल उड़ीसा भाषा का प्रतिष्ठित चौबीस घंटे का चैनल है। इसके अधिकांश कार्यक्रम भुवनेश्वर, संबलपुर और भवानीपटना में बनाए जाते हैं । वर्ष 2009–10 के दौरान चैनल पर प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से कुछ निम्नानुसार हैं:–

पुरी से भगवान जगन्नाथ की वापसी रथयात्रा

- पुरी से दिनांक 24.06.2009 को भगवान जगन्नाथ की श्री गुंडिचा यात्रा ।
- पुरी से दिनांक 02.06.2009 को भगवान जगन्नाथ का रिटर्न कार फेस्टीवल ।
- 15.09.2009 को दूरदर्शन के स्थापना दिवस पर 'सप्तरंग' कार्यक्रम ।
- रक्त गोलपा – 13.11.2009 को स्टुडियो से बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम ।
- मुक्तेश्वर नृत्य उत्सव – 14–16 जनवरी, 2010 के दौरान उड़िसा सरकार के पर्यटन और संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित ओडिसी नृत्य का वार्षिक उत्सव ।
- देव स्नान पूर्णिमा – 07.06.2009 को श्री मंदिर, पुरी में देवताओं के स्नान समारोह का प्रसारण किया गया।

डीडी पंजाबी

डीडी पंजाबी चौनल 06 अगस्त, 1988 को आरंभ किया गया था और 05 अगस्त, 2005 से यह चैनल चौबीस घंटे का चैनल बन गया। दूरदर्शन उपग्रह चैनल वार्षिकोत्सव 05.08.2009 को मनाया गया। स्थलीय मोड में डीडीर पंजाबी की पहुंच पंजाब राज्य में लगभग 100% है । डीडी पंजाबी चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम मुख्य दूरदर्शन केंद्र जालंधर में बनाए जाते हैं ।

डीडी पंजाबी के लिए सजीव कवरेज हेतु 8 कैमरा सेटअप सहित एक ओबी वैन उपयोग में लाई जा रही है । इसके अलावा डीडी पंजाबी के 24 घंटे कार्यक्रमों को अपलिंक करने के लिए एक भू केंद्र स्थापित है ।

दर्शक अनुसंधान

दूरदर्शन का दर्शक अनुसंधान एकांश देश के विभिन्न केंद्रों में स्थित 19 क्षेत्रीय इकाइयों के साथ वर्ष 1976 से ही प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कर रहा है। इसकी क्षेत्रीय इकाइयां रांची, जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद, नागपुर, चेन्नै, बेंगलुरु, लखनऊ, हैदराबाद, भुवनेश्वर, भोपाल, कोलकाता, गुवाहाटी, मुंबई, गोरखपुर, राजकोट, जालंधर, तिरुवनंतपुरम और श्रीनगर में स्थित हैं । इन यूनिटों में प्रोफेशनल अनुसंधानकर्ता कार्यरत हैं तथा इनके प्रमुख महानिदेशालय स्तर पर निदेशक, दर्शक अनुसंधान हैं ।

वर्ष 2009–10 के दौरान दर्शक अनुसंधान एकांश का योगदान निम्नानुसार रहा:–

- साप्ताहिक आधार पर टीएएस टीवीआर का विश्लेषण और रिपोर्ट प्रस्तुत करना ।
- वर्ष 2009–10 के लिए प्रसार भारती तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के लिए सामग्री का मसौदा तैयार करना ।
- वर्ष 2008–09 के लिए दूरदर्शन की वार्षिक रिपोर्ट ।
- केबल टीवी नेटवर्क (विनियम) अधिनियम 1995 के अनुसार दूरदर्शन चैनलों की मानीटरिंग करने के लिए पायलट परियोजना शुरू की गई ।
- "भारत में महिलाओं और परिवारों पर दूरदर्शन, प्राइवेट केबल और उपग्रह चैनलों का प्रभाव" के संबंध में अध्ययन शुरू किया ।
- सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति की सिफारिश पर आधारित पूरे भारत को कवर करने के उद्देश्य से लिए संशोधित डार्ट पैनल सर्वेक्षण आरंभ करने के लिए महानिदेशक दूरदर्शन को प्रस्ताव प्रस्तुत किया ।
- 2009–10 के दौरान डीडी उर्दू पर अध्ययन शुरू करने के प्रस्ताव पर कार्रवाई की जा रही है ।

राज्यवार टीवी रिसेप्शन का मोड, (आईआरएस, 2010 के अनुसार) नीचे दिए अनुसार है,

राज्यवार टी. वी. रिसेप्शन का मोड

टी. वी. रिसेप्शन का मोड									
नमूना	संख्या	सभी	डिश / डी टी एच	एरियल / सामान्य एंटिना	सैट टॉप बॉक्स सहित केबल ऑपरेटर	सैट टॉप बॉक्स रहित केबल ऑपरेटर	अन्य	डीके / सीएस	जिनके पास टीवी नही है।
अनुमानित	(000 हजार मे)	240746 871443	16233 64887	26705 95089	4461 8871	108046 255711	4194 17131	746 2275	80807 428476
राज्य : आंध्र प्रदेश									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	19820	681	515	163	14691	249	91	3460
	Col %	2.3	1	0.5	1.8	5.7	1.5	4	0.8
ग्रामीण	(000s)	46682	2141	851	121	22210	536	124	20741
	Col %	5.4	3.3	0.9	1.4	8.7	3.1	5.5	4.8
राज्य : आसाम									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	3423	419	671	12	1324	42	5	962
	Col %	0.4	0.6	0.7	0.1	0.5	0.2	0.2	0.2
ग्रामीण	(000s)	18746	2203	3176	15	468	211	22	12675
	Col %	2.2	3.4	3.3	0.2	0.2	1.2	1.0	3.0
राज्य : बिहार									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	8033	294	1434	187	2278	104	18	3723
	Col %	0.9	0.5	1.5	2.1	0.9	0.6	0.8	0.9
ग्रामीण	(000s)	58888	1241	4125	-	396	856	44	52225
	Col %	6.8	1.9	4.3	-	0.2	5.0	1.9	12.2
राज्य : झारखंड									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	5685	318	694	74	2994	89	20	1512
	Col %	0.7	0.5	0.7	0.8	1.2	0.5	0.9	0.4
ग्रामीण	(000s)	16534	969	1261	65	507	238	23	13479
	Col %	1.9	1.5	1.3	0.7	0.2	1.4	1.0	3.1
राज्य : चण्डीगढ़									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	855	58	58	6	642	17	2	78
	Col %	*	*	*	*	0.3	*	*	*
ग्रामीण	(000s)	-	-	-	-	-	-	-	-
	Col %	-	-	-	-	-	-	-	-
राज्य : दिल्ली									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	14609	479	872	682	10825	121	113	1559
	Col %	1.7	0.7	0.9	7.7	4.2	0.7	5.0	0.4
ग्रामीण	(000s)	-	-	-	-	-	-	-	-
	Col %	-	-	-	-	-	-	-	-
राज्य : दिल्ली और शहरी वातावरण									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	17888	657	1101	770	13129	146	137	1991
	Col %	2.1	1.0	1.2	8.7	5.1	0.9	6.0	0.5
ग्रामीण	(000s)	-	-	-	-	-	-	-	-
	Col %	-	-	-	-	-	-	-	-
राज्य : गोवा									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	644	118	76	5	388	1	*	55
	Col %	*	0.2	*	*	0.2	*	*	*
ग्रामीण	(000s)	611	166	203	20	125	*	-	104
	Col %	*	0.3	0.2	0.2	*	*	-	*
राज्य : गुजरात									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	19343	1019	3557	739	9057	298	81	4614
	Col %	2.2	1.6	3.7	8.3	3.5	1.7	3.6	1.1
ग्रामीण	(000s)	26441	1301	5136	334	3603	173	67	15845
	Col %	3.0	2.0	5.4	3.8	1.4	1.0	2.9	3.7

		टी. वी. रिसेप्शन का मोड							
		सभी	डिश / डी टी एच	एरियल / सामान्य एंटिना	सैट टॉप बॉक्स सहित केबल ऑपरेटर	सैट टॉप बॉक्स रहित केबल ऑपरेटर	अन्य	डीके / सीएस	जिनके पास टीवी नही है।
नमूना	संख्या	240746	16233	26705	4461	108046	4194	746	80807
अनुमानित	(000 हजार में)	871443	64887	95089	8871	255711	17131	2275	428476
राज्य : हरियाणा									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	6517	331	525	79	4382	43	13	1150
	Col %	0.7	0.5	0.6	0.9	1.7	0.3	0.6	0.3
ग्रामीण	(000s)	12942	1534	1594	9	4102	80	-	5665
	Col %	1.5	2.4	1.7	*	1.6	0.5	-	1.3
राज्य : हिमाचल प्रदेश									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	623	70	75	6	378	16	-	80
	Col %	*	0.1	*	*	0.1	*	-	*
ग्रामीण	(000s)	4874	919	880	4	1492	18	-	1561
	Col %	0.6	1.4	0.9	*	0.6	0.1	-	0.4
राज्य : जम्मू और कश्मीर									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	779	21	24	9	563	100	4	64
	Col %	*	*	*	0.1	0.2	0.6	0.2	*
ग्रामीण	(000s)	-	-	-	-	-	-	-	-
	Col %	-	-	-	-	-	-	-	-
राज्य : कर्नाटक									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	17611	941	725	465	12786	282	61	2387
	Col %	2.0	1.5	0.8	5.2	5.0	1.6	2.7	0.6
ग्रामीण	(000s)	29809	2991	1752	240	10583	446	52	13765
	Col %	3.4	4.6	1.8	2.7	4.1	2.6	2.3	3.2
राज्य : केरल									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	7409	261	307	305	5673	138	61	678
	Col %	0.9	0.4	0.3	3.4	2.2	0.8	2.7	0.2
ग्रामीण	(000s)	20809	1724	1558	305	12354	568	108	4211
	Col %	2.4	2.7	1.6	3.4	4.8	3.3	4.8	1.0
राज्य : मध्य प्रदेश									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	14940	824	2675	392	6916	290	41	3822
	Col %	1.7	1.3	2.8	4.4	2.7	1.7	1.8	0.9
ग्रामीण	(000s)	35885	3592	3750	55	568	667	27	27244
	Col %	4.1	5.5	3.9	0.6	0.2	3.9	1.2	6.4
राज्य : छत्तीसगढ़									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	4109	552	889	73	1586	64	14	950
	Col %	0.5	0.9	0.9	0.8	0.6	0.4	0.6	0.2
ग्रामीण	(000s)	13073	2017	1762	15	178	96	11	9011
	Col %	1.5	3.1	1.9	0.2	*	0.6	0.5	2.1
राज्य : महाराष्ट्र									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	41553	2937	5981	2713	21350	631	118	7906
	Col %	4.8	4.5	6.3	30.6	8.3	3.7	5.2	1.8
ग्रामीण	(000s)	48027	7958	8343	393	5030	493	153	25730
	Col %	5.5	12.3	8.8	4.4	2.0	2.9	6.7	6.0
राज्य : उड़ीसा									
शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	5483	334	1019	60	2882	15	2	1193
	Col %	0.6	0.5	1.1	0.7	1.1	*	0.1	0.3
ग्रामीण	(000s)	26215	1386	3331	12	2767	81	-	18660
	Col %	3.0	2.1	3.5	0.1	1.1	0.5	-	4.4

टी. वी. रिसेप्शन का मोड									
		सभी	डिश/ डी टी एच	एरियल/ सामान्य एंटिना	सैट टॉप बॉक्स सहित केबल ऑपरेटर	सैट टॉप बॉक्स रहित केबल ऑपरेटर	अन्य	डीके/सीएस	जिनके पास टीवी नही है।
नमूना	संख्या	240746	16233	26705	4461	108046	4194	746	80807
अनुमानित	(000 हजार में)	871443	64887	95089	8871	255711	17131	2275	428476
राज्य : पंजाब शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	8361	686	937	80	5640	140	22	896
	Col %	1.0	1.1	1.0	0.9	2.2	0.8	1.0	0.2
ग्रामीण	(000s)	13894	4250	2443	36	3481	330	50	3323
	Col %	1.6	6.6	2.6	0.4	1.4	1.9	2.2	0.8
राज्य : राजस्थान शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	12420	996	2491	21	5942	128	17	2857
	Col %	1.4	1.5	2.6	0.2	2.3	0.7	0.7	0.7
ग्रामीण	(000s)	35079	4031	3753	9	1361	1155	43	24732
	Col %	4.0	6.2	3.9	*	0.5	6.7	1.9	5.8
राज्य : तमिलनाडु शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	27703	1575	376	312	21927	444	115	2996
	Col %	3.2	2.4	0.4	3.5	8.6	2.6	5.1	0.7
ग्रामीण	(000s)	30416	4363	468	132	19236	1183	153	4923
	Col %	3.5	6.7	0.5	1.5	7.5	6.9	6.7	1.1
राज्य : उत्तर प्रदेश शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	32373	1353	5079	203	13672	820	84	11202
	Col %	3.7	2.1	5.3	2.3	5.3	4.8	3.7	2.6
ग्रामीण	(000s)	102591	4176	14089	56	1585	4245	307	78141
	Col %	11.8	6.4	14.8	0.6	0.6	24.8	13.5	18.2
राज्य : उत्तराखण्ड शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	2103	122	416	4	1229	17	1	319
	Col %	0.2	0.2	0.4	*	0.5	*	*	*
ग्रामीण	(000s)	5133	1119	1434	-	520	34	4	2037
	Col %	0.6	1.7	1.5	-	0.2	0.2	0.2	0.5
राज्य : पश्चिम बंगाल शहरी / ग्रामीण									
शहरी	(000s)	21564	363	1559	311	13010	386	75	5920
	Col %	2.5	0.6	1.6	3.5	5.1	2.3	3.3	1.4
ग्रामीण	(000s)	48837	2053	4225	148	5008	1285	130	36021
	Col %	5.6	3.2	4.4	1.7	2.0	7.5	5.7	8.4

स्रोत : आई.आर.एस. 2010

प्रशासन

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, क्षेत्रीय केंद्रों/चैनल में जेंडर बजट आरंभ किया गया और अगले वित्तीय वर्ष से सभी केंद्रों/चैनलों में लिंग संबंधी मामलों पर कार्यक्रमों के निर्माण के लिए पीपीएसएस बजट आबंटन का 20% अलग से रखा जाएगा। अगले वित्तीय वर्ष में दूरदर्शन केंद्रों में कार्य कर रह महिलाओं के लिए मनोरंजन क्लब, शिशु–गृह, अलग शौचालय, विश्राम कक्ष आदि जैसी सुविधाओं के लिए प्रावधान किया जाएगा ।

दूरदर्शन महानिदेशालय ने बजट आबंटन की प्रगति और केंद्रों/स्टेशनों द्वारा किए जाने वाले व्यय की मॉनीटरिंग के लिए 'सिस्टम ऑफ एप्लीकेशन' विकसित किया है । इस संबंध में, दूरदर्शन महानिदेशालय ने सभी केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति ट्रांसमीटर आदि को अनुदेश दिए गए हैं कि प्रसार भारती से उन्हें प्राप्त एलओसी प्राप्त होते ही उसका शीर्ष–वार वितरण यथाशीघ्र

वेब–साइट पर डालें । किए गए व्यय को भी अगले माह की पांच तारीख तक वेबसाइट पर डाला जाना चाहिए । इन एलओसी का उप शीर्ष–वार ब्यौरा और माह–वार किया गया वास्तविक व्यय 12 जून, 2009 तक विधिवत रूप से वेबसाइट पर डाला जाए ताकि आंतरिक वित्त शाखा द्वारा उसकी जांच की जा सके ।

जिन केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति ट्रांसमीटर/अल्प शक्ति ट्रांसमीटर के पास इंटरनेट सुविधा नहीं है वे अपने निकटवर्ती केंद्र जहाँ यह सुविधा उपलब्ध है, से नए सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के प्रयोग हेतु तथा अपना डॉटा डालने हेतु संपर्क करें । जिन केंद्रों में यह सुविधा उपलब्ध है, वे इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं है, इस सुविधा का प्रयोग करने की अनुमति दे और उन्हें इसके लिए मना न करें। भविष्य में बजट मामलों में संबंधित सभी पत्राचार वेबसाइट पर दिखाया जाएगा और केंद्र/स्टेशन वेबसाइट को निरंतर देखते रहे और इसका अनुशीलन करें ।

एनआईसी के तकनीकी सहयोग से दूरदर्शन ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए बुकिंग और सूचना कार्यकलाप कर रह है । www.hbcwgdelhi2010.org और www.hbcwgdelhi2010.com नामक एचबी वेबसाइटें नवम्बर, 2009 से एचबी कार्यकलापों संबंधी सूचना का प्रचार–प्रसार कर रही हैं। समाचार और सामयिक शाखा द्वारा आरएचबी महानिदेशक (समाचार) द्वारा संसाधनों की बुकिंग के लिए जनवरी 19, 2010 को बुकिंग वेबसाइट आरंभ की गयी । इस समय दूरदर्शन में कार्यक्रम अभियांत्रिकी, समाचार और प्रशासन श्रेणियों में कुल 21,700 कार्मिक हैं ।

दूरदर्शन में महिला कल्याण संबंधी गतिविधियां

दूरदर्शन के लगभग सभी कार्यालयों में महिला कर्मचारियों की यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायतों की जांच करने के लिए शिकायत समिति गठित की गई हैं। दूरदर्शन में दो प्रकार का शिकायत निवारण तंत्र है। इनमें से पहले शिकायत निवारण तंत्र की अध्यक्ष उप महानिदेशक (प्रशा.) हैं और दूसरा शिकायत निवारण तंत्र महिला सैल है जिसमें एक अध्यक्ष और तीन सदस्य हैं। ये दोनो तंत्र मुख्यालय स्तर पर उपलब्ध हैं ।

दूरदर्शन में श्रीमती रीता कुमार, उप महानिदेशक (प्रशा.) को लोक शिकायत अधिकारी और साथ ही कर्मचारी शिकायत निवारण अधिकारी नामित किया गया है । कार्यक्रम और अभियांत्रिकी प्रभारों में भी शिकायत अधिकारी नामित किए गए हैं तथा शिकायत समिति गठित की गई है जिसकी बैठक प्रत्येक तिमाही में होती है। महिला कर्मचारी अपनी शिकायतें (i) दूरदर्शन में शिकायत समिति को, (ii) कर्मचारी जहाँ कार्यरत है वहाँ के कार्यालय प्रमुख को जिसे शिकायत अधिकारी नामित किया गया है और (iii) प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग को भेज सकती हैं ।

सभी कार्यालयों में महिला कर्मचारियो को मातृत्व के लाभ प्रदान किए जाते हैं। अखिल भारतीय महिला सांस्कृतिक संगठन द्वारा प्रधानमंत्री का लिखे गए पत्र की विषय वस्तु सभी कार्यालयों के ध्यान में लाई गई है ।

दूरदर्शन महानिदेशालय द्वारा सभी फील्ड इकाइयों को ये अनुदेश भी जारी किए गए हैं कि कार्यालय में क्रेच सुविधा के रखरखाव, महिलाओं के लिए अलग से विश्राम गृह उपलब्ध कराने, महिलाओं को कार्यालय लाने और घर छोड़ने की सुविधाओं, महिला कर्मचारियों के लिए मनोरंजन क्लब और अलग शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने जैसे विभिन्न महिला कल्याण उपायों पर खर्च करने के लिए प्रति वर्ष पीपीएसएस और लघु कार्य उप शीर्षों के तहत बजट प्रावधान की क्रमशः 10% और 5% राशि आबंटित की जाए ।

दूरदर्शन में कार्यरत स्टाफ में प्रोफेशनल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न श्रणियों में वार्षिक पुरस्कार आरंभ किए गए हैं । वर्ष 2009 में कार्यक्रम और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए 22 महिला कर्मचारियों को ये पुरस्कार प्रदान किए गए । सर्वश्रेष्ठ महिला कार्यक्रम निर्माता का भी एक विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया है। भविष्य में सर्वश्रेष्ठ महिला इंजीनियर के पुरस्कार का भी प्रस्ताव है। महानिदेशक के विशेष पुरस्कार भी आरंभ किए गए है ।

दिनांक 01.04.2009 से 31.03.2010 तक की अवधि के लिए
शिकायत याचिकाओं की स्थिति

01.04.2009 को लंबित याचिकाओं को संख्या	01.04.2009 से 31.03.2010 तक के दौरान प्रापत याचिकाओं की संख्या	31.03.2010 तक निपटाई गई याचिकाओं की संख्या	31.03.2010 को लंबित याचिकाओं की संख्या
35	73	75	33

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत
दूरदर्शन महानिदेशालय में
अप्रैल 2009 से मार्च 2010 तक प्राप्त आवेदन

		2009–10			
	01.04.2009 को अथ शेष	वर्ष के दौरान प्राप्त (अन्य जन प्राधिकरणों को स्थानांतरित मामलों सहित)	अन्य जन प्राधिकरणों को स्थानांतरित मामले	निर्णय जिनमें अनुरोध/अपील अस्वीकार की गई	निर्णय जिनमें अनुरोध/अपील स्वीकार की गई
अनुरोध	शून्य	3116	155	28	1594
प्रथम अपील	शून्य	109	19	शून्य	90

किसी आधिकारी के विरूद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलों की संख्या	शून्य

सीएपीआईओ पदनामितों की संख्या	सीपीआईओ पदनामितों की संख्या	एएज पदनामितों की संख्या
56	314	23

वसूल किए गए प्रभारों की राशि (रूपए में)

पंजीकरण शुल्क राशि	अतिरिक्त शुल्क और अन्य प्रभार	दंड की राशि
9290	7314	शून्य

जन प्राधिकारी की वेबसाइट पर प्रो–एक्टिव डिस्क्लोजर को अपलोड करने की अंतिम तिथि	08.06.09 www.rti.gov.in.डी.जी. डीडी में भी वेबसाइट www.dd.india.gov.in.पर उपलब्ध है।

हिंदी अनुभाग

दूरदर्शन महानिदेशालय तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों में संघ सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय में अलग से हिंदी अनुभाग है । हिंदी अनुभाग द्वारा वर्ष 2009–10 के दौरान किए गए प्रमुख कार्य निम्नानुसार हैं:–

लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार का प्रसारण भवन में आगमन

1. महानिदेशालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा के लिए वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई तथा बैठकों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2009–10 में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा की गई तथा पाई गई कमियों को दूर करने के सुझाव दिए गए ।

2. अधिकारियों/कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने और उन्हें हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।

3. कार्यालय में दिनांक 14 से 28 सितंबर, 2009 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए ।

4. वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 6 दूरदर्शन केंद्रों/कार्यालयों का निरीक्षण किया गया । इन निरीक्षणों के लिए निरीक्षण प्रश्नावली आदि तैयार कराने में संबंधित केंद्रों/कार्यालयों को पूरा सहयोग दिया गया ।

5. महानिदेशालय की हिंदी गृह पत्रिका 'दर्शन' का पंचम अंक प्रकाशित किया गया । पत्रिका के चतुर्थ अंक का सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रथम पुरस्कार के लिए चयन किया गया ।

6. विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिकाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ पत्रिका पुरस्कार योजना आरंभ की गई जिसके तहत 7 दूरदर्शन केंद्रों/कार्यालयों को पुरस्कृत किया गया ।

7. दिनांक 26 और 27 नवंबर, 2009 को शिमला में 'समाजिक चेतना के विकास में दूरदर्शन का योगदान' विषय पर एक भव्य सेमीनार का आयोजन किया गया । सेमीनार में उत्तरी क्षेत्र के दूरदर्शन केंद्रों के निदेशकों तथा उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों और दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों के केंद्र अभियंताओं ने भाग लिया ।

अध्याय–4
चैनल और कार्यक्रम

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी के उल्लेखनीय विकास ने इसे विश्वभर में सबसे बड़े मिडिया संगठन में से एक बना दिया है। इस नई सहस्त्राब्दि में आकाशवाणी के पास 231 केंद्र और 373 प्रेषित्र हैं। भारत जो कि एक सामुदायिक समाज है **(Plural Society)** इसकी सूचना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नेटवर्क ने नई तकनीकी एवं नई कार्यक्रम निर्माण की तकनीक को अपना कर विस्ष्तार किया है। आकाशवाणी की सेवाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है।

उद्देश्य

आकाशवाणी जनसमुदाय को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन, कल्याण और खुशहाली (बहुजन हिताय बहुजन सुखाय) को बढ़ावा देने के लिए प्रयत्नशील है:–

क) देश की एकता को बनाए रखना और संविधान में प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखना।

ख) राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अभिरूचियों की सूचना की निष्पक्ष एवं संतुलित प्रस्तुति जिसमें अपने मत अथवा विचारधारा को प्रस्तुत किए बिना असमान दृष्टिकोंणों को प्रस्तुत करना भी सम्मिलित है।

ग) संपूर्ण देश की अभिरूचियों एवं दिलचस्पियों को बढ़ाना, देश में सौहार्द एवं समझदारी की आवश्यकता को ध्यान में रखना और यह सुनिश्चित करना कि कार्यक्रमों में वे सारे विभिन्न तत्व हों, जो भारत की संयुक्त संस्कृति को दर्शाते हैं।

घ) समस्त वर्गों के व्यक्तियों को जागरूक, सूचित, शिक्षित करना, और उन्हें मनोरंजन एवं समृद्धि प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को बनाना और प्रसारित करना।

ड) विकासशील गतिविधियों में कार्यक्रमों को उसके सभी पक्षों के साथ बनाना और प्रसारित करना जिसमें कृषि, शिक्षा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और विज्ञान एवं तकनीकी में विस्तार का कार्य सम्मिलित है।

च) ग्रामीण, अशिक्षित और शोषित जनसंख्या का, युवाओं की विशेष आवश्यकताओं और रूचियों का ध्यान में रखकर, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों की, जनजातीय जनसंख्या और सीमा क्षेत्रों, पिछड़े एवं दूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों की सेवा करना है।

छ. सामाजिक न्याय और शोषण के विरूद्ध युद्ध को बढ़ावा देना और असमानता, छूआछूत एवं सीमित संकीर्ण निष्ठाओं जैसी बुराइयों को कम करना।

ज. ग्रामीण जनसंख्या, अल्पसंख्यक, समुदायों, महिला, बाल, अशिक्षितों के साथ–साथ समाज के अन्य कमजोर एवं असुरक्षित वर्गों की सेवा करना।

झ. राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।

त्रिस्तरीय प्रसारण

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय नाम से प्रसारण् की त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। यह इस देश में महाद्वीपीय सीमा और सामुदायिक समाज के श्रोताओं की सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है। आकाशवाणी लगभग देश की पूरी जनसंख्या 2001 जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ की जनसंख्या को समाचार, संगीत उच्चरित शब्द और अन्य कार्यक्रम उपलब्ध करवाता है। आकाशवाणी की व्यापक पहुंच खासकर ग्रामीण एवं जनजातिय क्षेत्रों में पहुंचने के कारण इसको प्राथमिकता प्रदान करता है और कभी–कभी केवल आकाशवाणी ही सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होता है।

राष्ट्रीय चैनल राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। जिसे देश के बड़े हिस्से में मिडियम वेव पर सुना जा सकता है। वर्तमान में इसका प्रसारण शार्ट वेव पर भी प्रारंभ हो गया है। क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय केंद्रों का प्रसारण का एक दूसरा पहलू है जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का प्रसारण और क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहलुओं को बढ़ावा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त मेट्रो शहरों में एफ एम चैनल जनसमूह मुख्यतः युवाओं की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। 37 स्थानों पर विविध भारती को भी एफ एम प्रसारण में परिवर्तित कर दिया गया है। देश के विभिन्न भागों में छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रूचियों को पूरा करने के लिए एफ एम मोड पर 173 केंद्र हैं। वर्तमान में पिछले कुछ वर्षों में स्थानीय जनजातीय जनसंख्या की सेवा के लिए उत्तर–पूर्व में 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्रों की स्थापना की गई।

क्षेत्रीय चैनल

आकाशवाणी के क्षेत्रीय चैनल अधिकतर राज्यों की राजधानियों और प्रदेशों के मुख्य भाषाधार सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। देश में कुल मिलाकर 125 चैनल 29 राज्यों और 6 संघ राज्यों में फैले हैं। आकाशवाणी का लोक सेवा प्रसारक अंग, क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। क्षेत्रीय चैनल का मुख्यतः मिडियम वेव फ्रिक्वेंसी पर प्रसारण होता और इसमें संयुक्त कार्यक्रम का सम्मिश्रण होता है। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत पर मुख्य बल देते हुए कला और संस्कृति को बढ़ावा देता हे। प्राथमिक चैनलों पर कुल प्रसारण में से 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत का होता है जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत शास्त्रीय, लोक संगीत, फिल्म और अन्य विभिन्न भाषाओं का संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय 20 से 30 प्रतिशत समाचार और समसामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। रेडियो नाटक और ड्रामा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम प्राथमिक चैनलों के अन्य महत्वपूर्ण खंड हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण जनसमूहों का सशक्तीकरण है। आकाशवाणी के समस्त चैनलों में से इन चैनलों की पहुंच सबसे ज्यादा है और यह सबसे ज्यादा समझी जाने वाली भाषा में अपने श्रोताओं तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

स्थानीय रेडियो केंद्र (एल.आर.एस.)

भारत में स्थानीय रेडियो तुलनात्मक दृष्टि से प्रसारण की नई अवधारणा है। छोटे से क्षेत्र के लिए सेवा उपलब्ध करवाते हुए प्रत्येक केंद्र उपयोगी सेवाएं उपलब्ध करवाता है और समाज के दिल तक सीधे पहुंचता है जो माइक्रोफोन के उपयोग से समाज के जीवन को समृद्ध करता है और प्रतिबिंबित करता है। स्थानीय रेडियो जमीन से जुड़ी, घनिष्ठ एवं अबाधक दृष्टिकोण इसे क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम विशिष्ट होते हैं। यह कार्यक्रम लचीले एवं सहज होते हैं जिससे केंद्र स्थानीय समुदाय के प्रवक्ता के रूप में कार्य कर पाता है।

स्थानीय रेडियो केंद्र

(15.04.2010 के अनुसार)

कुल–86 (मिडियम वेव और एफ एम–76)

क्र.सं. –	राज्य तथा स्थान	प्रेषित्रों की संख्या	चालू होने की तारीख
	आंध्र प्रदेश	**8 (मीडियम वेव–1, एफ.एम.–7)**	
1.	अदिलाबाद	1 कि.वॉ. मी. वे	12.10.86
2.	वारंगल	10 कि.वॉ. एफ. एम.	17.02.90
3.	निजामाबाद	6 एफ.एम.	09.09.90
4.	तिरूपति	10 कि.वॉ. एफ.एम.	01.02.91
		3 कि.वॉ. एफ.एम.	17.02.2001
5.	अनंतपुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	29.05.91
6.	कुरनूल	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.05.91
7.	मरकापुरम	6 कि.वॉ. एफ.एम.	09.08.93
8.	मचेरला	3 कि.वॉ. एफ.एम.	02.12.09
	अरूणाचल प्रदेश	**1 मीडियम वेव**	
9.	जीरो	1 कि.वॉ. एफ.एम.	10.06.00
	असम	**8 (मीडियम वेव–1, एफ.एम.–3)**	
10.	जोरहट	10 कि.वॉ. एफ.एम.	20.05.91
11.	हाफलांग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	29.10.92
12.	नावगॉग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	23.02.94
13.	दीफू	1 कि.वॉ. डॅ	04.02.96
	बिहार	**2 (एफ.एम.)**	
14.	सासाराम	6 कि.वॉ. एफ.एम.	02.05.91
15.	पूर्णिया	6 कि.वॉ. एफ.एम.	25.10.92

	छत्तीसगढ़	**3 (एफ.एम.)**		
16.	हाफलांग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.05.91	
17.	हाफलांग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.05.92	
18.	हाफलांग	1 कि.वॉ. एफ.एम.	21.06.05	
	गुजरात	**3 (मी.वे.–1, एफ एम–2)**		
19.	गोधरा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	25.02.91	
20.	सूरत	6 कि.वॉ. एफ.एम.	30.03.92	
21.	हिम्मतनगर	1 कि.वॉ. मी.वे.	21.06.05	
	हरियाणा	**2 (एफ एम–2)**		
22.	कुरूक्षेत्र	6 कि.वॉ. एफ.एम.	24.06.91	
23.	हिसार	6 कि.वॉ. एफ.एम.	26.01.99	
	हिमाचल प्रदेश	**1 (एफ एम –2)**		
24.	हमीरपुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	10.02.94	
	जम्मू और कश्मीर	**2 (एफ एम–3)**		
25.	कथुआ	10 कि.वॉ. एफ.एम.	24.04.91	
26.	पूंछ	6 कि.वॉ. एफ.एम.	04.10.94	
	झारखंड	**3 (एफ एम–3)**		
27.	चाईबासा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	08.11.92	
28.	हजारीबाग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	08.11.92	
29.	डालटोगंज	10 कि.वॉ. एफ.एम.	06.09.93	(नॉन–कोसाइटड)
	कर्नाटक	**5 (एफ एम – 5)**		
30.	चित्रदुर्ग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	03.05.91	
31.	होसपेट	10 कि.वॉ. एफ.एम.	01.05.92	
32.	रायचूर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	28.08.93	
33.	कारवार	3 कि.वॉ. एफ.एम.	13.02.94	
34.	बीजापुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	12.07.97	

केरल		**2 (एफ एम – 2)**	
35.	कोचीन	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.10.89 (नॉन–कोसाइटड)
36.	मंजरी	3 कि.वॉ. एफ.एम.	28.01.06
मध्य प्रदेश		**8 (एफ एम – 8)**	
37.	खंडवा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	19.10.90
38.	बेतुल	6 कि.वॉ. एफ.एम.	30.04.91
39.	छिंदवाड़ा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	07.03.92
40.	बालाघाट	6 कि.वॉ. एफ.एम.	28.10.92
41.	सागर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	02.05.93
42.	गुना	6 कि.वॉ. एफ.एम.	10.04.93 (नॉन–कोसाइटड)
43.	मांडला	1 कि.वॉ. एफ.एम.	21.06.05
44.	राजगढ़	3 कि.वॉ. एफ.एम.	23.06.05
महाराष्ट्र		**11(मी.वे. –1, एफ एम – 10)**	
45.	शोलापुर	1 कि.वॉ. एफ.एम.	04.04.86
46.	धुले	6 कि.वॉ. एफ.एम.	23.02.94
47.	बीड	6 कि.वॉ. एफ.एम.	10.11.90
48.	अहमदनगर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	14.04.91
49.	नान्देड़	6 कि.वॉ. एफ.एम.	29.05.91
50.	अकोला	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.05.92
51.	यवतमाल	6 कि.वॉ. एफ.एम.	10.11.92
52.	सतारा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	13.11.92 (नॉन–कोसाइटड)
53.	चन्द्रपुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	06.12.92
54.	नासिक	6 कि.वॉ. एफ.एम.	31.10.92
55.	ओस्मानाबाद	6 कि.वॉ. एफ.एम.	09.12.96
मेघालय		**1 (एफ एम – 1)**	
56.	जोवई	6 कि.वॉ. एफ.एम.	22.12.95

मिजोरम		**1 (एफ एम – 1)**	
57.	चंराचांदपुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	14.04.10
नागालैंड		**1 (एफ एम – 1)**	
58.	माकोकचुंग	6 कि.वॉ. एफ.एम.	26.01.96
ओड़िसा		**8 (मी.वे.–4, एफ एम – 4)**	
59.	क्योंझर	1 कि.वॉ. मी.वे.	29.11.88
60.	बारीपदा	1 कि.वॉ. मी.वेव	25.2.91
		5 कि.वॉ. एफ एम	01.09.97
61.	बेहरामपुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.04.93
62.	बोलांगीर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	29.12.93
63.	राउरकेला	6 कि.वॉ. एफ.एम.	24.05.95 (नॉन–कोसाइटड)
64.	पुरी	3 कि.वॉ. एफ.एम.	29.06.95
65.	जोरांडा	1 कि.वॉ. मी. वे.	03.10.95
66.	सोरो	1 कि.वॉ. मी.वेव.	02.12.07
पंजाब		**2 (एफ एम – 12)**	
67.	भटिंडा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	20.04.91 (नॉन–कोसाइटड)
68.	पटियाला	6 कि.वॉ. एफ.एम.	01.05.92
राजस्थान		**7 (मी.वे.–1, एफ एम – 7)**	
69.	कोटा	20 कि.वॉ. एफ.एम.	04.01.87 (नॉन–कोसाइटड)
70.	अलवर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	14.01.91
71.	नागौर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	06.08.91
72.	बांसवाड़ा	6 कि.वॉ. एफ.एम.	08.10.91
73.	चित्तौडगढ़	6 कि.वॉ. एफ.एम.	21.12.91 (नॉन–कोसाइटड)
74.	सवांई माधोपुर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	15.05.92 (नॉन–कोसाइटड)
75.	झालावाड़	6 कि.वॉ. एफ.एम.	24.01.93

	तमिलनाडु	**2 (एफ एम – 2)**	
76.	नागरकोयल	10 कि.वॉ. एफ.एम.	13.10.84
77.	धर्मापुरी	10 कि.वॉ. एफ.एम.	02.10.07
	त्रिपुरा	**2 (एफ एम – 2)**	
78.	बेलोनिया	6 कि.वॉ. एफ.एम.	28.10.92
79.	कैलाशहर	6 कि.वॉ. एफ.एम.	28.10.92
	उत्तर प्रदेश	**2 (एफ एम – 12)**	
80.	फैजाबाद	6 कि.वॉ. एफ.एम.	17.06.93
81.	बरेली	6 कि.वॉ. एफ.एम.	17.06.93
82.	झांसी	6 कि.वॉ. एफ.एम.	11.07.93
	पश्चिम बंगाल	**2 (एफ एम – 12)**	
83.	मुर्शीदाबाद	6 कि.वॉ. एफ.एम.	21.01.90
84.	शांतिनिकेतन	3 कि.वॉ. एफ.एम.	01.11.92
	संघ राज्य क्षेत्र	**2 (एफ एम – 12)**	
85	कराईकल	6 कि.वॉ. एफ.एम.	06.03.95
86.	दमन	3 कि.वॉ. एफ.एम.	17.05.95

एफ. एम. रेनबो

आकाशवाणी के एफ.एम. रेनबो चैनल का प्रारंभ उस समय हुआ था जब मुख्यतः बड़े शहरों में रेडियो का सुनना घट रहा था। समाज के उच्च वर्ग के व्यक्तियों की सोच थी कि रेडियो कार्यक्रम सुनना फैशन के बाहर है क्योंकि उनके अनुसार यह कार्यक्रम मध्यम वर्ग के रेडियो श्रोताओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है। साउंड रिकार्डिंग के क्षेत्र में किए गए तकनीकी सुधारों ने युवा संगीत प्रेमियों को अन्य संगीत वाद्य प्रणालियों के विकल्प अपनाने के लिए विवश किया क्योंकि मीडियम वेव मोड में गानों की रिसेप्शन क्वालिटी स्टीरियोफोनिक सिनेमा घरों अथवा डिजीटल इलैक्ट्रानिक उपकरणों की तुलना में उतनी सजीव नहीं थी। एफ. एम. रेडियो ने श्रोताओं को बाधा रहित उच्चकोटि का संगीत प्रसारण सुनिश्चित कर इस फर्क को प्रभावशाली रूप से भरा है। श्रोताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार एफ एम चैनल पर कम्पीयर के प्रस्तुति शैली में बदलाव किया गया है। कम्पीयर की बातचीत शैली ने युवाओं की नब्ज को पकड़ा और उन्हें रेडियो के करीब आने के लिए आकर्षित किया। एफ एम प्रसारण रेडियो श्रोताओं को 24 घंटे मनोरंजन प्रदान करता है। शीघ्र ही एफ एम ने आधुनिक रेडियो की प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली क्योंकि वह अपनी शैली में बोल रहा था और उन्हें रेडियो सुनने का आनंद प्रदान कर रहा था। रेडियो श्रोताओं की बढ़ोत्तरी से रेडियो को अपना पुराना गौरव एक बार फिर प्राप्त हो गया।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास 173 एफ एम प्रेषित्र है जिससे वह देश में 24.60 प्रतिशत क्षेत्र और 35.89 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। इसमें से एफ एम रेनबो चैनल 21 स्थानों नामतः दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बैंगलूरू, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कटक, कोडईकनाल, तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटूर, विशाखापटनम एवं विजयवाड़ा पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेनबो, मसूरी, कानपुर, अलीगढ़, कसौली, कर्सियांग एवं शिलांग से पूर्ण रूप से रिले किया जाता है। एफ एम चैनल में पॉप संगीत, फिल्म संगीत और शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार सम्मिलित हैं। मीडियम वेव और शार्ट वेव पर एफ एम चैनल के लाभ निम्नलिखित हैं :–

- उच्च कोटि साउंड
- स्टीरियो प्रसारण
- इन्टरफेस व शोर का न होना
- दिन और रात में एक समान कवरेज
- उपयोगी सेवा प्रदान करने की क्षमता

एफ. एम. गोल्ड

एफ. एम. गोल्ड 1 सितंबर 2001 से दिल्ली में उचित सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ था जिसमें 30 प्रतिशत समाचार एवं सामयिक विषयों के कार्यक्रम और 70 प्रतिशत मनोरंजन कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफ.एम. रेनबो के 24 घंटे प्रसारण की तुलना में एफ.एम. गोल्ड चैनल का दैनिक प्रसारण 18 घंटे है। एफ.एम. गोल्ड चैनल 4 महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में उपलब्ध है। यह अतिरिक्त चैनल अपने श्रोताओं को क्षेत्र में चल रहे समानांतर आकाशवाणी चैनल और निजी एफ.एम. चैनल के बीच चुनने का विकल्प प्रदान करता है। यह चैनल मनोरंजन के साथ सूचना उपलब्ध करवाने का प्रयास करता है और ट्रैफिक, एयरलाइनों, रेल, मौसम की जानकारी की अद्यतन सूचना उपलब्ध करवाता है।

डी. टी. एच. सेवा

डी.टी.एच. रेडियो चैनल उपग्रह सेवा उन श्रोताओं के लिए है जिनके पास टीवी सेट है। डी.टी.एच. सेवा प्रसार भारती के डी.टी.एच. प्लेटफार्म के द्वारा उपलब्ध है जिसकी अपलिंकिंग सुविधाएं टोडापुर, दिल्ली पर है। यह पार्थिव प्रसारण सेवा नहीं है और डी.टी.एच. के कार्यक्रमों को साधारण रेडियो पर नहीं सुना जा सकता। डी.टी.एच. पूरे देश के साथ–साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करेगा। डी.टी.एच. 24 घंटे चलने वाली डिजिटल प्रसारण सेवा है। कार्यक्रमों की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि पुनः प्रसारण कम से कम हो।

डी.टी.एच. सेवा विभिन्न भाषाओं के चैनलों को देश के हर कोने में उपलब्ध करवाता है। डी.टी.एच. प्रसारण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसकी डिजीटल क्वालिटी है। निम्नलिखित चैनल डी.टी.एच. पर उपलब्ध है।

1. हिंदी

मूलरूप से आकाशवाणी दिल्ली के केन्द्र से इसका आरंभ हुआ है, अन्य हिंदी केंद्रों से कार्यक्रमों के लिए दिल्ली के साथ आकाशवाणी लखनऊ, आकाशवाणी जयपुर, आकाशवाणी भोपाल, आकाशवाणी शिमला और आकाशवाणी पटना के पास हिंदी डी.टी.एच. चैनल जुड़ने की सुविधाएं है।

2.	गुजराती	आकाशवाणी, अहमदाबाद केंद्र से इसका आरंभ हुआ। गुजराती डी.टी. एच. चैनल में वडोदरा, राजकोट, भुज और सूरत से गुजराती कार्यक्रमों को समायोजित किया जाता है।
3.	मराठी	आकाशवाणी मुबई इसका उद्गम केंद्र है। एफ.एम. रेनबो और एफ.एम. गोल्ड के अतिरिक्त नागपुर व पुणे के कार्यक्रम मराठी डी.टी.एच. चैनल भाग हैं।
4.	बंगाली	आकाशवाणी, कोलकाता इसका उद्गम केंद्र है। कोलकाता 'ए' के कार्यक्रम एफ.एम. कोलकाता और सिलिगुड़ी, बंगला डी.टी.एच. चैनल का भाग है।
5.	तेलुगू	आकाशवाणी, हैदराबाद इसका अपलिंक केंद्र है। हैदराबाद के मुख्य केंद्र के कार्यक्रमों के अतिरिक्त सी.बी.एस. हैदराबाद, विजयवाड़ा, कडप्पा, विशाखापट्टनम भी इस डी.टी.एच. के लिए कार्यक्रम उपलब्ध करवाते हैं।
6.	तमिल	आकाशवाणी, चेन्नै इसका अपलिंक केंद्र है। तमिल डी.टी.एच. चैनल में चेन्नै से कार्यक्रम एफ.एम. त्रिची, पांडिचेरी मदुरै, विज्ञापन प्रसारण सेवा चेन्नै एफ.एम. रेनबो चेन्नै इसमें सम्मिलित हैं।
7.	कन्नड़	आकाशवाणी बैंगलोर इसका मुख्य केंद्र है। कन्नड़ डी.टी.एच. चैनल में विज्ञापन प्रसारण सेवा बैंगलोर, एफ.एम. रेनबो, धारवाड़, मैसूर, मैंगलोर सम्मिलित है।
8.	पंजाबी	आकाशवाणी जालंधर मुख्य रूप से पंजाबी डी.टी.एच. चैनल के लिए कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त जालंधर 'बी' एफ.एम. जालंधर और चंडीगढ़ के कार्यक्रम भी इस चैनल से प्रसारित किए जाएंगे।
9.	पूर्वोत्तर सेवा केंद्र :	आकाशवाणी शिलांग और पूर्वोत्तर में अन्य राजधानी
10.	विविध भारती सेवा :	मुंबई
11.	एफ.एम. रेनबो :	दिल्ली
12.	एफ.एम. गोल्ड :	दिल्ली
13.	उर्दू :	विदेश प्रसारण सेवा
14.	मलयालम :	आकाशवाणी, तिरूवनंतपुरम
15.	उड़िया :	आकाशवाणी, कटक
16.	असमिया :	आकाशवाणी, गुवाहाटी
17.	एफ.एम. रेनबो :	आकाशवाणी, चेन्नै

18. एफ.एम. गोल्ड : आकाशवाणी, मुंबई

19. एफ.एम. रेनबो : आकाशवाणी, बेंगलूरू

20. एफ.एम. रेनबो : आकाशवाणी, मुंबई

विविध भारती

प्रसिद्ध विविध भारती सेवा एक दिन में 15 घंटे मनोरंजन उपलब्ध कराती है। 37 विज्ञापन प्रसारण सेवा–विविध भारती केंद्रों और मुंबई, दिल्ली, चेन्नै और गुवाहाटी से 4 शार्ट वेव ट्रांसमीटरों से एक समक्रमिक मीटर द्वारा जो देश के किसी भी भाग में समान वेवलेंथ पर सुनी जा सकती है। कार्यक्रम मुंबई में तैयार किए जाते हैं और अन्य आकाशवाणी विविध भारती केंद्रों द्वारा रिले किए जाते हैं। क्षेत्रीय केंद्र अपनी संबंधित भाषाओं में कुछ कार्यक्रम अपने निधारित समय पर तैयार करते हैं:–

ट्रांसमिटर	समय (सभी दिन)
I	प्रातः 05.55 से 10.05 बजे
II	दोपहर 12.00 से 05.30 बजे
III	शाम 06.15 से 11.00 बजे

राजस्व अर्जित करने का दायित्व आकाशवाणी के विज्ञापन सैट–अप पर है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसारण के क्षेत्र में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद, आकाशवाणी के विज्ञापन स्कंध ने अपने केंद्रीय विक्रय एकक मुंबई और भारत के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन केंद्रों तथा मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नै, बेंगलुरू, हैदराबाद, कोलकाता, कोच्चि, तिरूवनंतपुरम और गुवाहाटी के 10 विपणन विभागों के माध्यम से लोक सेवा प्रसारक के रूप में संवर्धन किया है।

कार्यक्रमों के साथ विज्ञापन प्रसारण आकाशवाणी की एक निर्धारित आचरण संहिता द्वारा नियंत्रित है। हाल ही में, एक प्रावधान जोड़ते हुए, आकाशवाणी पर विज्ञापन के लिए संहिता के खंड II (4) को संशोधित करते हुए मॉडल आचार संहिता लागू होने की अवधि के दौरान स्थानीय निकाय/राज्य विधानसभाओं/लोकसभा के आम चुनाव के दौरान अन्य व्यक्तियों उम्मीदवारों/राजनीतिक पार्टियों से निर्धारित फीस के भुगतान और भारत के निर्वाचन आयोग, भारत के निर्वाचन आयोग के अधीन प्राधिकारी द्वारा प्रसारण से पूर्व जांच के बाद स्पॉट और तुकबंदी रेडियो पर विज्ञापन की अनुमति दी।

सभी आकाशवाणी केंद्रों और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों/विविध भारती केंद्रों/एफएम चैनलों पर बजट संबंधी व कर्मचारियों की कमी के बावजूद एवं प्रसारण और विज्ञापन संहिता का पूर्णतः पालन करते हुए विज्ञापन स्कंध बड़े कोरपोरेट ग्राहकों/विज्ञापन दाताओं व साथ ही साथ सरकारी विभागों और पी.एस.यू. से व्यापार प्राप्त करने में सक्षम हो पाया है। कुछ प्रमुख निजी कोरपोरेट ग्राहक हैं – हिन्दुस्तान लीवर लि., डाबर (इंडिया) लि., हीरो होंडा, रिलायंस ग्रुप, एल.जी., एयरटेल, वोडाफोन और रेनबैक्सी। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्रों में से हमारे पास प्रमुख ग्राहक ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधक प्राधिकरण, जहाजरानी परिवहन एवं राजमार्ग, इग्नू, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, इंडियन ऑयल, बी.पी.एल., बी.एस.एन.एल., एम.टी.एन.एल, एन.ए.सी.ओ., एन.एच.ए.आई, एस. बी.आई., पंजाब नेशनल बैंक, आई.आर.डी.ए. इत्यादि रहे हैं।

बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए, विज्ञापन स्कंध ने इसे अधिक ग्राहक और प्रतिस्पर्धा अनुकूल बनाने के लिए आने टैरिफ कार्ड में संशोधन किया है। प्राइमरी चैनलों और एफ एम चैनलों

की पैकेज दरों के अलावा, नए रेट कार्ड में कुछ नई विशेषताएं शामिल की गई हैं जैसे प्राइमरी चैनल स्टेट हुकअप पर इकट्ठी बुकिंग पर रियायत तथा एफएम पैकेज दरों पर भी अनुमानित/विज्ञापन एजेंसियों को प्रेरित करने के लिए एजेंसियों को दिए जाने वाले वार्षिक प्रोत्साहन की न्यूनतम स्लैब को वर्तमान में 10 लाख रुपये से कम करके 5 लाख रुपये तक कर दिया है।

विज्ञापन स्कंध ने सभी प्राइमरी चैनलों, स्थानीय रेडियो केंद्रों, एफ. एम. के साथ–साथ विविध भारती केंद्रों पर स्पॉट–क्रय बुकिंग की चालू 1:1 बोनस योजना को लागू कर दिया है। इस बाजार अनुकूल योजना को मॉनिटरिंग करते हुए सभी विज्ञापन स्कंध प्रत्येक स्तर पर ग्राहक/विज्ञापन दाताओं से लगातार जुड़ा रहता है ताकि उन्हें आकाशवाणी पर, जो पूरे देश को कवर करने वाला अकेला माध्यम है, विज्ञापन खर्च के भाग को निवेश करने के लिए मनवाया जा सके। विपणन विभाग और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र अपने ग्राहकों को उनके उत्पादन/सेवाओं के प्रचार के लिए उपलब्ध बजट के अंदर कम लागत मीडिया योजना का ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करते हैं।

आकाशवाणी का विज्ञापन स्कंध आकाशवाणी के अन्य निष्पादन अनुभागों/स्कंधों से भी बराबर जुड़ा रहता है, ताकि वह वर्तमान प्रतिस्पर्धापूर्ण मीडिया पर्यावरण में रेडियो प्रसारण को और अधिक प्रभावशाली बनाने में कार्यक्रम स्कंध के नीति निर्माताओं की सहायता/नीतिगत प्रतिक्रिया दे सके। वास्तव में इस पूरे संगठन के राजस्व अर्जन का उत्तरदायित्व विज्ञापन विंग पर ही है और निःसंदेह पिछले कुछ वर्षों में इस संगठन का कुल राजस्व बढ़ाने में इसने अच्छे परिणाम दिए हैं।

विज्ञापन से प्राप्त सकल राजस्व (रू. लाख में)

वर्ष	विविध भारती	प्राइमरी चैनल *	कुल
1990-91	2525	1405	3930
1991-92	3489	1784	5273
1992-93	3766	2125	5891
1993-94	3696	2739	6435
1994-95	3544	2885	6429
1995-96	3732	4398	8130
1996-97	3629	4334	7963
1997-98	4305	5039	9344
1998-99	4363	5011	9374

1999-00	3483	4601	8084
2000-01	2971	4419	7390
2001-02	4652	5017	9669
2002-03	4695	5530	10225
2003-04			11769
2004-05			13600
2005-06			26883
2006-07			28365
2007-08			28921
2008-09			29159
2009-10			30308

*एफएम सेवा से प्राप्त राजस्व प्राइमरी चैनल में शामिल है।

विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों की सूची

1. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, नवरंगपुर, पोस्ट बॉक्स–4040, अहमदाबाद–380009,

2. केंद्र निदेशक विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, राजभवन रोड़, पोस्ट बॉक्स–5028, बेंगलूरू,
दूरभाषः– 080–2268697

3. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, श्यामलाल हिल्स, भोपाल–462002,
दूरभाषः– 0755–66107

4. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, ईडन गार्डन, कोलकाता–700001, दूरभाषः– 033–2487648

9. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, 5, पार्क हाउस, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर–302001,
दूरभाषः– 0141–368761

10. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी
कानपुर 208002, भोपाल– 462002,
दूरभाषः– 0512–294600

11. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी
बॉडकास्टिंग हाउस, मुंबई–400002,
दूरभाषः– 022–2029556 / 8344037

12. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी,
छज्जु बाग–208002,
भोपाल–462002,
दूरभाषः–0512–294600

5. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकाशवाणी, चंडीगढ़–160022,
दूरभाषः– 0172–601847 / 601844

6. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकाशवाणी
कटक–753001,
दूरभाषः–0671–301210

7. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकशवाणी, 7, कामाराजार
सलाई, मैलापोर, चेन्नै–60004
दूरभाषः–044–498581

8. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकाशवाणी, तीसरी मंजिल,
रॉक लेंड, सैफाबाद,
हैदराबाद–500004,
दूरभाषः–040–3240452

13. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकशवाणी
श्रीनगर–190001,
दूरभाषः– 0194–455071

14. केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकाशवाणी
तिरूवंनंतपुरम–695014,
दूरभाषः–0471–322349

15ए केंद्र निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, आकाशवाणी भवन
नई दिल्ली–110001
दूरभाषः– 011–3718028

16. केंद्र निदेशक, केंद्रीय विक्रय
एकांश, आकाशवाणी,
बॉडकास्टिंग हाउस, मुंबई–400020,
दूरभाषः–022–2029427 / 2876040

17. निदेशक, विज्ञापन प्रसारण
सेवा, चांदमारी
गुवहाटी

विविध भारती केंद्र

कुल–37 केंद्र और ट्रांसमिटर–38 (एफ एम मी. वेव–11)

क्रम सं.	स्थान	राज्य	क्षेत्र	ट्रांसमिटर (मी.वेव) / एफ एम	शक्ति	फ्रिक्वेंसी कि. हर्ट्ज / मेगा हर्ट्ज
1.	अहमदाबाद	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 कि.वाट	96.7
2.	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	उत्तर	एफएम	10 कि.वाट	100.3
3.	बेंगलूरू	कर्नाटक	दक्षिण	एफएम	10 कि.वाट	102.9
4.	भोपाल	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	6 कि.वाट	103.5
5.	चंडीगढ़*	संघ शासित	उत्तर	एफएम	6 कि.वाट	103.1
6.	चेन्नै	तमिलनाडु	दक्षिण	मी.वेव	20 कि.वाट	783
7.	कटक	उड़ीसा	पूर्व	मी.वेव	1 कि.वाट	1314
8.	दिल्ली	दिल्ली	उत्तर	मी.वेव	20 कि.वाट	1368

9.	धारवाड़	कर्नाटक	दक्षिण	मी.वेव	10 कि.वाट	103
10.	गुवाहाटी	असम	पूर्व	एफएम	10 कि.वाट	102.9
11.	हैदराबाद	आंध्र प्रदेश	दक्षिण	एफएम	6 कि.वाट	102.8
12.	इंदौर	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	6 कि.वाट	101.6
13.	जबलपुर	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	10 कि.वाट	102.9
14.	जयपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	6 कि.वाट	100.3
15.	जालंधर	पंजाब	उत्तर	मी.वेव	1 कि.वाट	1350
16.	जम्मू	जम्मू और कश्मीर	उत्तर	एफएम	10 कि.वाट	104.5
17.	जमशेदपुर	झारखंड	पूर्व	एफएम	6 कि.वाट	100.8
18.	जोधपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	6 कि.वाट	102.1
19.	कानपुर*	उत्तर प्रदेश	उत्तर	मी.वेव	1 कि.वाट	1449
20.	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	पूर्व	मी.वेव	20 कि.वाट	1323
21.	कोज़ीकोड	केरल	दक्षिण	एफएम	10 कि.वाट	103.6
22.	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	उत्तर	मी.वेव	10 कि.वाट	1278
23.	मुंबई	महाराष्ट्र	पश्चिम	मी.वेव	50 कि.वाट	1188
24.	नागपुर	महाराष्ट्र	पश्चिम	एफएम	6 कि.वाट	100.6
25.	पणजी	गोवा	पश्चिम	मी.वेव	20 कि.वाट	1539
26.	पटना	बिहार	पूर्व	एफएम	6 कि.वाट	1025
27.	पुणे	महाराष्ट्र	पश्चिम	एफएम	6 कि.वाट	101
28.	राजकोट	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 कि.वाट	95.8
29.	रांची	झारखंड	पूर्व	एफएम	6 कि.वाट	103.3
30.	सिलिगुडी	पश्चिम बंगाल	पूर्व	एफएम	10 कि.वाट	101.4
31.	श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर	उत्तर	एफएम	10 कि.वाट	102.6
32.	सूरत	गुजरात	पश्चिम	एफएम	6 कि.वाट	101.6
33.	त्रिवेन्द्रम	केरल	दक्षिण	एफएम	10 कि.वाट	101.9
34.	उदयपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	1 कि.वाट	101.7
35.	वडोदरा*	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 कि.वाट	93.9
36.	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	उत्तर	मी.वेव एफएम	1 कि.वाट 1 कि.वाट	1602 100.60
37.	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश	दक्षिण	मी.वेव	1 कि.वाट	1503

***एक्सकलूसिव विविध भारती केंद्र**

आकाशवाणी का नैशनल चैनल शाम 6.50 बजे से अगली सुबह 6.10 बजे तक रात्रि सेवा के रूप में कार्य करता है। नैशनल चैनल की सेवाएं 18 मई 1988 को प्रारंभ हुई थीं।

भारत के पूरे क्षेत्र को एक अंचल के रूप में लेकर, इस चैनल के कार्यक्रमों की रूपरेखा ऐसे तैयार की जाती है कि वे देश की विविध संस्कृतियों के ताने–बाने और लोकाचार को संपूर्णता से प्रस्तुत कर सकें।

नैशनल चैनल की सेवा 3 भाषाओं– हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में होती हैं, जिनमें विज्ञान, स्वास्थ्य, खेलकूद, साहित्य, हास्य, समसामयिक सामाजिक मामले और सांस्कृतिक धरोहर को मिलाकर विभिन्न कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ताकि श्रोताओं को सभी प्रकार की जानकारी मिले। 'विविधा' कार्यक्रम के प्रसारण के केंद्र बिंदु शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक विकास हैं। यह कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी में एक दिन छोड़कर प्रसारित किया जाता है। इसी प्रकार उर्दू का 'मंजर' कार्यक्रम प्रतिदिन प्रसारित किया जाता है। अर्थशास्त्र, विज्ञान, खेलकूद, संगीत और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित होते हैं। कैरियर मार्गदर्शन, समसामयिक मामले, और सामाजिक मुद्दों पर साप्ताहिक कार्यक्रम 'फोकस' में चर्चा की जाती है। अन्य साप्ताहिक कार्यक्रमों में वरिष्ठ नागरिक और मुलाकात कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों को बुलाया जाता है। परस्पर रेडियो परामर्शी कार्यक्रम 'हैलो जिंदगी' में जीवन और स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाती है। 'हँसते हँसाते' कार्यक्रम सप्ताह में दो बार प्रसारित किया जाता है। शास्त्रीय संगीत (हिंदुस्तानी और कर्नाटक) और क्षेत्रीय संगीत निर्धारित समय पर रोजाना प्रसारित किए जाते हैं। कार्यक्रम गतिविधियों में श्रोताओं को शामिल करने और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जवानों के 'जय जवान' कार्यक्रम सहित उनके संदेशों निवेदनों के कार्यक्रम सप्ताह में छः दिन प्रसारित किए जाते हैं।

केवल नैशनल चैनल से रात्रीभर हिंदी और अंग्रेजी में समाचार हर घंटे बारी बारी से प्रसारित किए जाते हैं। जब संसद का सत्र चलता हैं तो नैशनल चैनल श्रोताओं के हितार्थ 'प्रश्न काल' की रिकार्डिंग का प्रसारण करता है।

रमजान के पवित्र मास में एक 50 मिनट का विशेष कार्यक्रम 'सहरगाही' रोजाना (प्रातः 4.10 से 5.00 बजे तक) प्रसारित किया गया जिसम मानवीय मूल्यों और भारत–मुस्लिम संस्कृति पर बल दिया गया।

नैशनल चैनल ने रेडियो कार्यक्रमों में डिप्लोमा के इग्नू के छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

नैशनल चैनल का कार्यक्रम नागपुर (1916 एम – 1566 किलोहर्ट्ज) और दिल्ली (249.9 एम – 1215 किलोहर्ट्ज) पर 31 मीटर बैंड (9425 किलोहर्ट्ज और 9470 किलोहर्ट्ज) पर शॉर्टवेव की सहायता से उपलब्ध हैं।

विदेश प्रसारण सेवा

आकाशवाणी ने विदेश प्रसारण के दायरे में 1 अक्तूबर 1939 को तब प्रवेश किया जब दूसरा विश्व युद्ध प्रारंभ हो चुका था, और जब इसने देश के पूर्वोत्तर सीमांत कहे जाने वाले इलाके में अपने श्रोताओं के लिए पश्तो में सेवाएं प्रारंभ की थीं। तब आकाशवाणी का विदेश प्रसारण प्रभाग, भारत को विश्व के अन्य देशों से संपर्क सूत्र में पिरोए रहा, विशेषकर उन देशों से जिनके हित भारत के साथ जुडे हैं क्योंकि वहां भारत के लोग रहते हैं। उन भारतीयों ने जिन्होंने रोजी रोटी की तलाश में वर्षों पहले अपना वतन छोड दिया था आज विश्व के हर क्षेत्र में रहते हैं और आज भी यह जानने के इच्छुक हैं कि उनकी जन्म भूमि में उनके लिए क्या है। स्वभावतः विदेश प्रसारण सेवा के कार्यक्रमों के प्रसारण का फोकस, उन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरोकारों पर भारतीय सोच पर केंद्रित होगा, जो उनसे

संबंधित हैं। विश्व के विदेश रेडियो नेटवर्कों में आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा की पंहुच और विस्तार उच्च श्रेणी का है। इसका प्रसारण लगभग 100 देशों में 27 भाषाओं में किया जाता है। विदेश प्रसारण के माध्यम से आकाशवाणी के प्रसारण का उद्देश्य विदेशों में बसे भारतीयों को भारतीय लोकाचार से जोड़े रखना है। विदेशी श्रोताओं तक पंहुचने वाली भाषाएं – अंग्रेजी, फ्रैंच, रूसी, स्वाहिली, अरबी, फारसी, पश्तु, दरी, बलूची, सिंहली, नेपाली, तिब्बती, चीनी, थाई, बर्मी तथा इंडोनेशियन हैं। हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं गुजराती की सेवाएं विदेशों में बसे भारतीयों के लिए हैं, जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सराइकी, कन्नड़ और बंगाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उप–महाद्वीप के श्रोताओं के लिए हैं।

प्रसारण मिले जुले रूप में होता है जिसमें आमतौर पर समाचार बुलेटिन, समीक्षाएं, सम–सामयिकी और भारतीय प्रेस की समीक्षा के अलावा न्यूज रील, खेलकूद और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक, विज्ञान एवं ऐतिहासिक विषयों पर वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल होती हैं। विकासीय गतिविधियों पर रूपक, महत्त्वपूर्ण घटनाएं और प्रथाएं, शास्त्रीय लोकगीत और भारत के विविध क्षेत्रों का आधुनिक संगीत कार्यक्रम के एक बडे भाग के रूप में प्रसारित होता है।

विदेश प्रसारण सेवा के सभी कार्यक्रमों का प्रभावी विषय भारत की शक्तिशाली धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, गणतंत्र, स्पंदनशील, प्रगतिशील और तीव्रगतिशील अर्थव्यवस्था, औद्योगिक और प्रौद्योगिक प्रगति के कार्य में व्यस्त भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करना हैं। भारत की बड़ी तकनीकी मानवशक्ति और उसकी उपलब्धियां तथा पारिस्थितिक संतुलन को सरल भाषा शैली में प्रस्तुत किया जाता है।

इसी प्रकार, भारत का अहिंसा में विश्वास और मानव अधिकारों को पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय शांति और नई विश्व अर्थव्यवस्था के क्रम में सृजन के इसके योगदान पर कई बार चर्चा की जाती है।

वर्तमान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेश प्रसारण प्रभाग ने लगभग 25 विदेशी प्रसारण संगठनों को संगीत, उच्चरित शब्द और मिले जुले कार्यक्रमों की रिकार्डिंग प्रदान करना जारी रखा।

विदेश प्रसारण सेवा का सार्क देशों, पश्चिम एशिया, खाड़ी और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के प्रसारण में मूल रूप से गृह सेवार्थ बनाए गए अंग्रेजी के रात 9.00 बजे के राष्ट्रीय बुलेटिन प्रसारित किए जाते रहे। इसके अलावा, विदेश प्रसारण प्रभाग ने अपने सभी प्रसारणों में विश्व के सभी देशों में समसामयिक और संगत मुद्दों पर प्रसारण जारी रखा।

आगामी नीतिगत पहलें

1. **नवीकरण** : विदेश प्रसारण सेवा की कुछ भाषाओं जैसे नेपाली, तिब्बती, बलूची और खाड़ी देशों की भाषाओं की सेवाओं का नवीकरण विचाराधीन है.

2. **डीटीएच सेवा** : विदेश प्रसारण सेवा की उर्दू सेवा 30.06.2009 डीटीएच पर 24 घंटे उपलब्ध है। आकाशवाणी की और सेवाओं को भी डीटीएच पर लाने का प्रस्ताव है।

विदेश प्रसारण में विदेश मंत्रालय की भूमिका:

विश्व के विभिन्न भागों में संदेश के प्रभाव को अधिक अर्थपूण बनाने हेतु सेवा को सुदृढ़ करने और

विदेश प्रसारण हेतु निधिपोषण की जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा इंगित प्राथमिकता वाले अधिक कार्यक्रमों को शामिल करने का प्रयास जारी है।

'वॉयस आफ द नेशन' के रूप में आकाशवाणी का विदेश प्रसारण प्रभाग भारत की प्रामाणिक तस्वीर रहा है। विश्व में भारत के बढ़ते गौरव के साथ आने वाले समय में विदेश प्रसारण की और महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च, 2010 की अवधि के दौरान सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों, संगोष्ठियों आदि को व्यापक कवरेज दी गई। अप्रैल 2009 में इथोपिया के रेडियो फना के एक प्रतिनिधि मंडल ने भी विदेश प्रसारण प्रभाग का दौरा किया था।

वर्तमान आकाशवाणी केंद्र

31.03.2010

कुल केंद्र – 234 (मी. वेव 149,एफ एम–173, शाट वेव–54)
कुल ट्रांसमिटर–376

क्रम सं.	केंद्र	श्रेणी	ट्रांसमिटर	आवृत्ति	स्टूडियो
आंध्र प्रदेश (13)			कुल (मी. वेव + एफएम) कवरेज क्षेत्र–99.50%		जनसंख्या – 90.50%
ट्रांसमिटर–21 (मी. वे –7, एफ एम–13, शार्ट वेव–1)			एफ एम कवरेजः क्षेत्र–23.06%		जनसंख्या – 26.90%
1	आदिलाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	एम पी
2	अनन्तपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101ण्7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
3	कडप्पा	क्षेत्र	100 कि.वाट मी.वेव	900 कि. हर्ट्ज	टाइप I
4	हैदराबाद	क्षेत्रीय	200 कि.वाट मी.वेव	738 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक
			20 कि.वाट मी.वेव	1377 कि. हर्ट्ज	फोन पर समाचार
			6 कि.वाट एफ एम विविध भारती	102.8 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			5 कि.वाट एफ एम, रेनबो	101.9 मेगा हर्ट्ज	
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
5	कोटागुडम	क्षेत्रीय	6 कि.वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
6	कुरनूल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
7	मरकापुरम्	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
8	निजामाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
9	तिरूपति	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
			3 कि.वाट एफ एम	107.5 मेगा हर्ट्ज	
10	विजयवाड़ा	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	837 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			1 कि.वाट मी.वेव विविध भारती	1503 कि. हर्ट्ज	
			1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सेट अप)	102.2 कि. हर्ट्ज	
11	विशाखापट्टनम्	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	927 कि. हर्ट्ज	टाइप I
			10 कि.वाट एफ एमए रेनबो	102 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
12	वारंगल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
13	मचेरला	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 कि.वाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी

अरूणाचल प्रदेश (5) ट्रांसमिटर–7			**कुल कवरेज (मी0वेव+एफएम,) क्षेत्र.57.00% जनसंख्या 76.50%**		
(मी0वेव–.5,शार्ट वेव.1,एफएम.1)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 4.86% जनसंख्या 10.97%**		
14	इटानगर	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	675 कि. हर्ट्ज	टाइप I, अपलिंक
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
			10 कि.वाट एफ एम	103.1	
15	पासीघाट	क्षेत्रीय	10 कि.वाट मी.वेव	1062 कि. हर्ट्ज	एम पी
16	तवांग	क्षेत्रीय	10 कि.वाट मी.वेव	1521 कि. हर्ट्ज	एम पी
17	तेजू	क्षेत्रीय	10 कि.वाट मी.वेव	1332 कि. हर्ट्ज	एम पी
18	जीरो	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम पी
असम(10) ट्रांसमिटर–14			**कुल कवरेज (मी0वेव+ एफएम) क्षेत्र–96.70%**		**जनसंख्या 98.87%**
(मी0वेव–7, शार्ट वेव–2,एफएम–5)			**एफ एम कवरेजः क्षेत्र 36.83% जनसंख्या 38.05%**		
19	धुबरी	रिले	6 कि.वाट एफ एम	103.3 मेगा हर्ट्ज	
20	डिब्रूगढ़	क्षेत्रीय	300 कि.वाट मी.वेव	567 कि. हर्ट्ज	टाइप III
21	दीफू	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि0वाट मी0 वेव	1485 कि. हर्ट्ज	एम पी
22	गुवाहाटी	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	729 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक
			10 कि.वाट मी.वेव	1035 कि. हर्ट्ज	
			10 कि.वाट एफ एम	100.8 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			विविध भारती		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
			क्षेत्रीय सेवा		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
23	हॉफलॉंग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102 मेगा हर्ट्ज	एम पी
24	जोरहाट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
25	कोकराझार	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1512 कि. हर्ट्ज	टाइप I
26	नौगॉंव	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
27	सिलचर	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	828 कि. हर्ट्ज	टाइप I
28	तेजपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1125 कि. हर्ट्ज	एम पी
बिहार (6)			**कुल कवरेज(एफ एम + मी0वेव) क्षेत्र– 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर–7 (मी0वेव–3,शा0वेव.0,एफ एम–4)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 20.50% जनसंख्या 19.38%**		
29	भागलपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1458 कि. हर्ट्ज	टाइप I
30	दरभंगा	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1296 कि. हर्ट्ज	टाइप I
31	पटना	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	621 कि. हर्ट्ज	टाइपIV,अपलिंक, फोन पर समाचार
			6 कि.वाट एफ एम	102.5 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			विविध भारती		

32	पुर्णिया	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम पी
33	सासाराम	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
34	औरंगाबाद	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज	
छत्तीसगढ़ (6)			**कुल कवरेज (मी0वेव+एफ एम): क्षेत्र.93.80% जनसंख्या 97.35%**		
ट्रांसमिटर–7 (मी0वेव–3, एएफ एम–4)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 9.1% जनसंख्या 13.80%**		
35	अम्बिकापुर	क्षेत्रीय	20 कि0वा0 मी0 वेव	1260 कि0 हर्ट्ज	टाइप I
36	विलासपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
37	जगदलपुर	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	756 कि. हर्ट्ज	टाइप I
38	रायगढ़	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
39	रायपुर	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	981 कि. हर्ट्ज	टाइप I,अपलिंक, फोन पर समाचार
			1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सेटअप)	101.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
40	सरायपल्ली	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट एफ एम	102.8 मेगा हर्ट्ज	एम पी
दिल्ली			**कुल कवरेज (मी0वेव+एफ एम): क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर–22 (मी0वेव–5, शार्ट वेव–15, एफएम–2) एफ एम कवरेजः क्षेत्र 90.00% जनसंख्या 98.00%					
41	दिल्ली (I)	क्षेत्रीय	200 कि.वाट मी.वेव	819 कि. हर्ट्ज	टाइपIV प्लस अपलिंक
			100 कि.वाट मी.वेव 'बी'	666 कि. हर्ट्ज	फोन पर समाचार
			20 कि.वाट मी.वेव 'सी' विविध भारती	1368 कि. हर्ट्ज	
			10 कि.वाट मी.वेव 'डी' (युववाणी)	1017 कि. हर्ट्ज	
			10 कि.वाट एफ एम (रेनबो)	102.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			5 कि.वाट एफ एम (गोल्ड)	106.4 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			20 कि.वाट मी.वेव एन सी	1215 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			50 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			100 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			100 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		

			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
गोवा (1)			**कुल कवरेज (मी0वे +एफ एम): क्षेत्र 99.00%**		**जनसंख्या 99.00%**
ट्रांसमिटर–5(मी0वेव–2, शा0वेव–2, एफ एम.1)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र–90.00% जनसंख्या 90.00%**		
42	पणजी	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	1287 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			20 कि.वाट मी.वेव विविध भारती	1539 कि. हर्ट्ज	
			6 कि.वाट एफ एम रेनबा	105.4 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
गुजरात (8)			**कुल कवरेज (मी0वेव + एफ एम): क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर.11 (मी0वेव 6, एफ एम.5)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 14.93% जनसंख्या 36.90%**		
43	अहमदाबाद	क्षेत्रीय	200 कि.वाट मी.वेव	846 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक, फोन पर समाचार
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	96.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
44	अह्वा	क्षेत्रीय	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	एम पी
45	भुज	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1314 कि. हर्ट्ज	टाइप II
46	गोधरा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
47	राजकोट	क्षेत्रीय	300 कि.वाट मी.वेव	810 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	95.8 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			1000 कि.वाट मी.वेव विदेश सेवा	1071 कि. हर्ट्ज	प्रचलन में नहीं
48	सूरत	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एमए विविध भारती	101.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
49	वडोदरा	विविध भारती एक्सक्लूज़िव	10 कि.वाट एफ एम	93.9 मेगा हर्ट्ज	टाइप II स्टीरियो
50	हिम्मतनगर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	एम पी
हरियाणा (3)			**कुल कवरेज (मी0 वे + एफ एम) क्षेत्र – 99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर–4 (मी0वेव–1, एफ एम–3, शार्ट वेव.0)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 39.5%** जनसंख्या त्र **38.85%**		

51	हिसार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम पी, अपलिंक, (संस्थापनाधीन)
52	कुरूक्षेत्र	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
53	रोहतक	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1143 कि. हर्ट्ज	टाइप
			1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सेटअप)	103.5 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
हिमाचल प्रदेश (6)ट्रांसमिटर 8			**कुल कवरेज (मी0वेव्एफ एम): क्षेत्र.52.00: जनसंख्या 88.91:**		
(मी0वेव.2, शा0वेव.1, एफ एम 5)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 48.91: जनसंख्या 88.03:**		
54	धर्मशाला	क्षेत्रीय	10 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
55	हमीरपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्ट्ज	एम पी
56	कसौली	रिले	10 कि.वाट एफ एम	107.2 मेगा हर्ट्ज	
57	किन्नौर (कल्पा)	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	
58	कुल्लू	रिले	6 कि.वाट एफ एम	102.5 मेगा हर्ट्ज	
59	शिमला	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	774 कि. हर्ट्ज	टाइपIII,अपलिंक,
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
			1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सेटअप)	100.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
जम्मू और कश्मीर (16)			**कुल कवरेज (मी0वेव+एफ एम): क्षेत्र 48.05% जनसंख्या 99.50%**		
ट्रांसमिटर 25 (मी0वेव–14,शा0वेव–3,एफ एम–8)			**एफ एम कवरेज क्षेत्र 10.50% जनसंख्या 63.10%**		
60	जम्मू	क्षेत्रीय	300 कि.वाट मी.वेव	990 कि. हर्ट्ज	टाइप III,अपलिंक,
			3 कि.वाट एफ एम युववाणी	100.3 मेगा हर्ट्ज	
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	104.5 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
61	करगिल	क्षेत्रीय	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	एम पी
			200 कि.वाट मी.वेव	684 कि. हर्ट्ज	
62	कथुवा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
63	लेह	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1053 कि. हर्ट्ज	एम पी, अपलिंक,
			10 कि0 वाट शार्ट वेव		
			100 वाट एफ एम		
64	पुंछ	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
65	श्रीनगर	क्षेत्रीय	300 कि.वाट मी.वेव	1116 कि. हर्ट्ज	टाइप प्प, अपलिंक,
			10 कि.वाट मी.वेव युववाणी	1224 कि. हर्ट्ज	
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	102.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		

66	भदरवा	क्षेत्रीय	6 कि.वाट एफ एम	101.0 मेगा हर्ट्ज	एम पी
67	कुपवाड़ा	रिले	20 कि.वाट मी.वेव	1350 कि. हर्ट्ज	
68	खालसी	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	
69	नौशेरा	रिले	20 कि.वाट मी.वेव	1089 कि. हर्ट्ज	
70	राजौरी	रिले	10 कि.वाट एफ एम	101.9 मेगा हर्ट्ज	
71	द्रास	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	
72	तिसुरू	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	
73	न्यौमा	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	
74	दिस्किट	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	
75	पदुम	रिले	1 कि.वाट मी.वेव		
झारखंड (5)			**एफ एम कवरेज (मी0 वेव+एफ एम): क्षेत्र 99.00% जनसंख्या 99.50%**		
ट्रांसमिटर–8 (मी0वेव–2, शा0वेव–1,एफ एम–5)			**एफ एम कवरेजः क्षेत्र 35.09% जनसंख्या 36.02%**		
76	चइबासा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.7 मेगा हर्ट्ज	एम पी
77	डाल्टनगंज	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103 मेगा हर्ट्ज	एम पी
78	हजारीबाग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
79	जमशेदपुर	क्षेत्रीय	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	टाइप ए
			6 कि.वाट एफ एम विविध भारती	100.8 मेगा हर्टज	स्टीरियो
80	राँची	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	549 कि. हर्ट्ज	टाइप–II, अपलिंक,
			6 कि.वाट एफ एम वि. भा.	103.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि0 वाट शार्ट वेव		
कर्नाटक (14)			**कुल कवरेज (मी0वे + एफ एम): क्षेत्र.९८ 40% जनसंख्या.97.30%**		
ट्रांसमिटर–25 (मी0वेव–5,शा0वेव–6) एफ एम–14)			**एफ एम कवरेजः क्षेत्र.25.63% जनसंख्या – 36.36%**		
81	बंगलौर (बैंगलुरू)	क्षेत्रीय	200 कि.वाट मी.वेव	612 कि. हर्ट्ज	टाइप IV, अपलिंक, पर समाचार फोन
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	102.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			10 कि.वाट एफ एमए रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			500 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		

			500 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट शार्ट वेव विदेश सेवा और विविध भारती		
82	भद्रावती	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	675 कि. हर्ट्ज	टाइप I
83	बेल्लारी	क्षेत्रीय	1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सेटअप)	103.3 मेगा हर्ट्ज	
84	बीजापुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्ट्ज	एम पी
85	चित्रदुर्ग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.6 मेगा हर्ट्ज	एम पी
86	धारवाड़	क्षेत्रीय	200 कि0वाट मी0वेव	765कि0 हर्ट्ज	टाइप III
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	103.0 मेगा हर्ट्ज	
87	गुलबर्गा	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1107 कि. हर्ट्ज	
			1 कि.वाट एफ एम (अतरिम सेटअप)	103.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
88	हासन	क्षेत्रीय	6 कि.वाट एफ एम	1107 कि. हर्ट्ज	टाइप I
89	हॉस्पेट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम पी
90	कारवार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 कि.वाट एफ एम	100.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
91	मंगलौर – उडीपी	क्षेत्रीय	20 कि.वाट मी.वेव	1089 कि. हर्ट्ज	एम पी
			10 कि.वाट एफ एम	100.3 मेगा हर्ट्ज	टाइप I
92	मरकारा (मडीकेरी)	क्षेत्रीय	6 कि.वाट एफ एम	103ण1	
93	मैसूर	क्षेत्रीय	10 कि.वाट एफ एम	1017 कि. हर्ट्ज	एम पी
94	रायचूर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.1 मेगा हर्ट्ज	एम पी
केरल (8)			**कुल कवरेज (मी0वे+एफ एम): क्षेत्र .99.60% जनसंख्या.99.80%**		
ट्रांसमिटर.12 (मी0वेव–4, शा0वेव–1,एफएम–7)			**एफ एम कवरेज : क्षेत्र–41.57% जनसंख्या.45.85%**		
95	एलेप्पी (आलपुष्पा)	रिले	200 कि.वाट मी.वेव	576 कि. हर्ट्ज	
96	कालीकट(कोझीकोड)	क्षेत्रीय	100 कि.वाट मी.वेव	684 कि. हर्ट्ज	टाइप III
			10 कि.वाट एफ एम (विविध भारती)	103.6 मेगा हर्ट्ज	
97	कनानूर (कन्नूर)	क्षेत्रीय	6 कि.वाट एफ एम	101.5 मेगा हर्ट्ज	एम पी
98	कोचीन (कोच्चि)	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम पी
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	107.5 मेगा हर्ट्ज	
99	इडुक्की (देवीकुलम)	क्षेत्रीय	6 कि.वाट एफ एम	101.4 मेगा हर्ट्ज	एम पी
100	त्रिचुर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	630 कि. हर्ट्ज	टाइप–1

101	त्रिवेन्द्रम	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1161 कि. हर्ट्ज	टाइप IV अपलिंक फोन पर समाचार
			10 कि.वा. एफ.एम.वि.भा.	101.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि.वा.शार्ट वेव		
102	मंजेरी राज्य केन्द्र	स्थानीय रिले कोड	3 कि.वा. एफ.एम. रैनबो	102.7 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
मध्य प्रदेश (16)			**कुल कवरेज(मीवेव+एफ.एम.): क्षेत्र 99.30%**		**जनसंख्या–99.40%**
ट्रांसमिटर 20(मी.वेव–6,शार्ट वेव–1,एफ.एम–13,)			**एफ.एम. कवरेजः क्षेत्र 23.74% जनसंख्या–28%**		
103	बालाघाट	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.3 मे0 हर्ट्ज	एम.पी
104	बैतूल	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	103.1 मैं0 हर्ट्ज	एम.पी
105	भोपाल	क्षेत्रीय	10 कि.वा.मी.वेव	1593 कि. हर्ट्ज	टाइप 111 अपलिंक
			6 कि.वा. एफ.एम.वि.भा	103.5 मैं0 हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि. वा. शार्ट वेव		
106	छत्तरपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	675 कि. हर्ट्ज	टाइप 1
107	छिन्दवाड़ा	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.2 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
108	गुना	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.3 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
109	ग्वालियर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1386 हर्ट्ज	टाइप 1
110	इंदौर	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वेव	648 कि. हर्ट्ज	टाइप।।।
			6 कि.वा. एफ.एम.वि.भा	101.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
111	जबलपुर	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वेव	801 कि. हर्ट्ज	टाइप।।।
			10 कि.वा. एफ.एम.वि.भा	102.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
112	खंडवा	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.2 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
113	रीवा	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1179 कि. हर्ट्ज	टाइप।।
114	सागर	स्थानीय राज्य केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.6 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
115	शहडोल	क्षेत्रीय	6 कि.वा. एफ.एम	102. मेगा हर्ट्ज	एम.पी
116	शिवपुरी	क्षेत्रीय	6 कि.वा. एफ.एम	100.2 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
117	मांडला	स्थानीय रिले केन्द्र	1 कि.वा. एफ.एम	100.4 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
118	राजगढ़	स्थानीय रिले केन्द्र	3 कि.वा. एफ.एम	100.7 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
महाराष्ट्र (20)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.): क्षेत्र 98.67% जनसंख्या 98.99%**		
ट्रांसमिटर 30 (मी.वेव–12,एफ.एम16,शा०वेव–2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 24.3% जनसंख्या–44.15%**		
119	अहमदनगर	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	100.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
120	अकोला	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.4 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
121	औरंगाबाद	क्षेत्रीय	1 कि.वा. मी. वेव	1521 मेगा हर्ट्ज	टाइप।। अपलिंक (काम जारी है)

			1 कि.वा. एफ.एम. (अंतरिम सेटअप)	101.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
122	बीड	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.9 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
123	चन्द्रपुर	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	103 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
124	धुले	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	100.5 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
125	जलगांव	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	963 कि. हर्ट्ज	टाइप–1
126	कोल्हापुर	क्षेत्रीय	6 कि.वा. एफ.एम	102.7 मेगा हर्ट्ज	टाइप–1 एम.पी
127	मुम्बई	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव ए	1044 कि. हर्ट्ज	टाइप–4 पलस अनलिंक
			100 कि.वा.मी.वेव बी	558 कि. हर्ट्ज	मल्टीट्रैक
			50 कि.वा.मी.वेव वि. मा.	1188 कि. हर्ट्ज	फोन पर समाचार
			10 कि.वा. एफ.एम.(रेनबो)	107.1 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			10 कि.वा. एफ.एम.(गोल्ड)	100.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			100 कि.वा. शार्ट.वेव		
			50 कि.वा. शार्ट.वेव		
128.	नागपुर	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वेव	585 कि. हर्ट्ज	टाइप–3
			6 कि.वा. एफ.एम. वि.भा.	100.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			1000 कि.वा.मी.वेव एन.सी.	1566 कि. हर्ट्ज	
129	नांदेड	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
130	नासिक	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.4 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
131	उस्मानाबाद	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.3 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
132	परभणी	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1305 कि. हर्ट्ज	टाइप–1
133	पुणे	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	792 कि. हर्ट्ज	टाइप–4
			6 कि.वा. एफ.एम. वि.भा.	101 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो टाइप–1
134	रत्नागिरि	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1143 कि. हर्ट्ज	टाइप–1
135	सांगली	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1251 कि. हर्ट्ज	टाइप–1
136	सितारा	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	103.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
137	सोलापुर	स्थानीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम.पी
138	यवतमाल	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	102.7 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
139	ओरस	स्थानीय रिले केन्द्र	5 कि.वा. एफ.एम		एम.पी
मणिपुर (1)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.): क्षेत्र 94.96% जनसंख्या – 9846%**		
ट्रांसमिटर 3(मी.वेव–1, शा0 वे–1, एफ.एम 1)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 42.13% जनसंख्याः 65.62%**		
140	इम्फाल	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वेव	882 कि. हर्ट्ज	टाइप– ।।। अपलिंक, न्यूज ओन फोन

			50 कि.वा.शार्ट.वेव		
			10 कि.वा. एफ.एम.	103.5 मेगा हर्ट्ज	
141	चूडाचांदपुर	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम		एम.पी
मेघालय (5)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.) : क्षेत्र 97.50% जनसंख्या –98.45%**		
ट्रांसमिटर 7 (मी.वेव–4, शार्ट वेव–1, एफ एम–2) एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 46.32% जनसंख्या–48.12%					
142	जोवाई	स्थानीय रिले केन्द्र	6 कि.वा. एफ.एम	101.1 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
143	नोनगोस्टोन	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज	एम.पी
144	शिलॉंग	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	864 कि. हर्ट्ज	टाइप–।।
					अपलिंक,
			50 कि.वा शार्ट.वेव (पूर्वो. इन्टेग)		
			10 कि.वा. एफ.एम. रेनबो	103.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
145	तुरा	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	1233 कि. हर्ट्ज	टाइप–।
146	विलियम नगर	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम.पी
मिजोरम (3)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.): क्षेत्र 59.56% जनसंख्या– 73.27%**		
ट्रांसमिटर 5 (मी.वेव–2, शार्ट वेव–1,एफ.एम 2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 45.71% जनसंख्या–58.14%**		
147	आईज़ोल	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वेव	540 कि. हर्ट्ज	टाइप–।। अपलिंक
			10 कि.वा.शार्ट.वेव		
			6 कि.वा. एफ.एम	100.7	
148	लुंगले	क्षेत्रीय	6 कि.वा.मी.वेव	101.9 मेगा हर्ट्ज	एम.पी
149	सेहा	सीआरएस	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एमपी
नागालैंड(4)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.): क्षेत्र 81.50% जनसंख्या– 87.67%**		
ट्रांसमिटर 6 (मी.वेव–3, शार्ट वेव–1, एफ.एम 2)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 41.75% जनसंख्या–43.38%**		
150	कोहिमा	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	639 कि. हर्ट्ज	टाइप–।।। अपलिंक
			1 कि.वा. एफ.एम	103 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि.वा. शार्ट.वेव		
151	मोकोकचांग	स्था रिले कोड	1 कि.वा. एफ.एम	100.9 मेगा हर्ट्ज	एमपी
152	मोन	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	एम.पी
153	त्यूनसांग	केन्द्रीय रिले केन्द्र	1 कि.वा.मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज	एम.पी
उडीसा(13)			**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.) : क्षेत्र 98.27% जनसंख्या– 99.00%**		
ट्रांसमिटर 6 (मी.वेव–8, शार्ट वेव–1, एफ.एम 7)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 13.74% जनसंख्या–17.76%**		
154	बरीपदा	स्थानीय रिले कोड़	5 कि.वा. एफ.एम	102.9 मेगा हर्ट्ज	एमपी

155	बैरमपुर	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	100.6 मेगा हर्ट्ज	एमपी
156	भवानीपटना	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वेव	1206 कि. हर्ट्ज	टाइप–I
157	बोलांगगिर	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	101.6 मेगा हर्ट्ज	एमपी
158	कटक	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वेव	972 कि. हर्ट्ज	टाइप–4 टपलिंक
			1 कि.वा.मी.वेव वि.भा.	1314 कि. हर्ट्ज	
			6 कि.वा. एफ.एम रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
159	जेपोर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव 50 कि.वा.शार्टवेव	1467 कि. हर्ट्ज	टाइप–I
160	जोरांडा	स्थानीय रिले कोड	1 कि.वा. मी.बेव	1485 कि. हर्ट्ज	एमपी
161	क्योंझार	एलआरएस	1 कि.वा.मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज	एमपी
162	पुरी	एलआरएस	3 कि.वा. एफ.एम	103.4 मेगा हर्ट्ज	एमपी
163	राउरकेला	एलआरएस	6 कि.वा. एफ.एम	102.6 मेगा हर्ट्ज	एमपी
164	संबलपुर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वेव	945 कि. हर्ट्ज	
165	देवगढ़	एलपीटी रेले	100 वा. एफ.एम	101.0 मेगा हर्ट्ज	टाइप–I
166	सोरो	स्थानीय रिले कोड	1 कि.वा. मेगावाट		एमपी
पंजाब(3)		**कुल कवरेज(मी.वेव+एफ.एम.) क्षेत्र 99.00% जनसंख्या– 99.00%**			
ट्रांसमिटर–6 (मी.वेव–3, एफ.एम–3)			**एफ.एम. कवरेज क्षेत्र 55.44% जनसंख्या–59.97%**		
167	भटिंडा	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	101.1 मेगा हर्ट्ज	एमपी
168	जालंधर	क्षेत्रीय	300 कि.वा. मेगावाट	873 कि. हर्ट्ज	टाइप 4 अपलिंक
			200 कि.वा. मेगावाट	702 कि. हर्ट्ज	उर्दू सेवा
			1 किलो वाट मी. वेव वि. मा.	1350 कि. हर्ट्ज	
			10 किलो वाट एफ एम, रेनबो	102.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
169	पटियाला	स्थानीय रिले कोड	6 कि.वा. एफ.एम	100.2 मेगा हर्ट्ज	एमपी
राजस्थान (17)		**कुल कवरेज (मी.वे. एफ.एम) एरिया–94.00: जनसंख्या 99.00:**			
ट्रांसमिटर–21(मी.वे.8, एफ.एम. 12, शा.वे.1)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 25.36: जनसंख्याः 31.55:**		
170	अजमेर	रिले	200 कि.वा.मी.वे.	603 कि.हर्ट्ज	
			1 किलो वाट मी. वेव वि. मा.	1350 कि. हर्ट्ज	
			10 किलो वाट एफ एम, रेनबो	102.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
171	अलवर	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.1मे.हर्ट्ज	एमपी
172	बांसवाड़ा	स्था.रेडियो केन्द्र	20 कि.वा.मी.वे.	101.3 मे.हर्ट्ज	एमपी
173	बाड़मेर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1458 कि.हर्ट्ज	एमपी
174	बीकानेर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1395 कि.हर्ट्ज	टाइप–II
175	चित्तौड़गढ़	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	102.9 मे.हर्ट्ज	एमपी

176	चुरू	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम.	100.7 मे.हर्ट्ज	एमपी
177	जयपुर	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1476 कि.हर्ट्ज	टाइप–III अपलिंक फोन पर समाचार
			6 कि.वा.एफ.एम. ट्रां.वि.भा.	100.3 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि.वा.शा.वे.		
178	जैसलमेर	क्षेत्रीय	10 कि.वा.एफ.एम	101.8 मेगा.हर्ट्ज	टाइप–I
179	झालावाड़	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.2 मेगा.हर्ट्ज	एमपी
180	जोधपुर	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वे.	531 कि.हर्ट्ज	टाइप–III
			6 कि.वा.एफ.एम.वि.भा.	102.1 मेगा.हर्ट्ज	
181	कोटा	स्था.रेडियो केन्द्र	20 कि.वा.मी.वे.	1413 कि.हर्ट्ज	एमपी
182	माउण्ट आबू	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम.	103.5 मेगा.हर्ट्ज	एमपी
183	नागौर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.7 मेगा हर्ट्ज	एमपी
184	सवाई माधोपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	101.5 मेगा हर्ट्ज	एमपी
185	सूरतगढ़	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वे.	918 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
186	उदयपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1125 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
			1 कि.वा.एफ.एम. (आंतरिक व्यवस्था.)	1001.7 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
सिक्किम (1)			**कुल कवरेज (मी.वे + एफ.एम) एरिया–72.00% जनसंख्या 95.60%**		
ट्रांसमिटर–2 (मी.वे.1, शा.वे.1)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 1.05% जनसंख्याः 2.45%**		
187	गंगटोक	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1404 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
			10 कि.वा.शा.वे.		
तमिलनाडु (11)			**कुल कवरेज (मी.वे+एफ.एम) क्षेत्र–99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर–20 (मी.वे–9, एफ.एम.–9,शा.वे.–2)			**एफ.एम कवरेज क्षेत्र 53.67% जनसंख्याः 62.41%**		
188	चेन्नई	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे. 'ए'	720 कि.हर्ट्ज	मल्टी ट्रैक
			'20 कि.वा.मी.वे.'बी'	1017 कि.हर्ट्ज	टाइप IV प्लस
			20 कि.वा.मी.वे.वि.भा.	1395 कि.हर्ट्ज	अपलिंक
			20 कि.वा.एफ.एम.(रेनबो)	101.4 मेगा हर्ट्ज	फोन पर
			20 कि.वा.एफ एम 'गोल्ड'	102.3 मेगा हर्ट्ज	समाचार
			50 कि.वा.शा.वे.		स्टीरियो
			100 कि.वा.शा.वे.वि.भा. समक्रिमिक		स्टीरियो
189	कोयम्बटूर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे	999 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
			10 कि.वा.एफ.एम. वि.भा.	103 मे.हर्ट्ज	स्टीरियो

190	कोडईकनाल	क्षेत्रीय	10 कि.वा.एफ.एम.	100.5 मेगा हर्ट्ज	एमपी स्टीरियो
191	मदुरै	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1269 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
			1 कि.वा.एफ.एम(आ.व्यवस्था)	103.3 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
192	नागरकोइल	स्था.रेडियो केन्द्र	10 कि.वा.एफ.एम.	101 मेगा हर्ट्ज	एमपी
193	उटाकमंड	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	एमपी
194	तिरूचिरापल्ली	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे	936 कि.हर्ट्ज	टाइप–IV
			10 कि.वा.एफ.एम.वि.भा.	102.1मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
195	तिरूनेलवेली	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1197 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
196	तूतीकोरन	क्षेत्रीय	200 कि.वामी.वे.विस्तार सेवा	1053 कि.हर्ट्ज	टाइप–I
197	धर्मपुरी	स्था.रेडियो केन्द्र	10 कि.वा.एफ.एम.ट्रां	102.5 मेगा हर्ट्ज	
198	सलेम (येरकाड)	एलपीटी क्षेत्रीय	100 वा.एफ.एम.	100.9 मेगा हर्ट्ज	
त्रिपुरा (3)			**कुल कवरेज (मी.वे.+एफ.एम) एरिया–84.31% जनसंख्या 89.00%**		
ट्रांसमिटर–4 (मी.वे.–1, एफ.एम.–3)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 72.89: जनसंख्या% 86.19%**		
199	अगरतला	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1269 कि.हर्ट्ज	टाइप–I अपलिंक
			10 कि.वा.एफ.एम.	101.6 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
200	बेलोनिया	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.7 मेगा हर्ट्ज	एमपी
201	कैलाशहर	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	103.2 मेगा हर्ट्ज	एमपी
चण्डीगढ़ संघ शासित ट्रांसमिटर–1 (एफ.एम.1)			**कुल कवरेज (मी.वे. एफ.एम) एरिया–99.00% जनसंख्या 99.00% एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 99.00% जनसंख्याः 99.00%**		
202	चण्डीगढ़ (1)	विविध भारती एक्सक्ल्यूसिव	6 कि.वा.एफएम	103.1 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो टाइप–I
			10कि.वा.एफ.एम.	101.6 मेगा हर्ट्ज	
दमन एवं दीव			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया–99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर–1(एफ.एम.)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 64.28% जनसंख्याः 61.00%**		
203	दमन (1)	स्था.रेडियो केन्द्र	3 कि.वा.एफएम	102.3 मेगा हर्ट्ज	एमपी
पुदुचेरी (2)			**कुल कवरेज एरिया–99.00%* जनसंख्या 99.00%***		
ट्रांसमिटर–3 (मी.वे.1, एफ.एम. 2)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 92.07% जनसंख्याः 93.52%**		
204	पुदुचेरी	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1215 कि.हर्ट्ज	एमपी स्टीरियो
			5 कि.वा.एफ.एम.(आ.व्यवस्था)	102.8 मेगा हर्ट्ज	(एफएम रेनबो चेन्नै)
205	करैकाल	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफ.एम.	100.3 मेगा हर्ट्ज	
लक्ष्य एवं मिनिकाय द्वीप(1)			**कुल कवरेज (मी.वे + एफ.एम) एरिया–99.00%* जनसंख्या99.00%***		
ट्रांसमिटर–1 (मी.वे. 1)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र–0.0% जनसंख्याः 0.0%**		
206	कावरत्ती (1)	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1584 किं.हर्ट्ज	एमपी

अंदमान एवं निकोबार द्वीप (1)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया–99.00%* जनसंख्या 99.00%***		
ट्रांसमिटर–3 (मी.वे.–1,शा.वे.–1,एफ.एम.–1)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 36.03% जनसंख्याः 28.00%**		
207	पोर्टब्लेयर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे.	684 किं.हर्ट्ज	टाइप I
	अंडमान एवं निकोबार		10 कि.वा.शा.वे.		टाइप II
			10 कि.वा.एफएम.	100.9 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
उत्तर प्रदेश (14)			**कुल कवरेज (मी.वे एफ.एम) एरिया–99.00%* जनसंख्या 99.00%***		
ट्रांसमिटर–27 (मी.वे–11, एफ.एम.–10,शा.वे.–6)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 16.2% जनसंख्याः 22.04%**		
208	आगरा	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1530 कि.हर्ट्ज	टाइप I
209	अलीगढ़	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम. रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज	
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
			250 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा		
210	इलाहाबाद	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	1026 कि.हर्ट्ज	टाइप III
			10 कि.वा.मी.वे. वि.भा.	1000.3 मेगा हर्ट्ज	
211	बरेली	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफएम	100.4 मेगा हर्ट्ज	एमपी
212	फैजाबाद	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफएम	101.9 मेगा हर्ट्ज	एमपी
213	गोरखपुर	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे.		टाइप III
			50 कि.वा.शा.वे.विस्तार सेवा	909 कि.हर्ट्ज	स्टीरियो
			1 कि.वा.एफएम.(आ.व्यवस्था)	100.1 मेगा हर्ट्ज	
214	झांसी		6 कि.वा.एफ.एम.	103 मेगा हर्ट्ज	एमपी
215	कानपुर	वि.भा.एक्सक्ल्यू.	1 कि.वा.मी.वे.	1449 कि.हर्ट्ज	टाइप I
			6 कि.वा.एफ.एम.(आ.व्यवस्था)	103.7 मेगा हर्ट्ज	
216	लखनऊ	क्षेत्रीय	300 कि.वा.मी.वे.	747 कि.हर्ट्ज	टाइप IV
			10 कि.वा.एफएम विभा.	1278 कि.हर्ट्ज	अपलिंक, फोन
			10 कि.वा.एफएम रेनबो	100.7 मेगा हर्ट्ज	पर समाचार
			50 कि.वा.शा.वे.		स्टीरियो
217	मथुरा	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1584 कि.हर्ट्ज	टाइप I
218	नजीबाबाद	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे.	954 कि.हर्ट्ज	टाइप I
219	ओबरा	क्षेत्रीय	6 कि.वा.एफ.एम.	102.7 मेगा हर्ट्ज	एमपी
220	रामपुर	क्षेत्रीय	20 कि.वा.मी.वे.	891 कि.हर्ट्ज	टाइप I
221	वाराणसी	क्षेत्रीय	100 कि.वा.मी.वे.	1242 कि.हर्ट्ज	टाइप II

			1 कि.वा.मी.वे.वि.भा.	1602 कि.हर्ट्ज	अपलिंक
			1 कि.वा.एफ एम (आ.व्यवस्था)	100.6	(संस्थापनाधीन)
उत्तरांचल (6)			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया–52.80% जनसंख्या 77.37%**		
ट्रांसमिटर–6 (मी.वे.–5, एफ.एम.–1)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 30.8% जनसंख्याः 46.43%**		
222	अल्मोडा	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	999 कि.हर्ट्ज	टाइप I अपलिंक
223	गोपेश्वर (चमोली)	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1485 कि.हर्ट्ज	एमपी
224	मसूरी	रिले	10 कि.वा.एफएम रेनबो	102.1 मेगा हर्ट्ज	
225	पौड़ी	क्षेत्रीय	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	एमपी
226	पिथौरागढ़	रिले	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	एमपी
227	उत्तरकाशी	रिले	1 कि.वा.मी.वे.	1602 कि.हर्ट्ज	टाइप III स्टीरियो
पश्चिमी बंगाल			**कुल कवरेज (मी.वे.एफ.एम) एरिया–99.00% जनसंख्या 99.00%**		
ट्रांसमिटर (6) (मी.वे.–6,शार्ट न.–2, एफ एम –8)			**एफ.एम कवरेजः क्षेत्र 29.49% जनसंख्याः 41.90%**		
228	आसनसोल	रिले	6 कि.वा.एफएम रिले	100.3 मेगा हर्ट्ज	
229	कोलकाता	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे.'ए'	657 कि.हर्ट्ज	टाइप IV अपलिंक
			100 कि.वा.मी.वे.'बी'	1008 कि.हर्ट्ज1	
			20 कि.वा.मी.वे.वि.भा.	1323 कि.हर्ट्ज	
			10 कि.वा.एफ एम ट्रां.(गोल्ड)	100.2 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			10 कि.वा.एफ एम (रेनबो)	107 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
			50 किवा.शा.वे.		
			1000 कि.वा.मी.वे.	594 कि.हर्ट्ज और	दिन मे
			विदेश सेवा (चिंसुरा)	1134 कि. हर्ट्ज	रात में
230	कर्सियांग	क्षेत्रीय	50 कि.वाशा.वे.		टाइप II
			1 कि.वा.मी.वे.क्षेत्रीय सेवा	1440 कि.हर्ट्ज	
			5 कि.वा.एफएम रेनबो	102.3 मेगा हर्ट्ज	
231	मुर्शिदाबाद	स्था.रेडियो केन्द्र	6 कि.वा.एफएम	102.2 मेगा हर्ट्ज	एमपी
232	शांति निकेतन	स्था.रेडियो केन्द्र	3कि.वा.एफएम	103.1 मेगा हर्ट्ज	एमपी
233	सिलीगुड़ी	क्षेत्रीय	200 कि.वा.मी.वे.	711 कि.हर्ट्ज	टाइप I
			10 कि.वा.एफएम वि.भा.	107 मेगा हर्ट्ज	स्टीरियो
234	दार्जिलिंग	एलपीटी रिले	100 वा.एफएम	100.2 मेगा हर्ट्ज	

कुल
ट्रांसमीटरः 374
केंद्र : 234

दूरदर्शन

डीडी आर्काइव्स

दूरदर्शन ने आर्काइव्स के रूप में उपलब्ध सम्पत्ति के बड़े खजाने संबंधी मुद्दे की ओर ध्यान केंद्रित किया है ताकि आर्काइव्स का तेजी से डिजीटलीकरण सुनिश्चित किया जा सके और पीपीपी मॉडल के तहत आरएफपी जारी कर दिया गया है । वितरण एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके व्यापक पैमाने पर बिक्री की व्यवस्था भी की गई है ताकि दूरदर्शन के उत्पाद ऑडियो और वीडियो बेचने वाले सात हजार फुटकर विक्रेताओं के यहां उपलब्ध हो सकें । इससे उत्पादों तक आसान पहुंच और अधिक विपणन हो सकेगा । लागत लेखाकार (कॉस्ट एकाउंटेंट) भी रखा गया है जो उत्पादों का यथोचित मूल्य निर्धारित करेगा ताकि उत्पादों को लोग खरीदने में न केवल सक्षम हों बल्कि उनका व्यापक परिचालन भी हो । आर्काइव्स सामग्री को आवश्यकतानुसार विभिन्न भारतीय भाषाओं में डब भी किया जा रहा है ।

इसका लक्ष्य और ध्येय प्रौद्योगिकी अंगीकरण से परे है । भारतीय टेलीविजन प्रसारक के रूप में उसकी भूमिका में दूरदर्शन के पास कला–संगीत, नृत्य, नाटय, समाचार और लोकहित के अन्य क्षेत्रों में सृजनात्मक कंटेट उपलब्ध है । इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य दूरदर्शन की इस अद्वितीय सांस्कृतिक संपत्ति का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना है । तथ्य शीट निम्नानुसार है:–

- 20000 घंटे के कार्यक्रम डिजीटाइज किए गए ।
- 1000 घंटे फाइल फार्मेट में पूर्णतः मेटाटेग किए गए ।
- डीवीडी के 80 टाइटल जारी किए गए जिनमें से 15 हाल ही में जारी किए गए हैं ।
- आर्काइव्स सप्ताह (1 से 7 दिसंबर, 2009) मनाया गया ।
- कंटेंट प्रबंधन और वर्क फ्लो पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से फीड बैक ।
- आर्काइव्स उत्पादों के मूल्य निर्धारण का मूल्यांकन करने के लिए पेशेवर कॉस्ट एकाउंटेंट कंपनी रखी गई।
- आर्काइव उत्पादों की बिक्री के लिए एक अनुभवी पेशेवर वितरण एजेंसी रखी गई जिसके पूरे भारत में 700 बिक्री केंद्र हैं और मजबूत विदेशी उपस्थिति है ।
- 800 घंटे के प्रीमियम सॉफ्टवेयर को 8 भाषाओं में डब किया गया जिसमें से 237 घंटे चालू वर्ष के हैं ।
- डीवीडी और फुटेज की बिक्री से 53,57,000/– रुपए का राजस्व अर्जित किया गया ।
- 157 घंटे का सॉफ्टवेयर विभिन्न दूरदर्शन चैनलों पर प्रसारण के लिए दिया गया ।

डीडी इंडिया

दूरदर्शन ने विश्व के लिए अपने दरवाजे दिनांक 14 मार्च, 1995 को अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरूआत करके खोले । यह चैनल पहले डीडी वर्ल्ड के नाम से जाना जाता था । वर्ष, 2002 में इसे डीडी इंडिया का नाम दिया गया । इस चैनल के कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक परिदृश्य से अवगत कराया जाता है । डीडी इंडिया की शुरूआत विदेशों में बसे भारतीयों के साथ उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों के माध्यम से संवाद सेतु बनाने और पूरे विश्व को भारत की संस्कृति, मूल्यों, परंपराओं, आधुनिकता, विविधता, एकता, पीड़ा, आनंदानुभूति और सच्चे भारत के दर्शन कराने के उद्देश्य से की गई थी ताकि लोक सेवा प्रसारण सेवा की ऊंची परंपराओं के जरिए लोगों को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन मिलता रहे ।

डीडी इंडिया पर समाचार बुलेटिन, सामाजिक घटनाओं पर रूपक, मनोरंजन कार्यक्रम, फीचर फिल्में, संगीत और नृत्य, बच्चों के कार्यक्रम, आयोजन और पर्यटन संबंधी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । इस अंतर्राष्ट्रीय चैनल पर हिंदी और अंग्रेजी के अलावा, उर्दू, पंजाबी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम, गुजराती और मराठी भाषाओं के कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं । प्रतिदिन सभी देशों में उर्दू,

गुजराती, तमिल, तेलुगू, मलयालम और पंजाबी में 15–15 मिनट के समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं ।

डीडी चैनल अपने फिक्स्ड प्वांइट चार्ट को दिसंबर 2009 से नया रूप देकर अपनी कार्यक्रम सामग्री को समृद्ध बनाने के लिए ठोस उपाय कर रहा है । पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, आयुष (जीवन शैली), प्रतिदिन बालीवुड के समाचार, शैक्षिक कार्यक्रम, जेम्स, आभूषण और फैशन संबंधी कार्यक्रम निर्बाध रूप से समाविष्ट किए जा रहे हैं । डीडी इंडिया के फिक्स्ड प्वांइट चार्ट में फीचर फिल्में और भारत एक खोज जैसे पुरालेखी कार्यक्रम भी सम्मिलित किए गए हैं ।

डीडी इंडिया चौबीस घंटे का चैनल है । डीडी इंडिया को नई दिल्ली से अपलिंक किया जाता है तथा आईएस–10 (पीएएस 10) और जी–13 उपग्रहों के जरिए इसके कार्यक्रम पूरे विश्व में 146 देशों में देखे जा सकते हैं । डीडी इंडिया चैनल दूरदर्शन की उपग्रह डीटीएच सेवा डीडी डाइरेक्ट प्लस पर भी उपलब्ध है । एशियाई खेलों के प्रसारण के बाद दूरदर्शन राष्ट्रमंडल खेल 2010 के प्रस्तुतीकरण और प्रसारण में एचडीटीवी आरंभ करके प्रसारण के इतिहास में एक और उपलब्धि हासिल करने जा रहा है । योजना है कि डीडी इंडिया चैनल को एचडीटीवी चैनल में परिवर्तित कर दिया जाए और डीडी इंडिया के कंटेंट को भारत की आवाज के रूप में नया रूप दिया जाए ।

विदेश में चैनल का वितरण

(1) कनाड़ा में चैनल का वितरण मैसर्स एसएस टीवी कनाड़ा द्वारा किया जा रहा है । मॉरीशस में इसका वितरण एमबीसी (मारीसस ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन) और नामीबिया में एनबीसी (नामीबिया ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन) के माध्यम से किया जा रहा है ।

(2) हाल ही में दूरदर्शन और उसके क्षेत्रीय चैनलों के विदेश में वितरण और विपणन के लिए सार्वभौम निविदा हेतु बोली आमंत्रित की गई है ।

डीडी इंडिया के कार्यक्रम दूरदर्शन के अन्य चैनलों से लिए जाते हैं अर्थात् हिंदी के मनोरंजन धारावाहिक डीडी–1 से लिए जाते हैं, शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम डीडी भारती से, समाचार बुलेटिन डीडी न्यूज से तथा क्षेत्रीय भाषाओं के समाचार एवं कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं के उपग्रह चैनलों से लिए जाते हैं । चूंकि डीडी इंडिया के लक्षित दर्शकों की प्रमुख प्रतिस्पर्धा विदेशों में उपलब्ध अन्य चैनलों से है अतः विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए चैनल को नया रूप दिए जाने की आवश्यकता है ताकि उनकी अभिरुचियों तथा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। डीडी इंडिया चैनल विदेश मंत्रालय के साथ सहयोग करता है और प्रति वर्ष महत्वपूर्ण आयोजन "प्रवासी भारतीय दिवस" की कवरेज करता है जिसमें 2000 से भी अधिक प्रतिनिधि भाग लेते हैं । डीडी इंडिया इसके उदघाटन तथा समापन समारोहों के प्रसारण के साथ–साथ तीन दिनों तक प्रतिदिन दैनिक रिपोर्ट तैयार कर प्रसारित करता है ।

पूरे विश्व में डीडी इंडिया को निम्नलिखित देशों में देखा जा सकता है:–

एशिया (दक्षिण–पूर्व एशिया)

अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, कंबोडिया, हांगकांग, इंडोनेशिया, कोरिया (उत्तर और दक्षिण), मालदीव, मलेशिया, माइक्रोनेशिया, मंगोलिया, म्यांमार, जापान, लाओस, नेपाल, पलाऊ, पपुआ न्यू गीनिया, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, ताइवान, थाइलैंड, वियतनाम ।

सीआईएस

अल्बानिया, अर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, क्रोशिया, जार्जिया, एस्टोनिया, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लताविया, मकदूनिया, मोलडोवा, चौक गणराज्य, रोमानिया, रूस परिसंघ, स्लोवाकिया, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, युक्रेन, युगोस्लाविया ।

पश्चिमी एशिया

बहरीन, ईराक, इरान, इजरायल, जोर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, फिलिस्तीन, सउदी अरब, सीरिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यमन ।

अफ्रीका

अंगोला, अल्जीरिया, बेनिन, बुर्कीना, फासो, बुरुंदी, बोत्स्वाना, कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, कांगो, कोट डी आयवरी, जीबूती, मिश्र, इरीट्रिया, इथोपिया, गैबन, घाना, गीनिया, इक्वेटोरियल गीनिया, गीनिया बिसाऊ, केन्या, लिसोथो, लाइबेरिया, लीबिया, मेडागास्कर, मालावी, माली, मोरक्को, मारीशस, मॉरीतानिया, मोजाम्बिक, नामिबिया, नाइजीरिया, नाइजर, रवांडा गणराज्य, सेनेगल, सेशल्स, सिएरा लियोन, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, स्वाजीलैंड, सूडान, तंजानिया, टोगोलिस गणराज्य, ट्यूनीशिया, युगांडा, जायरे, जाम्बिया, जिम्बाब्वे ।

यूरोप

आस्ट्रिया, बेल्जियम, साइप्रस, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, जर्मन, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लीस्टेंस्टीन, लिथूनिया, लग्जमबर्ग, माल्टा, मोनाको, नार्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंग्डम ।

अन्य

आस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा, मेक्सिको।

डीडी डाइरेक्ट प्लस

दूरदर्शन ने दिसंबर, 2004 में निःशुल्क डीटीएच सेवा डीडी डाइरेक्ट प्लस शुरू की थी जिसमें दूरदर्शन और निजी टीवी चैनलों के 33 चैनल शामिल थे । इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों को टीवी कवरेज उपलब्ध कराना था जहां स्थलीय ट्रांसमिटरों की कवरेज उपलब्ध नहीं थी । बाद में डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता बढ़ाकर 58 टीवी चैनलों के प्रसारण की कर दी गई । डीटीएच सिग्नल टोडापुर, नई दिल्ली स्थित डीटीएच केंद्र से इनसेट 4 बी को अपलिंक किए जाते हैं । छोटे आकार की डिश रिसीव यूनिटों की सहायता से डीटीएच सिग्नल (केयू बैंड) देश में कहीं पर भी (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह को छोड़कर) प्राप्त किए जा सकते हैं । सितंबर, 2009 में 10 दूरदर्शन चैनलों के बुके के साथ अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए सी बैंड में डीटीएच सेवा आरंभ की गई है। सी बैंड में डीटीएच सिग्नल पीतमपुरा, दिल्ली स्थित दूरदर्शन के उच्च शक्ति ट्रांसमिटर कांप्लेक्स से इनसेट 4बी को अपलिंक किए जाते हैं । सी बैंड में डीटीएच बुके में सम्मिलित 10 चैनल हैं: डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी भारती, डीडी उर्दू, डीडी बांग्ला, डीडी तमिल, डीडी तेलुगु, डीडी मलयालम और दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर के कार्यक्रम ।

दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म डीडी डाइरेक्ट प्लस पर उपलब्ध चैनलों की सूची

दूरदर्शन चैनलों	अन्य टीवी चैनलों
1. डीडी नेशनल	20. लोक सभा
2. डीडी न्यूज	21. रशिया टुडे
3. डीडी स्पोर्ट्स	22. व्यास टीवी
4. डीडी इंडिया	23. श्रृद्धा
5. डीडी भारती	24. एन टीवी
6. डीडी बांग्ला	25. आईबीएन लोकमत
7. डीडी चांदना	26. 9एक्स

8. डीडी गिरनार	27. स्टार जलसा
9. डीडी कशीर	28. 9एक्सएम
10. डीडी नार्थ ईस्ट	29. टाइम्स टीवी
11. डीडी ओडिया	30. ई 24
12. डीडी पोढ़िगै	31. पीटीसी न्यूज
13. डीडी पंजाबी	32. आस्था
14. डीडी सह्याद्रि	33. ईटीसी
15. डीडी सप्तगिरि	34. मक्कल टीवी
16. डीडी मलयालम	35. केयर वर्ल्ड
17. डीडी राज्य सभा	36. जी जागरण
18. डीडी उर्दू	37. एमएच वन
19. ज्ञानदर्शन–1	38. पीबीसी टीवी
	39. टोटल टीवी
	40. शक्ति टीवी
	41. जय हिंदी टीवी
	42. म्यूजिक इंडिया
	43. कलैग्नार टीवी
	44. डीडब्ल्यू टीवी
	45. स्टार उत्सव
	46. स्माइल टीवी
	47. बी4यू म्यूजिक
	48. ज्ञानदर्शन–2
	49. मेगा टीवी
	50. कैराली टीवी
	51. एनएचके वर्ल्ड
	52. न्यूज लाइव
	53. अमृता टीवी
	54. इंडिया न्यूज
	55. न्यूज 24
	56. एंटर 10
	57. आजाद टीवी
	58. एसवीबीसी

विपणन पहलें

स्व वित्त योजना के अंतर्गत 'क्रेजी किया रे' संगीत कार्यक्रम

प्रसार भारती के मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नै, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी, कोच्चि और जालंधर में 8 विपणन प्रभाग हैं । इनकी स्थापना पूरे देश में प्रसारित किए जाने वाले डीडी–नेशनल नेटवर्क, डीडी–क्षेत्रीय केंद्रों, डीडी–न्यूज और विभिन्न अन्य उपग्रह चैनलों के कार्यक्रमों की इन–हाऊस मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए की गई है।

- दूरदर्शन का अग्रणी चैनल है डीडी–1 (डीडी नेशनल) जो विभिन्न फार्मेटों जैसे एसएफजी (स्व–वित्त), अर्जन, कमीशंड आदि के तहत प्राप्त किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से दूरदर्शन के सकल राजस्व का लगभग 55% राजस्व अर्जित करता है। विपणन प्रभाग को वर्ष 2009–10 के लिए 385 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया था और यह 435.95 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने में सफल रहा है । विपणन प्रभाग दूरदर्शन के कुल राजस्व में लगभग 45% राजस्व का योगदान देता है ।

- वर्ष 2009–10 की अवधि में दूरदर्शन की एसएफसी योजना के तहत राजस्व 234.37 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है जो गत वर्ष से लगभग 36% अधिक है ।

- इस समय डीडी नेशनल नेटवर्क पर 95% से भी अधिक कार्यक्रम एसएफसी के तहत तैयार होते हैं, जिसके तहत चैनल सॉफ्टवेयर के मूल अधिकार अपने पास रखता है और इनका उपयोग अधिकतम राजस्व अर्जित करने के लिए करता है ।

- फेयर एंड लवली द्वारा समर्थित 'छू लो आसमान', एयरटेल क्रेजी किया रे, आइडिया भारत की शान आदि जैसे रियल्टी शो ने रात्रि 10.00 बजे के समय बैंड को पुनर्जीवित कर दिया है और इसने अपने काफी दर्शक जुटाए हैं ।

- चैनल प्रायोजक कोलगेट के साथ एक काउंटडाउन कार्यक्रम रविवार को सप्ताहांत स्लाटों में 'कोलगेट टॉप 10' आरंभ करने में सफल रहा है जिससे राजस्व में वृद्धि हो रही है ।

- रविवार का प्रातः कालीन समय बैंड अधिक दर्शक आकर्षित नहीं पा रहा था जिसे सुश्री तबस्सुम द्वारा प्रस्तुत 'चुलबुली फिल्में चटपटी गपशप' नामक बाल फिल्म स्लॉट आरंभ करके पुनर्जीवित किया गया है । यह कार्यक्रम रविवार को सुबह 9.00 बजे प्रसारित किया जाता है । इस कार्यक्रम ने काफी अधिक दर्शक जुटाए हैं और इस शो से प्रायोजक के रूप में 'पर्फेट्टी' जुड़ा है ।

- विपणन प्रभाग आईसीसी टी–20 विश्व कप, स्टेंडर्ड चार्टर्ड मेराथन, एयरटेल दिल्ली हाफ मेराथन, वर्ल्ड बैडमिंटन चौंपियनशिप आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद आयोजनों का भी विपणन करने में सफल रहा है जहां दूरदर्शन आरएमसी था और उसने इन आयोजनों का सफलतापूर्वक विपणन किया है।

- विपणन प्रभाग (प्रभागों) ने 'जीना इसी का नाम है' जैसे लोक सेवा कार्यक्रमों और 'दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती समारोहों' जैसे आयोजनों का विपणन करने की चुनौती स्वीकार की तथा इनसे काफी राजस्व का योगदान दिया है ।
- विपणन प्रभाग सामान्य मनोरंजन धारावाहिकों, महिलाओं संबंधी मुद्दों और आकांक्षाओं जैसे चयनित लक्ष्य समूहों पर केंद्रित कार्यक्रमों, 'नन्ही कली मेरी लाडली', 'सम्मान एक अधिकार', 'एयरहोस्टेस', 'अस्तित्व एक कहानी', 'पीहर', 'कारवां एक तलाश' आदि जैसे पारिवारिक ड्रामों का प्रभावी तौर पर विपणन करने में सफल रहा है । ये कार्यक्रम डीडी नेशनल के प्राइम टाइमधमिड प्राइम टाइम बैंड पर प्रसारित किए जा रहे हैं और चैनल को भारी राजस्व प्रदान कर रहे हैं ।
- विपणन प्रभाग चैनल पर आरंभ किए गए कार्यक्रमों पर पूरे देश के विभिन्न ग्राहकों से व्यवसाय जुटाने के लिए महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं ।
- ये प्रभाग पूरे मीडिया बाजार और कार्यक्रम के बीच तालमेल बिठाने में महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सर्वोत्तम बाजार पद्धतियों को क्रमिक रूप से दूरदर्शन पर आगे बढ़ाया जाए ।
- विपणन प्रभाग (गों) पर चैनल के कार्यक्रमों का प्रबंधन और विपणन के साथ–साथ पर चैनल द्वारा प्रसारित किए जाने वाले विभिन्न लोक सेवा पहल के कार्यक्रमों से राजस्व अर्जित करने का उत्तरदायित्व है ।

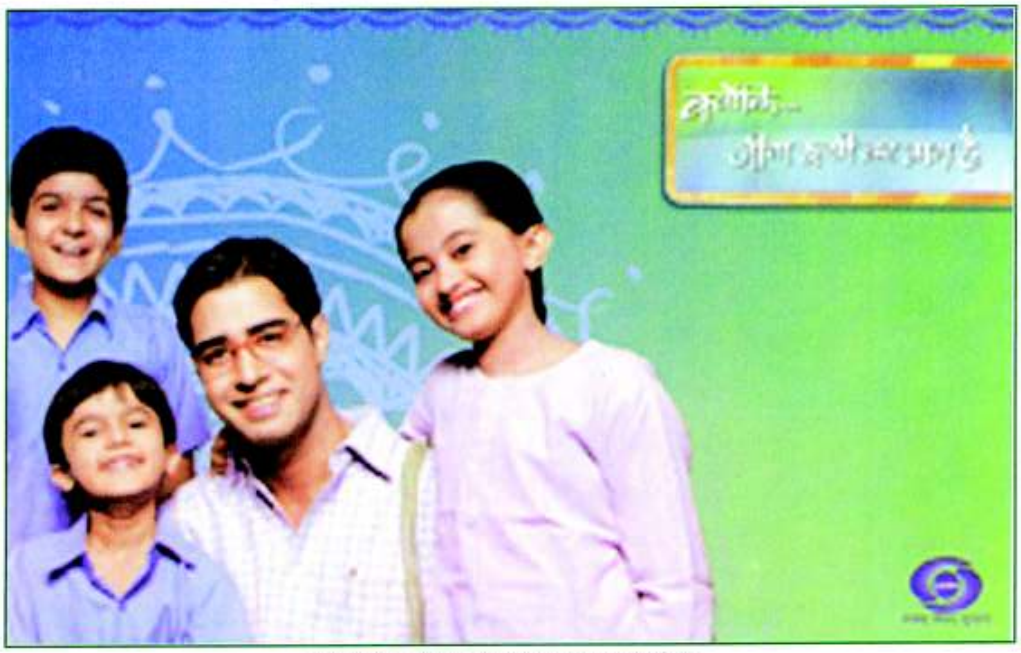

जन सेवा पर "जीना इसी का नाम है" एक कार्यक्रम

दूरदर्शन विज्ञापन

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा वस्तुओं और सेवाओं के विज्ञापन बुक करने के लिए उत्तरदायी है। सामान्यतः मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत एजेंसियों के माध्यम से एजेंसी कमीशन पर विज्ञापन स्वीकार किए जाते हैं।

इसके अलावा एजेंसी कमीशन के बिना भी अग्रिम भुगतान पर विज्ञापन स्वीकार किए जाते हैं। वर्ष 2009–10 के दौरान दूरदर्शन ने कुल 1000.36 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया। वित्तीय वर्ष 2009–10 के लिए लक्ष्य 947.50 करोड़ रुपए का था ।

विकास संप्रेषण प्रभाग (डीसीडी)

दो समानांतर परंतु प्रसार भारती के कठिन लक्ष्यों को प्राप्त करने के अपने प्रयास को जारी रखते हुए दूरदर्शन में 2001 में स्थापित विकास संप्रेषण प्रभाग दूरदर्शन के प्रसारण समय और निर्माण क्षमताओं के विपणन के लिए सिंगल विंडो सुविधा के रूप में सरकार के मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संप्रेषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह प्रभाग परामर्शी सेवाएं और पारंपरिक मीडिया आयोजना उपलब्ध कराता है, पूरे देश के केंद्रों में क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का निर्माण करता है तथा ग्राहकों को फीडबैक और अनुसंधान सर्वेक्षण उपलब्ध कराता है ।

जैसा कि सभी जानते हैं, विकास संप्रेषण प्रभाग (डीसीडी) को विभिन्न मंत्रालयों, सरकारी ग्राहकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और गैर सरकारी संगठनों के अभियानों का विपणन और प्रसारण करता है। यह सरकारी ग्राहकों को उनके अभियानों के प्रसारण के रूप में प्रदान की गई सेवाओं के बदले प्रसारण लागत लेता है तथा साथ ही लोक प्रसारक की भूमिका भी अदा करता है ।

दूरदर्शन ने मार्च 2010 में नेशनल नेटवर्क पर कुष्ठ रोग उन्मूलन के संबंध में एक विशेष कार्यक्रम (लक्ष्मी की वापसी) प्रसारित किया था, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सहमति के अनुरूप था तथा इसका वित्त पोषण उनके द्वारा किया गया था। डीसीडी, दूरदर्शन एच–1 एन–1 और डेंगू के बारे में जगरूकता पैदा करने का अभियान भी प्रसारित करता है तथा साथ ही इन बीमारियों के खतरे का मुकाबला करने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश भी डालता है ।

डीसीडी, दूरदर्शन ने पापुलेशन फांउडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सहयोग से राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, बिहार, झारंखड, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और असम में आरसीएच से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के अभियान को और अधिक बल प्रदान करने के लिए भी काम करना शुरू कर दिया है । कल्याणी कार्यक्रम में पीएफआई के सहयोग से प्रश्नोत्तरी खंड जोड़ा गया है तथा विजेता को पुरस्कृत किया जाएगा तथा उसे "सर्वोत्तम जागरूक मां" का प्रशस्ति प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा । इसी प्रकार पीएफआई और दूरदर्शन ऐसे सर्वोत्तम कल्याणी क्लब की पहचान करेंगे जो जागरूकता पैदा करने के लिए लोगों को प्रेरित करता है और नेत्रदान, तम्बाकू विरोधी अभियान और अपने गांवों में स्वच्छता अभियान जैसे आंदोलनों के संबंध में कार्य करता है।

डीसीडी, दूरदर्शन उपभोक्ता में जागरूकता पैदा करने, उपभोक्ताओं के अधिकारों और साथ ही उनके सामने आने वाली कठिनाइयों को स्पष्ट करने के लिए उपभोक्ता मामले मंत्रालय की ओर से अभियान का प्रसारण करता रहा है । अभियान में ऐसे शरारती लोगों, संगठनों, व्यापारियों, व्यावसायियों, सेवा प्रदान करने वालों और अन्यों की कार्य प्रणाली पर प्रकाश डाला जाता है जो उपभोक्ता को जानकारी न होने का फायदा उठाते हैं।

डीसीडी सूचना का अधिकार से संबंधित अभियान के प्रसारण के रूप में जनता की जागरूकता, अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय की ओर से अल्पसंख्यकों के लिए विभिन्न कल्याण योजनाओं, ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से नरेगा, पेय जल एवं स्वच्छता, आवास, सड़कों आदि जैसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजनाओं के लक्ष्य की दिशा में सरकार के विभिन्न उपायों पर प्रकाश डालता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे अभियान के माध्यम से महिलाओं को शिक्षित करने, बच्चों एवं व्यस्कों को शिक्षित करने, मध्याह्न भोजन के क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला गया है । इसी प्रकार, महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से बालिका, महिला सशक्तीकरण, दहेज विरोधी, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा से संबंधित कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। गृह मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के संबंध में अभियान अर्थात् प्रकृति के अप्रत्याशित खतरे का मुकाबला करने के लिए लोगों को शिक्षित करने पर भी प्रकाश डाला गया है ।

डीसीडी दूरदर्शन ने बालिका के संबंध में "बिटिया ने जन्म लिया" नामक एक म्यूजिक वीडियो कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण किया है, जिसे दूरदर्शन और प्राइवेट टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित किया जाता है । यह बालिका के संबंध में एक विशेष कार्यक्रम है। डीसीडी, दूरदर्शन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ उनके सर्वाधिक महत्वपूर्ण अभियान – देश की सबसे अधिक लंबे समय चलने वाली सिरीज कल्याणी – के संबंध में एक लंबी साझेदारी है । इस कार्यक्रम के प्रभाव के बारे में फील्ड से उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त होने पर मंत्रालय ने 22 केंद्रों में इन हाउस निर्माण और प्रसारण के लिए दूरदर्शन के साथ इस परियोजना की अवधि 8वें वर्ष के लिए बढ़ा दी है । महानिदेशक, दूरदर्शन और अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच इस आशय के एक समझौता ज्ञापन पर अक्तूबर, 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे। यह गर्व की बात है कि कल्याणी के संबंध में लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में उल्लेख किया गया है ।

वित्त वर्ष 2009–10 के दौरान रक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, कृषि मंत्रालय की ओर से एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लि, रेल मंत्रालय तथा रेड रिब्बन एक्सप्रैस (फेज–2) एवं आयुष के लिए कुछ महत्वपूर्ण अभियान शुरू किए गए हैं।

वर्ष 2001–02 में 5 भागीदारों और 9 अभियानों से शुरूआत करके 2008–09 में 23 भागीदारों और 133 अभियानों तक पहुंचने में विकास संप्रेषण प्रभागने पिछले कुछ वर्षों में भारी संख्या में अभियानों की एक लंबी यात्रा तय की है । इस वर्ष अप्रैल, 2009 तक केंद्रीय रूप से तथा क्षेत्रीय केंद्रों में विकास संप्रेषण प्रभाग के सीधे पर्यवेक्षण में 5991 नए कार्यक्रमों का निर्माण किया गया था ।

नैरोकास्टिंग

दूरदर्शन द्वारा आयोजित फसल संगोष्ठी

कृषि के संबंध में क्षेत्र–विशेष की सूचना उपलब्ध कराने के लिए दूरदर्शन द्वारा 2002 में एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई थी तथा इसे पूरे देश के 18 राज्यों में 11 ट्रांसमीटरों के माध्यम से कार्यान्वित किया गया था । "नैरोकास्टिंग" की इस संकल्पना के सफल कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से योजना आयोग को एक प्रस्ताव भेजा गया था । केंद्रीय रूप से प्रायोजित कृषि विस्तार के लिए जन संचार सहायता परियोजना (मास मीडिया सपोर्ट टु एग्रीकल्चर एक्सटेंशन) नामक एक परियोजना जनवरी, 2004 में अनुमोदित और आरंभ की गई थी तथा इसका उद्घाटन तत्कालीन भारत के प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था । यह परियोजना अब चालू वित्त वर्ष (2009–10) के लिए 102.95 करोड़ रुपए के बजट से कार्यान्वित की जा रही है।

कार्यक्रमों में प्रत्येक फसल की विभिन्न प्रौद्योगिकियों, विभिन्न योजनाओं, किसानों की सफलताओं, मौसम की रिपोर्टों, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि समाचार बुलेटिन एवं मंडी के भाव बुलेटिन (बाजार

मूल्यों), न्यूनतम समर्थन मूल्य के प्रचार, खरीफ में बनाए गए कार्यक्रमों तथा डीएसी, कृषि मंत्रालय आदि के द्वारा उपलब्ध कराई गई अन्य सूचना पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम कृषि, उद्यान– कृषि, पशु चिकित्सा, मत्स्य विषयक विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जाते हैं तथा इन क्षेत्रों के सभी पहलुओं को दिन–प्रतिदिन के आधार पर कवर किया जाता है ।

लाइव क्रॉप सेमिनार अधिक बार आयोजित करने के लिए साप्ताहिक लाइव फोन–इन कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं जिनमें संबंधित राज्य/"नैरोकास्टिंग" क्षेत्र के किसान टेलीफोन पर प्रश्न पूछते हैं तथा विशेषज्ञ तत्काल प्रश्नों का समाधान करते हैं ।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के कृषि मौसम प्रभाग, पुणे द्वारा अपनी वेबसाइट पर प्रत्येक केंद्र के विशिष्ट आइकॉन के संबंध में मौसम संबंधी सूचना अद्यतन की जाती हे तथा संबंधित केंद्र सूचना को डाउनलोड कर लेते हैं तथा प्रति सप्ताह बुलेटिन तैयार करते हैं जिनमें संबंधित राज्य की कृषि मौसम विज्ञान संबंधी सूचना दी जाती है । नेशनल चैनल पर तथा 18 क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रतिदिन सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार तक) समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं जिनमें नवीन घटनाओं, नीति, निर्यात, मौसम आदि के बारे में सूचना दी जाती है ।

55 निर्माण केंद्रों के प्रत्येक कार्यक्रम की तारीखवार अनुसूची एक विशिष्ट पोर्टल (www.dacnet.nic.in/csms) , पर अपलोड की जाती है ताकि विस्तार कर्मचारी, योजनाकार और शिक्षित किसान उन कार्यक्रमों के बारे में अग्रिम जानकारी प्राप्त कर सकें जिन्हें प्रतिदिन प्रसारित किया जाएगा ।

केन्द्रीय कमीशनिंग एकांश (सीसीयू)

केंद्रीय कमीशनिंग एकांश दूरदर्शन चैनलों पर प्रसारित करने के लिए विभिन्न विषयों पर सॉफ्टवेयर अर्जित और निर्मित करता है। सीसीयू ने इंडियन क्लासिक्स शीर्षक के तहत पुरालेखीय साहित्यिक कार्यक्रमों का निर्माण करने की परियोजना को जारी रखा है। इंडियन क्लासिक्स कार्यक्रम "कथा सरिता" शीर्षक के तहत डीडी–1 पर हर सोमवार को 21.30 बजे प्रसारित किए जा रहे हैं । इन कार्यक्रमों को काफी प्रशंसा और वाणिज्यिक सहायता मिली है तथा ये कार्यक्रम डीडी–1, डीडी भारती, डीडी उर्दू और क्षेत्रीय चैनलों की सॉफ्टवेयर की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं ।

महाराजा रणजीत सिंह पर कमीशंड कार्यक्रम

केंद्रीय कमीशनिंग एकांश की अन्य उपलब्धियां और पहलें नीचे दिए अनुसार हैं :–

13 कड़ियों की एक श्रृंखला "जंगल का रोमांच – बेदी बंधुओं के साथ" (वाइल्ड एडवेंचर – बेलूनिंग विद बेदी ब्रदर्स) डीडी–1 पर प्रसारित की गई । यह यह अद्वितीय श्रृंखला है, जिससे भारत में पहली बार गरम हवा के गुब्बारे के साथ उड़ान भरते हुए हवाई फोटोग्राफी की गई है । मुंशी प्रेमचंद की दस लघु कहानियों पर सुविख्यात निर्देशक एम.के. रैना द्वारा कार्यक्रम निर्मित किए गए हैं । महाराजा रणजीत सिंह पर 52 कडियों की श्रृंखला निर्माणाधीन है । इस श्रृंखला का निर्देशन सुविख्यात अभिनेता एवं निर्माता श्री राज बब्बर ने किया है ।

लोक सेवा प्रसारण के रूप में हमारी पहल के भाग के रूप में "भारत के किले", "लोकतंत्र के प्रतिष्ठान" और "सामूहिक पूजा के केंद्र" जैसे चुनिंदा विषयों पर विशेष कार्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है । दूरदर्शन ने 3 वर्ष की अवधि के लिए अल्प कालिक अर्जन योजना के तहत कार्यक्रम अर्जित किए हैं। इस योजना के अंतर्गत, दूरदर्शन के चैनलों के लिए हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में विभिन्न शैलियों में कार्यक्रमों की आधे – आधे घंटे की 10,000 से भी अधिक कडियां अर्जित की गई हैं ।

केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र (सीपीसी)

दिल्ली में स्थित केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र (सीपीसी) इस समय 24 घंटे चलने वाले चार चैनलों अर्थात् डीडी न्यूज, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी इंडिया तथा डीडी नेशनल और डीडी भारती जैसे दूरदर्शन चैनलों के ट्रांसमिशन के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है। इसे वृत्तचित्रों और अन्य दूरदर्शन कार्यक्रमों के निर्माण करने में विशेषज्ञता प्राप्त है । हाल के वर्षों में सीपीसी, दूरदर्शन के कार्यक्रमों के प्रोमोज बनाने वाला एक प्रमुख केंद्र बन गया है । डीडी स्पोर्ट्स, डीडी इंडिया, डीडी उर्दू की कार्यक्रम अनुसूची दूरदर्शन महानिदेशालय द्वारा तैयार की जाती है । इसे दूरदर्शन महानिदेशालय के इंडियन क्लासिक अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर 30–30 मिनट की अवधि के कार्यक्रम आबंटित किए गए हैं जो प्रत्येक सोमवार को डीडी–1 (नेशनल नेटवर्क) पर प्रसारित करने के लिए होते हैं । इसके अतिरिक्त दूरदर्शन का केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र समय–समय पर नियमित रूप से उच्च कोटि के कार्यक्रम उपलब्ध कराता/आपूर्ति करता रहता है । दूरदर्शन का केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र "डीडी उर्दू" पर प्रायोजित/कमीशंड कार्यक्रम भी प्रसारित करता है । दूरदर्शन का केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र वर्ष 2009–10 के दौरान पूरे देश के विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों को हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत (शास्त्रीय, सुगम शास्त्रीय, नृत्य आदि) के विशेष कार्यक्रमों की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्हें सुविख्यात उच्च कोटि के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है ।

दूरदर्शन पर गवर्नेंस प्रोजेक्ट में अभिनव परिवर्तन

लोक सेवकों की मीडिया छवि को सुधारने और शासन में लोगों का विश्वास पैदा करने के लिए दूरदर्शन के चैनलों पर उपयुक्त कार्यक्रम/न्यूज स्टोरीज प्रसारित करने अथवा गवर्नेंस में अभिनव परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया। इन कार्यक्रमों/न्यूज स्टोरीज में गवर्नेंस के विभिन्न स्तरों के सरकारी कर्मचारियों द्वारा केंद्र/राज्य प्रशासन में चाहे वह फोरेस्ट गार्ड/सिपाही स्तर का हो या शीर्ष स्तर का अधिकारी, जनता की भलाई के लिए किए गए सामाजिक परिवर्तन में योगदान को दर्शाया गया। मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी को इस प्रकार के सरकारी संस्थान के रूप में चुना गया और उसकी उपलब्धियों को कार्यक्रमों, समाचारों/स्टोरीज के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कई प्रमुख केंद्रों/आरएनयू ने भी अपने–अपने प्रसारण क्षेत्र के लोक सेवकों और उनकी उपलब्धियों

पर वृत्तचित्र, फीचर, साक्षात्कार आदि के रूप में कार्यक्रम/न्यूज स्टोरीज का निर्माण किया है । ये कार्यक्रम संबंधित केंद्र की प्रमुख भाषा में प्रस्तुत किए गए थे ।

क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्र

कार्यक्रम निर्माण के लिए देश में 66 स्टुडियो केंद्र हैं । इनमें से 17 बड़े स्टुडियो केंद्र राज्यों की राजधानियों में हैं तथा 49 लघु स्टुडियो केंद्र अन्य विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं ।

केंद्रों में निर्मित/प्रसारित क्षेत्रीय/स्थनीय कार्यक्रमों को स्थलीय सहायता प्राप्त होती है जिसके लिए प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र में भिन्न–भिन्न क्षमता के कई ट्रांसमिटर होते हैं। केंद्र अपने–अपने कवरेज क्षेत्रों में क्षेत्रीय तथा स्थानीय/क्षेत्र विशेष के कार्यक्रम प्रसारित करते हैं ।

कुछ क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्रों का संक्षिप्त विवरण और वर्ष 2009–10 की अवधि के दौरान उनके कार्यकलाप नीचे दिए गए हैं:

दूरदर्शन दिल्ली

लाभप्रद सूचना और रुचिपूर्ण मनोरंजन के कार्यक्रमों को दर्शकों तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए दिल्ली केंद्र अपने कार्यक्रमों में समाज के विभिन्न रंग और उनका वातावरण प्रस्तुत करने का प्रयास करता है । कुछ ऐसे कार्यक्रमों का स्मरण किया जा सकता है जिनमें विषय–वस्तु और प्रस्तुतीकरण दोनों की गुणता में सुधार करने के केंद्र के प्रयास काफी हद तक दिखाई देते हैं । पहली बार नई कैमरा पोजिशन और जिम्मी जिब की शुरूआत से गणतंत्र दिवस की कवरेज दृश्य और सौंदर्यपरकता की दृष्टि से पूर्णतः एक नया अनुभव था । इसी प्रकार पिछले वर्ष के स्वतंत्रता दिवस की कवरेज की विशेषता यह थी कि पहली बार पांचों समाधियां अर्थात् राजघाट, शांतिवन, विजय स्थल, शक्ति स्थल और वीर भूमि वास्तव में लाइव कवरेज में जुड़ी हुई थी । केंद्र द्वारा किए गए अनेक सीधे (लाइव) प्रसारण नीचे दिए गए हैं:

- आज सवेरे कार्यक्रम में जिन महत्वपूर्ण हस्तियों को आमंत्रित किया गया उनमें शामिल हैं, प्रो. अमर्त्य सेन, दलाई लामा, डा. आर. के पचौरी, नोबल पुरस्कार विजेता, मोहम्मद युनुस, प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन, किरन कार्णिक, गुलजार और देव आनंद ।

'आज सवेरे' के सैट पर देव आनंद के साथ एक साक्षात्कार

- 31 अक्तूबर को श्रीमती फोरी नेहरु का सर्वप्रथम साक्षात्कार "रिमेंबरिंग इंडिया" प्रसारित किया गया और उसके पश्चात 1, सफदरजंग रोड पर आयोजित स्मृति समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- पिछले वर्ष भारत में आम चुनाव हुए थे । इसमें केंद्र का एक महत्वपूर्ण कार्य विभिन्न राजनीतिक दलों के राज नेताओं के विचारों को रिकार्ड करना और प्रसारित करना था ।

- पिछले वर्ष राजनीतिक दलों के लगभग 100 राजनीतिज्ञों का राजनीतिक प्रसारण किया गया था। पृष्ठभूमि में पहली बार दल के चिह्न का वीडियो–इन–ले किया गया था। पहली बार श्रीमती सोनिया गांधी, प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह और विपक्ष के नेता श्री एल.के. आडवाणी को उक्त प्रसारण में शामिल किया गया ।
- केंद्र द्वारा निर्मित कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रमों में "द गोल्डन ट्रायलः डीडी@50", नव वर्ष का कार्यक्रम "रस बरस अबके बरस", वायुसेना अध्यक्ष पी.वी. नायक की युवाओं के साथ परस्पर परिचर्चा शामिल हैं ।
- एसपीजी द्वारा केंद्र से एसपीजी पर एक वृत्तचित्र बनाने का अनुरोध किया गया था । इस फिल्म को एसपीजी दिवस के अवसर पर श्रीमती सोनिया गांधी और प्रधान मंत्री की उपस्थिति में दिखाया गया ।
- हाल ही में प्राप्त की गई हाई डेफिनिशन ओबी वैन से पहली बार थलसेना दिवस की परेड की रिकर्डिंग की गई ।

केंद्र ने 20 करोड़ रुपए के लक्ष्य की तुलना में वित्त वर्ष 2009–10 के दौरान 22.30 करोड़ रुपए की

आम चुनाव 2009 पर दलों का राजनेतिक प्रसारण

आम चुनाव में पार्टी प्रसारण के लिए प्रसारण समय का ब्रीफ

आय अर्जित की तथा वित्त वर्ष 2010–2011 के लिए निर्धारित 25 करोड़ रुपए का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए केंद्र के कार्यकरण को नया रूप दिए जाने की आवश्यकता है ।

प्रत्येक रविवार को हिंदी क्षेत्र नेटवर्क पर सांय 4.00 बजे से 6.30 बजे तक प्रसारित की जाने वाली हिंदी फीचर फिल्म इस केंद्र के लिए राजस्व अर्जित करने वाला एक प्रमुख कार्यक्रम है । इस अकेले स्लॉट से केंद्र औसतन 25–30 लाख रुपए अर्जित करता है ।

डीडी तिरूवनंतपुरम

वर्ष 1985 में अपनी स्थापना से लेकर दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाकर रखी है। केंद्र के कार्यक्रम निर्माण सुविधा केंद्र, तिरुवनंतपुरम, त्रिस्सूर और कालीकट में स्थित हैं तथा इसका स्थलीय ट्रांसमिटरों का नेटवर्क पूरे राज्य में फैला हुआ है। अपने 35 से अधिक स्थलीय ट्रांसमिटरों और 3 निर्माण केंद्रों की सहायता से दूरदर्शन केंद्र तिरुवनंतपुरम, केरल राज्य और संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप एवं माही को तथा केबल या डिजीटल कनेक्शन की सहायता से देश के अन्य भागों को सेवाएं प्रदान करता है।

दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम देश का सबसे अधिक वाणिज्यिक राजस्व अर्जित करने वाला क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्र है। वर्ष 2009–10 के दौरान 10 करोड़ रुपए के लक्ष्य की तुलना में इसका समेकित राजस्व 11 करोड़ था ।

6 सितंबर, 2009 को तिरुवनंतपुरम में दूरदर्शन की पहली पूर्णतः स्वचालित क्षेत्रीय समाचार यूनिट (आरएनयू) चालू हो जाने से समाचारों की विषय–वस्तु और प्रस्तुतीकरण की गुणता में सुधार लाने के केंद्र के प्रयासों को बहुत अधिक बढ़ावा मिला है। कार्यक्रम की विषय–वस्तु के विश्लेषण से पता चलता है कि मनोरंजन के कार्यक्रमों के लिए 37.56%, शिक्षा के लिए 34.99% और सूचना के लिए 27.45% समय आबंटित किया गया है ।

2009–10 के दौरान प्रसारित किए गए महत्त्वपूर्ण लाइव ओबी कार्यक्रम

क्रम. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि मिनट
1.	01.04.2009	जनवाणी (आकाशवाणी कार्यक्रम)	145
2.	06.04.2009	करिक्ककम पोंगल	110
3.	03.05.2009	त्रिस्सूर पूरम	360
4.	08.08.2009	नेहरु ट्राफी नौका दौड़	330
5.	05.09.2009	कोट्टायम नौका दौड़	80
6.	06.09.2009	अरनमुला नौका दौड़	220
7.	11.12.2009	आईआईएफके–2009 उद्घाटन समारोह	60
8.	17.12.2009	आईआईएफके–2009 वरतकल्कु पिन्निल	50
9.	18.12.2009	आईआईएफके समापन समारोह	60
10.	03.01.2010	भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन	110
11.	13.01.2010	सबरीमाला मकर विलक्कु (पूर्व संध्या)	93
12.	14.01.2010	सबरीमाला मकर विलक्कु	300
13.	20.02.2010	चेट्टीकुलनगरा महोत्सव	170
14.	24.02.2010	राज्यपाल का राज्य विधानमंडल को संबोधन	33
15.	28.02.2010	अत्तुकल पोंगल	153
16.	05.03.2010	केरल बजट 2010 का प्रस्तुतीकरण	255
17.	27.03.2010	करिक्कोम पोंगल	105
		कुल सीधा प्रसारण (43 घंटे 54 मिनट)	2634

डीडी कोलकाता

दूरदर्शन कोलकाता ने अपना प्रसारण 9 अगस्त, 1975 को आरंभ किया था तथा दूरदर्शन के आदर्श लक्ष्य अर्थात् शिक्षा, सूचना और मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम प्रसारित किए गए थे । डीडी–1 और डीडी न्यूज द्वारा कवर किया गया क्षेत्रफल और जनसंख्या क्रमशः 97.7%, 97.9% और 55.2%, 64.6% है । वर्ष 2009–10 के दौरान दूरदर्शन कोलकाता का राजस्व अर्जन 16,22,29473 रुपए है ।

वर्ष 2009–10 के दौरान प्रसारित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम नीचे दिए गए हैं:–

- दिनांक 02.04.2009 को 20.00 बजे "शिक्षायतन थेके" कार्यक्रम में टैगोर की कविता "नगरलक्ष्मी" और "पुजारिनी" पर आधारित "बुद्धम शरणम् गच्छामि" नामक कार्यक्रम ।
- दिनांक 11.04.2009 को 18.30 बजे चुनाव 2009 पर "चुनाव पर्यलोचन" (विशेषज्ञ – देवाशीष सेन, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल) कार्यक्रम का सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 15.04.2009 को 07.00 बजे बंगाली नव वर्ष 1416 कार्यक्रम "बैसाखी बैठक" ।
- दिनांक 19.04.2009 को 11.30 बजे विश्व भारती, शांतिनिकेतन पर बंगाली नव वर्ष कार्यक्रम "शांतिनिकेतन नव वर्ष 1416"।
- दिनांक 09.05.2009 को 06.05 बजे रवींद्र सदन और जोरासंको से कवि गुरू रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर "कवि प्रणाम" कार्यक्रम का सीधा प्रसारण। साथ ही "शांतिनिकेतन रवींद्र जयंती" कार्यक्रम में 19.30 बजे शांतिनिकेतन में रवींद्र जयंती ।
- दिनांक 27.05.2009 को 07.00 बजे से 08.00 बजे तक पंडित जवाहरलाल नेहरु की 45वीं पुण्य तिथि का सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 27.06.2009 को 20.00 बजे युक्ति तक्को कार्यक्रम में लालगढ़ पर एक कार्यक्रम "जंगल महले संत्रास विरोधी आएं" (एंटि–टेररिज्म लॉ इन जंगल महल) ।
- दिनांक 19.07.2009 को 15.00 बजे विज्ञान कार्यक्रम "विज्ञान जिज्ञासा" में देश के अब तक के सबसे लंबे पूर्ण सूर्य ग्रहण पर कार्यक्रम ।
- दिनांक 09.08.2009 को 20.25 बजे दूरदर्शन की स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम "कोलकाता दर्शन – 35" ।
- दिनांक 13.01.2010 को 19.30 बजे साउथ 24 परगना के गंगा सागर पर एक कर्टेन रेजर कार्यक्रम तथा इसके बाद 14.01.2010 को 07.00 बजे से 08.15 बजे तक "गंगा सागर मेला" का सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 14.08.2009 को 20.30 बजे स्वतंत्रता आंदोलन के 150 वर्ष पर एक विशेष कार्यक्रम "आमार जन्मभूमि" (मेरी मातृभूमि) ।
- दिनांक 15.09.2009 को 20.00 बजे दूरदर्शन के 50 वर्ष के समारोह पर एक विशेष कार्यक्रम "दूरदर्शन पंचास" ।
- दिनांक 19.08.2009 को 20.00 बजे "घरे बायरे" कार्यक्रम में महिलाओं पर घोर अत्याचार और घरेलू हिंसा को रोकने में महिला आयोग के कार्यकर्ताओं पर कार्यक्रम ।
- दिनांक 25.09.2009 को 06.01 बजे बेलूर मठ से "दुर्गा पूजा" का सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 16.02.2010 को 08.25 बजे रामकृष्ण मठ, कमरपुकुर से श्री रामकृष्ण की जयंती समारोह का सीधा प्रसारण ।
- दिनांक 10.11.2009 को 18.00 बजे कल्चरल काम्पलैक्स, नंदन से 15वें कोलकाता फिल्म समारोह 2009 का सीधा प्रसारण ।
- 31.12.2009 को 21.00 बजे 31 दिसंबर पर "शेष नॉय" नामक विशेष कार्यक्रम

वर्ष 2009–2010 के दौरान, कोलकाता को प्राप्त दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	श्रेणी
1.	शांतानूर छवि	टेलीफिल्म (सर्वोत्तम फिल्म और सर्वोत्तम साहित्यिक रूपान्तरण)
2.	दूरदर्शन आजो	उत्कृष्ट कृति
3.	ह्रदयेर इच्छा	बाल

दूरदर्शन हैदराबाद

दूरदर्शन हैदराबाद ने 23 अक्तूबर, 1977 को प्रसारण आरंभ किया था तथा वर्ष 2009–10 में विभिन्न स्रोतों से इसकी वाणिज्यिक आय 7,44,000 रुपए है । इस अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए:

- गणगंधर्वम: यह केंद्र प्रत्येक शुक्रवार को सायं 08.00 बजे "गणगंधर्वम" नामक एक संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत करता है । यह कार्यक्रम शैली में गायन को प्रोत्साहित करने तथा शास्त्रीय संगीत को जीवित रखने के लिए शुरू किया गया है । यह एक अभिनव सिरीज है ।
- अम्मा: माताओं के संबंध में यह एक उल्लेखनीय कार्यक्रम है । दर्शक भी इस कार्यक्रम में योगदान देते हैं । यह कार्यक्रम प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 7.35 बजे प्रसारित किया गया था ।
- नव्य: महिलाओं का पत्रिका कार्यक्रम – सोमवार से शानिवार तक दोपहर 01.30 बजे। महिलाओं से संबंधित घटनाओं के विभिन्न पहलुओं पर कार्रवाई की दृष्टि से यह एक उपयोगी कार्यक्रम है।
- फसल सेमीनार: इस वित्त वर्ष के दौरान दो फसल सेमीनार आयोजित किए गए – सामाजिक वानिकी पर एक गुंटूर में तथा 8 विभिन्न कृषि एवं सम्बद्ध विषयों पर दूसरा अनकपल्ली, जिला विशाखापट्टनम में। प्रत्येक फसल सेमीनार में लगभग 300 किसानों ने भाग लिया । इन सेमीनारों का सीधा प्रसारण किया गया ।
- लाइव कवरेज: केंद्र द्वारा तिरुमाला श्रीवारी ब्रह्मोत्सवालु, भद्राचलम श्रीसीताराम कल्याणोत्सवम, अन्नावरम श्री सत्यनारायण स्वामी कल्याणोत्सवम, यादगिरीगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी कल्याणोत्सवम, मेदारम सम्मक्का सरलम्मा यात्रा, वेमुलवडा श्री राजराजेश्वर स्वामी कल्याणोत्सवम, गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस समारोहों, अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के दौरों, फसल सेमीनारों, खेल–कूद आयोजनों, 9वें दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोह, डीडी सप्तगिरि वार्षिक समारोह तथा महत्वपूर्ण आयोजनों की सीधी कवरेज की गई ।
- सरकारी कार्यकलापों का प्रचार आंध्र प्रदेश की राज्य सरकार और भारत सरकार के विकास संबंधी कार्यकलापों और कल्याण योजनाओं के कार्यक्रमों के लिए अलग स्लॉट आबंटित करके डीडी–सप्तगिरि द्वारा उन्हें व्यापक रूप से कवर किया गया। इन योजनाओं का प्रसारण "फ्लैगशिप कार्यक्रमों" के तहत किया गया। इन कार्यक्रमों में सरकारी अधिकारियों और हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। भारत में विकास योजनाओं और कार्यकलापों पर प्रकाश डालने वाला भारतदेसा प्रजा विश्वासम (भारत में है विश्वास) नामक कार्यक्रम सोमवार को प्रातः 7.15 बजे प्रसारित किया गया और वीरवार को प्रातः 7.15 बजे इसका पुनः प्रसारण किया गया। अपने विचार व्यक्त करने तथा इन योजनाओं के कार्यान्वयन के फलस्वरूप उन्हें मिले लाभों का उल्लेख करने के लिए इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लोग भाग लेते हैं।

- ❖ पर्यावरण एवं वनों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए "अकुपचचंदामामा" नामक एक धारावाहिक प्रसारित किया गया ।
- ❖ 9वां दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोहः 9वें दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन 30.11.2009 को हैदराबाद में किया गया । माननीय पदम भूषण डा. अक्कीनेनी नागेश्वर राव, सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता डा. डी.रामा नायडु तथा अन्य फिल्म स्टारों और हस्तियों ने समारोह में भाग लिया। पुरस्कार विजेताओं (57) ने विभिन्न श्रेणियों में मुख्य मंत्री और अन्य हस्तियों से पुरस्कार प्राप्त किए तथा समारोह में अनेक अविस्मरणीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए ।
- ❖ केंद्र द्वारा अगस्त, 2009 में विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप की कवरेज की गई ।

पुरस्कार

केंद्र को 2009 में फाइनलिस्ट ग्रीन स्कूल प्रस्ताव के लिए जापान पुरस्कार मिला तथा सीड ऑफ चेंज को 2009 में एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (एबीयू) पुरस्कार मिला ।

केंद्र को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ किए गए 10 प्रतिष्ठित टीवी नंदी पुरस्कार प्राप्त हुए । इन पुरस्कारों के अलावा केंद्र को सर्वश्रेष्ठ अनुकरणीय निर्माण कार्य के लिए महानिदेशक का विशिष्ट दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

दूरदर्शन जालंधर

पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के तथा सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को तथ्यात्मक सूचना प्रदान करने के लिए दूरदर्शन जांलधर ने 13 अप्रैल, 1979 से काम करना शुरू किया था। वर्ष 2009–10 के दौरान विभिन्न स्रोतों से वाणिज्यिक आय 2,43,24,384/– रुपए है । वर्ष 2009–10 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए।

इस वर्ष का नव वर्ष का कार्यक्रम दर्शकों को बहुत अच्छा लगा तथा कार्यक्रम ने वाणिज्यिक राजस्व के रूप में 6.50 लाख रूपए का रिकार्ड राजस्व अर्जित किया और कार्यक्रम के आडियो और वीडियो अधिकारों की बिक्री से 7.5 लाख रुपए प्राप्त किए । यहां यह उल्लेख करना असंगत नहीं होगा कि काफी लम्बे समय के बाद केंद्र नव वर्ष के कार्यक्रम के आडियो और वीडियो अधिकारों की बिक्री करने में सफल हुआ है । वर्ष 2009–10 के दौरान विभिन्न स्रोतों से 6,79,00,000/– रुपए की वाणिज्यिक आय अर्जित की (इसमें डीसीडी शामिल नहीं है) ।

- दूरदर्शन की स्वर्ण जयंती धूमधाम से मनाई गई जिसकी क्षेत्र के दर्शकों द्वारा अत्यधिक प्रशंसा की गई ।
- कार्यक्रम 5 वजे लाइवः विभिन्न सेगमेंटों को मिलाकर सायं 5 से 6 बजे तक एक घंटे की अवधि का एक नया लाइव कार्यक्रम शुरू किया गया जिससे केंद्र को नए दर्शक और पर्याप्त राजस्व मिला है । कार्यक्रम की उचित ढंग से एंकरिंग की जाती है तथा अनेक फोन–इन सेगमेंटों के साथ पूरे सप्ताह लाइव प्रसारित किया जाता है ।
- केंद्र ने इन–हाउस कार्यक्रमों की संख्या बढाकर डीडी पंजाबी चैनल (उपग्रह) पर 93.57% और डीडी–क्षेत्रीय चैनल पर 91% कार्यक्रम कर दी है । इससे केंद्र अधिक राजस्व अर्जित करने में सफल हुआ है ।

विशेष अवसरों पर विशेष कार्यक्रम निर्मित करके वर्ष के दौरान अनेक समारोह आयोजित किए गए । इनमें से कुछ समारोह निम्नानुसार हैं:–

डीडी उपग्रह चैनल की वर्षगांठ

डीडी उपग्रह चैनल की वर्षगांठ 05.08.2009 को मनाई गई जिसके लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सुप्रसिद्ध एवं लोकप्रिय पंजाबी गायकों को आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने आमंत्रित दर्शकों के सम्मुख कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

दूरदर्शन स्थापना दिवस

दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती समारोह की शुरूआत में केंद्र में दूरदर्शन स्थापना दिवस मनाया गया । इसमें एक विशेष संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसे आमंत्रित दर्शकों के सामने लाइव प्रसारित किया गया । इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लोकप्रिय गायकों ने भाग लिया और उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

नव वर्ष की पूर्वसंध्या पर कार्यक्रम

दूरदर्शन केंद्र ने एक घंटे के कार्यक्रम की योजना बनाई और इसका निर्माण किया, जिसे नव वर्ष की पूर्वसंध्या अर्थात् 31 दिसंबर, 2009 को प्रसारित किया गया । यह कार्यक्रम केंद्र के स्टुडियो में आमंत्रित दर्शकों के सामने रिकार्ड किया गया । राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के बहुत ही सुप्रसिद्ध, लोकप्रिय और प्रतिष्ठित गायकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा श्रोताओं, दर्शकों तथा स्थानीय प्रैस ने कार्यक्रम की खूब सराहना की । इस कार्यक्रम ने 14 लाख रुपए का रिकार्ड राजस्व अर्जित किया (6.5 लाख रुपए वाणिज्यिक राजस्व के रूप में तथा 7.5 लाख रुपए कार्यक्रम के ऑडियो और वीडियो अधिकारों की बिक्री से) ।

धारावाहिक महाराजा रणजीत सिंह का प्री–लांच

धारावाहिक महाराजा रणजीत सिंह के प्री–लांच के रूप में डीडी स्टुडियो में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बलजीत सिंह लाली मुख्य अतिथि थे तथा दूरदर्शन महानिदेशक, श्रीमती अरुणा शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थी । क्षेत्रीय प्रैस द्वारा कार्यक्रम को समुचित रूप से कवर किया गया । प्रैस ने धारावाहिक महाराजा रणजीत सिंह में पंजाब के इतिहास को पुनरूज्जीवित करने के दूरदर्शन के प्रयासों की बहुत सराहना की ।

वार्षिक दूरदर्शन पुरस्कार

वर्ष के दौरान दूरदर्शन केंद्र, जालंधर ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते:–

(क) सर्वश्रेष्ठ टीवी शो

(ख) सर्वश्रेष्ठ प्रोमो

(ग) सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटेग्राफी

वर्ष के दौरान पुरस्कारों के लिए चार कार्यक्रमों को नामित किया गया:

(क) संगीत

(ख) स्पॉट

(ग) लाइव ओ.बी.

(घ) कृषि (नैरोकास्टिंग)

दूरदर्शन गुवाहाटी

कार्यक्रम निर्माण केंद्र की स्थापना 1990 में की गई थी तथा इस केंद्र से क्षेत्रीय सेवाओं का प्रसारण मई, 1993 में शुरु हुआ। एक बार शुरूआत हो जाने के बाद इसने फिर पीछे मुडकर नहीं देखा। वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र के प्रमुख कार्यकलाप नीचे दिए गए है:–

- "संभावना अरु राष्ट्रीय अखंडता" नामक काव्य गोष्ठी का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें असम के सुविख्यात कवियों को अपनी स्वरचित हिंदी कविताओं का पाठ करने के लिए आमंत्रित किया गया था । इसे 28.05.2009 को प्रसारित किया गया था ।
- शिल्पी सैनिक कलागुरू विष्णु प्रसाद राभा पर आधारित एक संगीत कार्यक्रम 20.06.2009 को प्रसारित किया गया ।
- केंद्र ने असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से कई फोन–इन लाइव कार्यक्रम आयोजित किए। परिचर्चा के अलावा, इसमें एड्स की विषय–वस्तु पर आधारित संगीत/गीत जैसी सामग्री शामिल थी ।
- रेल बजट पर एक लाइव परिचर्चा 03.07.2009 को प्रसारित की गई जिसमें रेलवे एसोसिएशन के कुछ विशिष्ट व्यक्तियों, अर्थशास्त्रियों आदि ने भाग लिया ।
- आम बजट के विश्लेषण पर एक विशेष लाइव कार्यक्रम 07.07.2009 को प्रसारित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया ।
- स्वर्ण जयंती समारोह – 5 दिसंबर, 2009 को सायं 6.00 बजे डीडी–1, डीडी–13 और डीडी भारती पर "सोनाली संध्या" नामक लोक संध्या का सीधा प्रसारण तथा 6 दिसंबर, 2009 को सायं 6.00 बजे से सायं 8.00 बजे तक डीडी–1, डीडी–13 और डीडी भारती पर "द गोल्डन ओडिसी" नामक पाश्चात्य संगीत संध्या का प्रसारण किया गया ।
- उत्तर–पूर्वी लोक नृत्य एवं मृदंग समारोह – 20 फरवरी, 2010 को डीडी–1, डीडी–II और डीडी भारती पर "रिदमिक नार्थ ईस्ट" नामक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया । असम के माननीय राज्यपाल श्री जे.बी. पटनायक मुख्य अतिथि थे तथा श्री बी.एस. लाली, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती इस अवसर पर विशेष अतिथि थे । यह कार्यक्रम 21.02.2010 को भी सायं 5.30 से सायं 8.00 बजे तक जारी रखा गया । डीडी–1, डीडी–13 और डीडी भारती पर इसका सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें मेघालय के माननीय राज्यपाल श्री रणजीत मूशाहरि मुख्य अतिथि थे और श्रीमती अरुणा शर्मा, महानिदेशक, दूरदर्शन, नई दिल्ली इस अवसर पर विशेष अतिथि थी। दोनों दिन पूरे उत्तर–पूर्व के राज्यों के लोक कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए ।
- 24 मार्च, 2010 को सायं 5.30 बजे से सायं 8.00 बजे तक डीडी–1, डीडी–13 और डीडी भारती पर रजत जयंती समारोह का सीधा प्रसारण किया गया । इस अवसर पर "रूपाली संध्या" नामक कार्यक्रम प्रसारित किया गया जिसमें श्री वी. शिवकुमार, सदस्य, प्रसार भारती बोर्ड विशेष अतिथि और असम के मुख्य मंत्री श्री तरूण गोगोई मुख्य अतिथि थे ।

दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी को प्राप्त वार्षिक पुरस्कार

केंद्र ने वर्ष 2009 के दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कारों में नीचे दिए गए 3 पुरस्कार जीते:–

क. वन्य जीवन और पर्यावरण की श्रेणी में – श्री हरेश्वर लस्कर, सहायक केंद्र निदेशक और श्री बिधु दत्ता, प्रस्तुति सहायक द्वारा निर्मित "असमः दी ट्रेजर ट्रोव ऑफ नेचर" को वर्ष 2009 की सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का पुरस्कार मिला ।

ख. महिलाओं की श्रेणी में – श्रीमती अजंता दास, प्रस्तुति सहायक द्वारा निर्मित "एकाजोली रोड" (थोड़ी सी रोशनी) नामक कार्यक्रम ने वर्ष 2009 का "सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि" पुरस्कार जीता ।

ग. दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी को उत्तर–पूर्व क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुरक्षित केंद्र की श्रेणी में पुरस्कार मिला– श्री ए.के. मंगलगी, अधीक्षण अभियंता, दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी ने केंद्र की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया ।

दूरदर्शन भुवनेश्वर

उड़ीसा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मूल निर्माण केंद्र की स्थापना 1974 में की गई थी जिसे बाद में 1975 के दौरान एसआईटीई कार्यक्रम के दौरान महत्व प्राप्त हुआ तथा अंततः केंद्र को 1992 में कटक से भुवनेश्वर शिफ्ट कर दिया गया। वर्ष 2009–10 की अवधि के दौरान विभिन्न स्रोतों से वाणिज्यिक आय 8,09,56,800 रुपए है।

वर्ष 2009–10 की अवधि के दौरान मुख्य कार्यकलाप नीचे दिए गए हैं:–

- पुरी से भगवान जगन्नाथ की श्री गुंडिचा यात्रा 24.06.2009 क्षेत्रीय सेवा और राष्ट्रीय सेवा में प्रातः 8.00 बजे से सायं 4.30 बजे तक प्रसारित की गई।
- दूरदर्शन स्थापना दिवस का कार्यक्रम "सप्तरंग" दिनांक 15.09.2009 को स्टुडियो से (2 घंटे) प्रसारित किया गया।
- बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम "रक्त गोलप" 13.11.2009 को स्टुडियो से सायं 4.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक प्रसारित किया गया।
- मुक्तेश्वर नृत्य समारोह – पर्यटन और संस्कृति विभाग, उड़ीसा सरकार का ओडिसी नृत्य पर आधारित उत्कृष्ट वार्षिक महोत्सव 14 से 16 जनवरी, 2010 तक 9 घंटे प्रसारित किया गया । यह कार्यक्रम डीडी भारती पर सीधा प्रसारित किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम "अनुपमा" दिनांक 06.03.2010 को सायं 05.00 बजे से सायं 07.00 बजे तक लाइव प्रसारित किया गया तथा आमंत्रित दर्शकों के सामने राज्य की महत्वपूर्ण प्रतिभावान महिलाओं का सम्मान किया गया।
- आमंत्रित दर्शकों के सामने 8 से 12 मार्च, 2010 तक शास्त्रीय ओडिसी नृत्य समारोह का आयोजन किया गया तथा उड़ीसा के प्रतिष्ठित स्थापित कलाकारों का सम्मान किया गया।
- आमंत्रित दर्शकों के सामने 28.03.2010 को एक विशेष कार्यक्रम "मो ओडिशा" रिकार्ड किया गया तथा उड़ीसा की विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।
- 11 से 14 जनवरी, 2010 तक महामहिम दलाई लामा के उड़ीसा दौरे और गजपति जिले के चंद्रगिरि में एशिया के सबसे विशाल बुद्ध मंदिर के उद्घाटन पर कार्यक्रम प्रसारित किए गए ।
- आतंक विरोधी संदेश का प्रसार करने के लिए 5 जनवरी, 2010 को कश्मीर की बहादुर लड़की रूखसाना और मनिन्दर सिंह बिट्टा का उड़ीसा दौरा।
- 8 से 12 जनवरी, 2010 तक 15 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित किया गया (राष्ट्रीय एकता अखंडता को मजबूत करने के लिए)।
- 14 जनवरी, 2010 को नक्सल प्रभावित क्षेत्र गजपति एवं रायगडा के नौपाड़ा और गुनुपुर के बीच नई ब्रॉड गेज रेल लाइन का उदघाटन।

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2009

रथ यात्रा 2009 का सीधा प्रसारण, क्षेत्रीय, नेशनल और अंतर्राष्ट्रीय चैनलों पर 8 घंटे 45 मिनट का

सबसे बड़ा रियल्टी शो (निर्माताः श्री विजय कुमार कार) ।

युवा श्रेणी में तम्बाकु विरोधी युवा कार्यक्रम "निशा" (निर्माताः श्री दुर्गा दत्त कानूनगो) ।

वृत्तचित्र श्रेणी में भगवान जगन्नाथ – सर्वधर्म समन्वय (निर्माता श्री गौर गोपाल दास) ।

"माटी के लोग" कार्यक्रम में गांधी दर्शन के लिए विशेष पुरस्कार (निर्माताः श्रीमती जयंती रथ और श्रीमती सुनीति देवी) ।

महिला देह व्यापार और पुनर्वास के संबंध में कार्यक्रम के लिए लोक सेवा प्रसारण पुरस्कार (निर्माताः श्रीमती सुनीति देवी)

सर्वश्रेष्ठ महिला निर्माता के लिए महानिदेशक का विशेष पुरस्कार (पुरस्कार विजेता : श्रीमती सुनीति देवी)

दूरदर्शन रांची

दूरदर्शन रांची प्राथमिकता के आधार पर 25 सितंबर, 1984 को चालू किया गया था। केंद्र में 2 अप्रैल, 2002 तक क्षेत्र विशेष से संबंधित कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता था । दिनांक 2 अप्रैल, 2002 को यह केंद्र एक क्षेत्रीय यूनिट बन गया और इसकी कवरेज का विस्तार पूरे झारखंड में हो गया। केंद्र से क्षेत्रीय समाचारों का प्रसारण 2 अप्रैल, 2002 से शुरू हो गया। वर्ष 2009–10 की राजस्व आय रू0 1,09,68,000/– रुपए है । इस अवधि के दौरान प्रसारित किए गए कुछ महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम नीचे दिए गए हैं:–

- दिनांक 15.09.2009 को स्थापना दिवस के अवसर पर दूरदर्शन की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम "मोर हीरा नागपुर" प्रसारित किया गया । इस अवसर पर नृत्य और जनजातीय भाषाओं में व्यंगिकाओं सहित लगभग 15 सांस्कृतिक मदों का मंचन किया गया ।
- 4 अगस्त, 2009 को एक लोक संगीत समारोह "कजरी उत्सव" का सीधा प्रसारण किया गया।
- नव वर्ष के अवसर पर 11 जनवरी, 2010 को केंद्र में कविता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- केंद्र द्वारा निर्मित टेली फिल्में "बेस्ट वर्कर" और "गलत" 24 फरवरी, 2010 को आमंत्रित दर्शकों को दिखाई गई ।
- आमंत्रित दर्शकों की उपस्थिति में केंद्र परिसर में 26 मार्च, 2010 को "कव्वाली" का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया । इमतियाज भारती, संजीदा पौढवाल जैसे प्रतिष्ठित कलाकारों और उनके दलों ने कार्यक्रम में शिरकत की ।
- आमंत्रित दर्शकों के सम्मुख 27 मार्च, 2010 को क्षेत्र का लोक महोत्सव "सरहुल लोक महोत्सव 2010" आयोजित किया गया। इसमें आमंत्रित दर्शकों के सामने झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब और राजस्थान के लोक संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । दिनांक 30 मार्च, 2010 को आमंत्रित दर्शकों के सामने केंद्र के स्टुडियो में एक कविता पाठ कार्यक्रम "अप्रैल फूल काव्योत्सव" का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्य के तथा भारत के अन्य प्रदेशों के प्रतिष्ठित कवियों को आमंत्रित किया गया था ।

अन्य कार्यकलाप

- चुनाव कवेरजः दूरदर्शन केंद्र, रांची ने मई 2009 में 14वें संसदीय चुनावों और दिसंबर, 2009 में

विधान सभा के चुनावों के अवसर पर विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनाव घोषणा पत्रों के प्रसारण की व्यवस्था की ।

- मेलों और त्योहारों की कवरेजः सरहुल, कर्मा, राम नवमी, रथ यात्रा, दुर्गा पूजा, दीपावली आदि जैसे मेलों और त्योहारों की व्यापक रूप से टीवी कवेरज/टीवी रिपोर्टिंग की गई ।
- वर्षगांठ के कार्यक्रमः दिनांक 14.04.2009 को डा. बी.आर. अंबडेकर की जयंती, 15.11.2009 को भगवान बिरसा मुंडा तथा साथ ही 15.11.2009 को झारखंड राज्य की स्थापना दिवस के अवसर पर महान विभूतियों को श्रृद्धांजलि अर्पित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए ।
- खेलकूद की कवरेजः 7 जून, 2009 को जमशेदपुर में आयोजित इंडियन ग्रांड प्री सिरीज की चौथी लैग की केंद्र द्वारा कवरेज की गई । 10 जून, 2009 को बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित इंडियन ग्रांड प्री सिरीज की पांचवी लैग की केंद्र द्वारा कवरेज की गई और बाद में इसका प्रसारण किया गया ।

दूरर्शन भोपाल

दूरदर्शन केंद्र, भोपाल का स्टुडियो 20 अक्तूबर, 1992 को चालू किया गया था। हालांकि ट्रांसमिशन की मुख्य भाषा हिंदी है फिर भी मध्य प्रदेश के विभिन्न भागों में बोली जाने वाली अन्य बोलियों अर्थात् बघेली, बुंदेली, निमारी और मालवी के कार्यक्रमों को भी प्रसारण में शामिल किया जाता है । केंद्र द्वारा वर्ष 2009–10 के दौरान अर्जित राजस्व 8,17,77,950/– रुपए है ।

लाइव कार्यक्रमों सहित वर्ष की महत्वपूर्ण कवरेज

खजुराहो नृत्य समारोह, खजुराहो, तानसेन समारोह, ग्वालियर, आकाशवाणी भोपाल का स्वर्ण जयंती समारोह, महामहिम राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री के दौरे, भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में कृषि सेमीनार आदि की लाइव कवरेज। झबुआ में कृषि मेले तथा राजानांदगांव में हॉकी टूनामेंट का आस्थगित लाइव प्रसारण ।

क्षेत्रीय क्लासिक फिल्मों का निर्माण

प्रतिष्ठित लेखकों की कहानियों पर आधारित तीन क्लासिक फिल्मों का निर्माण किया गया था तथा इन्हें नेशनल नेटवर्क को भेज दिया गया जिन्हें "कथा सरिता" सिरीज के तहत प्रसारित किया जा रहा है। ये फिल्में हैं:–

(क) नौ साल छोटी पत्नी,	लेखक रवींद्र कालिया, निर्माता नीलेश रघुवंशी ।
(ख) कमलेश्वर द्वारा लिखित चप्पल	निर्माता मुकेश शर्मा ।
(ग) गुलरा के बाबा, लेखक मार्कंडेय,	निर्माता मोहन द्विवेदी।

दूरदर्शन गोरखपुर

दूरदर्शन केंद्र, गोरखपुर का उद्घाटन 14.11.1984 को हुआ था । दर्शकों की मांग को ध्यान में रखते हुए केंद्र कृषि, बच्चों, महिलाओं आदि के बारे में कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है, जिन्हें सायं 5.30 बजे से सायं 7.00 बजे प्रसारित किया जाता है। केंद्र द्वारा कवर किया जाने वाला मुख्य क्षेत्र फैजाबाद, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर, देवरिया और कुशी नगर हैं ।

वर्ष 2009–10 के दौरान वाणिज्यिक आय 13,67,750/– रु. की थी । वर्ष 2009–10 के दौरान प्रसारित किए गए मुख्य कार्यक्रम निम्नानुसार हैं:

- दिनांक 9.5.2009 को "पर्यावरण को स्वच्छ कैसे बनाएं" नामक विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम प्रसारित किया गया था ।
- दिनांक 14.5.2009 को डा. भीम राव अंबेडकर के जन्म दिवस पर परिचर्चा कार्यक्रम प्रसारित किया गया था ।
- दिनांक 18.05.2009 को महिला सशक्तीकरण पर "चपराहिया" नामक एक नाटक प्रसारित किया गया था ।
- दिनांक 31.7.2009 को "मुंशी प्रेमचंद और गोरखपुर" पर एक वृत्तचित्र प्रसारित किया गया था ।
- दिनांक 14.11.2009 को इस केंद्र की रजत जयंती की पूर्व संध्या पर एक संगीत–गोष्ठी का आयोजन किया गया था । इस समारोह पर आधारित कार्यक्रम दिनांक 18.11.2009 को प्रसारित किया गया था ।
- "लोक प्रसारण दिवस" की पूर्व संध्या पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रसारण दिनांक 8.12.2009 को किया गया था ।
- होली के अवसर पर एक हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया था और दिनांक 16.3.2010 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 18.04.2009 को "भूमि के सूक्ष्म तत्वों का संरक्षण" नामक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था तथा दिनांक 21.04.2009 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 14.05.2009 को "नकली खाद बीज की पहचान" नामक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था तथा दिनांक 15.05.2009 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 03.08.2009 को "राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन" नामक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था तथा दिनांक 25.08.2009 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 19.09.2009 को मशरूम की खेती पर एक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था तथा दिनांक 28.09.2009 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 11.11.2009 को "बर्ड फ्लू : कारण और निवारण" नामक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था और दिनांक 16.11.2009 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 06.01.2010 को "फव्वारा और टपक विधि से सिंचाई" नामक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था तथा दिनांक 11.01.2010 को उसका प्रसारण किया गया था।
- दिनांक 23.02.2010 को किसान गोष्ठी की रिकार्डिंग की गई थी तथा दिनांक 02.03.2010 को उसका प्रसारण किया गया था ।
- दिनांक 23.03.2010 को "कृषि वानिकी" नामक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया था तथा दिनांक 29.03.2010 को उसका प्रसारण किया गया था ।

दूरदर्शन राजकोट

दूरदर्शन केंद्र, राजकोट का शुभारंभ उस क्षेत्र के लोगों की जरूरतों तथा अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए दिनांक 30 अगस्त, 1984 को किया गया था । इस केंद्र से सप्ताह में पांच दिन अर्थात सोमवार से शुक्रवार तक सायं 5.30 बजे से 6.30 बजे तक केवल एक घंटे का प्रसारण होता है । इसके सभी कार्यक्रम स्व–निर्मित होते हैं तथा वे गुजराती भाषा में होते हैं। वर्ष 2009–10 के दौरान विभिन्न स्रोतों से इस केंद्र की वाणिज्यिक आय 5,03,000/– रु. है । वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र द्वारा प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम निम्नानुसार हैं :–

- "चट सवाल पट जवाब" नामक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम सौराष्ट्र के इंटर–कालेज विद्यार्थियों के लिए एक अच्छा कार्यक्रम है, जिसका प्रायोजन सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है ।
- केंद्र द्वारा "ग्लोबल वार्मिंग" नामक एक टेलीविजन नाटक (टेलीप्ले) का निर्माण और प्रसारण किया गया था ।
- जनवरी, 2010 में संसदीय राजभाषा समिति के लिए लोक गीतों और लोक नृत्य पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था ।

दूरदर्शन लेह

लद्दाख क्षेत्र के लोगों की महत्वपूर्ण आकांक्षा को पूरा करने के लिए दूरदर्शन केंद्र, लेह वर्ष 2002 में अस्तित्व में आया था। इस समय इस केंद्र से सप्ताह में पांच दिन सोमवार से शुक्रवार तक सायं 6.00 बजे से 7.00 बजे तक 1 घंटा कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इनमें अधिकांश कार्यक्रम बोधि बलती और तिब्बतन भाषाओं में होते हैं। यह केंद्र सायं 7.15 से 7.30 बजे तक उर्दू में समाचार बुलेटिन और प्रातः 7.00 से 11.00 बजे तक डीडी कशीर का भी प्रसारण करता है। वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र की प्रमुख गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

- लद्दाख के समाज के सामने आने वाले सामाजिक–आर्थिक मुद्दों के अलावा सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने वाले एक धारावाहिक का निर्माण किया गया था। इस कार्यक्रम के निर्माण में सुविख्यात बाहरी निर्देशकों को भी शामिल किया गया था ।
- पर्यावरण और वन्य जीवन के संरक्षण पर तेरह कड़ी की एक प्रश्नोत्तरी शो का निर्माण किया गया। यह कार्यक्रम लद्दाख के वन्य जीवन विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया था और इस कार्यक्रम में 30 से ज्यादा स्कूली छात्रों ने भाग लिया था ।
- चूंकि लेह एक अल्पसंख्यक जिला है इसलिए एससी/एसटी पर कार्यक्रमों के अतिरिक्त अल्पसंख्यकों के कल्याण पर कई कार्यक्रमों का निर्माण किया गया था । कल्याण उपाय भी इस प्रसारण का हिस्सा थे ।
- माननीय दलाईलामा के लद्दाख के पूरे दौरे को कवर करने वाली टीवी रिपोर्ट के अतिरिक्त उनका इंटरव्यू भी रिकार्ड किया गया था ।
- लद्दाख उत्सव और सिंहे खबास पर एक कार्यक्रम बनाया गया था तथा इस उत्सव के दौरान सिंधु सभ्यता पर विशेष जोर देते हुए इससे संबंधित सांस्कृतिक शो और खेल आयोजनों की भी कवरेज की गई थी ।

दूरदर्शन मुंबई

देश में सबसे पुराने दूरदर्शन केंद्रों में से एक इस केंद्र का शुभारंभ 2 अक्तूबर, 1972 को किया गया था और इसके बाद अपने 38 वर्ष के अस्तित्व के दौरान इस केंद्र ने कई विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं । दूरदर्शन केंद्र, मुंबई ने वर्ष 2009–10 के दौरान 45 करोड़ रुपए के वाणिज्यिक राजस्व के लक्ष्य की तुलना में 46,99,00,000/– रु. (कृषि कार्यक्रमों और डीसीडी कार्यक्रमों को छोड़कर) अर्जित किए ।

वर्ष 2009–10 के दौरान दूरदर्शन, मुंबई के कुछ प्रमुख कार्यक्रम/गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

- सहयाद्रि नवरत्न पुरस्कार — मई, 2009
- लोक सभा चुनाव कवरेज — मई, 2009
- अंतर्राष्ट्रीय महिला टेनिस चेंपियनशिप — मई, 2009
- गणेश उत्सव विशेष कार्यक्रम — अगस्त, 2009

- फेमिली डॉट कॉम – नया धारावाहिक — अगस्त, 2009
- रेशिम गथी – ए बाँड फारऐवर – युगलों के लिए नया कार्यक्रम — अगस्त, 2009
- दूरदर्शन की स्वर्ण जयंती पर समारोह — सितंबर, 2009
- महाराष्ट्र राज्य विधान सभा चुनाव की कवरेज — सितंबर–अक्तूबर, 2009
- नवज्योति पुरस्कार — अक्तूबर–नवंबर, 2009
- सलाम मुंबई – 26/11 पर वृत्तचित्र — नवंबर, 2009
- भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की कवरेज — नवंबर, 2009
- राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए "चुलबुली फिल्में चटपटी गपशप" नामक फिल्म आधारित बच्चों का कार्यक्रम — दिसंबर, 2009
- राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए वित्तीय साक्षरता पर "मनी प्लांट" नामक कार्यक्रम — दिसंबर, 2009
- राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए "जय हो 2010" नामक नव वर्ष की पूर्व संध्या के लिए कार्यक्रम — दिसंबर, 2009
- सहयाद्रि चैनल के लिए "स्वागतम 2010" नामक नव वर्ष की पूर्व संध्या के लिए कार्यक्रम — दिसंबर, 2009
- कृषि रत्न पुरस्कार — फरवरी, 2010
- हिरकनी पुरस्कार — मार्च, 2010

वर्ष 2009–10 में नए एसएफसी कार्यक्रमों की शुरुआत

1. 'आनी अचानक' सोमवार को अपराह्न 3.30 बजे प्रसारित — अक्तूबर, 2009
2. 'भूमिका' गुरुवार और शुक्रवार को अपराह्न 4.10 बजे प्रसारित — अक्तूबर, 2009
3. 'विधिलिखित' मंगलवार और बुधवार को अपराह्न 3.30 बजे प्रसारित — अक्तूबर,2009
4. 'दिस्टा तासा नास्ता' गुरुवार और शुक्रवार को अपराह्न 4.35 बजे प्रसारित — जनवरी, 2010
5. 'तिमिर स्वप्न' सोमवार को अपराह्न 4.10 बजे प्रसारित — जनवरी, 2010
6. 'अभियान' सोमवार को सायं 7.35 बजे प्रसारित — जनवरी, 2010
7. 'एक रिकामा घरता' सोमवार को अपराह्न 4.35 बजे प्रसारित — फरवरी, 2010

वर्ष 2009–10 में विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत :

- रेशिम गथी – ए ब्राँड फारऐवर – युगलों के लिए नया कार्यक्रम
- शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम बढ़ाया गया

वर्ष 2009–10 में डीडी नेशनल के लिए निर्मित नए कार्यक्रम :

(i) 'चुलबुली फिल्में चटपटी गपशप' फिल्म आधारित बच्चों का कार्यक्रम (नवंबर, 2009 से)

(ii) 'मनी प्लांट' वित्तीय शिक्षा पर कार्यक्रम (नवंबर, 2009 से)

(iii) दूरदर्शन कार्यक्रमों का स्वर्ण जयंती वर्ष

(iv) कोलगेट टॉप टेन

दूरदर्शन पुरस्कार 2009–10

क्रम	श्रेणी	कार्यक्रम	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
1.	सर्वश्रेष्ठ दूरदर्शन	–	श्री एल.के. चोपड़ा, वरिष्ठ निदेशक
2.	स्पॉट	भारत में है विश्वास	श्री यू.एन. नायक, वीडियो निष्पादक
3.	स्क्रीन प्ले	मंजुला	श्री पी. मधुसूदन पिल्लै, एडिट सुपरवाइजर
4.	खेल	जलक्रीड़ा चैंपियनशिप	श्री वी.वाई. पवार, कार्यक्रम निष्पादक
5.	संपादन	मंजुला	श्रीमती शुभांगी सावंत, फिल्म वीडियो संपादक

दूरदर्शन गंगटोक

दूरदर्शन केंद्र, गंगटोक का कवरेज क्षेत्र 25 कि.मी. रेडियस (लगभग) है और यह एंची मोनेस्टरी के सामने स्थित है । इस केंद्र का प्रसारण समय 05.30 बजे से 22.30/24.00 बजे तक है और यह केंद्र 17.30 बजे से 18.30 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार तक) स्थलीय मोड में कार्यक्रम प्रसारित करता है। इसमें आधे घंटे की अवधि के लिए अधिकतर नेपाली भाषा में कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र द्वारा अर्जित राजस्व 1,42,287/– रु. है । वर्ष 2009–10 की अवधि के दौरान केंद्र द्वारा प्रसारित कुछ प्रमुख कार्यक्रम निम्नानुसार हैं:

- भारत निर्माण : यह अग्रणी (फ्लैगशिप) कार्यक्रम प्रत्येक शुक्रवार को सायं 6.00 बजे प्रसारित किया जाता है और यह प्रधानमंत्री के 20 सूत्री कार्यक्रम को कवर करता है। यह मुख्य रूप से लाभार्थियों और उनकी गतिविधियों के साथ क्षेत्र आधारित इंटरेक्टिव कार्यक्रम है ।
- सिक्किम राउंड–अप कार्यक्रम : इस कार्यक्रम में सिक्किम के आस–पास के विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक आयोजनों, धार्मिक उत्सवों और अन्य स्थानीय प्रमुख घटनाओं को कवर किया जाता है। 30 मिनट की अवधि का यह कार्यक्रम प्रत्येक पहले, तीसरे और पांचवें बुधवार को सायं 6.00 बजे प्रसारित किया गया।
- भारत के राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति के दौरे और 2009 में लोक सभा चुनाव की भी व्यापक कवरेज की गई ।

दूरदर्शन तुरा

क्षेत्र के लोगों की विशिष्ट जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 31 मई, 1993 को दूरदर्शन, तुरा का शुभारंभ किया गया था । इस केंद्र से गारो, कोच, हाजोंग, असमिया, नेपाली, बंगाली और हिंदी भाषा में कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं । वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र द्वारा कार्यक्रम प्रायोजकता और ट्रांसफर प्रभारों से अर्जित राजस्व 20,024/– रु. है । सामान्य दिन–प्रतिदिन कार्यक्रमों के अतिरिक्त इस केंद्र ने वर्ष 2009–10 के दौरान कुछ विशेष कार्यक्रम किए हैं जो निम्नानुसार हैं:

- केंद्र ने स्टुडियो में क्रिसमस और नव वर्ष कार्यक्रम का आयोजन और रिकार्डिंग की थी । इसने गारो हिल्स के सभी जिला प्रशासनों द्वारा आयोजित शीतोत्सव की रिकार्डिंग और प्रसारण भी किया था ।

- 31 मई, 2009 को स्थापना दिवस और 15 सितंबर को दूरदर्शन की 50वीं वर्षगांठ की रिकार्डिंग और प्रसारण किया गया था । इसके अतिरिक्त विश्व पर्यटन दिवस की रिकार्डिंग और प्रसारण भी किया गया था ।
- इस अवधि के दौरान बोलचुगरे गांव के ग्रामीणों के साथ एचआईवी एड्स पर इंटरएक्शन कार्यक्रम और एचआईवी एड्स पोजीटिव औरत का साक्षात्कार प्रसारित किया गया था । इसके अतिरिक्त "महिलाओं के अधिकार" पर विशेष महिला कार्यक्रम भी शुरु किया गया था ।

दूरदर्शन पणजी

दूरदर्शन केंद्र, पणजी का शुभारंभ वर्ष 1982 में एशियाई खेलों की पूर्व संध्या पर 1 कि.वा. डीडी–1 ट्रांसमीटर के साथ किया गया था । वर्तमान स्टुडियो का निर्माण और उसका शुभारंभ 23.06.1990 को किया गया था । स्थानीय कार्यक्रम निर्माण और प्रसारण अप्रैल, 1994 से 30 मिनट से बढ़कर 60 मिनट हो गया था तथा अक्तूबर, 1986 से मराठी कार्यक्रम शुरु किए गए थे (मराठी कार्यक्रमों की शुरुआत के साथ प्रसारण समय बढ़कर 75 मिनट हो गया था) । इस केंद्र को 5 लाख रु. का वाणिज्यिक राजस्व लक्ष्य दिया गया था जो सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया था । वर्ष 2009–10 के दौरान कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

- **सूचना का अधिकार अधिनियम** : आम जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए केंद्र ने इस अधिनियम के तहत लाइव फोन–इन कार्यक्रम, परिचर्चा और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- **स्वास्थ्य कार्यक्रम** : वैजुली मलार – एक साप्ताहिक स्वास्थ्य कार्यक्रम जिसमें स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को उठाया गया है । इस कार्यक्रम में फ्लेरिया, मलेरिया और चिकनगुनिया का फैलने से रोकने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया है । एड्स के प्रति जागरूकता, कुष्ठ निवारण और रोगवाहक कीटाणुओं से होने वाले रोगों पर महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रसारित किए गए थे ।
- **सरभौतानी** : इस साप्ताहिक सामाजिक–सांस्कृतिक पत्रिका कार्यक्रम में ईएनजी यूनिट द्वारा नर्स दिवस, नौसेना अकादमी पासिंग आउट परेड, 'ई' गवर्नेंस का उद्घाटन, वृहद् वृक्षारोपण अभियान आदि की उचित कवरेज की गई ।
- **भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (आईएफएफआई)** : आईएफएफआई के लिए गोवा एक स्थायी आयोजन स्थान है । केंद्र ने राष्ट्रीय नेटवर्क पर कर्टेन रेजर और दैनिक रिपोर्टों के अतिरिक्त उद्घाटन और समापन समारोहों का सीधा प्रसारण किया है ।
- **आजचे पहुने** : विभिन्न संगठनों द्वारा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की सुविख्यात हस्तियों को मेहमान, व्याख्याता, अभिनयकर्ता आदि के रूप में आमंत्रित किया जाता है ।
- **महिला कार्यक्रम** : इस कार्यक्रम में (क) सभी क्षेत्रों की सुविख्यात महिलाओं के साक्षात्कार (ख) महिलाओं के स्वास्थ्य, स्तनपान, पोषण, बाल देखभाल (ग) विवाह, तलाक और विरासत आदि के बारे में कानूनी सलाह के माध्यम से महिलाओं से संबंधित सभी मामलों पर प्रकाश डाला जाता है । ग्रामीण और दूर–दराज के क्षेत्रों से आम महिलाओं को प्रेरित करने के लिए ऊंचे पदों पर आसीन महिलाओं को आमंत्रित किया जाता है ।
- **फुल्टी फुलन (बाल कार्यक्रम)** : पुंडालिक नाइक द्वारा लिखित और बालभवन, मार्सेल द्वारा प्रस्तुत सिंवाचो बाली जैसे बाल कार्यक्रम प्रसारित किए गए जिनमें बच्चों को अंध–विश्वास के बारे में जागरूक किया गया। अंजली अमोनकर द्वारा लिखित और बाल भवन द्वारा प्रस्तुत सालुचो कालू नामक कार्यक्रम, भगवान कृष्ण पर कंसकंदन जैसे बाल टेली नाटक आदि प्रसारित किए गए थे।
- **पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम** : डॉ. सलीम अली पक्षी विहार पर वृत्तचित्र का निर्माण और प्रसारण किया गया जिसमें वन्य जीवन और मैनग्रोव के महत्व पर प्रकाश डाला गया है ।

केंद्र को प्राप्त महत्त्वपूर्ण पुरस्कार :–

केंद्र द्वारा निर्मित 'त्याग' टेलीफिल्म को राज्य सरकार का सर्वोत्म टेलीफिल्म पुरस्कार

दूरदर्शन पुदुच्चेरी

यह केंद्र, जिसका शुभारंभ 15 अगस्त, 1992 को किया गया था, इस समय तमिल भाषा में सोमवार से शुक्रवार तक डेढ़ घंटे (सायं 5.30 बजे से 7.00 बजे तक) के कार्यक्रम प्रसारित करता है । वर्ष 2009–10 के दौरान इस केंद्र ने 14,24,146/– रु. कुल राजस्व अर्जित किया । वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र द्वारा प्रसारित कुछ कार्यक्रम निम्नानुसार हैं:–

- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 12 अगस्त, 2009 को श्री कविक्को अब्दुल रहमान की अगुवाई में क्षेत्र के सुप्रसिद्ध कवियों के साथ तमिल भाषा में "सुदनतीरा धागम" नामक काव्य गोष्ठी की रिकार्डिंग की गई और इसे स्थानीय चौनल तथा डीडी पोढ़िगै उपग्रह चौनल पर भी प्रसारित किया गया ।
- तमिल नव वर्ष, दीवाली, क्रिसमस, नव वर्ष और पोंगल त्यौहारों पर विशेष कार्यक्रम रिकार्ड किए गए ।

दूरदर्शन हिसार

दूरदर्शन हिसार का शुभारंभ 1 नवंबर, 2002 को किया गया था । अपनी स्थापना के 8 वर्षों के दौरान उसने हरियाणा के लोगों की सेवा की है और समाचार अनुभाग शुरू हो जाने के बाद इस केंद्र ने राज्य की सभी महत्त्वपूर्ण घटनाओं की कवरेज की है। इस अवधि के दौरान केंद्र ने विभिन्न स्रोतों से वाणिज्यिक अर्जन के रूप में 16,58,459/– रु. अर्जित किए है (ये आंकड़े डीसीडी की आय से अलग हैं) । वर्ष 2009–10 के दौरान प्रमुख पहलों और विभिन्न यूनिटों की उपलब्धियों सहित केंद्र की गतिविधियां निम्नानुसार है:

- केंद्र ने लाला देशबंधु गुप्ता और हरियाणा के आईटीआई टॉपर श्री सुदल कुमार पर 30 मिनट के वृत्तचित्र का निर्माण और प्रसारण किया।
- केंद्र ने 'मस्ती 2010' नामक 55 मिनट के विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का निर्माण किया, जिसमें हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत पर विशेष प्रकाश डाला गया और नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 31.12.2009 को इसका प्रसारण किया गया।
- केंद्र ने दर्शकों को शिक्षित करने के लिए कुछ विशेष कार्यक्रम भी निर्मित किए जैसे (i) स्वाइन फ्लू पर कार्यक्रम (ii) अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू दिवस पर कार्यक्रम (iii) पर्यावरण पर कार्यक्रम (iv) हरियाणा के सूचना आयुक्त को आमंत्रित करके आरटीआई पर कार्यक्रम।
- वर्ष के दौरान क्षेत्रीय समाचार यूनिट ने जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दो विश्व स्तरीय अनुसंधान उपलब्धियों की विधिवत् रिपोर्टिंग की। एनडीआरआई, करनाल में भैंस के बच्चे का क्लोन तैयार किया गया और इसने हाल ही में अपनी पहली वर्षगांठ मनाई है । इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान विश्व में पहली बार एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया, इसका श्रेय हिसार में एक प्रजनन केंद्र में शुरु की गई इन्विट्रो फर्टिलिटी तकनीक को जाता है । इसके बाद एक 66 वर्षीय महिला द्वारा तीन जुड़वां बच्चों को जन्म दिया गया।
- तथाकथित "ऑनर किलिंग" की बार–बार होने वाली घटनाओं की संजीदगी से रिपोर्टिंग की गई, जिससे ऐसी हत्याओं के खिलाफ जनमत तैयार किया गया।
- दैनिक क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों में भारत निर्माण कार्यक्रम स्कीमों जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, समग्र स्वच्छता, मिड डे मील स्कीम, अल्पसंख्यक कल्याण, सर्वशिक्षा अभियान और ग्रामीण आवास की नियमित आधार पर रिपोर्टिंग की गई। भारत निर्माण कार्यक्रम पर पीआईबी और डीएफपी द्वारा शुरु किए गए अभियान की भी रिपोर्टिंग की गई।

- कई खेल प्रतियोगिताओं विशेषकर महिला हाकी और पुरुष मुक्केबाजी की रिपोर्टिंग की गई । क्षेत्रीय समाचार यूनिट ने ममता सऊदा, जिसे बाद में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना था, पर कुछ कथावृत्त (स्टोरी) भी बनाए थे ।

दूरदर्शन लखनऊ

दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ दिनांक 27 नवंबर, 1975 को देश के टेलीविजन मानचित्र पर 7वें केंद्र के रूप में उभर कर आया था । अपनी शुरुआत से ही इस केंद्र ने राज्य में सामाजिक–आर्थिक विकास की गति तेज करने तथा राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र द्वारा अर्जित किया गया राजस्व 1390.00 लाख रु. (डीसीडी को छोड़कर) है।

वर्ष 2009–10 के दौरान प्रमुख कवरेज/प्रसारणः

- **जून – 2009**

  अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में डीडी–न्यूज के लिए कैम्पस कार्यक्रम की रिकार्डिंग।

- **जुलाई – 2009**

  लखनऊ में आयोजित फेडरेशन कप एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप का डीडी स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण

- **अगस्त – 2009**

  मथुरा में आयोजित जन्माष्टमी महोत्सव का डीडी नेशनल/डीडी न्यूज पर सीधा प्रसारण।

- **अक्तूबर –2009**

  लखनऊ में आयोजित महिला राष्ट्रीय जूनियर हैंड बाल प्रतियोगिता का डीडी स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण।

- **नवंबर –2009**

  हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय जूनियर एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का डीडी–स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण। लखनऊ में आयोजित एशियन टेबल टेनिस प्रतियोगिता का डीडी–स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण।

- **दिसंबर –2009**

  लखनऊ में आयोजित सैय्यद मोदी बैडमिंटन प्रतियोगिता का डीडी–स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण।

- **फरवरी – 2010**

  कानपुर से यूपीए की अध्यक्ष माननीय श्रीमती सोनिया गांधी और रेल मंत्री माननीय ममता बैनर्जी द्वारा कानपुर, लखनऊ, प्रतापगढ़, वाराणसी, इलाहाबाद, गोरखपुर की ट्रेनों का रिमोट द्वारा उद्घाटन। इस पूरे घटनाक्रम का डीडी–भारती और डीडी–न्यूज पर प्रसारण किया गया । दिनांक 12.02.2010 को हरिद्वार कुंभ में शाही स्नान का डीडी–नेशनल पर सीधा प्रसारण किया गया ।

- **मार्च – 2010**

  दिनांक 15.3.2010 और 30.03.2010 को हरिद्वार महाकुंभ में शाही स्नान का डीडी–नेशनल और डीडी–भारती पर सीधा प्रसारण किया गया।

- उपर्युक्त के अतिरिक्त दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ द्वारा आम चुनाव 2009 से संबंधित कवरेज/रिकार्डिंग की गई। राजनैतिक दलों के नेताओं की रिकार्डिंग की गई और सहजता से उनका प्रसारण किया।

पुरस्कार

सर्वोत्तम कार्यक्रम (कल्याणी–।।) के लिए दूरदर्शन पुरस्कार : 2009

दूरदर्शन श्रीनगर

दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर को दिल्ली और मुंबई के बाद देश का तीसरा दूरदर्शन केंद्र होने का गौरव प्राप्त है । इसका शुभारंभ 26 जनवरी, 1973 को किया गया था । इस केंद्र को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा बोली जाने वाली 12 विभिन्न भाषाओं/बोलियों में कार्यक्रम निर्मित करने का भी गौरव प्राप्त है । वर्ष 2009–10 के दौरान इस केंद्र की उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:–

- हज हाऊस, बेमिना, श्रीनगर से दिनांक 29/4/2009 को हज–2009 के लिए लाटरी निकालने का सीधा प्रसारण ।
- लोक सभा चुनाव – 2009 के संबंध में दिनांक 16/5/2009 को लाइव शो ।
- लोक सभा चुनाव पर "जन वाणी" नामक विशेष शो का सीधा प्रसारण जिसे लाइव टिप्पणियों के लिए डीडी–लेह और डीडी–जम्मू से भी जोड़ दिया गया था । दिनांक 15 और 16 मई, 2009 को इस शो का डीडी–न्यूज पर भी साथ–साथ प्रसारण किया गया था ।
- 2 से 6 जून, 2009 तक 8वीं अखिल भारतीय पुलिस जल क्रीडा प्रतियोगिता का आस्थगित प्रसारण।
- दिनांक 20/6/2006 को कश्मीर विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण ।
- सोनमर्ग में दिनांक 5 से 8 अगस्त, 2009 तक द्वितीय कश्मीर कप अंतर्राष्ट्रीय जल राफ्टिंग प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण ।
- अनंतनाग से दिनांक 28/10/2009 को माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा काजीगुंड से बारामुला तक विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ट्रैक का उद्घाटन ।
- दिनांक 6/11/2009 को एसकेआईसीसी, श्रीनगर से सूफी कव्वाली महोत्सव का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 5/3/2010 को "मिले सुर" नामक 2 घंटे के संगीत प्रतिभा खोज शो के भव्य समापन का सीधा प्रसारण ।

दूरदर्शन देहरादून

दूरदर्शन केंद्र, देहरादून ने दिनांक 12 अगस्त, 2001 से कार्य करना आरंभ किया था । इस समय यह केंद्र सोमवार से शुक्रवार तक (सायं 5.00 बजे से 7.00 बजे तक) 2 घंटे का प्रसारण कर रहा है और शनिवार, रविवार को (सायं 6.30 बजे से 7.00 बजे तक) आधे घंटे के कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। यह केंद्र हैलो डीडी, फ्लैगशिप कार्यक्रम, बाल एवं महिला कार्यक्रम आदि प्रसारित कर रहा है ।

- दिनांक 5 मार्च, 2010 को इस केंद्र ने ओएनजीसी ऑडिटोरियम एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया था, जो ओएनजीसी द्वारा प्रायोजित किया गया था ।

दूरदर्शन शांतिनिकेतन

पीजीएफ शांतिनिकेतन ने वर्ष 1998 में काम करना शुरु किया था । 15 नवंबर, 2004 से शांतिनिकेतन केंद्र ने 30 मिनट की अवधि के नैरोकास्टिंग कृषि कार्यक्रम का प्रसारण शुरु किया था । वर्ष के दौरान दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतन ने रवीन्द्रनाथ टैगोर पर निर्मित किए जाने वाले नियमित कार्यक्रमों के अतिरिक्त स्थानीय प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए बडना, पटाटांडी और आदिवासी नृत्य जैसे कार्यक्रमों का निर्माण किया ।

दूरदर्शन जयपुर

प्रतिदिन 30 मिनट के कार्यक्रम के निर्माण के साथ जुलाई, 1987 में राजस्थान के लिए क्षेत्रीय स्थलीय सेवा शुरु की गई थी । इस समय यह केंद्र सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन 4 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित करता है तथा रविवार को इसके प्रसारण की अवधि 90 मिनट है । डीडी–I/डीडी–14 (जयपुर) की पहुंच राजस्थान की 79.3% जनसंख्या तक और 72.4% क्षेत्र तक है। वर्ष 2009–10 के दौरान सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र से केंद्र का सफल राजस्व 3,25,97,663/– रु. रहा है ।

गतिविधियां, प्रमुख पहलें और उपलब्धियां

- वर्ष 2009–10 के दौरान दूरदर्शन ने 2 दिन तक अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। प्रथम दिन सुप्रसिद्ध इतिहासविद् श्रीमती ममता कालिया ने दूरदर्शन और साहित्य पर एक वार्ता प्रस्तुत की तथा जाने–माने हिंदी और संस्कृत के विद्वान डॉ. हरिराम आचार्य ने आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की। अगले दिन शास्त्रीय संगीत पर आधारित 'स्वर वर्षा' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था तथा इसे बनारस घराना के सुप्रसिद्ध गायक पंडित राजन साजन मिश्रा द्वारा आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

- विकास दर्पण और भारत निर्माण नामक हमारे कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही फ्लैगशिप स्कीमों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। केंद्र ने कला क्षेत्र से संबंधित महत्त्वपूर्ण गतिविधियों को कवर करने के उद्देश्य से 'कला परिक्रमा' नामक नया राउंड–अप कार्यक्रम भी शुरु किया है।

- जयपुर दूरदर्शन ने कार्यक्रमों की तीन नई श्रृंखलाएं शुरु कीं । इनका प्रसारण राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी किया गया। इन श्रृंखलाओं में पहली 'अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता' थी । इस कार्यक्रम को 26 कड़ियों में प्रसारित किया गया था। इस कार्यक्रम में रवींद्र जैन, ललित सेन, वसीफुद्दीन डागर, छाया गांगुली और रवि जैसे महान संगीतकारों ने भाग लिया था । इस कार्यक्रम की एंकरिंग पार्श्व गायिका 'पीनाज मसानी' ने की थी।

- जयपुर दूरदर्शन ने "चलें राजस्थान" नामक क्विज शो की विशेष श्रृंखला शुरु की । इसकी 13 कड़ियां प्रसारित की गई। इस श्रृंखला का निर्माण राजस्थान पर्यटन निगम और कला संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से किया गया था । विशेष विषयों पर आधारित इस क्विज शो श्रृंखला में 39 स्कूलों के लगभग 2500 विद्यार्थियों ने भाग लिया था । वर्ष 2009–10 के दौरान 'डेजर्ट कालिंग' नामक पर्यटन पर आधारित एक अन्य कार्यक्रम श्रृंखला का प्रसारण किया गया था। इस श्रृंखला का प्रसारण नेशनल नेटवर्क पर भी किया गया था।

- जयपुर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित की जा रही 'प्रश्नोत्तरी' नामक अत्यधिक लोकप्रिय टी.वी. शो ने 17वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस लंबे टी.वी. क्विज शो को पहले ही लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल कर लिया गया है। अब इसकी 365वीं कड़ी प्रसारित की गई है।

- वर्ष के दौरान जयपुर दूरदर्शन द्वारा नेशनल नेटवर्क पर 'वायुशक्ति 2010' का सीधा प्रसारण किया गया था। इसके अतिरिक्त राजस्थान विधान सभा बजट, ख्वाजा साहिब, अजमेर के 797वें उर्स का भी सीधा प्रसारण किया गया था।

- इस वर्ष एचआईवी एड्स के प्रति जागरुकता पैदा करने के उद्देश्य से बनाई गई 'जिंदगी जिंदाबाद' नामक श्रृंखला प्रशंसनीय रूप से लोकप्रिय हुई है।

- नव वर्ष कार्यक्रम 2010 को नया रूप में प्रसारित करने के प्रयास किए गए। फिल्म अभिनेता 'इरफान खान' विशेष रूप से इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जयपुर आए थे।

- चुनावों के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं के दौरों की कवरेज की गई। इन कवरेजों में से कुछ (।) यूपीए अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी का गंगानगर, उदयपुर और नागौर दौरा (।।) प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जोधपुर और गंगानगर दौरा (।।।) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव श्री राहुल गांधी के दौरे शामिल हैं। हॉट स्विचिंग एरेंजमेंट के माध्यम से न्यूज बुलेटिनों में विभिन्न स्थानों पर चुनावी स्थिति की भी कवरेज की गई।

- वर्ष 2009–10 के दौरान गुर्जर आंदोलन का मामला सुर्खियों में था। इस संबंध में न्यूज यूनिट द्वारा आंदोलन से संबंधित दिन–प्रतिदिन की घटनाओं, प्रशासनिक स्तर पर उठाए गए कदमों और गुर्जर नेताओं तथा प्रशासन के बीच हुई वार्ता की संतुलित कवरेज की गई।

- जयपुर में स्थित इंडियन आयल डिपो की आग दुर्घटना लंबे समय तक पूरे देश में समाचारों की सुर्खियों में थी । इस केंद्र की न्यूज यूनिट ने इस घटना की तत्काल लाइव कवरेज की और कवरेज की फीड बैक डीडी–न्यूज को भी उपलब्ध कराई । कोटा में पुल टूटने की घटना की भी कवरेज की गई और इसकी कवरेज को क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों में शामिल किया गया ।

वार्षिक पुरस्कार

जयपुर दूरदर्शन ने वर्ष 2009 में स्वतंत्र रुप से निम्नलिखित 4 दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार जीते:

शीर्षक	श्रेणी
1. चंदा सेठानी	धारावाहिक एवं सोप ऑपेरा
2. कल्याणी	स्वास्थ्य जागरूकता
3. मिट्टी और पानी की जांच	विज्ञान और प्रौद्योगिकी
4. हांडी रानी का बलिदान	ग्राफिक्स

समाचार

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय समाचार एकांश प्रसारण पुरस्कार, 2009

हिंदी पत्रिका पुरस्कार

विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों द्वारा प्रकाशित की जा रही हिंदी पत्रिकाओं में जयपुर दूरदर्शन की पत्रिका 'मरुदर्शन 2008' ने द्वितीय पुरस्कार जीता ।

दूरदर्शन इंदौर (म.प्र.)

दूरदर्शन केंद्र, इंदौर को पीजीएफ का दर्जा प्राप्त है और यह 7 मई, 2000 को कार्यक्रम निर्माण के लिए अस्तित्व में आया था। दिनांक 3 सितंबर, 2007 से इस केंद्र ने सोमवार से शुक्रवार तक 0530 बजे से 0600 बजे तक आधे घंटे का नियमित प्रसारण शुरु कर दिया था ।

गतिविधियां, प्रमुख पहलें और उपलब्धियां

मालवांचल – प्रत्येक शनिवार को सायं 0415 बजे दूरदर्शन केंद्र, इंदौर के योगदान से मालवांचल कार्यक्रम दूरदर्शन केंद्र, भोपाल से रिले किया जा रहा है । यह कार्यक्रम मालवा और निमाड क्षेत्र में साहित्य, शिक्षा, खेल–कूद, सांस्कृतिक आदि गतिविधियों पर शुरु किया गया है । मालवांचल कार्यक्रम के अतिरिक्त समझदार नारी और कल्याणी नामक कार्यक्रमों का भी दूरदर्शन केंद्र, भोपाल को योगदान दिया जाता है ।

खेल – जूनियर टेनिस चौम्पियनशिप, क्रिकेट आदि जैसी प्रमुख खेल घटनाओं की डीडी–स्पोर्ट्स के लिए सफल कवरेज में योगदान दिया ।

- दूरदर्शन केंद्र, इंदौर को मुख्य अभियंता (उ.क्षे.), टीवीएम, मुंबई द्वारा दो बार पश्चिमी क्षेत्र में सर्वोत्तम अनुरक्षित केंद्र के रूप में नामित किया गया है ।
- केंद्र के दो कार्यक्रमों अर्थात "आकाश होती उम्मीदें" और "एक दिन बोलेंगे पेड़" को युवा श्रेणी के तहत सर्वोत्तम कार्यक्रम के लिए नामित किया गया है ।

दूरदर्शन गुलबर्गा

दूरदर्शन केंद्र, गुलबर्गा का शुभारंभ 3 सितंबर, 1977 को किया गया था । दिनांक 14 अक्तूबर, 1994 को यह केंद्र 30 मिनट के कार्यक्रम निर्माण के साथ पूर्ण इन–हाऊस कार्यक्रम निर्माण केंद्र बन गया था। वर्ष 2009–10 के दौरान इस केंद्र द्वारा 1,35,725/– रु. राजस्व अर्जित किया गया ।

कार्यक्रम गतिविधियां 2009–10

केंद्रीय सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा बासव कल्याण में चलाए गए "भारत निर्माण" अभियान के अंग के रूप में इस केंद्र ने पांच दिवसीय विचार–विमर्श कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इस अवधि के दौरान राज्य सरकार द्वारा घोषित पैकेजों की कार्यक्रमों में व्यापक कवरेज की गई।

क्षेत्र के सामाजिक सांस्कृतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विशेष वृत्तचित्रों का निर्माण किया गया था, जिनमें से प्रमुख हैं:

- **अल्ला अल्लम** : इस वृत्तचित्र में इस क्षेत्र के हिंदू मुस्लिमों के बीच सदभावपूर्ण तरीके से रहकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया है । इस वृत्तचित्र को वार्षिक पुरस्कार प्रतियोगिता के लिए भेजा गया था ।
- **नेला जल** : पृथ्वी और जल। गुलबर्गा जिले की सिंचाई परियोजनाओं पर 8 कार्यक्रमों की श्रृंखला जिसमें अवसंरचना, व्यय और जल के कुशल उपयोग के संबंध में प्रत्येक परियोजना का विस्तृत ब्यौरा दिया गया है।
- **दूरदर्शन स्थापना दिवस** : श्री पी.वी. सतीश, निदेशक, डक्कन विकास समिति और दूरर्शन के पूर्व निर्माता ने "सामुदायिक मीडिया" विषय पर वार्ता प्रस्तुत की तथा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें इस क्षेत्र के तीन जिलों के लोक और शास्त्रीय कलाकार शामिल थे । यह कार्यक्रम दर्शकों को खूब पसंद आया था। **नागे सिंचना** : एक मंच समारोह आयोजित किया गया था जिसमें गुलबर्गा, बीदर, रायचूर और कोप्पल जिलों के ख्यातिप्राप्त हास्य कलाकारों ने भाग लिया ।
- **महिलाओं के कार्यक्रम** : हैदराबाद और कर्नाटक क्षेत्र के लोक पकवानों पर "रुचि" नामक एक श्रृंखला शुरु की गई थी तथा इस श्रृंखला को चांदना चैनल पर भी प्रसारित किया गया। इस अवधि के दौरान महिला सशक्तिकरण, साक्षरता, मां एवं बच्चे के लिए स्कीमों महिला स्वयं सहायता दलों पर कार्यक्रम प्रसारित किए गए थे ।

दूरदर्शन बरेली

दूरदर्शन, बरेली का शुभारंभ 30 जून, 1995 को किया गया था । वर्ष 2009–10 के दौरान इस केंद्र की वाणिज्यिक आय 1,23,968/– रु. था । वर्ष 2009–10 के दौरान दूरदर्शन केंद्र, बरेली ने निम्नलिखित दो सांस्कृतिक समारोह आयोजित किए:

- 30.3.2009 को आमंत्रित दर्शकों के समक्ष दूरदर्शन केंद्र, बरेली का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बरेली जिले के स्वतंत्रता सेनानी सर्वश्री बलवीर सरण, रोशन मसीह चरण, श्रीकृष्ण मित्तल, नरेन्द्र नारायण जोहरी, कृष्ण लाल आनंद, शांति सरण विद्यार्थी, बृज राज सिंह उर्फ आचु बाबू एवं कर्नल अमर बहादुर सिंह को सम्मानित किया गया ।
- इस केंद्र द्वारा आमंत्रित दर्शकों के समक्ष दूरदर्शन का स्वर्ण जयंती समारोह भी आयोजित किया गया था जिसमें रुहेलखंड क्षेत्र की सुविख्यात हस्तियों जैसे श्रीमती ज्ञानवती सक्सेना हिंदी साहित्य के क्षेत्र में, श्री आलोक बैनर्जी संगीत के क्षेत्र में, श्री नक्हट अनवलावी एवं श्री निशान आरशी उर्दू साहित्य के क्षेत्र में (संयुक्त रूप से) सम्मानित किया गया था ।

दूरदर्शन रायपुर

इस केंद्र की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी और इसकी क्षेत्रीय सेवा वर्ष 2002 से शुरु हुई थी । इस समय यह केंद्र सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन 4 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है और रविवार को सायं 6.30 बजे से 8.00 बजे तक 1.30 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है । वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान केंद्र द्वारा अर्जित वाणिज्यिक राजस्व 95,80,492/– रु. है ।

- **"भारत निर्माण" और "भारत में है विश्वास" कार्यक्रम**

  सरकार की स्कीमों पर प्रकाश डालने के लिए इस अवधि के दौरान केंद्र द्वारा क्षेत्रीय नेटवर्क सेवा में आम जनता के लिए नियमित तौर पर विशेष कार्यक्रमों का निर्माण किया गया था ।

- **टेलीफिल्मों/मंच नाटक/लोक गीत एवं नृत्य कार्यक्रमों का निर्माण**

  वर्ष 2009–10 के दौरान इस केंद्र ने बड़ी संख्या मे लोक गीतों और लोक नृत्यों के साथ टेलीफिल्मों/मंच नाटकों का निर्माण और प्रसारण किया ।

- **कल्याणी कार्यक्रम**

  वर्ष 2009–10 के दौरान न केवल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और कल्याणी क्लबों अपितु विभिन्न शहरों के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग्स के माध्यम से कल्याणी कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार किया गया।

दूरदर्शन जलपाईगुड़ी

दूरदर्शन केंद्र, जलपाईगुड़ी अप्रैल, 2000 में शुरु किया गया था । प्रारंभ में इस केंद्र ने ईएनजी आधार पर दूरदर्शन केंद्र, कोलकाता के लिए कार्यक्रम बनाने शुरु किए थे । एक वर्ष के बाद स्टुडियो आधारित रिकार्डिंग शुरु की गई और अब दूरदर्शन केंद्र, कोलकाता के लिए महीने में 25–25 मिनट की अवधि के केवल 2 (दो) कार्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है । इस केंद्र का कवरेज क्षेत्र उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, कर्सियांग से 150 कि.मी. की रेडियल दूरी तक है जिसमें जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर और कूचबिहार जिले शामिल हैं । इसके कवरेज क्षेत्र में बांग्लादेश का एक बड़ा भाग, नेपाल का कुछ भाग और बिहार का कुछ भाग भी शामिल है ।

वर्ष 2009–10 के दौरान इस केंद्र द्वारा कुछ विशेष कार्यक्रमों सहित विभिन्न कार्यक्रमों का निर्माण किया गया जो निम्नानुसार हैं:

- **नाबा आनंदे जागो** : बंगाली नव वर्ष पर विशेष कार्यक्रम ।
- **पीक टु पीक** : हिमालय पर्वतारोहण संस्थान पर विशेष कार्यक्रम ।
- **अट्टर लोको जंतरो** : उत्तरी बंगाल के लोक वाद्य यंत्रों पर वृत्तचित्र ।
- **सबुजेर जानये कबिता** : जंगल में एक कवि मिलता है ।
- **प्रगोतीर पोथे पंचास** : दूरदर्शन के पचास वर्ष पर विशेष कार्यक्रम ।
- **दूरदर्शन डाइरेक्ट प्लस सकल संध्या बारो मास** : दूरदर्शन डीटीएच प्रचार पर विशेष कार्यक्रम।

दूरदर्शन केंद्र, जलपाईगुड़ी ने अपनी कार्य अवधि के इतिहास (अप्रैल, 2000 में शुरु किया गया था) में वर्ष 2009 में डीटीएच के प्रचार पर बंगाली नव वर्ष के अवसर पर अपनी तरह का पहला विशेष बंगाली नव वर्ष कलैंडर प्रकाशित किया है जो इस केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों पर प्रकाश डालता है ।

दूरदर्शन सेवा एवं नेटवर्क

उपग्रह चैनल

दूरदर्शन इस समय 31 उपग्रह चैनल प्रचालित कर रहा है । इनमें 7 अखिल भारतीय चैनल 11 क्षेत्रीय चैनल 12 राज्य नेटवर्क और एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल शामिल है जो नीचे दर्शाए गए हैं:

अखिल भारतीय चैनल (7) :

डीडी नेशनल, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी राज्य सभा, डीडी उर्दू,
डीडी न्यूज, डीडी भारती, डीडी ज्ञानदर्शन।

क्षेत्रीय चैनल (11) :

डीडी केरलम, डीडी उड़िया, डीडी सप्तगिरि, डीडी सह्याद्रि, डीडी पोढिगै, डीडी बांग्ला,
डीडी चांदना, डीडी गिरनार, डीडी कशीर, डीडी पंजाबी, डीडी नॉर्थ–ईस्ट ।

राज्य नेटवर्क (12) :

राजस्थान,	बिहार,	छत्तीसगढ़,	त्रिपुरा
मध्य प्रदेश,	हिमाचल प्रदेश,	हरियाणा,	मिजोरम,
उत्तर प्रदेश,	झारखंड,	उत्तराखण्ड,	मेघालय ।

दूरदर्शन प्रेषित्र

प्रेषित्रों की सख्या

	प्राइमरी चैनल डीडी–1					समाचार चैनल डीडी समाचार				प्रसारण की संपूर्ण अवधि के दौरान डीडी–1 प्रेषित्र क्षेत्रीय कार्यक्रम रिले करते हैं।			
राज्य/केन्द्र शासित	उशप्रे	अउशप्रे	अशप्रे	अअशप्रे	ट्रांसपो	कुल	उशप्रे	अशप्रे	अअशप्रे	कुल	उशप्रे	अशप्रे	अअशप्रे	कुल
आंध्र प्रदेश	9	75	—	1	85	4	6	—	10	—	—	10	10
अरूणाचल प्रदेश	1	3	39	1	44	1	—	—	1	—	—	—	0
असम	4	20	1	1	26	2	1	—	3	—	—	—	0
बिहार	4	32	2	—	38	2	2	—	4	—	—	—	0
छत्तीसगढ़	3	16	8	—	27	1	—	—	1	—	—	--	0
गोवा	1	—	—	—	1	1	—	—	1	—	—	—	0
गुजरात	7	51	—	—	58	4	3	—	7	—	—	3	3
हरियाणा	2	13	—	—	15	1	7	—	8	—	—	—	0
हिमाचल प्रदेश	3	7	39	2	51	2	1	—	3	—	—	0	
जम्मू और कश्मीर	0	7	69	1	87	5	3	—	8	4	8	18	30
झारखंड	3	17	2	—	22	2	2	1	5	—	—	—	0
कर्नाटक	8	47	—	—	55	4	2	—	6	—	—	7	7
केरल	4	20	—	—	24	3	2	—	5	—	—	4	4
मध्य प्रदेश	8	60	6	—	74	4	—	—	4	—	—	—	0
महाराष्ट्र	8	79	—		87	5	10	—	15	—	—	20	20
मणिपुर	2	1	4	—	7	1	—	—	1	—	—	—	0
मेघालय	2	3	2	1	8	2	—	—	2	—	—	—	0
मिजोरम	2	1	2	1	6	1	1	—	2	—	—	—	0
नागालैंड	2	2	6	2	12	1	1	—	2	—	—	—	0
उड़ीसा	5	62		1	68	2	7	2	11	—	—	16	16
पंजाब	4	5	—	1	10	3	—	—	3	—	—	—	0

राजस्थान	7	65	17	2	91	4	4	—	8	—	—	—	0
सिक्किम	1	—	6	—	7	1	—	—	1	—	—	—	0
तमिलनाडु	6	44	—	1	51	2	9	—	11	1	—	7	8
त्रिपुरा	1	5	1	1	8	1	1	—	2	—	—	—	0
उत्तर प्रदेश	1	52	3	—	66	7	10	1	18	—	—	—	0
उत्तरांखण्ड	1	15	33	2	51	1	2	—	3	—	—	—	0
पश्चिमी बंगाल	8	19	—	—	27	4	2	—	6	1	—	1	2
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	1	18	—	20	1	1	6	8	—	—	—	0
चंडीगढ़	—	1	—	—	1	—	—	—	0	—	—	—	0
दादर और नगर	—	1	—	—	1	—	—	—	0	—	—	—	0
दमन और दीव	—	2	—	—	2	—	—	—	0	—	—	—	0
दिल्ली	1	—	—	—	1	1	—	—	1	—	—	—	0
लक्ष्यद्वीप	—	1	1	—	2	—	—	7	7	—	—	7	7
पुदुच्चेरी	1	1	1	—	3	—	1	—	1	—	—	1	1
योग	130	728	260	18	1136	73	78	17	168	6	8	94	108
प्रेषित्रों की संख्या 1416													

अध्याय–5
प्रसार भारती – वित्त और लेखे

लेखांकन प्रणाली और लेखे

1 अप्रैल 2000 से प्रसार भारती ने सरकारी बजट प्रणाली के स्थान पर नई लेखांकन प्रणाली अपनाई है। इसके अंतर्गत प्रसार भारती को केंद्र सरकार से राजस्व व्यय (योजना और गैरयोजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए सहायता अनुदान और पूंजीगत व्यय (योजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए ऋण के रूप में वित्तीय सहायता मिलती हैं प्रसार भारती द्वारा अर्जित किया गया राजस्व, जिसे सरकारी बजट प्रणाली के अंतर्गत पहले भारत सरकार की संचित निधि में जमा करना पड़ता था अब प्रसार भारती के पास ही रहता है। योजना और गैर योजना दोनों मदों में प्रसार भारती के व्यय का एक भाग प्रसार भारती द्वारा अर्जित राजस्व अर्थात् आईईबीआर (बजट के आंतरिक और अतिरिक्त संसाधन) से पूरा किया जाता है।

22 मई 2000 को प्रसार भारती और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके अनुसार प्रसार भारती को मासिक व्यय और आय का लेखा सरकार को प्रस्तुत करना होता है। वार्षिक लेखा विवरणी भी तैयार करके उसकी लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से करवानी पड़ती है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट सहित नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा लेखा परीक्षित प्रसार भारती का लेखा हर वर्ष केंद्र सरकार को भेजना होता है। इसके पष्चात् उसे संसद के दानों सदनों के समक्ष रखा जाता है।

मार्च 2009 के अंत तक प्रसार भारती ने 2006–07 तक का लेखा संसद में रख दिया था। इसके साथ ही प्रसार भारती के लेखे अद्यतन हो जाएंगे। प्रसार भारती का वर्ष 2007–08 का लेखापरीक्षित लेखा संलग्नक 3 में दिया गया है।

प्रोफार्मा एकाउंट

प्रसार भारती के निगम बनने से पहले दूरदर्शन और आकाशवाणी अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों से संबंधित संचालन को दर्शाने के लिए प्रोफार्मा एकाउंट बनाते थे। ये एकाउंट पिछले कई सालों के बकाया थे। इन एकाउंटों को पूरा करने के लिए विशेष जोर दिया गया और आकाशवाणी और दूरदर्शन ने अब 31 मार्च 2000 तक के अपने एकाउंट पूरे कर लिए हैं। आंकड़ों में कुछ विसंगतियां हैं जिन्हें दूर किया जा रहा है।

निगम पर लगने वाले कर

निगम बन जाने के फलस्वरूप प्रसार भारती पर संपत्ति कर, विद्युत उपभोग की बढ़ी हुई दरें, बिजली कर, सड़क कर, प्रवेश कर, चुंगी जैसे राज्य सरकारों और नगर निगमों के विभिन्न कर लगने लगे हैं। इन अतिरिक्त देनदारियों के कारण प्रसार भारती को लोक प्रसारक (पब्लिक ब्रॉडकास्टर) के रूप में अपनी भूमिका अदा करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रसार भारती अधिनियम की धारा 22 के अधीन प्रसार भारती को हुए लाभ पर आयकर या किसी अन्य कर से छूट थी किंतु वित्तीय बिल 2002 में इस छूट को समाप्त कर दिया गया जिसके कारण प्रसार भारती पर आयकर और सेवाकर लगने लगे। प्रसार भारती ने स्वयं को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 ए ए (1) (बी) के साथ पठित धारा 12ए के अधीन सामान्य जनोपयोगी उद्देश्यों की उन्नति के मार्ग में लगे परोपकारी संगठन के रूप में रजिस्टर करा लिया है। इससे वित्तीय बिल 2002 में समाप्त की गई आयकर छूट 1 अप्रैल 2002 से पुनः लागू हो गई। किंतु सेवाकर में इस प्रकार की

छूट नहीं मिल पाई है। प्रसार भारती ने वर्ष 2008–09 में लगभग 92 करोड़ रूपए सेवाकर के रूप में अदा किए।

आंतरिक लेखापरीक्षा

सरकारी बजट प्रणाली में आंतरिक लेखापरीक्षा संबंधी कार्य वेतन एवं लेखा कार्यालयों के माध्यम से मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा किए जाते थे। अपने स्वयं के आंतरिक लेखा परीक्षा ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने तक, जो कि पी ए ओ स्टाफ की सेवाएं, प्रसार भारती में स्थानांतरित होने पर संभव होगा, मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ एक अंतरिम व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत आंतरिक लेखापरीक्षा की वही प्रणाली जारी रहेगी जो प्रसार भारती के निगम बनने से पहले लागू थी। इसके साथ ही प्रसार भारती अब अपने लेखों की आंतरिक लेखापरीक्षा आउटसोर्स के जरिए चार्टरित लेखाकार से कराने का प्रयत्न कर रहा है।

आकाशवाणी

वार्षिक योजना 2009–10

करोड़ रुपए में

क्र सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2009–10 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2009–10 का व्यय (दिनांक 31.3.2010 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियां	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
	वर्तमान स्पिलोवर योजनाएं						
1	जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज	4.00	4.00	3.59	डीजी सैट 1 एम वी ए (3) डीजी सैट 500 एम वी ए (2) एवं यू पी एस–7	खरीद गए–2	जम्मू के लिए दो सैट प्राप्त हुए। श्रीनगर के लिए तीसरे सैट की मूल्य बोली की प्रक्रिया चल रही है। फेस–।। के अंतर्गत आकाशवाणी के लिए खरीद प्रक्रिया पूरी करने हेतु 5.70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रशि की आवश्यकता थी। इसके असश्वासन मिलने की प्रतीक्षा की जा रही थी। प्रसार भारती से अतिरिक्त राशि प्राप्त होने का आश्वासन मिल गया है और डीजी सैट की खरीद के आदेश जारी कर किए गए।
					श्रीनगर (पामपोर) के लिए डीजी सैट 500 एम वी ए (2)–आदेश दिए गए है।	प्राप्त किया गया	एस आई टी सी आधार पर जनवरी 2010 में आदेश दिए गए। डीजी सैट लगा दिया गया है और शुरू हो गया है।
					यू पी एस–7 की खरीद	प्राप्त किया गया	
2	मी. वे. सेवा का विस्तार	0.05	0.13	0.14	योजना पूरी हुई	योजना पूरी हुई	डूंगरपुर में 1 किलोवाट मेगावाट ट्रांसमीटर लगाने का काम पूरा हुआ। केंद्र आरंभ करने के लिए ओ एंड एम स्टॉफ की स्वीकृति प्रतीक्षित है।
3	एफ एम सेवा का विस्तार	42.00	10.00	12.81	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर लगाया–लांगथेराई (इंट सैट अप)	प्राप्त किया गया	1. लांगथेराई में 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (इंट सैट अप)– 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर के साथ अंतरिम सैटअप लगाने का काम पूरा हुआ और परीक्षण कार्य चल रहा है। 100 मीटर टॉवर खड़ा कर दिया गया है। ओ एंड एम स्टॉफ की स्वीकृति प्रतीक्षित है।
					2. 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर–श्रीकाकुलम–ट्रांसमीटर और टावर लगाया गया।	ट्रांसमीटर का स्थान परिवर्तित किया। टॉवर तैयार हो गया है।	ट्रांसमीटर का स्थान बदलकर उसे विजयवाड़ा लगाया गया। विजयवाड़ा में 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर जिसकी 20.10.11 तक प्राप्त होने की आशा है, लगाने के बाद इसे फिर वापिस कर दिया जाएगा।

करोड़ रुपए में

क्र सं.	योजना का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2009–10 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2009–10 का व्यय (दिनांक 31.3.2010 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियां	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					3. करीमनगर में 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर और टॉवर लगाना	ट्रांसमीटर का स्थान परिवर्तित किया। टॉवर तैयार हो गया है।	ट्रांसमीटर का स्थान बदलकर इसे 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर के अंतरिम सैट अप के रूप में रेनबो सेवा के लिए हैदराबाद लगा दिया गया है। 10 किलोवाट ट्रांसमीटर जिसकी 20.10.11 तक प्राप्त होने की आशा है, के प्राप्त हाने और लगाने बाद वापिस कर दिया जाएगा।
					4. 10 किलोवाट ट्रांसमीटर के लिए आदेश देना–41	मुकदमे बाजी के कारण ट्रांसमीटर की खरीद में देरी	ट्रांसमीटर की खरीद में मुकदमे बाजी के कारण देरी हुई। ट्रांसमीटर के लिए औपचारिक कार्रवाई कर दी गई है और इसकी प्राप्ति 2010–11 तक अपेक्षित है।
					5. 20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की खरीद–2	पुनः निविदा मांगी गई।	तकनीकी रूप से निविदा स्वीकार्य न होने पर निविदा मांगी गई। नई निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन पूरा हो गया है। बिक्री प्रस्ताव प्रकियाधीन है।
					6. कूच बिहार में सिविल कार्य और टॉवर लगाने का कार्य पूरा हुआ।	प्राप्त किया गया	
					7. बेलूरघाट में सिविल कार्य पूरा हुआ।	प्राप्त किया गया	
					8. उज्जैन और बागेश्वर में 100 मीटर टॉवर लागने का कार्य पूरा हुआ	प्राप्त किया गया	
4	निर्माण सुविधाओं का डिजीटीलीकरण	2.75	1.29	1.33	डिजिटल कंसोल की खरीद रिकार्डिंग–17 और ट्रांसमीटर कंसोल–17)	आदेश दिए जाने थे।	डिजिटल ट्रांसमीटर कंसोल (17) अंतरित वित्त की सहमति मिलने में देरी हुई। आदेश अब दिए गए हैं। डिजिटल रिकार्डिंग ट्रांसमीटर कंसोल–(17) अंतरिम वित्त की सहमति मिलने में देरी हुई। आदेश अब दिए गए हैं।
5	स्टूडियों सुविधाओं का स्वचालन और विवधि योजनाएं	21.80	6.10	6.10	1. सिल्चर में केपटिव भूकेंद्र उपकरणों के लिए आदेश देना	नई संविदाएं मांगी गई	कोई भी निविदा तकनीकी रूप में स्वकार्य नहीं की गई।
					2. 48 केंद्रों में हार्ड डिस्क पर आधारित वर्क सिस्म की खरीद (हाई एंड सर्वर के एसआईटीसी)	आदेश नहीं दिए जा सकें।	कोई भी निविदा तकनीकी रूप में स्वीकार्य नहीं पाई जाने के कारण देरी। नई निविदाएं मंगाई गई।

करोड़ रुपए में

क्र सं.	योजना का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2009–10 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2009–10 का व्यय (दिनांक 31.3.2010 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियां	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					3. राजकोट–1000 किलोवाट मेगावाट ट्रांसमीटर–ट्रांसमीटर की खरीद	मुकदमें बाजी के कारण देरी	औपचारिक कार्रवाई कर दी गई है और प्रेषण पूर्व निरीक्षण पूरा हो गया है। 2010–11 के अंत तक आने की उम्मीद है।
6	पूर्वोत्तर विशेष पैकेज (पूंजीगत राजस्व)	3.00 40.00	3.00 10.00	10.65	1. 19 स्थानों पर 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर–9 निर्माण स्थानों का अधिग्रहण	वर्तमान वर्ष 5 साइटों पर अधिकार प्राप्त किए।	जुनुबोटो (नागालैंड) साइट का भुगतान किया जा चुका है। अनिनि (अरूणाचल), उखरूल (मणिपुर) ओर तेमंगलोंग (मणिपुर) में भूमि राज्य सरकार द्वारा आबंटित की जानी है।
					2. सिल्चर–5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर –सिविल कार्य पूरा हो गया है।	प्राप्त किया गया।	सिल्चर में 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर मंगवाने के आदेश रद्द कर दिए गए है क्योंकि यह फर्म निरीक्षण हेतु संपूर्ण ट्रांसमीटर देने में असफल रही। इसके लिए पुनः निविदाएं मांगी गई। और मंगवाने के आदेश दे दिए गए। 2010–2011 के अंत तक ट्रांसमीटर प्राप्त होने की आशा है।
					3. गंगटोक–10 किलोवाट	प्राप्त किया गया।	42 ट्रांसमीटरों के प्रस्ताव के भाग के रूप में ट्रांसमीटर की खरीद की जा रही है और 2010–11 के अंत तक इसके प्राप्त होने की आशा है।
					4. चिनसुरा–1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर–सिविल कार्य निर्णित और पूर्ण किया गया। ट्रांसमीटर की प्राप्ति	प्राप्त किया गया।	ट्रांसमीटर की खरीद में देरी हुई चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। औपचारिक कार्रवाई कर दी है और पूर्व प्रेषणी निरीक्षण प्रस्ताव मंत्रालय को अनुमोदनार्थ भेज दिया
					5. डी एस एन जी / एम एस एस टर्मिनल–उपकरणों की खरीद	पुनः निविदाएं मांगी गई।	डी एस एन जी सिस्टम के लिए फर्म ने आफर की वैधता सीमा बढ़ाने से इंकार किया। अतः नई निविदांए
					6. 100 वाट एफ एम रिले ट्रांसमीटर–(100 स्थानों पर) बचे हुए 50 स्थानों पर इसे लगाने का कार्य पूर्ण हुआ (50 स्थानों पर पिछले साल लगा दिए गए थे।	80 जगहों पर लगाए गए है और 10 स्थानों पर लगाए जाने का कार्य प्रगति पर है।	स्थापना स्थल पर सामग्री के परिवहन संबंधी कठिनाई आ रही है क्योंकि यह स्थान अति दुर्गम इलाकों में है। मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड और करबी सहित असम के जिलों में कानून एवं व्यवस्था ठीक नहीं हैं। कई स्थानों पर राज्य के नोडल अधिकारी बदल गए हैं। नए स्थलों की पहचान और चुनाव के कारण भी कार्य में देरी हो रही है।
7	स्टाफ के लिए आवास	0.00	0.00	0.00	दिल्ली	दिल्ली–विकास कार्य के अलावा फेस–I का कार्य पूर्ण हो चुका है। फेस–II कार्य हो रहा है।	

करोड़ रुपए में

क्र सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2009–10 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2009–10 का व्यय (दिनांक 31.3.2010 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियां	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
					चेन्नै	चेन्नै सी एम डी ए (चेन्नै महानगर विकास प्राधिकरण) से भवन योजना का अनुमोदन प्रतीक्षित है।	सी एम डी ए से 158 क्वार्टर निर्माण हेतु योजना अनुमति मांगी गई है। सीएमडीए ने अगस्त 2008 में 1,47,60,000 रू0 प्रति 1000 वर्ग मीटर की दर से विकास प्रभार के अतिरिक्त भुगतान की मांग की थी। चूंकि गुंडी में आकाशवाणी की भूमि सरकारी भूमि है इसलिए इस भूमि को छोड़ने के लिए यह मामला सीएमडीए को भेजा गया था। यद्यपि हमारे सभी प्रयासों के बावजूद तमिलनाडू सरकार और सीएमडीए आई एंड ए प्रभार में किसी भी प्रकार की छूट की हमारी दखल से सहमत नहीं हुई। इसी बीच सितंबर, 09 में स्थानीय आवास एवं शहरी विभाग ने आई एंड ए प्रभार की दरों में एक चौथाई कमी करने की अधिसूचना दी। चूंकि अब 158 क्वार्टरों के स्थान पर 52 क्वाटर निर्माण का प्रस्ताव है। सूचना एवं प्रसारण, आकाशवाणी महानिदेशलय के दिनांक 30.09.2010 के पत्रानुसार मंत्रालय से अनुरोध किया गया है कि 52 क्वाटरों और एक समुदाय के निर्माण हेतु 6,020,84 वर्ग मीटर के कुल प्लिंथ एरिया के लिए नई दरो के अनुसार 250/– रु प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से सीएमडीए को 15,05, 210/– रु. का भुगनान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन करें जिससे योजना अनुमति के लिए नया आवेदन प्रस्तुत किया जा सके।
					मुम्बई	मुंबई – बी एम सी से 2 ब्लॉक के लिए स्थानीय सरकार का अनुमोदन प्राप्त हो गया है। बाकी दो ब्लॉकों की अनुमति प्रतीक्षारत है। नींव का कार्य पूरा हो गया है। सुपर स्ट्रक्चर का कार्य प्रगति पर है।	
					कोलकाता	कोलकाता–के. एम.सी. से योजना का अनुमोदन प्रतीक्षारत है।	के.एम.डी.ए. ने आकाशवाणी को आबंटित भूमि एक पक्षीय रूप से वापिस ले ली। उच्च न्यायालय ने स्टे आर्डर जारी किया है और मामला विचाराधीन है, मामले पर कार्रवाई की जा रही है।

करोड़ रुपए में

क्र सं.	योजना का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		वर्ष 2009–10 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2009–10 का व्यय (दिनांक 31.3.2010 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियां	टिप्पणी
1	2	3		4	5	6	7
	कुल जारी योजनाएं	113.60	34.52	34.62			
	नई योजनाएं						
8	जम्मू एवं कश्मीर फेस–III	100.00	0.10	0.00			
9	साफ्टवेयर का अधिग्रहण (आकाशवाणी समाचार	14.00	0.05	0.00			
10	ट्रांसमीटरों, स्टूडियो, कनैक्टिविटी और डीटीएच चैनलों का डिजीटीकरण,	28.00	0.05	0.05	(क) निम्नलिखित तीन योजनाओं के लिए उपकरण मंगवाने के लिए 54.78 करोड़ रु. की राशि पहले ही फरवरी 2008 में अनुमोदित थी		
					1. पुराने मेगावाट मोबइल ट्रांसमीटरो को स्थान पर 10 किलोवाट मेगावाट के 6 ट्रांसमीटर (19.00 करोड)– उपकरण मंगवाने के आदेश	उपकरण खरीदने के आदेश दिए 2010–11 तक उपकरण मिलने की आशा है।	उपकरण की सपुर्दगी 2010–11 के दौरान संभावित है।
					2. ए स. टी. ए ल. कनैक्टिविटी का प्रतिस्थापन (80 यूनिट) (31.50 करोड) उपकरण मंगवाने के आदेश	पुनः निविदा	कोई भी निविदा तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं पाई गई अतः इसके लिए पुनः निविदा मांगी गई। नई निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन पूर्ण हो चुका है और मुल्य बोली लगाई जानी है।
					3. सी–बैंड आर एन टर्मिनल–44 (4.28 करोड़)	चूंकि फर्म ने ऑफर की वैधता नहीं बढ़ाई इसके लिए पुनर्निविदा मंगाई गई।	चूंकि फर्म ने ऑफर की वैधता नहीं बढ़ाई, इसके लिए पुरर्निविदा मंगाई गई। नई निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन पूर्ण हो चुका है और मुल्य बोली लगाई जानी है।
					(ख) शेष डिजिटलीकरण योजना के लिए ई. एफ.सी. प्रस्ताव का सीसीए अनुमोदन प्राप्त करना।	अनुमोदित	डिजिटलीकरण योजना के लिए 843. 54 करोड़ रु. की राशि सरकार से प्राप्त हुई।
11	डिजीटल द्वारा बाह्य सेवाओं का सुदृढिकरण	3.00	0.01	0.01	डी.आर.एम. से दिल्ली, अलीगढ़ प्रत्येक के लिए 250 किलावाट के 2 एस. डब्ल्यू ट्रांसमीटर परिवर्तित करने के लिए उपकरण की प्राप्ति।	पीएसी आधार पर क्रय अनुमोदन की कार्रवाई की जा रही है।	यह पीएसी मद है, पीएसी आधार पर उपकरण की खरीद संबंधी मंत्रालय का अनुमोदन प्रतीक्षित है।

करोड़ रुपए में

क्र सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		टिप्पणी
		वर्ष 2009–10 के लिए अनुमोदित परिव्यय	व्यय	2009–10 का व्यय (दिनांक 31.3.2010 तक)	वास्तविक लक्ष्य	वास्तविक उपलब्धियां	
1	2	3		4	5	6	7
12	ई–शासन, प्रशिक्षण संसाधन, सुरक्षा, अतिरिक्त कार्यालय आवास, स्टाफ क्वार्टर्स आदि	1.00	0.01	0.01	एस.एफ.सी. प्रस्ताव के लिए अनुमोदन प्राप्त करना।	मंत्रालय द्वारा अपेक्षित उप योजनाओं के लिए अनुमोदन कर कार्रवाई की गई।	मंत्रालय द्वारा अपेक्षित निम्नलिखित उप योजनाओं के लिए एस.एफ.सी. अनुमोदन प्रक्रियाधीन थी और वर्तमान स्थिति इस प्रकार है– 1. आई टी सुविधाओं का ई–प्रशासन एवं उन्नयनः– एस.एफ.सी. प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। इसे मु.का.अधि., प्रसार भारती के अनुमोदन से अभ्युक्ति के लिए परिचालित किया गया है। 2. क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान सहित एस टी आई (टी) एवं एस टी आई (पी) का संवर्धनः– 31.08.2010 को मंत्रालय द्वारा एस.एफ.सी. प्रस्ताव 20 करोड़ रु. की लागत पर अनुमोदित हो गया। सीसीडब्ल्यू के समन्वय से सिविल अपेक्षाओं का निर्णय किया जा रहा है। अनुमोदन प्राप्त हो गया है। 27.09. 2010 को उपकरण की खरीद के लिए ए/ए एवं ई/एस जारी किया। उपकरण विशिष्टताओं का निर्णय लिया गया है। 3. विद्यमान केंद्रों की सुविधाओं में सुधारः– मु.का.अधि. के मूल्यांकन के बाद मंत्रालय भेजा गया। मंत्रालय के निर्देशानुसार यह प्रस्ताव प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदन के लिए भेजा गया। 4. गुवाहाटी में अतिरिक्त कार्यालय आवास एवं स्टॉफ क्वार्टर और श्रीनगर में होस्टल आवास–जून 10 में मंत्रालय द्वारा एस.एफ.सी. प्रस्ताव अनुमोदित किया। गुवाहाटी में स्टॉफ क्वार्टर और श्रीनगर में होस्टल का प्रारंभिक आकलन स्वीकृत हो गया। गुवाहाटी में पूर्वोत्तर अंचल कार्यालय के लिए कार्यालय आवास का आकलन प्रक्रियाधीन है।
13	नई तकनीक और विज्ञान और प्रौद्योगिकी (अनु. एवं विकास)	1.4	1.4	1.40	1. आकाशवाणी की वेबकास्टिंग और पॉड–कास्टिंग सेवाओं के कार्यान्वयन का पहले ही अनुमोदन हो चुका है। 2. एस एंड टी योजना के लिए ई एफ सी अनुमोदन प्राप्त किया जाना।	1. लगाने का कार्य पूर्ण हो गया है। कार्यक्रम संबंधी विकास किया जा रहा है। 2. एस एंड टी योजना के लिए ई एफ सी अनुमोदन प्राप्त हो गया है।	1.वेबकास्टिंग और पॉड कास्टिंग सेवा संबंधी योजना एन.आई.सी. के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। उपकरण लगाने का कार्य पूरा हो गया है। कार्यक्रम संबंधी विकास किया जा रहा है। 2. एस एंड टी योजना के लिए ई एफ सी अनुमोदन प्राप्त हो गया है और 4.1.2010 की उपकरणों की खरीद के लिए ए/ए एवं ई/एस जारी किया गया।
	कुल नई योजनाएं	**147.40**	**1.62**	**1.47**			
	नई योजनाएं	**261.00**	**36.14**	**36.09**			

दूरदर्शन (पूंजीगत योजना)
वार्षिक योजना 2009–10

रुपए करोड़ो में

क्र. सं.	योजना का नाम	स्वीकृत परिव्यय (2009–10) (एसबीजी)	व्यय 2009-10	31.3.10 तक व्यय	वास्तविक लक्ष्य	31.3.10 तक उपलब्धियां	टिप्पणी
	जारी योजनाएं						
1	जम्मू और कश्मीर विशेष योजना (फेस–I)	5.09	6.00	4.81	(i) उ.श.प्रें अमृतसर–1 (डीडी I) एवं डीडी समाचार–स्थायी सैटअप		टॉवर को खड़ा करने में विलंब।
	जम्मू और कश्मीर विशेष योजना (फेस–II)				(ii) जम्मू–I में भू केन्द्र का उन्नयन		उपस्कर की आपूर्ति में विलंब
2	निर्माण सुविधाओं का डिजीटलीकरण और आधुनिकीकरण	20.00	23.00	20.54	विभिन्न स्टुडियो उपस्करों की खरीद	विभिन्न स्टूडियों उपस्कर खरीदे गए।	बहु कैमरा ओ.बी. वैन की खरीद के आर्डर दिए गए।
3	पूर्वोत्तर विशेष पैकेज (फेस–II)	10.95	9.90	9.31	1) कोकराझार–1 में उ.श.प्रे., (स्थासी सैटअप)		भवन एवं टॉवर का कार्य पूर्ण। साइट पर प्रेषित प्राप्त हुए। ट्रांसमीटर की खरीद में विलंब।
					2) वीएलपीटी (नए)–3	2	एक वीएलपीटी के लिए साइट उपलब्ध नही है।
					3) वीएलपीटी (उन्नयन–1)	1	
					गुवाहटी (2 पूर्वोत्तर चैनलों के लिए) में भू केंद्र (उन्नयन)–1	1	
4.	एचडीटीवी मुख्य परियोजना	12.00	9.00	8.67	एचडीटीवी मुख्य परियोजना	एचडीटीवी वैन खरीदी गई। और उपयोग में लाई जा रही है	एचडीटीवी कैक कोडरस और वीसीआर की निविदाएं प्राप्त हुई और प्रक्रियाधीन है।
5.	अन्य स्पिलओवर एक्स योजना अनुमोदित योजनाएं	86.75	67.00	54.84	1. स्टुडियो प्रोजेक्ट		
					1) स्टुडियो जम्मू और चंडीगढ़–II में अतिरिक्त स्टुडियो, लेह–I में स्थायी स्टुडियो सैटअप		भवन निर्माण का कार्य पूरा हो गया है। विभागीय कार्य प्रगति पर है। कुछ उपस्कर खरीदे गए।
					II. एचपीटी परियोजना		
					(1) बिलासपुर–I में नया उ.श.प्रे., बाड़मेर, कनानोर, कुभकोणम और सहस्र–4 में उ.श.प्र. स्थायी सैटअप	2	एक परियोजना के लिए प्रषित्र उपस्कर की खरीद में विलंब। दो परियोजनाओं के टावर कार्य में विलंब।

दूरदर्शन (पूंजीगत योजना)
वार्षिक योजना 2009–10

क्र. सं.	योजना का नाम	स्वीकृत परिव्यय (2009–10) (एसबीजी)	व्यय 2009-10	31.3.10 तक व्यय	वास्तविक लक्ष्य	31.3.10 तक उपलब्धियां	टिप्पणी
					(2) उ.श.प्रे. परियोजनाएं	11+29*	11 उ.श.प्रे. कमीशन किये गये। 29 अतिरिक्त उ.श.प्रे के संस्थापन का कार्य पूर्ण और इनको उपस्कर आपूर्तिदाता साइट पर कमीशन किया जाना शेष है। दो उ.श.प्रे. की साइट का निर्णय किया जाना है।
	कुल जारी योजनाएं	134.79	114.90	98.17			
ख	**नई योजनाएं**						
1	स्टुडियो का डिजीटलीकरण आधुनिकरण, संवर्धन, स्टुडियो/ओ.बी. उपकरणों को बदलना	1.00	0.01	0.00			
2	प्रेषित्रों का डिजीटलीकरण आधुनिकरण, संवर्धन, प्रेषित्रों के उपकरणों को बदलना	1.00	0.01	0.00			
3.	डी टी एच: आधुनिकीकरण, संवर्धन (उपग्रह प्रसारण उपकरणों को बदलना	5.00	0.10	0.58			
4	एचडीटीवी	16.00	1.00	0.00			
5	स्टाफ के आवास, अन्य विविध कार्य	5.00	1.00	0.01			
	नई योजनाओं का कुल जोड़	**28.00**	**2.12**	**0.59**			
	दूरदर्शन योजना का (कुल जोड	**162.79**	**117.02**	**98.76**			

वार्षिक योजना 2009–10 (पूंजीगत)

रूपये करोड़ में

योजना का नाम	स्वीकृत परिव्यय 2009–10	व्यय	31.3.09 तक व्यय	वास्तविक लक्ष्य	31.3.09 तक उपलब्धियां	प्रतिशत	टिप्पणी
जम्मू और कश्मीर विशेष	30.00	30.0	27.87	6742 एपिसोडों का निर्माण और अर्जन	2887 ऐपिसोड		कोई कमी नहीं
पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशेष	34.00	30.00	7.5	6742 एपिसोड का निर्माण और अर्जन	4400 ऐपिसोड	80%	गृह कार्यक्रमों के निर्माण के लिए पूर्वोत्तर केंद्रो में कार्यक्रमों और मानव संसाधनों की की कमी के कारण गिरावट
कुल राजस्व योजना	24.21	0.41	0.00				
कुल जोड़	88.21	50.41	35.37				
दूरदर्शन का कुल जोड़	**251.00**	**167.43**	**133.54**				

31.3.2009 को तुलन पत्र

	अनुसूची संख्या	रुपए 31.3.09 की स्थिति	रुपए 31.3.09 की स्थिति
कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां			
कॉर्पस/पूंजीगत निधि	1		
रिजर्व्स और अधिशेष	2		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	25653027296	23396927395
सुरक्षित कर्जे	4		
असुरक्षित कर्जे	5	91473377260	84267421120
आस्थगित जमा देनदारियां	6		
वर्तमान देनदारियां एवं शर्तें	7	14110021713	12587923669
जोड़		**131236426269**	**120252272184**
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां	8	13888418000	19048902495
चालू पूंजीगत कार्य	8	5804091051	4819431812
निवेश (1) उद्दिष्ट/अक्षय निधि	9		
(2) अन्य	10		
वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम	11	13344628542	13173169202
विविध व्यय			
आय और व्यय लेखा के अनुसार घाटा		98199288676	83210768675
कुल		**131236426269**	**120252272184**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	**25**		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	**26**		

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

वर्ष 2008–09 के लिए आय और व्यय लेखा

	अनुसूची संख्या	रुपये 2008–09	रुपये 2007–08
आय			
बिक्री और सेवा से आय	12	9337228885	9367815867
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	9933300099	8324193840
फीस/अंशदान	14	112262708	13513789
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के निवेश से आय	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	0	0
अर्जित ब्याज	17	1001566914	611666152
अन्य आय	18	582058732	574760954
योग – क		**20966417338**	**18891950602**
व्यय			
स्थापना व्यय	19	13907100467	8761696770
अन्य प्रशासनिक व्यय	20	5805685030	5664652335
कार्यक्रमों से संबंधित व्यय	21	4920212677	4436062364
अनुदान/आर्थिक सहायता पर व्यय	22	0	0
ब्याज	23	4890014008	5126256140
ह्रास		6431925157	6291712000
योग–ख		**35954937339**	**30280379609**
आय से अधिक व्यय के अंतर का शेष (क–ख)		-14988520001	-11388429007
घटा/जमाः– अवधिपूर्व के समायोजन	24		-270300000
जमाः पिछले वर्ष के अग्रेणीत शेष		-83210768675	-71552039668
तुलनपत्र को अग्रेणीत घाटा शेष		**-98199288676**	**-83210768675**
मुख्य लेखांकन नीतियां	**25**		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	**26**		

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

अनुसूचियाँ जो 31.03.2009 के तुलन पत्र का भाग है।

अनुसूची–1 कॉर्पस/पूंजीगत निधि

	रुपये 31.03.09 की स्थिति	रुपये 31.03.09 की स्थिति
वर्ष के प्रारंभ में शेष		
जमाः वर्ष के दौरान सहायतार्थ अनुदान		
कॉर्पस/पूंजीगत निधि शेष		
आय और व्यय लेखा		
वर्ष के अंत में शेष		

अनुसूची–2 आरक्षित एवं अधिशेष

1. पूंजीगत आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान शामिल		
कुल		
2. सामान्य आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान शामिल		
घटा : वर्ष के दौरान घाटा		
कुल		

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/अक्षय निधि

पूंजीगत परिसंपत्तियां/निधियां		
क) निधियों का अर्थ शेष	23396927395	20788421235
ख) निधियों में जमाः पूंजीगत व्यय/अग्रिम : खर्च के लिए कॉर्पस/पूंजीगत निधि से हस्तांतरित राशि	2256099901	2608506160
वर्ष के अंत में निबल शेष (क+ख)	25653027296	23396927395

अनुसूची–4 सुरक्षित कर्जे और उधार		

अनुसूची–5 असुरक्षित कर्जे

1. शाश्वत कर्जे इनके ब्याज को माफ कराने का प्रस्ताव भेज दिया है। अनुसूची–26 लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–4)	42580802000 26825905260	42580802000 23845249120
2. केंद्र सरकार		
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूंजीगत कर्ज	10087470000	8708770000
4. कर्ज चुकौती देय है पर भुगतान नहीं किया गया। इसके ब्याज को माफ करने का प्रस्ताव भेज दिया है। (संदर्भ अनुसूची 26– लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–5)	3053600000 8180000000	2111200000 6489800000
ब्याज पर ब्याज/	745600000	531600000
कुल	**91473377260**	**84267421120**
नोट– एक वर्ष में देय राशि (शून्य)		

हस्ता. बी. एस. लाली मु. का. अधि.	हस्ता. ए. के जैन सदस्य(वित)	हस्ता. शमशेर कौर म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूची–8 नियत परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्य ह्रास		निबल ब्लॉक	
	01.04.06 लागत	वर्ष के दौरान सिविल विंग से परिवर्धन हस्तांतरण	वर्ष के दौरान कटौती हस्तांतरण निपटान / पुनः वर्गीकरण	31.03.08 समाप्त वर्ष को लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31.03.08 की स्थिति	31.03.08 की स्थिति
क. नियत परिसंपत्तियां			**					
1. भूमि	15261168	19592		15280761			15280761	15261168
2. भवन / अन्य	89125526	19449258		108574784	1977003	7208174	101366610	83894355
3. संयंत्र मशीनरी और उपस्कर								
क) स्टुडियो	20802890664	469459919		21272350583	2103762062	16429816870	4842533713	6476835856
ख) ट्रांसमीटर	30629860443	572067473		31201927916	3091589418	24852861257	6349066659	8868588604
ग) मशीनरी / उपस्कर	1509698076	163838952		1673537028	159161755	684100810	989436218	98475902
घ) विद्युत संस्थापन	25864756	9506351		35371107	1224717	3734904	31636203	23354569
4. वाहन	66451774	1906311		68358086	13480986	51305538	17052548	28627223
5. फर्नीचर / फिक्सचर	82121856	16781248		98903104	5657030	24717319	74185785	63061568
6. कार्यालय फिक्सचर	122585118	5864433		128449551	20923740	105972856	22476695	37536002
7. कम्प्यूटर	105164555	12547124		117711679	37142324	137730449	-20018770	4576430
8 अन्य नियत परिसंपत्तियां विभिन्न योजनाओं पर पूंजीगत व्यय	9970061214			9970061214	997006121	8504659636	1465401578	2462407699
वर्तमान वर्ष का योग(क)	63419085151	1271440662		64690525813	6431925157	50802107813	13888418000	19048902495
(ख) प्रमुख कार्य प्रगति पर								
योग (ख)	4819431812	984659239		5804091051			5804091051	4819431812
योग	68238516963	2256099901		70494616864	6431925157	50802107813	19692509051	23868334307
गत वर्ष	65630010803	2608506160		68238516963	6291712000	44370182656	23868334307	

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूचियां जो 31.3.2009 के तुलन पत्र का भाग है। (क्रमशः)

	रूपये 31.3.09 की स्थिति	रूपये 31.3.09 की स्थिति
अनुसूची–6 नियत परिसंपत्तिया		
अनुसूची–7 वर्तमान देनदारियां और उपबंध		
क. वर्तमान देनदारिया		
प्राप्त अग्रिम निक्षेप कार्य के बदले	608759641	477652606
निक्षेप, बयान, जमानती रुपया/प्रतिभूति जमा	460195022	406489650
अन्य वर्तमान देनदारियां–वेतन और मजदूरी इत्यादि से वसूली	2066801	1949598
स्रोत पर काटा गया आयकर/बिक्रीकर विविध ऋण दाता–अन्य मार्च माह का उपार्जित वेतन	910000000	
मुख्यालय पारगत डी.डी.ओ/समायोजन से प्रेषित रुपया	1297687396	1683714295
कुल–क	3278708860	2569806149
ख. व्यवस्था		
स्पेक्टरम/स्पेस सेगमेंट खर्चे के लिए	10711617520	10013717520
अन्य खर्चे के लिए (सीएजी लेखा परीक्षा शुल्क)	119695333	4400000
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियां की टिप्पणी–12)		
कुल–ख	**10831312853**	**10018117520**
योग (क+ख)	**14110021713**	**12587923669**

अनुसूची–9 उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश

1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		
3. अन्य		
योग		

अनुसूची–10 निवेश अन्य

1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित में		
3. अन्य		
योग		

अनुसूची–11 वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम इत्यादि

क. वर्तमान परिसंपत्तियां		
वस्तु सूचियां	71592085	50044924
विविध कर्जदार–सामान	1610600000	1566620019
नकद शेष/अग्रदाय	48069802	43240251
बैंक में शेष राशि अनुसूचित बैंको में		
चालू खातों में	1388254212	81761345
संग्रहण खातों में	545809493	78968934
जमा खाते और अन्य एफ. डी. आर. में	6830456997	8644735725
विभिन्न कार्यालयों में	2546331448	2483289664
अंशदायी भविष्य निधि खातों में	12846860	3967821
योग (क) (संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की)	**13053960897**	**12952628683**

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूचियां जो 31–03–2008 के तुलन पत्र का भाग है

	रुपए 31.3.08 की स्थिति	रुपए 31.3.07 की स्थिति
ख. कर्जे / अग्रिम		
1. कर्जे / अग्रिम		
कर्मचारीगण	91216719	72231334
अन्य विभागीय	154528066	148212914
2. उचंत खाते अग्रिम और नकद माल या कीमत के रुप में वसूल की जाने वाली अन्य राशि		
पूंजीगत खातों पर पूर्व भुगतान		
अन्य		
3. प्राप्त ब्याज		
उद्दिष्ट / अक्षय निधि में निवेश पर		
अन्य निवेशों पर	20410958	
अन्य		
4. आयकर जमा	24511902	96271
योग (ख)	290667645	220540519
योग (क+ख)	**13344628542**	**13173169202**

अनुसूची–12 बिक्री सेवाओं से आय

	रुपये 2008–09	रुपये 2007–08
सेवाओं से आय		
आकाशवाणी और दूरदर्शन विज्ञापन से आय	9336043996	9977182985
घटा–आय एजेंसियो का शेयर		609375000
सी.डी. / वी.सी.डी. की बिक्री	1184889	7882
योग	**9337228885**	**9367815867**

लेखा टिप्पणी की अनुसूची 26 की टिप्पणी 12 देखे

अनुसूची–13 अनुदान / परिदान

जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	711600000	1191300000
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय गैर योजना से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	11371200000	9741400000
जमाः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता	106600000	
घटाः पूंजीगत परिसंपत्ति निधि को हस्तांतरित	2256099901	2608506160
योग	**9933300099**	**8324193840**

अनुसूची–14 फीस / अंशदान

व्यवसायिक / परामर्श सेवाओं की फीस	112262708	13513789
योग	**112262708**	**13513789**

अनुसूची–15 निवेश से आय

	निश्चित धन से निवेश	निवेश अन्य
सावधि जमा पर ब्याज		
योग		

अनुसूची–16 रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय

अनुसूची–17 अर्जित ब्याज

अनुसूचित बैंकों में मियादी जमा से	926375821	487625571
कर्मचारी के अग्रिम इत्यादि जैसे अन्य	41465116	490907
आकाशवाणी व दूरदर्शन की अप्राप्त राशि	33725977	123549674
योग	1001566914	611666152

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूचियां जो 31–03–2009 के आय और व्यय खाते का भाग है

	रुपए 2008-09	रुपए 2007-08
अनुसूची / 18 अन्य आय		
टॉवरों / स्टॉफ क्वार्टरों की फीस सहित अन्य प्राप्तियां	556772655	551442209
परिसंपत्तियों की बिक्री / निपटान से लाभ		
क) मालकीय परिसंपत्तियां	807823	112021
ख) अनुदान या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	146566	1222697
ग) 1.4.2000 से पहले अर्जित परिसंपत्तियां	24331688	21984027
योग	**582058732**	**574760954**

अनुसूची–19 स्थपना और अन्य प्रशासनिक व्यय

	रुपए	रुपए 2008-09	रुपए	रुपए 2007-08
	योजना	गैर योजना	योग	योग
स्थापना व्यय				
क) वेतन और मजदूरी		11580918074	11580918074	7139018278
ख. भत्ते और बोनस		348268970	348268970	331322239
ग. अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान		2214168	2214168	3985459
घ. कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति / सेवांत व्यय / पेंशन आदि पर व्यय		1815119693	1815119693	1124083516
e) कर्मचारी कल्याण व्यय		1493947	1493947	1608864
f) छात्रवृत्ति / वजीफा		5788578	5788578	17935267
g) अन्य (चिकित्सा प्रतिपूर्ति सहित)		153297037	153297037	143743147
योग		**13907100467**	**13907100467**	**8761696770**
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–8)				

अनुसूची–20 अन्य प्रशासनिक व्यय योजना

	रुपए	रुपए 2008-09	रुपए	रुपए 2007-08
	योजना	गैर योजना	योग	योग
बिजली और पावर		1792014865	1792014865	1757779084
जल प्रभार		23749669	23749669	32920583
संयत्र और मशीनरी का बीमा		313485	313485	
संयत्र और मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव		8111782	8111782	23302849
भूमि और भवन का बीमा		132429	132429	
किराया, महसूल और कर		105591644	105591644	115550648
वाहनों की मरम्मत और रख–रखाव		257020788	257020788	272720770
डाक टेलीफोन और संचार प्रभार		128123788	128123788	139694069
प्रिंटिंग और लेखन सामग्री		87595176	87595176	104069257
यात्रा–घरेलू और वाहन व्यय स्थानीय		207449374	207449374	190744596
यात्रा विदेश		5167525	5167525	5885177
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक		11128669	11128669	2200000
आतिथ्य सत्कार व्यय		6299416	6299416	6974506
व्यवसायिक प्रभार		370689193	370689193	361614793
डूबा और संदिग्ध ऋण / अग्रिम के लिए व्यवस्था				
गैर वसूली योग्य राशि–बट्टे खाते में डाली गई				
विज्ञापन और प्रचार		10491417	10491417	6527186
बैंक प्रभार		339783	339783	2383588
उपभोगीय वस्तु एवं आपूर्ति		381012195	381012195	452943233
अन्य प्रशासनिक खर्चे		587574873	587574873	351487742
उपकरण एवं औजार		899179199	899179199	820133774
सेवा कर		923699760	923699760	1017420480
आय कर				
बिक्री कर				
योग		**5805685030**	**5805685030**	**5664352335**

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूचियां जो 31-03-2009 के आय और व्यय खाते का भाग है

	रुपए	रुपए 2008-09	रुपए	रुपए 2007-08

अनुसूची–21 कार्यक्रम संबंधी व्यय

	योजना	गैर योजना	योग	योग
रॉयल्टी		236401725	236401725	310410881
पीटीआई/यूएनआई को भुगतान		134151201	134151201	134938124
कार्यक्रम सोफ्टवेयर खर्चो की कमिशनिंग		654331710	654331710	863663989
पैनम सेटेलाइट व्यय		500493317	500493317	221083998
खेल–कूद आयोजनों पर व्यय		254460118	254460118	258756730
कलाकारों को भुगतान		1125027955	1125027955	816116481
अन्य कार्यक्रम व्यय		519845423	519845423	654410128
जम्मू एवं कश्मीर पैकेज	717051845		717051845	4315933
स्पेकट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार		699865000	699865000	1172366100
राष्ट्रमंडल खेल	78584383		78584383	
योग	**795636228**	**4124576449**	**4920212677**	**4436062364**

अनुसूची–22 अनुदान परिदान आदि पर व्यय

	योजना	गैर योजना	योग	योग
अनुदान पर व्यय		**2008-09**		**2007-08**

अनुसूची–23 ब्याज

	योजना	गैर योजना	योग	योग
		2008-09		**2007-08**
कर्जे पर ब्याज–केंद्र सरकार		1690200000	1690200000	1955600000
शाश्वत कर्ज पर ब्याज		2980656140	2980656140	2980656140
अन्य ब्याज		214000000	214000000	190000000
अन्य प्रभार		5157868	5157868	
कुल ब्याज		4890014008	4890014008	5126256140
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–4 और 5)				

अनुसूची–24 पूर्व अवधि समायोजन

	योजना	गैर योजना	योग	योग
		2008-09		**2007-08**
पूर्व अवधि व्यय–कर्जों पर ब्याज				
पूर्व अवधि उपदान/ऋण की वापसी	62000000		62000000	270300000
पूर्व अवधि आय				
योग	**62000000**		**62000000**	**270300000**
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–1)				

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुसूचियां जो 31–03–2009 को समाप्त वर्ष के लेखे का भाग है।

अनुसूची–25 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. **लेखांकन पद्धति**
   प्रोद्भूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी के आधार पर निगम के लेखों का लेखांकन तैयार किया गया है।

2. **वस्तुसूची का मूल्यांकन**
   भंडार सामग्री और पुर्जों (मशीनी पुर्जों सहित) का मूल्य निर्धारण उनकी कीमत पर किया जाता है।

3. **नियत परिसंपत्तियाँ**
   नियत परिसंपत्तियाँ, में प्रसार भारती को हस्तांतरित परिसंपत्तियों की हस्तांतरण राशि आती है और तदनुरूप जमा राशि में 'शाश्वत ऋण' आता है।
   केंद्र सरकार द्वारा परिसंपत्तियों का हस्तांतरण वास्तविक मूल्यांकन और सत्यापन के अधीन है।
   आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर किए गए पूंजीगत व्यय के संबंध में सभी संबंधित और सह व्यय पूंजीगत है।

4. **मूल्यह्रास पद्धति**
   मूल्यह्रास को आई. एम. जी. की सिफारिशें पर निर्धारित आधार पर परिसंपति के उपयोग काल की दरों पर गणन करते हुए स्ट्रेट लाइन प्रणाली पर चार्ज किया जाता है। तदनुसार, दर जो मान्य है :– भवन 2%, प्रेषित, यंत्र और उपकरण और अन्य नियत परिसंपति–10%, इलैक्ट्रिकल संस्थापना–4%, फर्नीचर और फिक्सचर 6.25% ,वाहन–20%,कार्यालय उपकरण–16.67%, और कंप्यूटर–33.33%।

5. **विदेशी मुद्रा का लेन देन**
   विदेशी मुद्रा का लेन देन का हिसाब लेने देने की तिथि की विद्यमान विनिमय दर पर किया जाता है।

6. **लाइसेंस फीस और परामर्श फीस**
   लाइसेंस फीस और परामर्श फीस को मान्यता प्राप्त होने पर

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

अनुसूचियां जो 31–03–2009 को समाप्त वर्ष के लेखे का भाग है।

अनुसूची–26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

लेखा अनन्तिम है तथा इसकी सीएजी द्वारा लेखा परीक्षा होनी है

1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की स्थापना एक सामान्य लोक उपयोगी संस्था के रूप में की गई हैं, तथा यह 'लाभ के लिए नही संगठन' के अंतर्गत आता है। तदनुसार आम स्वीकार्य लेखा पद्धतियों (जीएपी) और आयकर अधिनियम की धारा 145 के आधार पर यह निगम लेखांकन की रोकड़ या वाणिज्यिक पद्धति अपना सकता है। 31.3.2005 तक संगठनात्मक ढाँचे, पूर्व पद्धतियों और सहज पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले के आधार पर लेखांकन को अपनाया गया। लेखा परीक्षा केंद्रीय राजस्व महानिदेशक के सुझाव पर दिनांक 1.04.2005 से ये लेखे लेखांकन की प्रोद्भूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी पर तैयार किए गए है।

2. आकस्मिक देनदारियां

2.1	एनटिटी जिन्हें ऋण नहीं माना गया, के लिए दावे	शून्य रुपए
2.2	के विषय में	
	• एनटिटी की ओर से दी गई बैंक गारंटियां	शून्य रुपए
	• एनटिटी की ओर बैंक द्वारा क्रेडिट देने का पत्र	शून्य रुपए

3. केंद्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान को आय माना जाता है जिसका उपयोग पूंजीगत परिसंपति निर्माण और राजस्व खर्चो के लिए किया जाता है।

4. सरकार द्वारा मंजूर शाश्वत ऋण पर 7 प्रतिशत की दर से ब्याज देय है। ब्याज की शर्तो को माफ करने के लिए मामला सरकार के साथ उठाया जा रहा है।

5. ऋण की शर्तो के अनुसार सरकार द्वारा 1.4.2000 से 31.3.2006 के दौरान जारी ऋण पर ब्याज की दर 14.5 प्रतिशत है और 2006–07 के दौरान ऋण के निबंधन और शर्तों के अनुसार प्राप्त ऋण के लिए ब्याज की दर 11.5 प्रतिशत सालाना है। तथापि ऋण को ब्याज मुक्त करने का निगम का अनुरोध सरकार के पास लंबित है।

6. केंद्र सरकार द्वारा खाता मूल्य पर प्रसार भारती को हस्तांतरित नियत परिसंपत्तियों की राशि मुख्य लेखा नियंत्रक के पत्र संख्या–सीसीए/आई एण्ड बी/2002 दिनांक 3.09.2002 पर आधारित मानी गई है, तथा यह वास्तविक सत्यापन और मूल्यांकन के अधीन है।

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

अनुसूचियां जो 31–03–2009 को समाप्त वर्ष के लेखे का भाग है।

अनुसूची–26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

7. कर प्रणाली
प्रसार भारती को आयकर अधिनियम की धारा 12 एए के अंतर्गत आयकर में छूट प्राप्त है।

8. प्रसार भारती द्वारा अवकाश वेतन और कर्मचारियों के पेंशन संबंधी लाभों को भारत सरकार को भुगतान किया जाता है। क्योंकि प्रसार भारती की ओर से भारत सरकार को निगम में हस्तांतरित करने की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है।

9. अन्तर्कार्यालय लेनदेन खाते
सामान्यतया इन खातों में भिन्नता वित्त वर्ष के समापन में पारगमन काल में धन भेजने को दर्शाती है। तदनुसार इन्हें लेखा में इसी तरह दर्शाया जाता है।

10. डिपोजिट वर्क्स
कार्य के व्यय के लिए समायोजन के बाद पार्टियों से डिपोजिट वर्क्स के लिए प्राप्त राशि इस शीर्ष में रखी जाती है।

11. प्रसार भारती के लेखे की लेखा परीक्षा के लिए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की फीस की व्यवस्था लेखा में की गई है।

12. 13 महीनों के वेतन व्यय को मार्च के महीने में प्रोद्भूत वेतन के रूप में दर्शाया गया है।

13. निगम द्वारा कानूनी कार्रवाई आरंभ करने के संबंध में संदिग्ध ऋण के लेखे में कोई प्रावधान नही है क्योंकि वर्तमान स्थिति में संदिग्धता की सीमा को जाना नहीं जा सकता

14. स्पेस सेंगमेंट प्रभार का प्रावधान अनुमान के आधार पर किया गया है। तथापि बिलों/इंटीमेशन के लिए क्रमशः 316.63 करोड़ रु. और 315.93 करोड़ रु. स्पैक्ट्रम और स्पेस सैगमेंट चार्ज के रूप में संबंधित विभागों से प्राप्त किए गए।

15. इस वर्ष से अनुसूचित बैकों से प्रोद्भूत ब्याज को दर्शाया गया।

16. 6.20 करोड़ रु. के रिफंड को असुरक्षित ऋण देनदारियों के अंतर्गत पूंजीगत ऋण के समक्ष पूर्वावधि समायोजन के रूप में दशार्या गया है।

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

I	वर्ष 2008–09 का प्राप्ति खाता	योग		वर्ष 2008–09 का भुगतान खाता	गैर योजना	योजना	योग
	अर्थ शेष		I	व्यय			
	क) नकद रोकड़	4486510		**क) संस्थापना खर्चे**	11231615512		11231615512
	ख) बैंक शेष	0		ब्यौरा संलग्नक 1 के अनुसार)			
	1) चालू खाते में	0		**ख) प्रशासनिक व्यय**	4858352562		4858352562
	प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	600805539		ब्यौरा संलग्नक 2 के अनुसार)			
	दूरदर्शन खाता (11084200090)	99246		**ग) कार्यक्रम संबंधी व्यय**	3426242489	704443273	4130685762
	आकाशवाणी खाता(11084233414)	78869688		ब्यौरा संलग्नक 3 के अनुसार)			
	व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	1882484125		**घ) अनुदान/परिदान पर व्यय**			
	एस बी आई (11084239041)	63373997		1) संस्थानों को दिया गया अनुदान			
	कैनरा बैंक खाता (1730)	16096699		2) संस्थानों को दी गई परिदान राशि			
	इंडियन ओवरसीज़ खाता (7430)	2060683		3) अंतर चालू खाते में निधि			
	बैंक ऑफ इंडिया (12255)	229966		हस्तांतरण			
	2) जमा खाते में (सावधि जमा)	8561735007	II	**प्रसार भारती द्वारा चालू खाते में**			
	3) सी. पी. जमा खाते	3967821		**फंड का अंतर्हस्तांतरण**			
	ग) अग्रदाय खाता	38753741		1) प्रसार भारत को	9674110044		9674110044
II	प्राप्त अनुदान			2) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय को	24273832507		24273832507
	क) भारत सरकार से						
				3) आई.ई.बी.आर. (एच.बी.ए.) को	40689560		40689560
	1) पूंजीगत						
				4) सी.पी.एफ. कटौती को	2028909		2028909
	2) राजस्व योजना	711600000	III	**जमा की गई राशि अपने धन से**	304366561		304366561
	गैर योजना	9573100000		(निवेश/अन्य एफ.डी.आ.)			
	राष्ट्रमंडल खेल	106600000					
	3) अन्य मंत्रालय विभाग		IV	नियत परिसंपत्तियों और पूंजी पर व्यय			
				कार्य प्रगति पर			
III	प्रचार भारती मुख्यालय द्वारा चालू			क) नियत परिसंपत्तियों का क्रय	51601729	1171358900	1222960629
	खाते में अंतर्हस्तांतरण			(ब्यौरा संलग्नक 4 के अनुसार)			
	क) प्रसार भारती से प्राप्त निधि	23653664163		ख) पूंजी पर व्यय कार्य प्रगति पर			
	ख) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय	10542798609		1) प्रमुख कार्य		549807903	549807903
	ग) सी.पी.एफ.						
	घ) एच.बी.ए. की कटौती और अन्य अग्रिम	9672244		2) विविध काग्र योजना		434851336	434851336
IV	प्राप्त ब्याज		V.	**अधिशेष धन/ऋण की वापसी**			
	क) बैंक में जमा पर (एफडीआर)	905964863		क) भारत सरकार को (पूंजी कर्ज)	62000000		62000000
				ख) प्रसार भारती मुख्यालय को	603529804		603529804
	ख) ऋण और अग्रिम आदि						
	1) कर्मचारियों से	17687069					
	2) अन्य	23778047	VI	**वित्त प्रभर (ब्याज)**			
				क) सरकार से ऋण पर			
	ग) बकाया देय राशि पर देय ब्याज	11062612		ख) अन्य ऋण			

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा (क्रमशः)

V	अन्य आय		VII.	अन्य भुगतान	गैर योजना	योजना	योग
	1) आ./दू. के क्वा. का किराया/ला.	46453687		क) एसडी/ईएम की वापसी	104734558		104734558
	2) आ./दू. के टॉवरों की ला. फीस	484294215		ख) डिपोजिट कार्य पर व्यय	502082963		502082963
	3) परि. सं. के वि./निपटान का लाभ			ग) पार्टियों को अग्रिम	6315152		6315152
	(i) अपनी परिसंपत्तियां	807823					
	(ii) सरकारी अनुदान से प्राप्त की	146566					
	गई परिसंपत्तियों			घ) स्टाफ को अग्रिम			
	(iii) विविध आय (1.4.200 से	24331688		i) गृह–निर्माण अग्रिम	2998829		2998829
	पहले प्राप्त की गई परि.)			ii) मोटर साइकिल अग्रिम	4545225		45452250
				iii) मोटर कार अग्रिम	5063600		5063600
	घ) अन्य	26111114		iii) कंप्युटर अग्रिम	5407650		5407650
				v) साईकिल/मोपेड अग्रिम	96100		96100
VI	उधार ली गई राशि			vi) अन्य अग्रिम	8683183		8683183
	क) सरकार से पूंजीगत ऋण	2383100000		ङ) आय कर	24501992		24501992
				च) सेवा कर	923699760		923699760
VII	विक्रय से आय			छ) बैंक प्रभार	339783		339783
	क) वाणिज्य प्राप्तियां:			ज) अन्य	37036656		37036656
	आकाशवाणी	1944157548					
	दूरदर्शन	7370569832	VIII.	सरकारी व्यापार से प्राप्तियों पर खर्च			
				मंत्रा./वि. के अनुसार ब्यौरा			
	ख) सी. डी./वी.सी.डी. की बिक्री	1184889					
			IX.	इतिशेष			
VIII	सेवाओं से आय			क) नकद रोकड़	6002038		6002038
	1) व्यवसायिक/परामर्श सेवाएं	7163692					
				ख) बैंक शेष			
IX	अन्य प्राप्तियां			(1) चालू खाते में			
	क) प्रतिभूति जमा/बयाना राशि	158439930		प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	295917144		295917144
				दूरदर्शन खाता (503120)	419183141		419183141
	ख) डिपोजिट कार्य	633189998		आकाशवाणी खाता (503122)	126626352		126626352
	ग) i) गृह निर्माण अग्रिम	2117928		व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	2250414304		2250414304
	ii) कार अग्रिम	1205549		एस बी आई (578651)	910633134		910633134
	iii) कंप्यूटर अग्रिम	959496		केनरा बैंक (1730)	476643342		476643342
	iv) मोटर साइकिल अग्रिम.	2023170		इंडियन ओवरसीज बैंक (7430)	729933		729933
	v) साइकिल/मोपेड अग्रिम	169281		बैंक ऑफ इंडिया (12255)	247803		247803
	vi) अन्य अग्रिम	1333778					
	घ) इयरमार्कड फंड सीपी फंड	2146112		2) जमा खाते में एफ. डी. आर.	6506717312		6506717312
	ङ) अन्य	105099016					
				3) सी.पी. फंड खाता **(30234030526)**	12846860		12846860
X	सरकारी व्यापार से प्राप्ति						
	मंत्रा./वि. के अनुसार ब्यौरा			क) अप्रदाय खाता	42067764		42067764
XI	एफ. डी. आर	63627594					
	योग	**70067523535**		**योग**	**67207062123**	**2860461412**	**70067523535**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा (क्रमशः)

संलग्नक–I

1	स्थापना खर्च	गैर योजना	योजना	योग
	क) वेतन और मज़दूरी (मानदेय/एलटीसी/टीएफ सहित)	10659728909		10659728909
	1) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	135397004		135397004
	ख) समयोपरि भत्ते/स.शि. भत्ते और बोनस	347815671		347815671
	ग) अ.भ. निधि में अंशदान (यदि कोई है)	2214168		2214168
	घ) स्टाफ कल्याण व्यय	1493947		1493947
	ङ) अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान सहित	17019693		17019693
	कर्मचारियों के सेनानिवृत्त और सेवांत लाभ			
	च) स्थापना पूंजीगत	52216202		52216202
	छ) अन्य	15729918		15729918
	योग	**11231615512**		**11231615512**

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा (क्रमशः)

संलग्नक–II

	गैर योजना	योजना	योग
2 अन्य प्रशासनिक व्यय			
क) स्वदेश यात्रा व्यय	199054882		199054882
ख) विदेश यात्रा व्यय	5167525		5167525
ग) किराया और कर	105591644		105591644
घ) विज्ञापन और प्रचार	10491417		10491417
ङ) व्यावसायिक प्रभार, सशस्त्र गार्ड आदि	369747693		369747693
च) छात्रवृत्ति/वजीफा	5788578		5788578
छ) आपूर्ति और सामग्री	321902918		321902918
ज) वाहन मरम्मत और अनुरक्षण	255548224		255548224
झ) विद्युत शुल्क और अनुरक्षण	1791304665		1791304665
ण) जल शुल्क और अनुरक्षण	23749669		23749669
त) डाक खर्च	17167117		17167117
थ) दूरभाष एवं संचार			
(i) लैंडलाइन	104030399		104030399
ii) मोबाइल	6926272		6926272
द) आतिथ्य एवं सत्कार व्यय	6295416		6295416
ध) पी एंड एम पर बीमा	313485		313485
न) भूमि एवं भवनों का बीमा	132429		132429
प) लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक	7092507		7092507
फ) प्रिंटिंग और लेखन सामग्री	83859007		83859007
ब) अप्राप्य शेष–बट्टे खाते	1219348		1219348
भ) डूबा एवं संदेहात्मक उधार/अग्रिम के लिए प्रावधान	30683		30683
म) खरीद (भंडार)	21547161		21547161
य) माइनर वर्क्स	540870009		540870009
र) मशीनरी एवं उपस्कर, टूल प्लांट्स	357571147		357571147
ल) उपभोज्य लेखा	59109277		59109277
व) स्थानीय परिवहन	7674276		7674276
श) पूंजीगत परिसंपत्तियों एवं अनुरक्षण	8111782		8111782
ह) अन्य	548039877		548039877
योग	**4858337407**		**4858337407**

हस्ता.	हस्ता.	हस्ता.
बी. एस. लाली	ए. के जैन	शमशेर कौर
मु. का. अधि.	सदस्य(वित)	म.प्र. (ब. एवं ले.)

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा (क्रमशः)

संलग्नक–III

		गैर योजना	योजना	योग
3	**कार्यक्रम व्यय**			
	क) रोयल्टी	236401725		236401725
	ख यूएनआई / पीटीआई को भुगतान	134151201		134151201
	ग) कार्यक्रमों की कमीशनिंग	654205210		654205210
	घ) पेनम उपग्रह व्यय	500493317		500493317
	ङ) खेल गतिविधियों पर व्यय	254460118		254460118
	च) कलाकारों को भुगतान	1125027955		1125027955
	छ) जे एंड के पैकेज		625858890	625858890
	ज) राष्ट्रमंडल खेल (अनुलग्नक–1)		78584383	78584383
	झ) अन्य	521502963		521502963
	योग	**3426242489**	**704443273**	**4130685762**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

संलग्नक–IV

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा (क्रमशः)

	गैर योजना	योजना	योग
4 नियत परिसंपत्तियों की खरीद			
i) भूमि	18753	18753	
ii) भवन			
(1) स्टूडियो		449347751	449347751
(2) प्रेषित्र			
क) सामन्य		292723361	292723361
ख)जम्मू और कश्मीर		79600577	79600577
ग)उत्तर–पूर्व		175235549	175235549
(3) कार्यालय		4508186	4508186
(4) अन्य		13959790	13959790
iii) प्लांट मशीनरी तथा उपस्कर			
क) सामान्य		145944227	145944227
ख) जम्मू और कश्मीर		9526704	9526704
ग) उत्तर–पूर्व		494002	494002
iv) वाहन			
क) ट्रक, जीप तथा वैन	467273		467273
ख) मोटर कार	1343910		1343910
ग) मोटर साईकिल/स्कूटर तथा तिपहिया			
घ) रिक्शा/साइकिल	13460		13460
v) फर्नीचर/फिक्सर			
क) कैबिनेट, अलमारी, फाईल रैक	4149070		4149070
ख) एसी/ए सी प्लांट	1055211		1055211
ग) एयर कूलर्स	724078		724078
घ) वाटर कूलर	1004204		1004204
ङ) मेज/कुर्सी/सोफा/कारपेट	5431973		5431973
च) लकड़ी के पार्टीशन	255874		255874
छ) वोल्टेज स्टेबलाइजर/यूपीएस प्रणाली	622289		622289
ज) अन्य	3874833		3874833
vi) कार्यालय उपस्कर			
क) टाईपराइटर	131391		131391
ख) फोटोकोपियर/डुप्लीकेटर	2561352		2561352
ग) फैक्स मशीन	1245729		1245729
घ) अन्य	619511		619511
vii) कंप्यूटर्स/पेरीफैरल्स			
क) कंप्यूटर्स	9718908		9718908
ख) प्रिंटर्स	2290684		2290684
ग) फ्लापी	67798		67798
घ) सी. डी.	1935812		1935812
ङ) सॉफ्टवेयर	1611856		1611856
च) अन्य	120703		120703
viii) इलैक्ट्रिकल संस्थापन			
क) इलैक्ट्रिकल मशीनरी	1375960		1375960
ख) इलैक्ट्रिकल लाइट/पंखे	112624		112624
ग) स्विचगीयर उपकरण	6549715		6549715
घ) ट्रांसफार्मर	174988		174988
ङ) इलैक्ट्रिक वायरिंग एवं फिटिंग्स	709623		709623
च) अन्य	176179		176179
ix) पुस्तकालय की पुस्तकें	854982		854982
x) ट्यूब वैल तथा जल आपूर्ति प्रणाली	148055		148055
xi) मध्यस्थता प्रभार	2253684		2253684
योग	**51601729**	**1171358900**	**1222960629**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित्त)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

अनुलग्नक–I

वर्ष 2008–09 का प्राप्ति और भुगतान लेखा (क्रमशः)

	रूपए		
राष्ट्रमंडल खेल	गैर योजना	योजना	योग
अंतर्राज्यीय यात्रा व्यय		6263977	6263977
प्रकाशन और लेखन सामग्री		3128135	3128135
विज्ञापन और प्रचार		2992398	2992398
कार्यालय उपस्कर		2679327	2679327
तकनीकी उपस्कर		47473447	47473447
अन्य खर्चे		16047099	16047099
योग		**78584383**	**78584383**

हस्ता.
बी. एस. लाली
मु. का. अधि.

हस्ता.
ए. के जैन
सदस्य(वित)

हस्ता.
शमशेर कौर
म.प्र. (ब. एवं ले.)

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

आकाशवाणी

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

Public Printing (Delhi) Service